Teach Yourself Samskrit

संस्कृतस्वाध्यायः

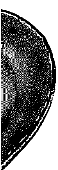
प्रथमा दीक्षा

वाक्यव्यवहारः

सम्पादकः
वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री



राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम्
नव देहली



Teach Yourself Samskrit

संस्कृत-स्वाध्यायः

प्रथमा दीक्षा

वाक्यव्यवहारः

सम्पादकः
वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री



राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
मानितविश्वविद्यालयः
नवदेहली

प्रकाशकः - कुलसचिवः
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्
(मानितविश्वविद्यालयः)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल् एरिया
जनकपुरी, नवदेहली - 110 058
दूरभाषः 28524993, 28521994, 28524995, 28520977
टेलीफैक्सः 28524532, 28524387, 28520976
E-mail: rsks@nda.vsnl.net.in
rskssale@yahoo.com
website: www.sanskrit.nic.in

प्रथमसंस्करणम् - जनवरी, २००२ - १,००० प्रतयः
प्रथमपुनर्मुद्रणम् - अगस्त्, २००२ - ४,००० प्रतयः
द्वितीयपुनर्मुद्रणम् - अगस्त्, १००३ - १,००० प्रतयः
तृतीयपुनर्मुद्रणम् - नवम्बर, २००३ - ३०,००० प्रतयः
चतुर्थपुनर्मुद्रणम् - दिसम्बर, २००३ - २०,००० प्रतयः
पञ्चमपुनर्मुद्रणम् - मार्च, २००४ - ५०,००० प्रतयः
षष्ठपुनर्मुद्रणम् - दिसम्बर, २००७ - २०,००० प्रतयः
सप्तमपुनर्मुद्रणम् - जुलै, २००९ - ५,००० प्रतयः
अष्टमपुनर्मुद्रणम् - सितम्बर, २०१० - ५,००० प्रतयः
नवमपुनर्मुद्रणम् - दिसम्बर, २०११ - ७,००० प्रतयः
दशमपुनर्मुद्रणम् - सितम्बर, २०१२ - १०,००० प्रतयः

ISBN -81-86111-00-X

मूल्यम् - 200/-रूप्यकाणि (गुच्छस्य)

मुद्रकः
ग्राफिक् वर्ल्ड
1659-62 दखणीरायमार्गः,
दरियागञ्ज, देहली - 110 002
E-mail: graphicworld@rediffmail.com

संस्कृतस्वाध्यायः

प्रथमा दीक्षा

मार्गदर्शकसमितिः

प्रो० श्रीधर वसिष्ठः
श्री चमू. कृष्णशास्त्री
श्रीमती शशिप्रभा गोयल
डा० विश्वासः

प्रो० के. वि. रामकृष्णमाचार्यः
डा० चाँद किरण सलूजा
श्री जनार्दन हेगडे
डा० रा. देवनाथन्

सहसम्पादकाः

ललित कुमार त्रिपाठी
वाई.एस. रमेशः
सुकान्त कुमार सेनापतिः
वनमाली बिश्वालः

सहयोगिनः

चित्रकारः - कल्लोल मजूमदार
चित्रसज्जाकारौ - ब्रह्म बसेटिया
विजय बसेटिया

सहचित्रकारः - भास्कर सिन्हा
अक्षरसंयोजकः - जवाहर लाल गुप्त

परिचय

संस्कृत भाषा एवं उसमें निहित ज्ञान भण्डार भारत के लिए गौरव का विषय है। संस्कृत विश्व के प्राचीनतम लिखित साहित्य वेदों की भाषा होने के साथ-साथ भारत में बौद्धिक विचारों को व्यक्त करने का एवं शिक्षा का एक सशक्त माध्यम रही है। शिक्षा-क्षेत्र में अंग्रेजी के माध्यम-भाषा बनने के बाद औपचारिक शिक्षण-प्रसंग में संस्कृत भाषा की अवनति तो हुई परन्तु अभी भी भारतीय समाज के अन्तर्मन में संस्कृत के प्रति अगाध आकर्षण एवं अनुराग है। भारतीय समाज संस्कृत को राष्ट्र की प्रगतिशील भाषा एंव एकता का प्रतीक मानता है। अतः इसके प्रचार-प्रसार को राष्ट्रहित में अनिवार्य समझा जाता है।

'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान' संस्कृत विद्या एवं सस्कृत भाषा के विश्वस्तरीय प्रचार-प्रसार की दिशा में भारत की श्रेष्ठतम एवं विशालतम संस्थाओं में अन्यतम है। संस्कृत विद्या के उच्चस्तरीय ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के बहुमुखी आयामों का एक अङ्ग है। जनसामान्य संस्कृतभाषा के क्रमिक अध्ययन हेतु इस संस्था से उत्कृष्ट सामग्री की अपेक्षा वर्षों से करता आ रहा है जिसकी पूर्ति हेतु संस्थान ने एक महत्त्वाकांक्षिणी तथा दूरगामिनी योजना **'संस्कृत-स्वाध्याय'** की सङ्कल्पना की है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य संस्कृत भाषा के स्वतः अध्ययन हेतु क्रमिक सामग्री का लेखन तथा सम्पादन कर विविध माध्यमों से प्रकाशन करना है। इस सामग्री का भाविष्य में दूरस्थ-शिक्षण एवं सान्ध्य-कक्षाओं में उपयोग के साथ-साथ अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण एवं अन्य संस्थाओं की पाठ्य-सामग्री या सहायक पाठ्यसामग्री के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। 'संस्कृत-स्वाध्यायः' के नाम से सङ्कल्पित इस अध्ययन-साम्रगी को पाँच भागों में विभक्त किया गया है जिसका संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है-

पञ्चस्तरीय पाठ्यक्रम (संक्षिप्त परिचय)

पाठ्यक्रम	उद्देश्य
प्रथमा दीक्षा (प्रथम स्तर) **व्यवहारवतरणी**	➤ इसका उद्देश्य दैनन्दिन व्यवहारोपयोगी संस्कृत में बोलने, लिखने तथा पढ़ने की प्रारम्भिक क्षमता का विकास करना है।
द्वितीया दीक्षा (द्वितीय स्तर) **व्यवहारावगाहनी**	➤ इसका उद्देश्य व्यावहारिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सभी प्रकार के भावों को संस्कृत में अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास करना है।
तृतीया दीक्षा (तृतीय स्तर) **काव्यावतरणी**	➤ इसका प्रमुख उद्देश्य अध्येता की भाषा को परिष्कृत करते हुए संस्कृत के सरल काव्यों के समझने की सामर्थ्य का विकास करना है।
चतुर्थी दीक्षा (चतुर्थ स्तर) **काव्यावगाहनी**	➤ इस स्तर में उच्चस्तरीय संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत काव्यों के अध्ययन के द्वारा अध्येता की भाषा को साहित्य लेखन एवं अभिभाषण की दृष्टि से विकसित करना है।
पंचमी दीक्षा (पंचम स्तर) **व्युत्पादिनी**	➤ इस स्तर के माध्यम से भाषीय प्रयोग कौशल के साथ काव्य एवं शास्त्र के गंभीर अध्ययन हेतु पृष्ठभूमि के रूप में आवश्यक व्युत्पत्ति का विकास करना है।

प्रथमस्तरीय संस्कृत शिक्षण

अर्हता

यह पाठ्यक्रम अध्यापक के बिना संस्कृत सिखाने के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे पढ़ने के लिए संस्कृत का प्राथमिक ज्ञान होना आवश्यक नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्णशिक्षण तथा लिपिशिक्षण से लेकर संस्कृत में बेहिचक बोलने, लिखने तथा पढ़ने की शिक्षा देता है। इससे आप संस्कृत साहित्य की रचनाओं को भी आंशिक रूप से समझना प्रारम्भ कर देंगे।

यदि आपके मन में यह धारणा है कि हम संस्कृत पढ़ना तो चाहता हैं पर प्राथमिक संस्कृत तो हमने प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ ली है। कुछ संस्कृत आती भी है। तो फिर हम किस पाठ्यक्रम को पढ़ें? क्या प्रथम स्तर से प्रवेश लें या अगले (द्वितीय) स्तर से प्रारम्भ करें तो

आप हमारे निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए

1. क्या आपको संस्कृत वर्णमाला आती है? 2. क्या आपको देवनागरी लिपि आती है? 3. क्या आप सरल संस्कृत में लिखे हुए वाक्यों को समझ सकते हैं? 4. क्या आप अपने भावों को सरल संस्कृत में व्यक्त कर सकते हैं? 5. क्या संस्कृत में बिना त्रुटि के अपने विचारों को लिखने की क्षमता आप में है? 6. क्या आप अपने मित्र, अध्यापक, माता-पिता या अन्य किसी सम्बन्धी को पत्र अथवा कार्यालयीय पत्र संस्कृत में लिख सकते हैं? 7. क्या आपको अपने आस-पास दैनन्दिन व्यवहार में आने वाली वस्तुओं के संस्कृत शब्द आते हैं? 8. क्या आपको सरल संस्कृत बोलना, लिखना या समझना स्वाभाविक लगता है?

यदि इस सभी प्रश्नों के लिए आपके उत्तर 'हाँ' में हैं तो हम कह सकते हैं कि आप हमारे द्वितीय स्तर के अध्येता हो सकते हैं। यदि इनमें से किसी का उत्तर 'नहीं' में है तो क्यों न उस कमी को इस पाठ्यक्रम से पूरा करके आगे चलें।

प्रथमस्तरीय पाठ्यसामग्री का संक्षिप्त परिचय

1. **वर्णमाला**

यदि आप संस्कृत वर्णमाला, देवनागरी लिपि एवं संस्कृत के विभिन्न संयुक्ताक्षरों का लेखन भली-भाँति नहीं जानते हैं तो सर्वप्रथम आप 'वर्णमाला' पुस्तक का अध्ययन करें। इस पुस्तक के माध्यम से देवनागरी लेखन के प्राथमिक अभ्यास के साथ संस्कृत वर्णमाला एवं संयुक्ताक्षरों का परिचय कराया गया है। इसके अतिरिक्त, संस्कृत-लेखन हेतु कुछ शब्दों एवं वाक्यों के लेखन-अभ्यास से देवनागरी लिपि-ज्ञान को पुष्ट किया गया है।

2. **वाक्यव्यवहारः (मुख्य पुस्तक)**

संस्कृत वर्णमाला (देवनागरी लिपि संयुक्ताक्षरों के साथ) के ज्ञान के बाद आप मुख्य पुस्तक प्रारम्भ करें। यह पुस्तक शैली, अभ्यास, क्रमिकता, विषयवस्तु तथा अवधेयांश की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। यह प्रथम दीक्षा का प्रधान ग्रन्थ है। इस पुस्तक में वाक्य के अनिवार्य अंशों

को क्रमिकता के आधार पर वाक्य के द्वारा ही सिखाने का प्रयास किया गया है। वाक्य व्यवहार के द्वारा ही व्याकरण के महत्त्वपूर्ण बिन्दु भी सिखाए गए हैं। व्यावहारिक शब्दों का सचित्र प्रयोग, अभ्यास वैचि=य तथा संवादात्मक वाक्य प्रयोग इसकी मुख्य विशेषता है।

3. **वाक्यविस्तरः (पूरक पुस्तक)**

मुख्य पुस्तक में जो बिन्दु असम्बद्ध वाक्यों के माध्यम से सिखाए गए हैं उन्हें यहाँ परस्पर सम्बद्ध वाक्यों के रूप में प्रयोग कर दृढ़ कराया गया है। इस ग्रन्थ के अध्ययन एवं इसके अभ्यास से भाषा की स्वाभाविक प्रयोगशीलता आ सकेगी। साथ ही कुछ नए शब्दों के प्रयोग से शब्दकोश में भी वृद्धि होगी।

4. **सम्भाषणम् (पूरक पुस्तक)**

यह पुस्तक प्रथमस्तरीय पाठ्यबिन्दुओं पर आधारित कतिपय सम्भाषणों का निदर्शन है जो भाषण की स्वाभाविकता तथा सम्भाषण-कला से परिचय कराने के उद्देश्य से लिखा गया है।

5. **परिशिष्टम् (सहायक सामग्री)**

उत्तरदीपिका ('वाक्यव्यवहारः' पुस्तक के अभ्यासों की उत्तरमाला)
उत्तरदीपिका ('वाक्यविस्तरः' पुस्तक के अभ्यासों की उत्तरमाला)
शब्दकोशः (क्रियापद सहित समस्त पाठित शब्दों के हिन्दी एवं अंग्रेजी में अर्थ)
धातुरूपतालिका (पाठिका धातुओं के चार लकारों में रूप के साथ कुछ कृदन्तरूप)
शब्दरूपाणि (पाठित शब्दों के प्रतिनिधि शब्दरूपों का संकलन)

वाक्यव्यवहारः एवं वाक्यविस्तरः के अभ्यासों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर आप स्वयं सोच समझकर उत्तरदीपिका की सहायता के बिना पेन्सिल से लिखे। बाद में आप के द्वारा लिखे गये उत्तर सही हैं या नहीं – इसके मूल्याकंन के लिए उत्तरदीपिका की सहायता लीजिए। मिलान के बाद भी अभ्यासों को तब तक करें जब तक आप शत प्रतिशत सही नहीं कर लेते। मेरा यह स्पष्ट अभिमत है कि 'प्रथमदीक्षा' का यह पैकेज संस्कृत अनुरागियों तथा संस्कृत जिज्ञासुओं के ज्ञानवर्धन में सहायक सिद्ध होगा। अत्यन्त परिश्रम से सम्पादित यह कार्य तभी सफल होगा जब अध्येता इसका लाभ उठाते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे। कृपया अपने सुझावों से अवगत कराएँ ताकि इसके अगले संस्करण में उचित परिवर्तन किया जा सके।

इस महान् कार्य में मुझे अनेक व्यक्ति एवं संस्थाओं से सहयोग प्राप्त हुआ है। उनका व्यक्तिशः आभार व्यक्त करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ। संस्कृत माता की निःस्वार्थ भाव से सेवा करके इस उत्तम कार्य के लिए जिन्होंने पूर्ण सहयोग दिया है उन सभी व्यक्तियों का इस सन्दर्भ में स्मरण करते हुए हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ।

आपरितोषद् विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः।

सम्पादक

PREFACE

For thousands of years there has been an unbroken tradition of teaching and learning Samskrit in India. Apart from having great distinction of being most perfectly structured and computer friendly language and having rich and vast literature, Samskrit was also the lingua franca and medium of academic activties in India. As a result whatever Indian mind has conceived, deliberated and innovated, the same has been translated into expression through Samskrit language. For this reason, it contains tremendous amount of knowledge pertaining to several disciplines like mathematics, natural sciences, life sciences social sciences and technology besides arts and Humanities. It has played the most important role in integrating India into one nation. Unfortunately, after English usurped the role of Samskrit the unbroken tradition of thousands of years became weak in its linkages. But fortunately enough it is still enjoying the love, concern and relevance in the minds of entire mass of population in India and abroad. In this background necessity arose to launch Samskrit learning through nonformal methods with a view to keep its tradition alive and also integrate the nation through it. Rashtriya Samskrit Sansthan has felt that it is its duty to bring out self-study material of Samskrit to meet the needs of people at a distance. A far reaching project of launching five-level Samskrit self-study programme is the result of the realisation of responsibility stated above. Thus Samskrita Svadhyaya Yojana came into existence.

OBJECTIVES

First Level : At this level effort is made to make the students speak a few sentences which are useful in day to day context and also write Samskrit through Devanagari script. It takes care of elementary skill in learning Samskrit.

Second Level : At this level emphasis is given to make the students able to express all important ideas related to the world around and to improve his capacity to express slightly complicated expressions.

Third Level : At this level attention is paid to improve the language learning skills towards greater perfection and to lead them to understand simple literary material.

Fourth Level : At this level higher mode of learning is provided along with study of slightly higher level literary master pieces. Attempt also is made to make students to write literary Samskrit and idioms of literary expression.

Fifth Level : At this level attempt is made to increase the abilities of students in understanding and expressing spoken as well as literary Samskrit from all its aspects. Necessary grammatical inputs have also been provided at this level. The students are expected to be thoroughly equipped to understand the Samskrit literature and other books with the help of commentaries at the end of this level.

FIRST LEVEL : ELIGIBILITY

This study material is designed to learn Samskrit without the help of a teacher. No prior Samskrit knowledge is required at this level.

STUDY MATERIAL OF FIRST LEVEL

1. Varnamala

This helps to learn Devnagari script.

2. The Main book : Vakyavyavaharah

This book is designed as a distinct one from the point of view of its style, the number of exercises attached to every lesson, gradation of language components and also points of attention. This is the main book of the first level. It is designed to teach Samskrit through Samkrit from the beginning with the help of pictures, diagrams and exercises. It is totally written in a communicative style.

3. Supplementary Reading Material : Vakyavistarah

While points of teaching introduced and thought on the basis of single and unconnected sentences in the main book, on attempt is made in this book to use the same points of teaching in narrative sentences with appropriate linkages. The students are given the advantage of additional vocabulary in this book.

4. Supplementary Reading Material : Sambhashanam

While Vakyavistarah is supplementary reading material in the form of narration this is in the form of communicative dialogue pertaining to various episodes of day to day life. This is designed to impress the students with natural expression and also to improve their communicative skills. The advantage of introducing some new vocabulary is significant feature of this book.

5. Appendices : Parishishtam

i. Uttaradeepika-1 (Key to the Main Book-Vakya Vyavaharash)

ii. Uttaradeepika-II (Key to the Supplementary Reading Material Vakya Vistarah)

iii. Shabda Kosha (Glossary of Words including Verbs in Hindi and English)

iv. Dhatu Roop Talika (Chart showing the forme of verbs in four Lakaras along with some important kridantas.

v. Shabda Roopani (Paradigms of the nouns used)

INSTRUCTIONS :

The attention of the students is drawn to the following important factors:-

i. Serious and concentrated attention may be given to every exercise that is given in Vakyavyavahara and Vakyavistara. You are required to answer all the exercises on your own without taking the help of key. You may better use pencil in filling the blanks. You may compare your answers with the key provided and make self assessment. After consulting the key you may do the exercises once again on your own without referring the key.

ii. We feel that the package of this first level material would encourage the lovers of Samskrit and those who are interested in Samskrit. The present material is the outcome of serious thinking and strenuous working. However, its utility and compatibility is to be judged by the user-students. We welcome your suggestions to improve the design, content and write ups in our future editions. "Until the wise are satilsfied (with it), I do not consider my knowledge and skills to be perfect. The heart of men although well instructed, has no confidence in itself." (Kalidasa)

Editor

कृतज्ञताविष्कारः

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्येतिहासे ऐदम्प्राथम्येन क्रियमाणः एषः संस्कृतस्वयंशिक्षणसामग्रीनिर्माणव्यवसायः महामनीषिणां सुगृहीतनामधेयानां मानवसंसाधनविकासमन्त्रिणां डा० मुरली मनोहर जोशी महोदयानां सत्सङ्कल्पात्मकप्रेरणायाः साकारतारूपो विराजते। सिद्धसङ्कल्पानां डा० मुरली मनोहर जोशी महोदयानां विषये ''सिद्ध्यन्ति कर्मसु महत्स्वपि यन्नियोज्याः सम्भावनागुणमवेहि तमीश्वराणाम्'' इति कालिदासीया सूक्तिः अन्वर्थतां याति। संस्कृतस्य प्रचुरतरप्रचारप्रसारयोः राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य सर्वतोमुखाभिवृद्धौ च बद्धश्रद्धेभ्यः तेभ्यः राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य अध्यक्षेभ्यः डा० मुरली मनोहर जोशी महोदयेभ्यः कृतज्ञतां विनिवेदयामि।

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्य भूतपूर्वोपाध्यक्षाभ्यः डा० सरोजिनी महिषी महाभागाभ्यः तथा वर्तमानोपाध्यक्षेभ्यः भारतशासनस्य संस्कृतिसचिवेभ्यः श्री एन० गोपालस्वामिमहोदयेभ्यः च व्यवसायेऽस्मिन् समये समये यत् दिशादर्शनमुपलब्धं तदर्थं कृतज्ञतां प्रकटयामि।

एवं कार्यस्यास्य साफल्याय बहुविधं प्रोत्साहनं दत्तवद्भ्यः पूर्वशिक्षासचिवेभ्यः श्री महराज कृष्ण काव् महोदयेभ्यः वर्तमानशिक्षासचिवेभ्यः श्री बी० के० चतुर्वेदिमहाभागेभ्यः संयुक्तसचिवमहाभागाभ्यः श्रीमती बेला बेनर्जी महोदयाभ्यः मन्त्रिवर्याणां विशेषाधिकारिभ्यः श्री गिरीश चन्द्र पाण्डेय महोदयेभ्यः च कृतज्ञतां विज्ञापयामि।

कार्यस्वरूपावधारणे तन्निर्वहणे च अपेक्षितं मार्गदर्शनं कृतवद्भ्यः मार्गदर्शनसमितिसदस्येभ्यः तथा अहर्निशं परिश्रम्य तत्तात्पर्येण कार्यं सुसाधितवद्भ्यः सहसम्पादकेभ्य; सहयोगिभ्यश्च यथोचितं कार्त्तज्ञ्यं प्रकटयामि।

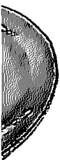
प्रथमायाः दीक्षायाः पाठ्यक्रमनिर्धारणार्थं तदनुसारिपाठलेखनार्थं च समायोजितायां कार्यशालायां प्रथमगणद्वये भागं स्वीकृत्य साहाय्यम् आचरितवद्भ्यः सर्वश्री उमारमण झा – पी० एन० शास्त्रि – एम० चन्द्रशेखर – राधा – हरेराम त्रिपाठि – महोम्मद हनीफ – अजय कुमार मिश्र – छोटी बाई मीना – अनीता शर्मा – विजयलक्ष्मी – नागरत्ना – शान्तला – सुचेता – ममता – सुबोधा इत्येतेभ्यः अन्येभ्यश्च साधुवादान् प्रकटयामि।

एतदतिरिक्ततया कार्यसाफल्यसिद्धये अपेक्षितं प्रबन्धं सम्पादितवद्भ्यः सर्वश्री धर्मवीर सिंह राजपूत – चन्दन सिंह कनियाल – प्रकाशचन्द्र पाण्डेयेभ्यः साधुवादान् प्रकटयामि। समुचिते समये सुन्दरं मुद्रणं विधाय उपकृतवद्भ्यः ग्राफिकवर्ल्ड संस्थायाः सदस्येभ्यः कार्तज्ञ्यं प्रकटयामि।

येऽप्यन्ये साक्षात् परोक्षाद् वा स्वसहयोगं प्रायच्छन् तेभ्यः सर्वेभ्योऽपि कृतज्ञताम् आविष्करोमि।

सम्पादकः

विषयानुक्रमणी



प्रथमः स्तबकः

1.1. प्रथमः पाठः

[एषः / सः, एषा / सा, एतत् / तत्]

1.1.1 एषः / सः



ध्यानेन पठन्तु–

[कृपया ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]




एषः बालकः




सः बालकः



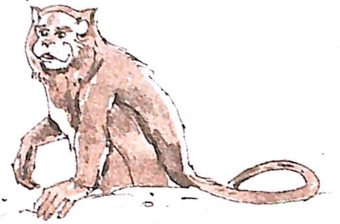

एषः सिंहः




सः सिंहः



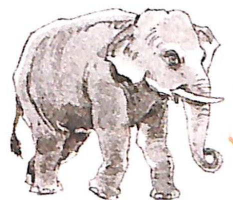

एषः वानरः

सः वानरः




एषः गजः

सः गजः






एषः बालकः सः वृद्धः



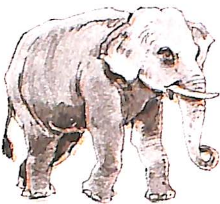


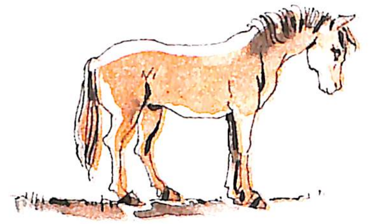

एषः सिंहः सः हरिणः






एषः वानरः सः भल्लूकः



एषः गजः सः अश्वः






एषः मयूरः सः शुकः






एषः दण्डः सः वृक्षः






एषः भिक्षुकः सः नृपः






एषः छात्रः सः अध्यापकः

अभ्यासः – 1

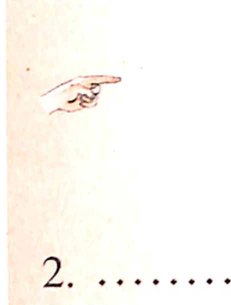
एषः / सः

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

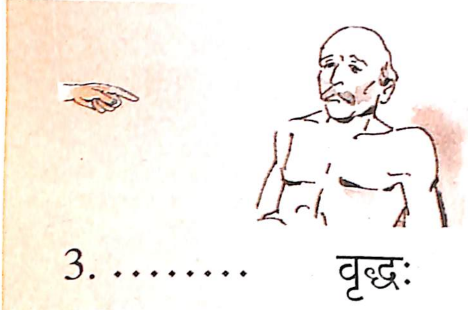


1. .... बालकः

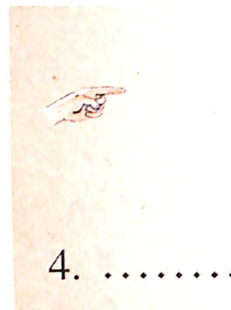




2. .... सिंहः



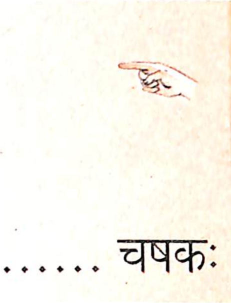
3. .... वृद्धः





4. .... तरुणः





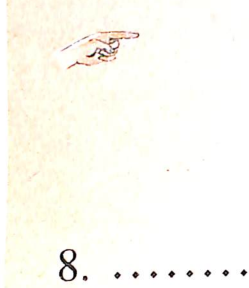
5. .... चषकः

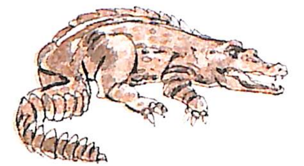


6. .... घटः



7. .... मीनः





8. .... मकरः




9. .... शुकः




10. .... मयूरः



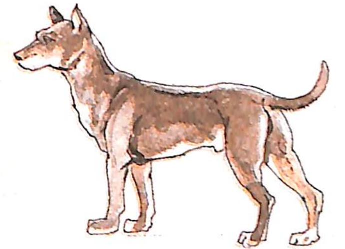

11. .... चन्द्रः



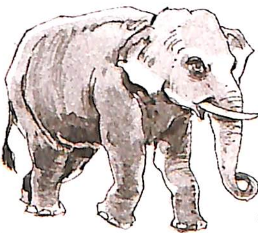

12. .... सूर्यः




13. .... बिडालः

14. .... कुक्कुरः

15. .... गजः




16. .... मूषकः

1.1.2 (क) एषा / सा

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]


एषा

बालिका

सा

बालिका


एषा

लता

सा

लता


एषा

शाटिका

सा

शाटिका


एषा

माला

सा

माला





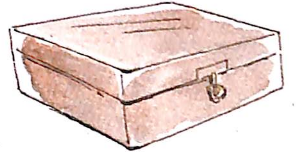

एषा बालिका सा वृद्धा



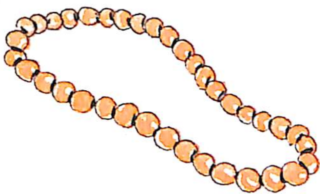



एषा लता सा कलिका



एषा शाटिका सा पेटिका

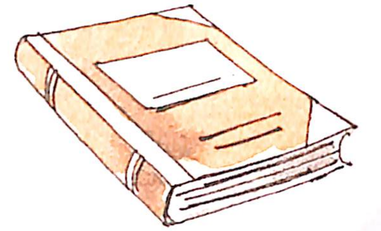


एषा माला सा देवता

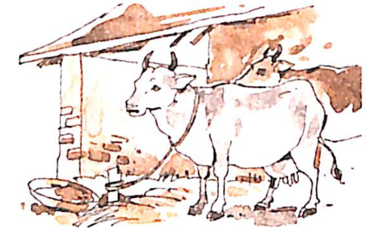
एषा छात्रा सा अध्यापिका

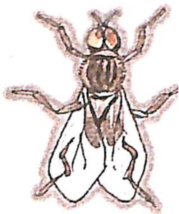
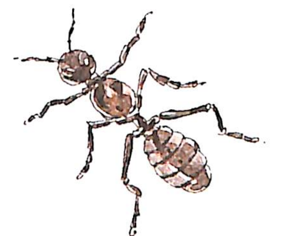
 

एषा पत्रिका सा पुस्तिका

एषा पाठशाला सा गोशाला

एषा मक्षिका सा पिपीलिका

1.1.2 (ख) एषा/सा






एषा सरस्वती सा पार्वती





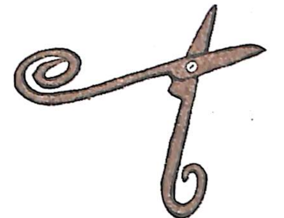

एषा जननी सा भगिनी





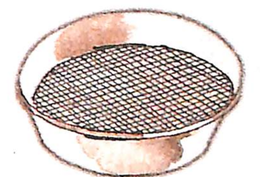

एषा लेखनी सा अङ्कनी



एषा घटी सा कर्त्तरी



एषा दर्वी सा चालनी

अभ्यासः – 2

एषा / सा

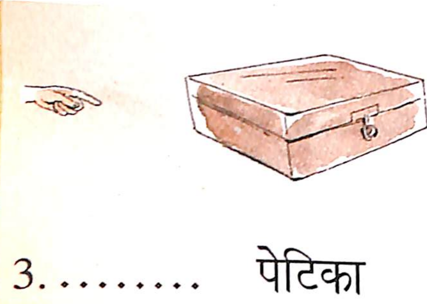
✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]


1......... लता



2......... बालिका

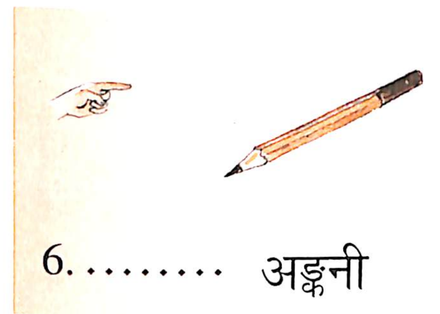

3......... पेटिका

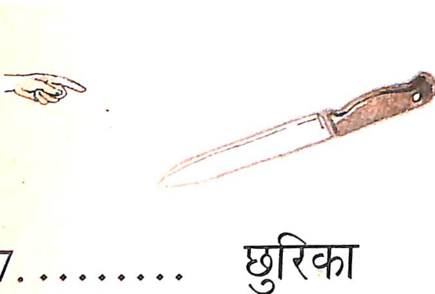


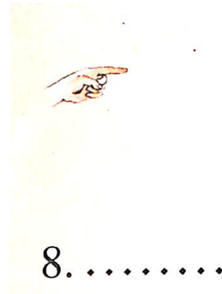
4......... शाटिका



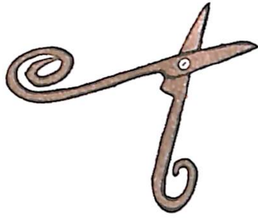
5......... लेखनी


6......... अङ्कनी


7......... छुरिका



8......... चालनी

9. .... कर्त्तरी




10. .... वेल्लनी



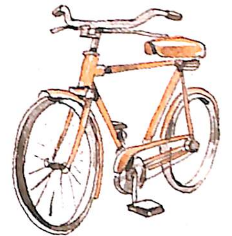

11. .... माला




12. .... लता




13. .... घटी

14. .... द्विचक्रिका




15. .... अध्यापिका




16. .... छात्रा

1.1.3 एतत् / तत्



ध्यानेन पठन्तु–

[कृपया ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



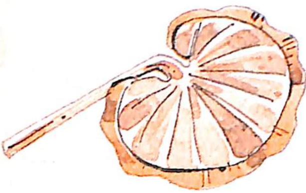


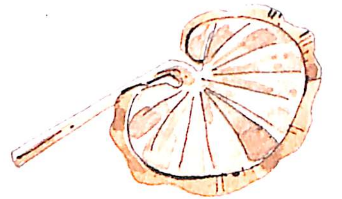

एतत् फलम् तत् फलम्






एतत् विमानम् तत् विमानम्



एतत् व्यजनम् तत् व्यजनम्







एतत् दुग्धम् तत् दुग्धम्



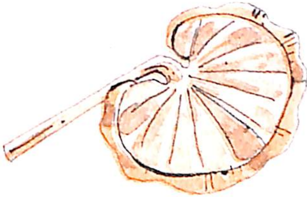


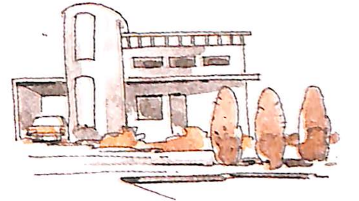

एतत् फलम्   तत् पुष्पम्






एतत् विमानम्   तत् लोकयानम्



एतत् व्यजनम्   तत् भवनम्





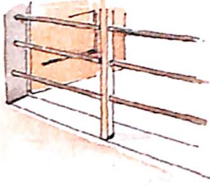


एतत् दुग्धम्   तत् जलम्






एतत् नेत्रम् तत् उपनेत्रम्

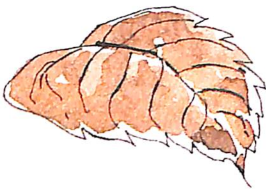


एतत् वातायनम् तत् सोपानम्






एतत् गृहम् तत् उद्यानम्



एतत् पर्णम् तत् सस्यम्

अभ्यासः – 3

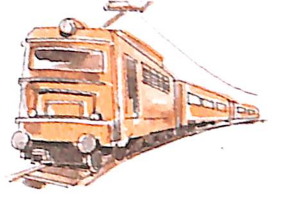
एतत् / तत्

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

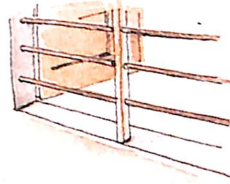
[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]




1. .... विमानम्

2. .... रेलयानम्

3. .... वातायनम्




4. .... व्यजनम्



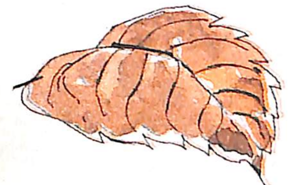

5. .... गृहम्




6. .... मन्दिरम्




7. .... पुष्पम्

8. .... पर्णम्




9. .... उद्यानम्



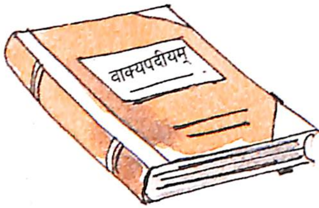

10. .... सोपानम्



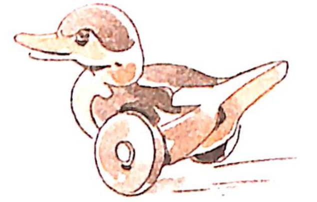

11........ उपनेत्रम्




12. .... छत्रम्

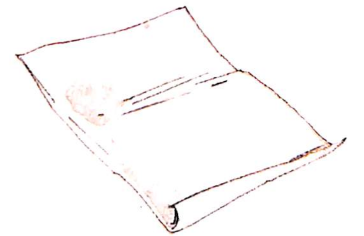
13........ पुस्तकम्

14........ क्रीडनकम्




15........ नेत्रम्

16........ पत्रम्

अभ्यासः – 4

एषः/एषा/एतत्, सः/सा/तत्

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]





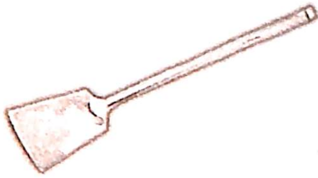
1. .... बालकः





2. .... गृहम्





3. .... समदर्वी





4. .... पाठशाला





5. .... दुग्धम्





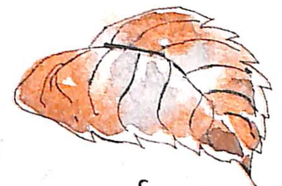
6. .... नदी





7. .... छात्रा





8. .... पर्णम्

अवधेयम्

बालकः/ बालिका/ पुस्तकम्	बालकः/ बालिका/ पुस्तकम्



एषः /
एषा /
एतत्



सः /
सा /
तत्

अत्र एतत् अवधेयम्–

[ध्यान दीजिए। Please note here.]

- समीपस्थस्य बोधनाय – एषः/एषा/एतत्
- दूरस्थस्य बोधनाय – सः/सा/तत्

इति प्रयोगः भवति।

जानन्तु–

बालकः	वृद्धः
सिंहः	हरिणः
वानरः	भल्लूकः
गजः	वृक्षः

पुंलिङ्गशब्दाः

बालिका	वृद्धा
लता	कलिका
अजा	माला
मयूरी	नदी

स्त्रीलिङ्गशब्दाः

फलम्	पुष्पम्
विमानम्	यानम्
व्यजनम्	जलम्
दुग्धम्	भवनम्
गृहम्	उद्यानम्

नपुंसकलिङ्गशब्दाः

सम्यक् स्मरन्तु।

[याद रखिए। Remember Well.]

एषः / सः	–	पुंलिङ्गे
एषा / सा	–	स्त्रीलिङ्गे
एतत् / तत्	–	नपुंसकलिङ्गे

अभ्यासः – 5

एषः/एषा/एतत् सः/सा/तत्

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

एषः / एषा / एतत्		सः / सा / तत्	
1.	.... मन्दिरम्	16.	.... मन्दिरम्
2.	.... बालिका	17.	.... बालिका
3.	.... फलम्	18.	.... फलम्
4.	.... पुष्पम्	19.	.... पुष्पम्
5.	.... वानरः	20.	.... वानरः
6.	.... महिषी	21.	.... महिषी
7.	.... भल्लूकः	22.	.... भल्लूकः
8.	.... भवनम्	23.	.... भवनम्
9.	.... व्याघ्रः	24.	.... व्याघ्रः
10.	.... पुस्तकम्	25.	.... पुस्तकम्
11.	.... सिंहः	26.	.... सिंहः
12.	.... अध्यापिका	27.	.... अध्यापिका
13.	.... बालकः	28.	.... बालकः
14.	.... छात्रा	29.	.... छात्रा
15.	.... वृद्धः	30.	.... वृद्धः

अभ्यासः – 6

एषः/एषा/एतत् ,सः/सा/तत्

समायोजयन्तु। समायोजित कीजिए। Arrange sentences.

(क)

एषः / एषा / एतत्	+

सूर्यः,	पुस्तकम्
नदी,	वस्त्रम्
सारिका,	नक्षत्रम्
लेखनी,	वृषभः
लता,	वरुणः
वृक्षः,	फलम्
पत्रम्,	चित्रम्
	व्यजनम्

समायोजयन्तु। समायोजित कीजिए। Arrang sentences.

(ख)

चन्द्रः,	लेखिका
जलम्,	शरीरम्
मृगः,	आकाशः
पुस्तिका,	अश्वः
वृक्षः,	यमः
पर्णम्,	पुष्पम्
लेखनी	पादरक्षा
	दीपः

\+ सः / सा / तत्

समायोजितानि वाक्यानि रिक्तस्थानेषु लिखन्तु-
[समायोजित वाक्यों को रिक्त स्थानों में लिखिए। Write down arranged sentences in the blank spaces.]

(क)

उदा०- 1. एषः सूर्यः
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....
11. ....
12. ....
13. ....
14. ....
15. ....

(ख)

उदा०- 1. सः चन्द्रः
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....
11. ....
12. ....
13. ....
14. ....
15. ....

अभ्यासः – 7

एषः / सः / एषा / सा / एतत् / तत्

1.	5.	
6.	8.	
12.	14.	
15.	16.	
19.	22.	एषः /
23.	24.	एषा /
27.	28.	एतत्

	2.	3.
	4.	7.
	9.	10.
	11.	13.
सः /	17.	18.
सा /	20.	21
तत्	25.	26.
	29.	30.

✍ **संख्यां दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु-**

[उपरि लिखित संख्या के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks according to numbers in the above table.]

1. .... फलम्
2. .... घटः
3. .... स्वर्णकारः
4. .... दीपः
5. .... पत्रिका
6. .... पुष्पम्
7. .... वृक्षः
8. .... अध्यापिका
9. .... पर्णम्
10. .... बिडालः
11. .... अश्वः
12. .... पुस्तिका
13. .... सिंहासनम्
14. .... वानरः
15. .... उपनेत्रम्
16. .... उद्यानम्
17. .... पाठशाला
18. .... वातायनम्
19. .... शाटिका
20. .... भल्लूकः
21. .... मयूरः
22. .... कथा
23. .... छात्रा
24. .... नेत्रम्
25. .... दर्वी
26. .... शुकः
27. .... घटी
28. .... समुद्रः
29. .... सूची
30. .... लेखिका

अभ्यासः – 8

एषः/एषा/एतत्, सः/सा/तत्

1	3	5
शुकः	पुस्तकम्	दर्वी
7	8	10
हरिणः	वृक्षः	लता
13	16	18
माला	मकरः	चषकः
19	22	25
व्यजनम्	सिंहः	कुक्कुरः
26	29	30
गोशाला	महिषी	नारी





2	4
मयूरः	बालिका
6	9
तरुणः	बिडालः
11	12
पर्णम्	पुष्पम्
14	15
देवी	मीनः
17	20
जननी	कर्त्तरी
21	23
छत्रम्	ऊरुकम्
24	27
लेखनी	बकः
	28
	मुखम्



दूरस्य समीपस्य च सङ्केतानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–

[दूर और समीप के सङ्केत के अनुसार वाक्य लिखिए। Write sentences according to the signs far and near.]

यथा–
(1) एषः शुकः
(2) सः मयूरः
(3) एतत् पुस्तकम्
(4) ....
(5) ....
(6) ....
(7) ....
(8) ....
(9) ....
(10) ....
(11) ....
(12) ....
(13) ....
(14) ....
(15) ....
(16) ....
(17) ....
(18) ....
(19) ....
(20) ....
(21) ....
(22) ....
(23) ....
(24) ....
(25) ....
(26) ....
(27) ....
(28) ....
(29) ....
(30) ....

प्रथमः स्तबकः

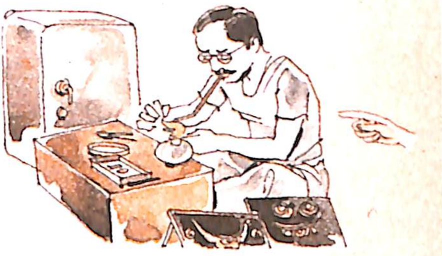
1.2. द्वितीयः पाठः

[कः का किम्]

1.2.1 प्र० एषः/सः कः ?
उ० एषः/सः......।

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[कृपया ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]







प्र० एषः कः ?
उ० एषः स्वर्णकारः।

सः कः ?
सः लोहकारः।







प्र० एषः कः ?
उ० एषः मालाकारः।

सः कः ?
सः कुम्भकारः।







प्र० एषः कः ?
उ० एषः हस्तिपकः।

सः कः ?
सः गोपालकः।





प्र० एषः कः ?
उ० एषः रजकः ।

सः कः ?
सः तक्षकः ।





प्र० एषः कः ?
उ० एषः आरक्षकः ।

सः कः ?
सः सैनिकः ।

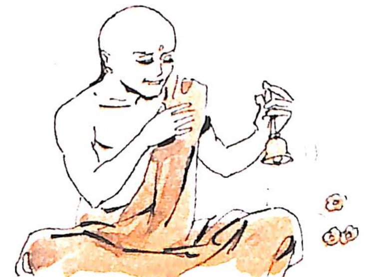




प्र० एषः कः ?
उ० एषः विदूषकः ।

सः कः ?
सः उद्यानपालकः ।





प्र० एषः कः ?
उ० एषः न्यायाधीशः ।

सः कः ?
सः अर्चकः ।

अभ्यासः – 9

एषः/सः कः?
एषः/सः ....।

उत्तराणि लिखन्तु -
[उत्तर लिखिए। Write answers]


नर्तकः


गायकः


1. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

2. सः कः ?
....।


सौचिकः


कुम्भकारः


3. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

4. सः कः ?
....।


धीवरः

व्याधः


5. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

6. सः कः ?
....।


चालकः

पत्रवाहकः


7. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

8. सः कः ?
....।

1.2.2 प्र० एषा/सा का ?
उ० एषा/सा ......।

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[कृपया ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]





प्र० एषा का ?
उ० एषा भृत्या।

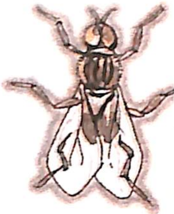
सा का ?
सा शिक्षिका।





प्र० एषा का ?
उ० एषा वैद्या।

सा का ?
सा लेखिका।

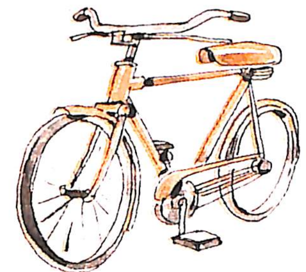




प्र० एषा का ?
उ० एषा मक्षिका।

सा का ?
सा पिपीलिका।





प्र० एषा का ?
उ० एषा स्थालिका।

सा का ?
सा द्विचक्रिका।





प्र० एषा का ?
उ० एषा गृहिणी ।

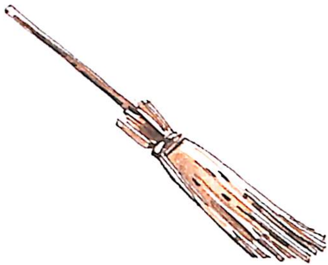
सा का ?
सा संन्यासिनी ।

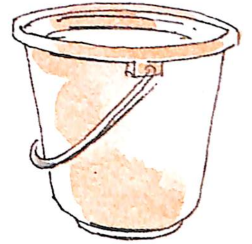




प्र० एषा का ?
उ० एषा पुत्री ।

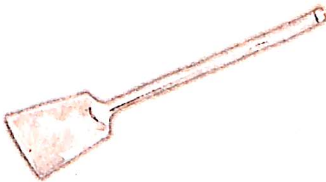
सा का ?
सा जननी ।



प्र० एषा का ?
उ० एषा सम्मार्जनी ।

सा का ?
सा द्रोणी ।






प्र० एषा का ?
उ० एषा समदर्वी ।

सा का ?
सा कर्त्तरी ।

अभ्यासः – 10

प्र० एषा/सा का ?
उ० एषा/सा ......

✍ **उत्तराणि लिखन्तु -**

[उत्तर लिखिए। Write answers]



गायिका



1. प्र० एषा का ?
उ० ....।



2. सा का ?
....।

उपचारिका





तुला



3. प्र० एषा का ?
उ० ....।



4. सा का ?
....।

मधुमक्षिका





गृहगोधिका



5. प्र० एषा का ?
उ० ....।



6. सा का ?
....।

लता





सूची

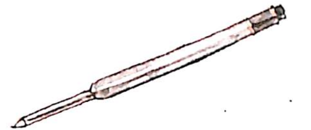


7. प्र० एषा का ?
उ० ....।



8. सा का ?
....।

पुनःपूरणी





पत्रसूची

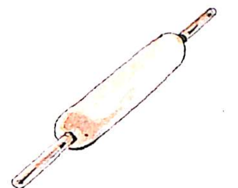


9. प्र० एषा का ?
उ० ....।



10. सा का ?
....।

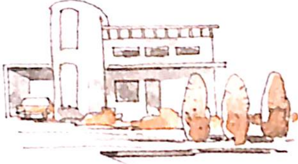
वेल्लनी



1.2.3 प्र० एतत्/तत् किम् ?
उ० एतत्/तत् ....

 **ध्यानेन पठन्तु—**

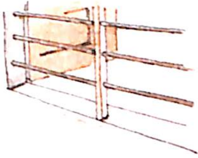
[कृपया ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]






प्र० एतत् किम् ?
उ० एतत् भवनम्।

तत् किम् ?
तत् मन्दिरम्।






प्र० एतत् किम् ?
उ० एतत् वातायनम्।

तत् किम् ?
तत् सोपानम्।






प्र० एतत् किम् ?
उ० एतत् छत्रम् ।

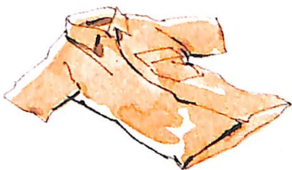
तत् किम् ?
तत् नक्षत्रम्।

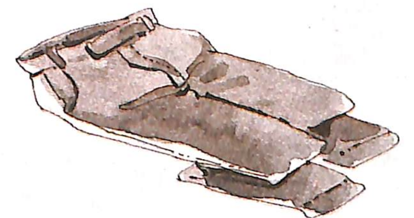





प्र० एतत् किम् ?
उ० एतत् कमलम्।

तत् किम् ?
तत् चम्पकम्।



प्र० एतत् किम् ?
उ० एतत् युतकम्।

तत् किम् ?
तत् ऊरुकम्।

अभ्यासः – 11

एतत्/तत् किम् ?
एतत्/तत् ....

✎ चित्राणि दृष्ट्वा उत्तराणि लिखन्तु --

[चित्रों को देखकर उत्तर लिखिए। See the pictures and answer accordingly]


पर्णम्

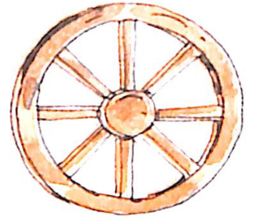

1. प्र० एतत् किम् ?
   उ० ....।


मुखम्

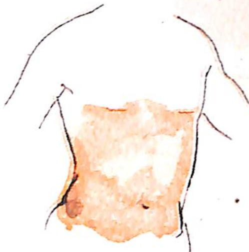

2. तत् किम् ?
   ....।


क्रीडनकम्

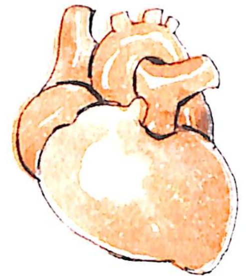

3. प्र० एतत् किम् ?
   उ० ....।


चक्रम्


4. तत् किम् ?
   ....।


उदरम्


5. प्र० एतत् किम् ?
   उ० ....।


हृदयम्


6. तत् किम् ?
   ....।

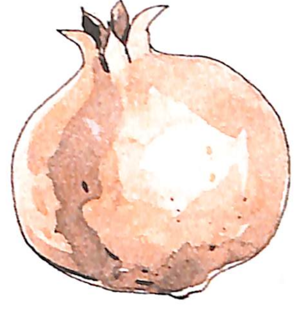

पनसम्


7. प्र० एतत् किम् ?
   उ० ....।


आलुकम्


8. तत् किम् ?
   ....।


आम्रम्


दाडिमम्


9. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।

10. तत् किम् ?
.... ।


कदलीफलम्


लशुनम्


11. तत् किम् ?
.... ।

12. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।


व्यजनम्


कमलम्


13. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।

14. तत् किम् ?
.... ।


पादांशुकम्


करांशुकम्


15. तत् किम् ?
.... ।

16. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।

अवधेयम्

कः
का
किम्

एते प्रश्नवाचकाः



सम्यक् स्मरन्तु–

[ध्यान से स्मरण कीजिए। Please remember carefully.]

कः	–	पुंलिङ्गः
का	–	स्त्रीलिङ्गः
किम्	–	नपुंसकलिङ्गः

अभ्यासः – 12

.... कः/का/किम्?
....

✍ **चित्राणि दृष्ट्वा उत्तराणि लिखन्तु–**

[चित्रों को देखकर उत्तर लिखिए। See the pictures and answer accordingly.]





1. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

2. सः कः ?
....।

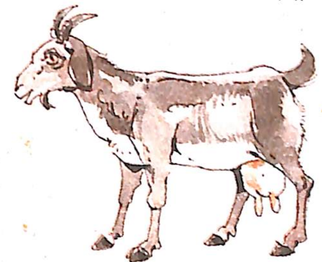




3. प्र० एषः कः ?
उ० ....।

4. सः कः ?
....।



5. प्र० एषः कः ?
उ० ....

6. सा का ?
....।





7. प्र० एषा का ?
उ० ....।

8. सा का ?
....।

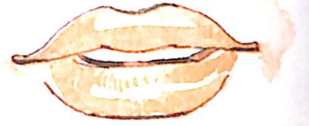




9. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।

10. तत् किम् ?
.... ।





11. प्र० एतत् किम् ?
उ० .... ।

12. तत् किम् ?
.... ।





13. प्र० एषः कः ?
उ० .... ।

14. सः कः ?
.... ।





15. प्र० एषा का ?
उ० .... ।

16. सा का ?
.... ।

अभ्यासः – 13

.... कः / का / किम् ?

समायोज्य षट् वाक्यानि लिखन्तु। [समायोजित करके छः वाक्य लिखें। Arrange and write six sentences.]

1	2	1
एतत्	कः	सा
एषः	का	तत्
एषा	किम्	सः

(1) ....
(2) ....
(3) ....
(4) ....
(5) ....
(6) ....

अभ्यासः – 14

एषः / एषा / एतत् कः / का / किम् ?
एषः / एषा / एतत् ....

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. प्रश्नः .... ?
 उत्तरम् एषा मालिनी।
2. प्र० एषः कः ?
 उ० .... गणेशः।
3. प्र० .... ?
 उ० एषा बाला।
4. प्र० .... ?
 उ० एतत् विमानम्।
5. प्र० .... ?
 उ० एतत् पुष्पम्।
6. प्र० .... ?
 उ० एषः सुरेशः।
7. .... ?
 एषा अध्यापिका।
8. .... ?
 एषः कृषकः।
9. .... ?
 एषः वृद्धः।
10. .... ?
 एषा गङ्गा।
11. .... ?
 एषः तरुणः।
12. .... ?
 एतत् नगरम्।

अभ्यासः – 15

सः / सा / तत् कः / का / किम् ?
सः / सा / तत् ....

उत्तरानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उत्तरवाक्यों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks according to given answers.]

1. प्र० सः कः ?
   उ० सः सूर्यः।
2. प्र० .... ?
   उ० सः बुधः।
3. प्र० .... ?
   उ० सा नर्त्तकी।
4. प्र० .... ?
   उ० सा नायिका।
5. प्र० .... ?
   उ० तत् करवस्त्रम्।
6. प्र० .... ?
   उ० सः छात्रः।
7. प्र० .... ?
   उ० तत् मन्दिरम्।
8. .... ?
   सः स्वर्णकारः।
9. .... ?
   सा मालती।
10. .... ?
    सः शिवः।
11. .... ?
    सः मोहम्मदः।
12. .... ?
    सा लतिका।
13. .... ?
    तत् खनित्रम्।
14. .... किम् ?
    एतत् करवस्त्रम्।

अभ्यासः – 16

एषः / एषा / एतत् सः / सा / तत् कः / का / किम् ?

उत्तरानुगुणं प्रश्नवाक्यानि लिखन्तु–

[उत्तरवाक्यों के अनुसार प्रश्नवाक्य लिखिए। Write questions according to given answers.]

1. प्र० .... ?
   उ० एतत् रेलयानम्।
2. प्र० .... ?
   उ० तत् स्थानकम्।
3. प्र० .... ?
   उ० एषः सुधाखण्डः।
4. प्र० .... ?
   उ० सा जननी।
5. .... ?
   सः जनकः।
6. .... ?
   एषा अग्रजा।
7. .... ?
   तत् जलम्।
8. .... ?
   सा पुत्री।

अभ्यासः – 17

एषः/एषा/एतत् सः/सा/तत् कः/का/किम् ?
एषः/एषा/एतत् सः/सा/तत्

 रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. प्र० एषः .... ?
   उ० ...... पुत्रः।

2. प्र० तत् .... ?
   उ० ...... मन्दिरम्।

3. प्र० एषा .... ?
   उ० ..... दुर्गा

4. प्र० .... कः ?
   उ० एषः जवाहरः।

5. प्र० .... किम् ?
   उ० एतत् खनित्रम्।

6. .... का ?
   ...... लता।

7. सः .... ?
   ..... अनुजः।

8. .... ?
   सा सीता।

9. .... ?
   एषा इन्दिरा।

10. .... किम् ?
    तत् व्यजनम्।

अवधेयम्

प्रश्नः				उत्तरम्
एषः/सः कः ?	⟶	पुंलिङ्गे	⟵	एषः/सः मयूरः
एषा/सा का ?	⟶	स्त्रीलिङ्गे	⟵	एषा/सा महिला
एतत्/तत् किम् ?	⟶	नपुंसकलिङ्गे	⟵	एतत्/तत् पुष्पम्

अभ्यासः – 18

.... कः/का/किम्?
....



ध्यानेन पश्यन्तु–

[ध्यान से देखिए। See carefully.]



प्रश्नः–

एतत् / एषः / एषा
किम् / कः / का ?

भल्लूकः	देवता
माला	अङ्कनी
धीवरः	विदूषकः
द्रोणी	दर्वी
युतकम्	गोशाला
दाडिमम्	अध्यापिका



उत्तरम्–

एषः / एषा / एतत् ....



प्रश्नः–
तत् / सः / सा ।
किम् / कः / का ?



उत्तरम्–

तत् / सः / सा .....

द्विचक्रिका	कृष्णफलकम्
हरिणः	सम्मार्जनी
कर्कटी	आम्र वृक्षः
नृपः	सोपानम्
पुनःपूरणी	अध्यापकः
वानरः	वातायनम्

एषः/एषा/एतत् / सः/सा/तत् कः/का/किम् ?
एषः/एषा/एतत् / सः/सा/तत् ....

✍ **पूर्वसङ्केतानुसारं संख्यानुसारं च प्रश्नवाक्यम् उत्तरवाक्यं च लिखन्तु–**

[पूर्वसङ्केतों एवं संख्याओं के अनुसार प्रश्नवाक्य एवं उत्तरवाक्य लिखिए। Write questions and answers according to signs and numbers given earlier.]

	प्रश्नः–				उत्तरम्–			
यथा–	(1) प्र०	..एषः..	.....कः........ ?	(1)	उ०	..एषः..	......भल्लूकः..... ।
	(2) प्र०	..सा..	....का......... ?	(2)	उ०	..सा..	..द्विचक्रिका.... ।
	(3) प्र०	......	.... ?	(3)	उ०	......	.... ।
	(4) प्र०	......	.... ?	(4)	उ०	......	.... ।
	(5) प्र०	......	.... ?	(5)	उ०	......	.... ।
	(6) प्र०	......	.... ?	(6)	उ०	......	.... ।
	(7) प्र०	......	.... ?	(7)	उ०	......	.... ।
	(8) प्र०	......	.... ?	(8)	उ०	......	.... ।
	(9) प्र०	......	.... ?	(9)	उ०	......	.... ।
	(10) प्र०	......	.... ?	(10)	उ०	......	.... ।
	(11) प्र०	......	.... ?	(11)	उ०	......	.... ।
	(12) प्र०	......	.... ?	(12)	उ०	......	.... ।
	(13) प्र०	......	.... ?	(13)	उ०	......	.... ।
	(14) प्र०	......	.... ?	(14)	उ०	......	.... ।
	(15) प्र०	......	.... ?	(15)	उ०	......	.... ।
	(16) प्र०	......	.... ?	(16)	उ०	......	.... ।
	(17) प्र०	......	.... ?	(17)	उ०	......	.... ।
	(18) प्र०	......	.... ?	(18)	उ०	......	.... ।
	(19) प्र०	......	.... ?	(19)	उ०	......	.... ।
	(20) प्र०	......	.... ?	(20)	उ०	......	.... ।
	(21) प्र०	......	.... ?	(21)	उ०	......	.... ।
	(22) प्र०	......	.... ?	(22)	उ०	......	.... ।
	(23) प्र०	......	.... ?	(23)	उ०	......	.... ।
	(24) प्र०	......	.... ?	(24)	उ०	......	.... ।

1.3. तृतीयः पाठः

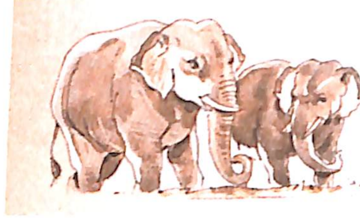
[वचनम्]

1.3.1 कः / कौ / के?
गजः/ गजौ /गजाः
अः / औ / आः

✍ **ध्यानेन पठन्तु पश्यन्तु च। तदनुसारम् अग्रे लिखन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए और देखिए। तदनुसार आगे लिखिए। Read carefully and write in the blank spaces accordingly.]

कः ? | कौ ? | के ?


1. गजः | गजौ | गजाः





2. अश्वः | अश्वौ | अश्वाः





3. छात्रः | छात्रौ | छात्राः





4. .... | .... | ....

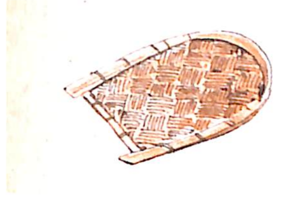
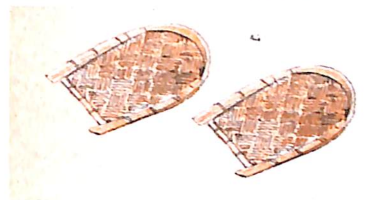
5. ....

6. ....

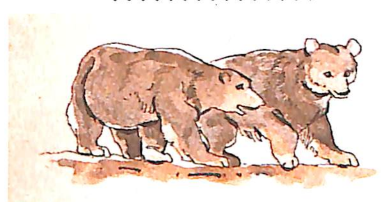
7. ....

8. सूर्पः ....

9. ....

10. ....

अभ्यासः – 19

कः / कौ ?
गजः / गजौ
अः / औ

✍ **चित्राणि पश्यन्तु। तदनुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[चित्र देखिए। तदनुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। See the pictures and fill in the blanks accordingly.]






उदा०–
1. ....गजः.... ....गजौ.... 2. ....






3. .... 4. ....



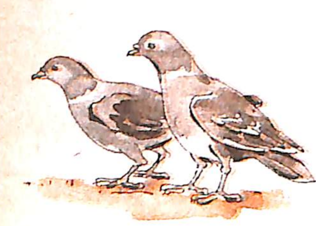


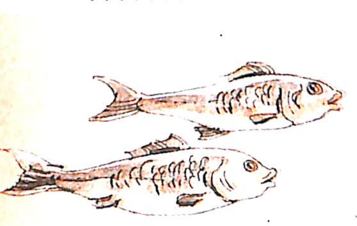

5. .... 6. ....






7. .... 8. ....



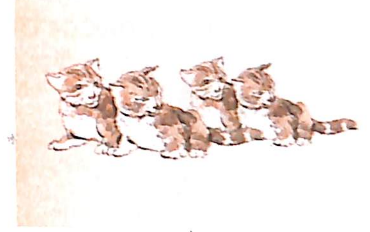
9. .... 10. ....

अभ्यासः – 20

कः / के ?
मृगः / मृगाः
अः / आः

✎ **चित्राणि पश्यन्तु। तदनुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[चित्र देखिए। तदनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। See the pictures and fill in the blanks accordingly.]



उदा० –
1. ....मृगः.... ....मृगाः.... 2. ....






3. .... 4. ....





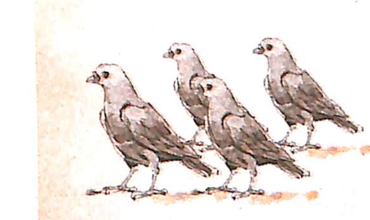

5. .... 6. ....






7. .... 8. ....कच्छपः.... ....



9. ....सर्पः.... .... 10. ....

1.3.2. एषः कः / एतौ कौ / एते के ?
एषः .... / एतौ ...../ एते .....

ध्यानेन पठन्तु। उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—
[उदाहरणानुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Read carefully and fill in the blanks according to the examples.]



1. एषः कः ?
एषः बालकः।



एतौ कौ ?
एतौ बालकौ।



एते के ?
एते बालकाः।



2. एषः कः ?
...... सिंहः।



एतौ कौ ?
...... सिंहौ।



एते के ?
...... सिंहाः।



3. एषः कः ?
...... मयूरः।



एतौ कौ ?
...... मयूरौ।



एते के ?
...... मयूराः।



4. एषः कः ?
...... शुकः।



एतौ कौ ?
...... शुकौ।



एते के ?
...... शुकाः।



5. एषः कः ?
..... बकः।



एतौ कौ ?
..... बकौ।



एते के ?
..... बकाः।

अभ्यासः – 21

एषः .... / एतौ .... / एते ....

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु-

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

	एषः कः ?	एतौ कौ ?	एते के ?
1.	एषः बालकः	.... बालकौ	.... बालकाः
2.	.... वानरः	.... वानरौ	एते ....
3.	.... वृक्षः	एतौ	.... वृक्षाः
4.	.... सिंहः	एतौ	.... सिंहाः
5.	एषः	एतौ	.... शशकाः
6.	.... मयूरः	एतौ	एते ....
7.	एषः	एतौ	.... हंसाः
8.	.... शुकः	एतौ	.... शुकाः
9.	.... बकः	.... बकौ	एते ....
10.	.... कच्छपः	एतौ	.... कच्छपाः
11.	.... मृगः	.... मृगौ	एते ....

1.3.3 (क) का / के / काः?
अजा / अजे / अजाः
आ / ए / आः

✍ **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—**

[चित्र देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please look at the pictures and fill in the blanks.]

का ? के ? काः ?





1. अजा अजे अजाः





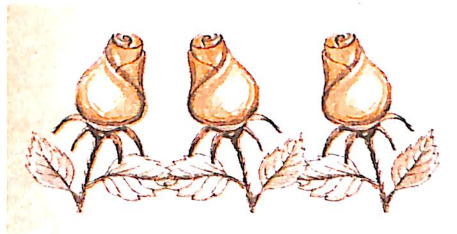
2. लता ....





3. माला ....





4. कलिका ....





5. मक्षिका ....





6. पिपीलिका ....



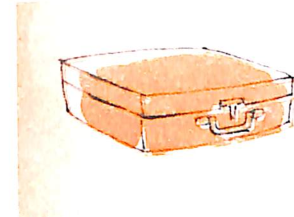
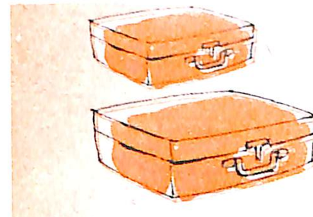
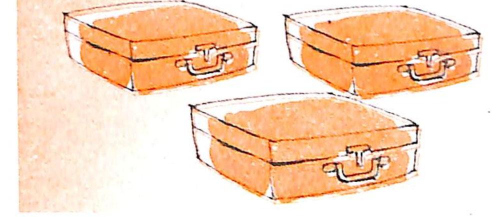


7. छात्रा ....

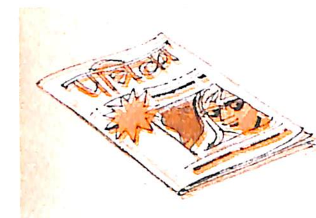


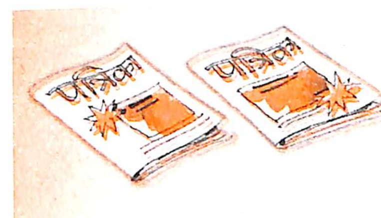


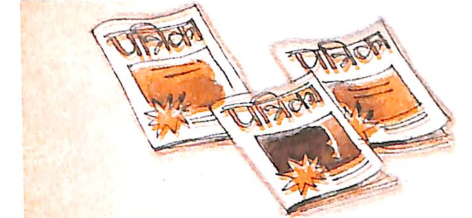
8. अध्यापिका ....

9. पेटिका ....







10. पत्रिका ....

1.3.3(ख) का / के / काः?
नर्त्तकी/नर्त्तक्यौ/नर्त्तक्यः
ई / यौ / यः

✍ **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[चित्र देखकर रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Please look at the pictures and fill in the blanks.]

का ? के ? काः ?





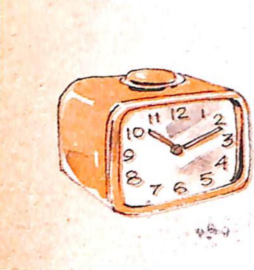
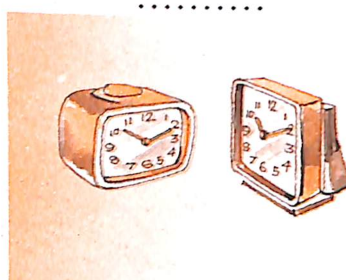
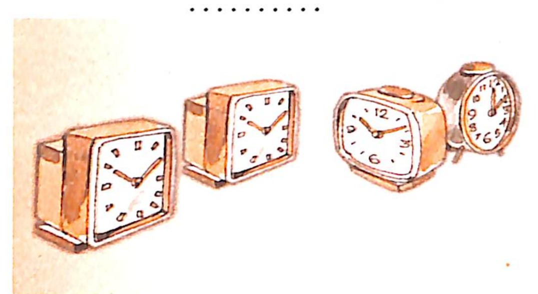
उदा०–

1. नर्त्तकी	..नर्त्तक्यौ.	..नर्त्तक्यः..





2. नारी	....	....

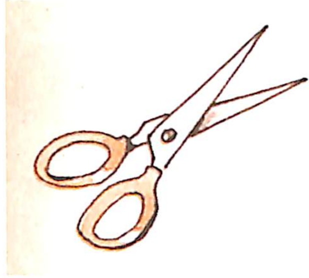
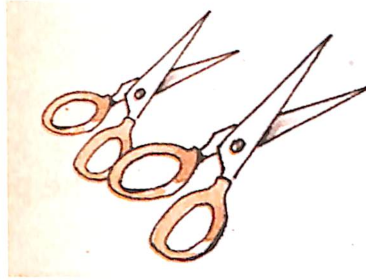




3. घटी	....	....

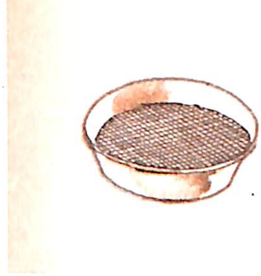
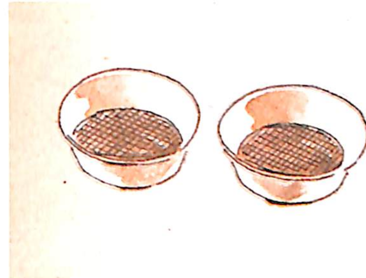
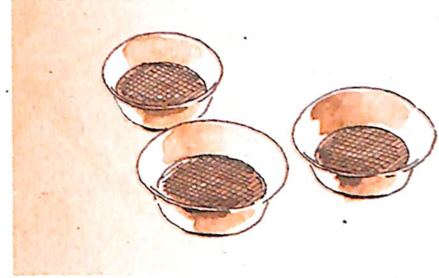




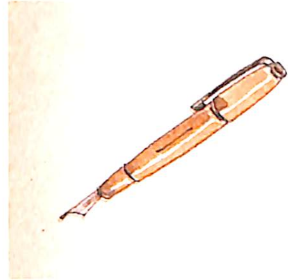
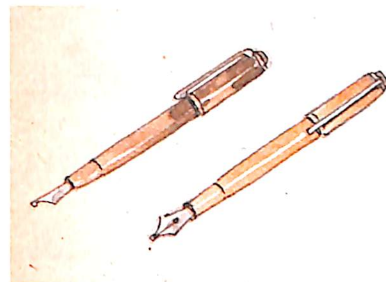
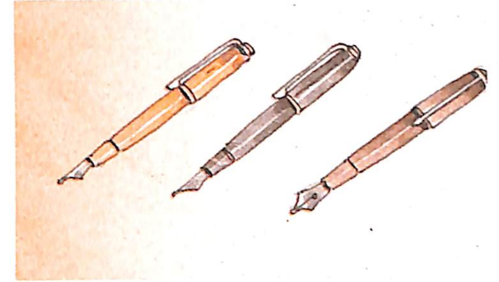
4. भिक्षुकी	....	....

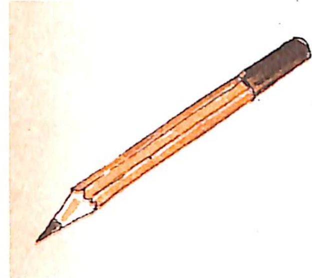
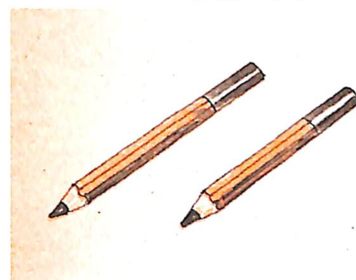

5. कर्त्तरी ....

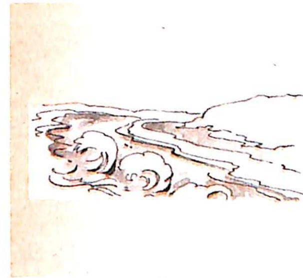
6. चालनी ....

7. लेखनी ....


8. अङ्कनी ....





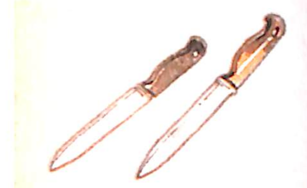
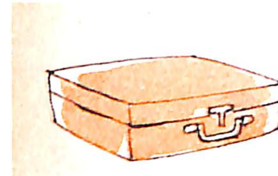
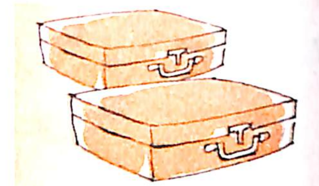
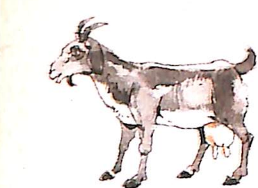
9. नदी ....

अभ्यासः – 22

का / के

चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[चित्र देखकर रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Please look at the pictures and fill in the blanks.]

का ?	के ?	का ?	के ?
			
उदा०- 1. लेखनी	लेखन्यौ	2.	....
			
3.	....	4.	....
			
5.	....	6.	....
			
7.	....	8.	....
			
9.	....	10.	....

अभ्यासः – 23

का / काः

✍ **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

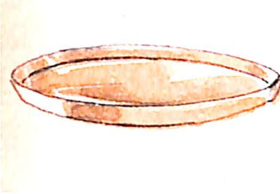
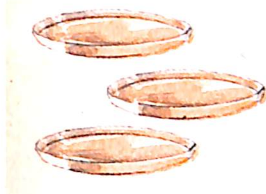
[चित्र देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । Please look at the pictures and fill in the blanks.]

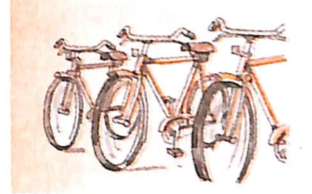
का ? काः ? का ? काः ?






1. ....वैद्या.... ....वैद्याः.... 2. ....मार्जनी.... ....मार्जन्यः....

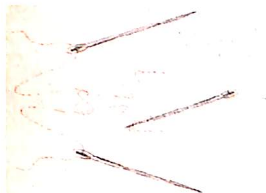
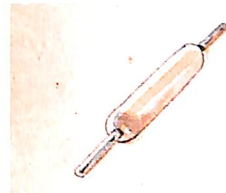
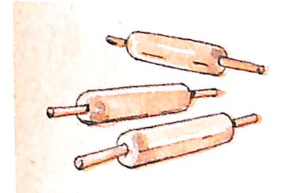


3. .... 4. ....

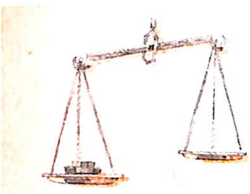





5. .... 6. ....

7. .... 8. ....






9. .... 10. ....

1.3.3 (+) एषा का / एते के / एताः काः

✍ **ध्यानेन पठन्तु। उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[ध्यान से पढ़िए और उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please read carefully and fill in the blanks as per the example .]







1: एषा का ? एते के ? एताः काः ?
एषा वृद्धा। एते वृद्धे। एताः वृद्धाः।







2. एषा का ? एते के ? एताः काः ?
...... अजा। ...... अजे। ...... अजाः।







3. एषा का ? एते के ? एताः काः ?
...... बालिका। ...... बालिके। ...... बालिकाः।







4. एषा का ? एते के ? एताः काः ?
...... छात्रा। ...... छात्रे। ...... छात्राः।





5. एषा का ?
...... जननी ।

एते के ?
...... जनन्यौ ।

एताः काः ?
...... जनन्यः ।





6. एषा का ?
एषा पुत्री ।

एते के ?
.... ।

एताः काः ?
.... ।

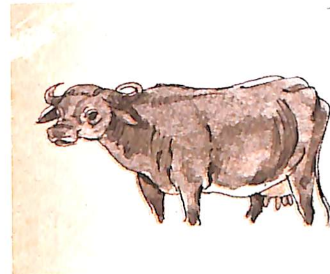




7. एषा का ?
...... नर्त्तकी ।

एते के ?
...... नर्त्तक्यौ ।

एताः काः ?
...... नर्त्तक्यः ।





8. एषा का ?
...... महिषी ।

एते के ?
...... महिष्यौ ।

एताः काः ?
...... महिष्यः ।

अभ्यासः – 24

एषा का/एते के/एताः काः
एषा...../एते...../एताः......

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

एषा का ? एते के ? एताः काः ?



1. एषा अध्यापिका



एते अध्यापिके



एताः अध्यापिकाः



2 .... लता



एते ....



एताः ....



3. एषा शाखा



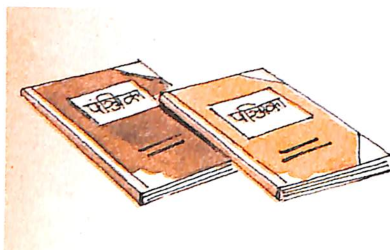
एते ....



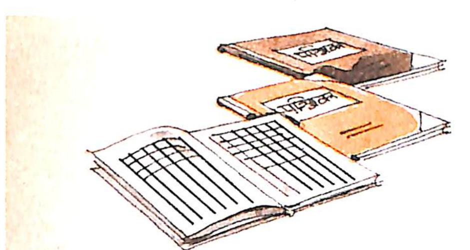
...... शाखाः



4 .... पञ्जिका

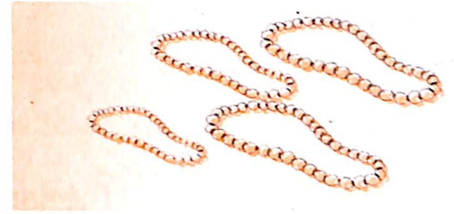


...... पञ्जिके



एताः ....



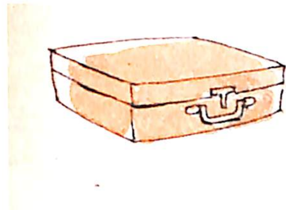
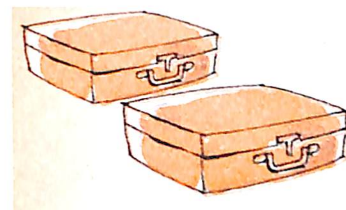
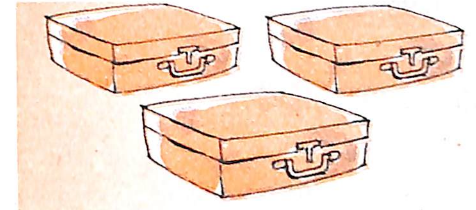


5. एषा माला ...... माले एताः ....





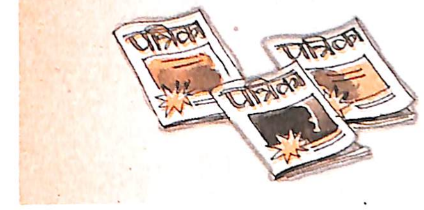
6. एषा मक्षिका ...... मक्षिके ...... मक्षिकाः

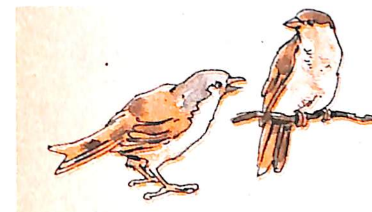
7. ...... पेटिका एते पेटिके एताः ....



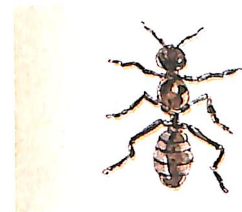
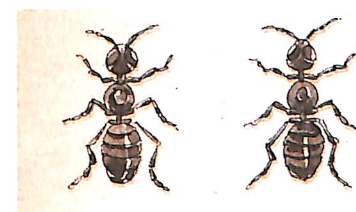
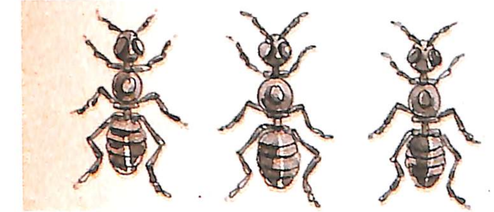




8. एषा पत्रिका एते .... पत्रिकाः


9. एषा .... चटके एताः ....

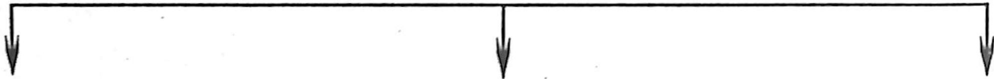




10. ...... पिपीलिका ...... पिपीलिके एताः ....

अभ्यासः – 25

एषा .... / एते .... / एताः ....

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरणानुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the example.]



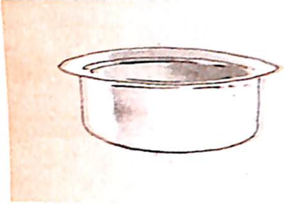
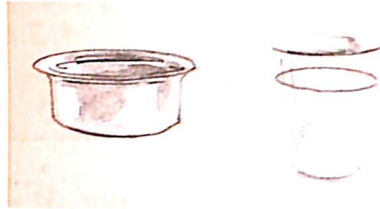
	एषा का ?	एते के ?	एताः काः ?
उदा0–	एषा गृहिणी	एते गृहिण्यौ	एताः गृहिण्यः
1.	एषा नटी	.... नट्यौ	एताः ....
2.	.... नारी	एते	.... नार्यः
3.	.... जननी	एते जनन्यौ	एताः ....
4.	.... चालनी	एते	.... चालन्यः
5.	एषा	.... घट्यौ	एताः ....
6.	एषा कर्त्तरी	.... कर्त्तर्यौ	.... कर्त्तर्यः
7.	.... लेखनी	एते	एताः लेखन्यः
8.	.... अङ्कनी	एते	....
9.	....	....	.... नगर्यः
10.	एषा वेणीं	.... वेण्यौ	....

1.3.4. किम् / के / कानि ?
विमानम्/विमाने/विमानानि
....

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

	किम् ?	के ?	कानि ?
1.	विंमानम्	विमाने	विमानानि
2.	व्यजनम्	..व्यजने...	.व्यजनानि.
3.	छत्रम्	....	..छत्राणि...
4.	सिंहासनम्	....	सिंहासनानि

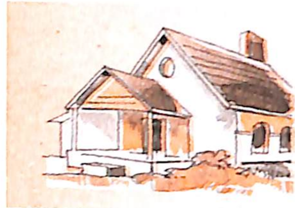
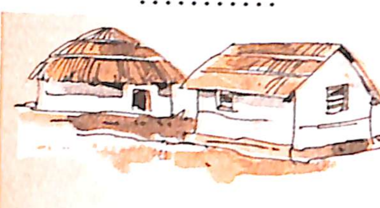




5. पात्रम् .... पात्राणि






6. नाणकम् .... नाणकानि

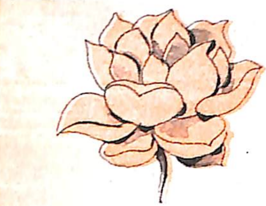
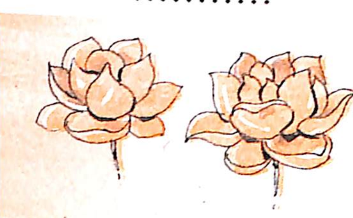
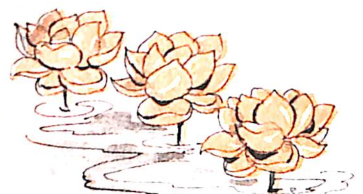




7. गृहम् .... गृहाणि

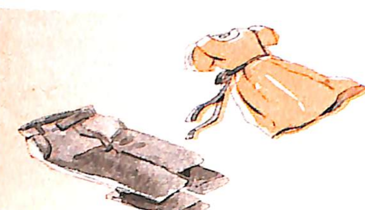




8. नेत्रम् .... नेत्राणि

9. कमलम् .... कमलानि


10. वस्त्रम् .... वस्त्राणि

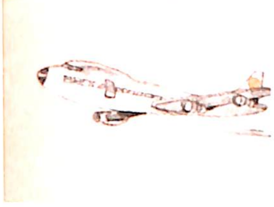
अभ्यासः – 26

किम् / कानि

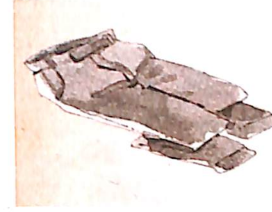
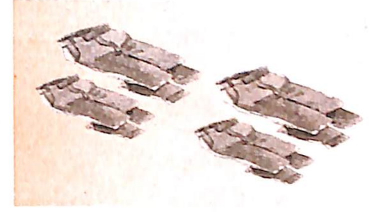
 **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please look at the pictures and fill in the blanks.]

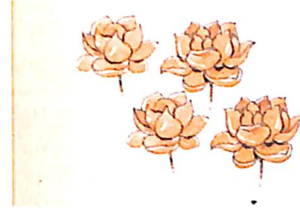
किम् ? कानि ? किम् ? कानि ?

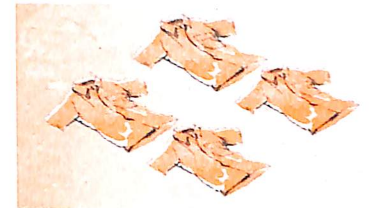
1. .... 2. ....

3. .... 4. ....

5. .... 6. ....

7. .... 8. ....

9. .... 10. ....

अभ्यासः – 27

किम् / के

✍ **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु -**

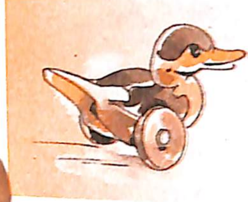
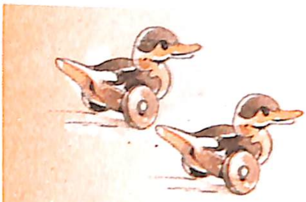
[चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please look at the pictures and fill in the blanks.]

किम् ? के ? किम् ? के ?



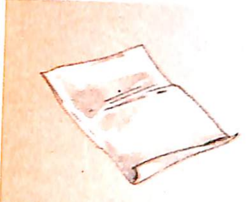
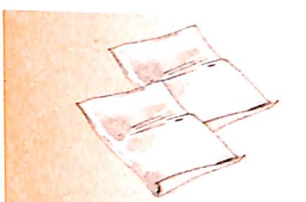


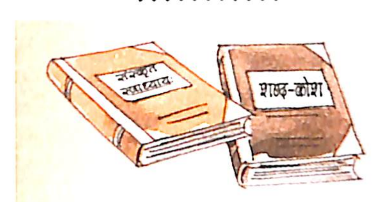

1. .... 2. ....

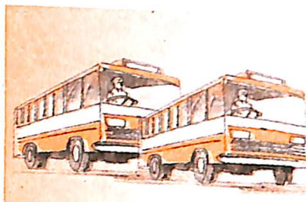


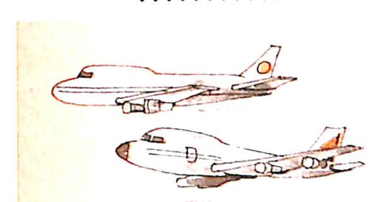
3. .... 4. ....



5. .... 6. ....



7. .... 8. ....



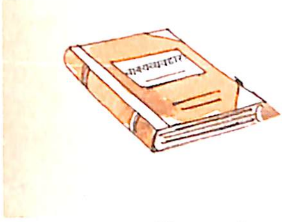



9. .... 10. ....

1.3.5. एतत् किम् / एते के / एतानि कानि

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—

[उदाहरणानुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the example.]



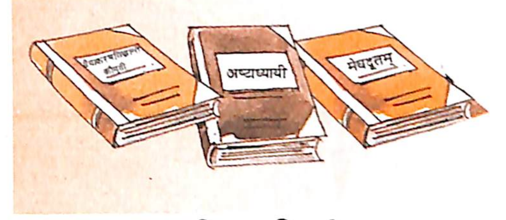
एतत् किम् ?

1. एतत् पुस्तकम्।



एते के ?

एते पुस्तके।



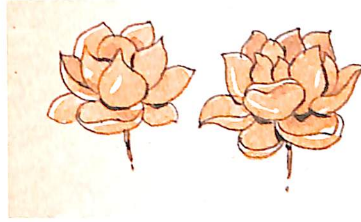
एतानि कानि ?

एतानि पुस्तकानि।



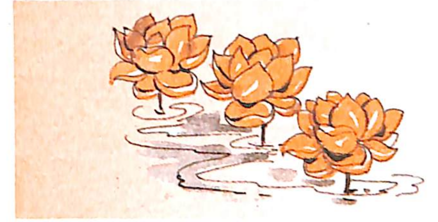
एतत् किम् ?

2. ...... पुष्पम्।



एते के ?

...... पुष्पे।



एतानि कानि ?

...... पुष्पाणि।



एतत् किम् ?

3. ...... फलम्।



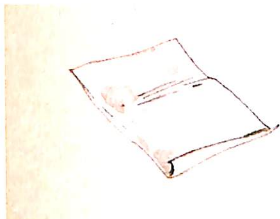
एते के ?

...... फले।



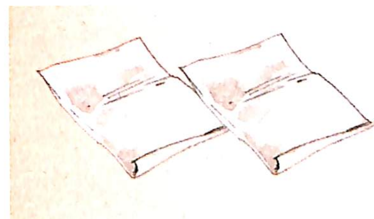
एतानि कानि ?

...... फलानि।



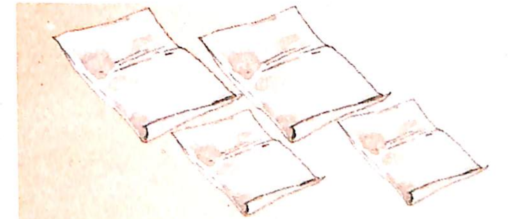
एतत् किम् ?

4. ...... पत्रम्।



एते के ?

...... पत्रे।



एतानि कानि ?

...... पत्राणि।

अभ्यासः – 28

एतत् .... / एते .... / एतानि ....

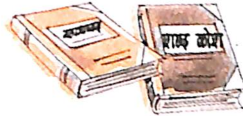
✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

	एतत् किम् ?	एते के ?	एतानि कानि ?
1.	एतत् पुष्पम्	एते पुष्पे	एतानि पुष्पाणि
2.	.... व्यजनम्	एते	...... व्यजनानि
3.	एतत्	.... फले	एतानि ....
4.	.... गृहम्	एते	.... गृहाणि
5.	एतत्	.... मन्दिरे	...... मन्दिराणि
6.	.... नगरम्	एते	एतानि ....
7.	.... पर्णम्	एते	.... पर्णानि
8.	.... कमलम्	.... कमले	एतानि ....
9.	.... द्वारम्	.... द्वारे	एतानि द्वाराणि
10.	.... कागदम्	....	.... कागदानि

1.3.6. एषः / एतौ / एते । एषा / एते / एताः । एतत् / एते / एतानि ।

एतानि ध्यानेन पठन्तु–

[इन्हें ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
		
1. एषः	एतौ	एते
		
2. एषा	एते	एताः
		
3. एतत्	एते	एतानि
		
4. एषः बालकः	एतौ बालकौ	एते बालकाः
		
5. एषा बालिका	एते बालिके	एताः बालिकाः
		
6. एतत् पुस्तकम्	एते पुस्तके	एतानि पुस्तकानि

1.3.7. सः / तौ / ते

उदाहरणानुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु—
[उदाहरण के अनुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Please write answers according to the example.]



1. सः कः ?
सः काकः।



तौ कौ ?
तौ काकौ।



ते के ?
ते काकाः।



2. सः कः ?
सः कपोतः।



तौ कौ ?
....।



ते के ?
....।



3. सः कः ?
सः मकरः।



तौ कौ ?
....।



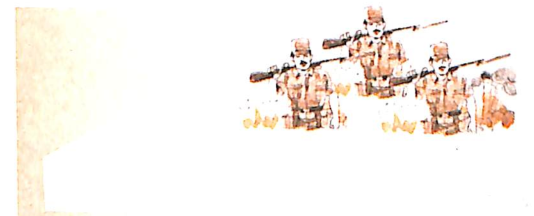
ते के ?
....।



4. सः कः ?
सः सैनिकः।



तौ कौ ?
....।



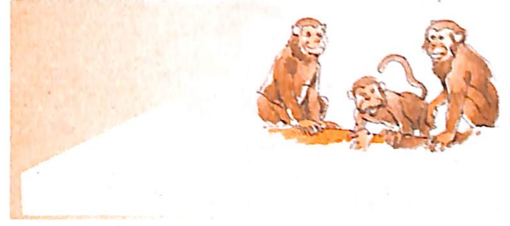
ते के ?
....।





5. सः कः ? तौ कौ ? ते के ?
सः अश्वः । ....। ....।





6. सः कः ? तौ कौ ? ते के ?
सः वानरः । ....। ....।





7. सः कः ? तौ कौ ? ते के ?
सः भल्लूकः । ....। ....।





8. सः कः ? तौ कौ ? ते के ?
सः शुकः । ....। ....।





9. सः कः ? तौ कौ ? ते के ?
सः बकः । ....। ....।

1.3.7. (क) सा / ते / ताः

✍ **उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु-**

[उदाहरणानुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the example.]





1. सा का ? सा चटका। | ते के ? ते चटके। | ताः काः ? ताः चटकाः।





2. सा का ? सा ....। | ते के ? ते ....। | ताः काः ? ताः ....।





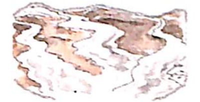
3. सा का ? सा ....। | ते के ? ....। | ताः काः ? ....।





4. सा का ? सा ....। | ते के ? ....। | ताः काः ? ....।

1.3.7. (ख) सा/ते/ताः

		
1. सा का ? सा भिक्षुकी ।	ते के ? ते भिक्षुक्यौ ।	ताः काः ? ताः भिक्षुक्यः ।
		
2. सा का ? सा नर्त्तकी ।	ते के ? .... ।	ताः काः ? ताः .... ।
		
3. र का ? सा	ते के ?	ताः काः ? ताः नद्यः
		
4. सा का ? सा .... ।	ते के ? ..... नार्यौ	ताः काः ? ....

1.3.7 (ग) तत् / ते / तानि

 **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—**
[रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

	तत् किम् ?	ते के ?	तानि कानि ?
1.	तत् फलम्	ते फले	तानि फलानि
2.	तत् पुष्पम्	ते पुष्पे	तानि ....
3.	तत् गृहम्	....	....
4.	तत् व्यजनम्	ते	....
5.	तत् पर्णम्	....	....
6.	तत् पत्रम्	....	....
7.	तत् गृञ्जनम्	....	....
8.	तत् आलुकम्	....	....
9.	तत् पनसम्	....	....
10.	तत् कमलम्	....	....

अवधेयम्

प्रथमा विभक्तिः



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एतत् – शब्दः (सर्वनाम) प्रथमा

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुंलिङ्गे	एषः	एतौ	एते
स्त्रीलिङ्गे	एषा	एते	एताः
नपुंसकलिङ्गे	एतत्	एते	एतानि

तत्–शब्दः (सर्वनाम) प्रथमा

	एकव०	द्विव०	बहुव०
पु० →	सः	तौ	ते
स्त्री० →	सा	ते	ताः
नपुं० →	तत्	ते	तानि

किम्–शब्दः (सर्वनाम) प्रथमा

	एकव०	द्विव०	बहुव०
पु० →	कः	कौ	के
स्त्री० →	का	के	काः
नपुं० →	किम्	के	कानि

प्रथमा-विभक्तौ संज्ञाशब्दाः
(उदाहरणरूपेण)

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदा०	1. 'बालक'–शब्दः →	बालकः	बालकौ	बालकाः
उदा०	2. 'बालिका'–शब्दः →	बालिका	बालिके	बालिकाः
उदा०	3. 'नदी'–शब्दः →	नदी	नद्यौ	नद्यः
उदा०	4. 'पुस्तक'–शब्दः →	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि

अभ्यासः – 29

✍ **चित्रानुसारं प्रश्नम् उत्तरं च लिखन्तु—**

[चित्र के अनुसार प्रश्न तथा उत्तर लिखिए। Please write questions and answers according to the pictures.]



1. प्र० .... ?
उ०.... .... ।



2. प्र० .... ?
उ०.... ...... ।



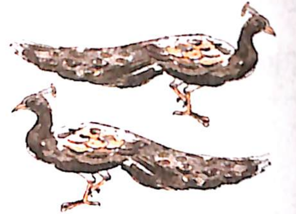
3. प्र० .... ?
उ०.... .... ।



4. प्र० .... ?
उ०.... ...... ।



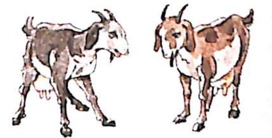
5. प्र० .... ?
उ०.... .... ।



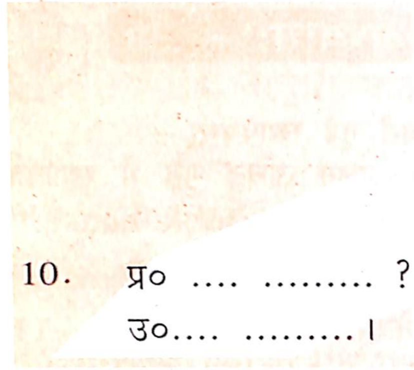
6. प्र० .... ?
उ०.... ...... ।



7. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

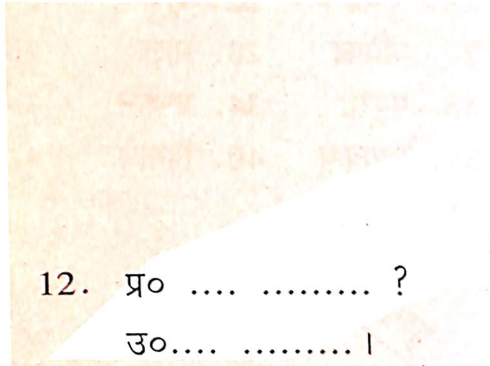
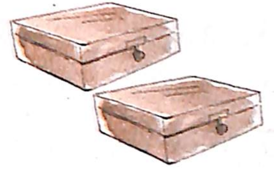


8. प्र० .... ?
उ०.... ...... ।

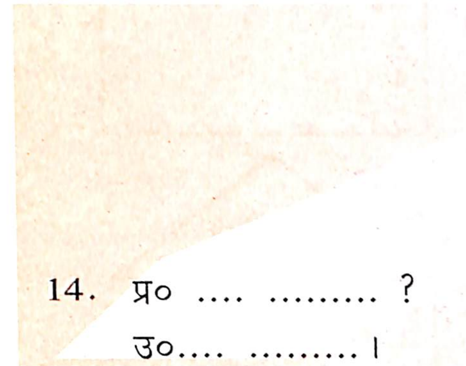

9. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

10. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

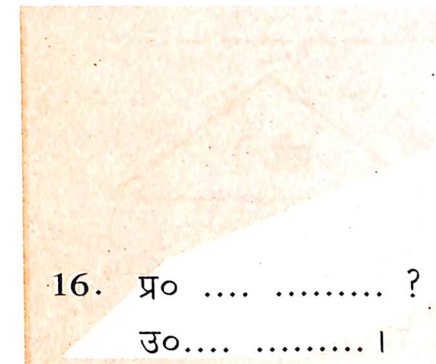
11. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

12. प्र० .... ?
उ०.... .... ।


13. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

14. प्र० .... ?
उ०.... .... ।


15. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

16. प्र० .... ?
उ०.... .... ।

अभ्यासः – 30

एषः / सः, एषा / सा, एतत् / तत् ....

✍ **अधोलिखितशब्दान् एकैकशः उचिते गृहे स्थापयन्तु –**

[निम्नलिखित शब्दों को अलग-अलग उचित गृह में स्थापित कीजिए। Please put the following words separately in a suitable house.

1. छात्रौ	2. मक्षिका	3. नद्यौ	4. वानरौ	5. माला	6. लेखन्यौ
7. चालकः	8. आसन्दः	9. नेत्रम्	10. वृक्षौ	11. काकः	12. द्वाराणि
13. गजाः	14. अश्वौ	15. अध्यापिके	16. कलिके	17. सिंहासने	18. कर्त्तरी
19. कोकिलः	20. कमले	21. पुष्पाणि	22. शूर्पाः	23. अध्यापकौ	24. आकाशः
25. बालकाः	26. फलानि	27. पत्रिका	28. मालाः	29. भल्लूकाः	30. पत्राणि
31. पत्रिके	32. अजा	33. मयूराः	34. पर्णानि	35. उद्याने	36. कलिकाः
37. चालन्यः	38. छत्रम्	39. रूप्यकम्	40. विमाने	41. पात्रम्	42. भिक्षुक्यः
43. नक्षत्रम्	44. गृहे	45. लताः			

गृहम् (1) एषः/सः
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (2) एतौ/तौ
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (3) एते/ते
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (4) एषा/सा
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (5) एते/ते
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (6) एताः/ताः
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (7) एतत्/तत्
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (8) एते/ते
1.
2.
3.
4.
5.

गृहम् (9) एतानि/तानि
1.
2.
3.
4.
5.

प्रथमः स्तबकः

1.4. चतुर्थः पाठः

1.4.1 किम् / आम् / न

✍ आम् / न इति अनयोः उचितं पदं योजयित्वा उत्तराणि लिखन्तु—

[आम् / न इन दोनों में से उचित पद का चयन कर उत्तर लिखिए। Write answers by selecting one suitable word out of the two आम् / न.]



1. किम्, एषः वृक्षः ? आम्



2. किम्, एषः मनुष्यः ? न



3. किम्, एषः गजः ? न



4. किम्, एषः गुल्मः ? न



5. किम्, एषा बालिका ? न



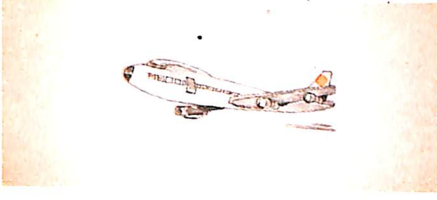
6. किम्, एतत् पुष्पम् ? न



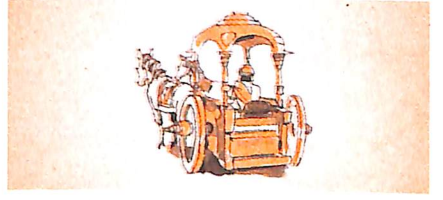
7. किम्, एषः भल्लूकः ? न



8. किम्, एषा अजा ? आम्



9. किम्, एतत् विमानम् ? आम्



10. किम्, एषः रथः ? आम्

अभ्यासः – 31

आम् / न

✍ **चित्रं दृष्ट्वा आम् / न इति अनयोः उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[चित्र देखकर आम् / न इन दोनों में से उचित पद का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
Answer the following questions by selecting one suitable word out of the two आम् / न.]



1. किम्, एतौ गजौ ?
....

2. किम्, ते पेटिके ?
....



3. किम्, एते फले ?
....

4. किम्, ते पुस्तके ?
....



5. किम्, एते छात्रे ?
....



6. किम्, तानि पर्णानि ?
.....



7. किम्, एतौ वृद्धौ ?
....



8. किम्, तौ तरुणौ ?
....



9. किम्, एते अजे ?
.....



10. किम्, तौ वैद्यौ ?
......

अभ्यासः – 32

आम् / न

✍ **उत्तराणि लिखन्तु—**

[उत्तर लिखिए। Write answers.]



1. किम्, एते वानराः ?.....।

2. किम्, ते मयूराः ?.......।



3. किम्, एतानि वस्त्राणि ?...।



4. किम्, ताः कर्त्तर्यः ?.........।



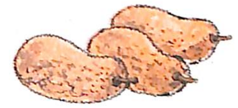
5. किम्, एताः नर्तक्यः ?....।



6. किम्, ताः वृद्धाः ? ......।



7. किम्, एताः चटकाः ?....।



8. किम्, तानि आम्राणि ?.......।



9. किम्, एते वृक्षाः ?........।



10. किम्, ते सर्पाः ?.........।

अभ्यासः – 33

आम्, एषः ....
न, एषः ....

✍ **उदाहरणानुसारम् उत्तराणि लिखन्तु–**

[उदाहरणों को देखकर उत्तर लिखिए। Answer the questions according to the examples.]



1. किम्, एषः गुल्मः ?
न, एषः वृक्षः



2. किम्, एषः सिंहः ?
आम्, एषः सिंहः



3. किम्, एतौ कपोतौ ?
......, ...



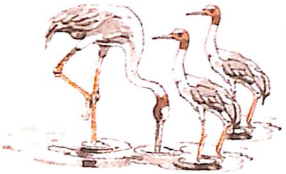
4. किम्, एतानि विमानानि ?
......, ...



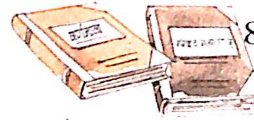
5. किम्, एते द्विचक्रिके ?
......, ...



6. किम्, एषा सम्मार्जनी ?
......, ...



7. किम्, एते शुकाः ?
......, ...



8. किम्, एते पुस्तके ?
....., ...



9. किम्, एतौ हस्तौ ?
......, ..., ...



10. किम्, एतानि फलानि ?
......, ...

1.4.2 अस्ति / नास्ति

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



1. किम्, एषः वृक्षः अस्ति ?
आम्, एषः वृक्षः अस्ति।

2. किम्, सः मयूरः अस्ति ?
न, सः मयूरः नास्ति।
सः शुकः अस्ति।





3. किम्, एषः कपोतः अस्ति ?
आम्, एषः कपोतः अस्ति।

4. किम्, सः सौचिकः अस्ति ?
आम्, सः सौचिकः अस्ति।





5. किम्, एषः वैद्यः अस्ति ?
न, एषः वैद्यः नास्ति।
एषः अध्यापकः अस्ति।

6. किम्, सः सैनिकः अस्ति ?
आम्, सः सैनिकः अस्ति।





7. किम्, एषः रुग्णः अस्ति ?
न, एषः रुग्णः नास्ति।
एषः स्वस्थः अस्ति।

8. किम्, सः रजकः अस्ति ?
न, सः रजकः नास्ति।
सः नापितः अस्ति।



अभ्यासः – 34

✍ **उदाहरणानुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Answer the questions as shown in the examples.]



1. किम्, एषा कलिका अस्ति ?
   न, एषा कलिका नास्ति।
   एषा लता अस्ति।

2. किम्, सा दर्वी अस्ति ?
   न, सा दर्वी नास्ति।
   सा चालनी अस्ति।





3. किम्, एषा लेखनी अस्ति ?
   न, एषा लेखनी नास्ति।
   एषा अङ्कनी अस्ति।

4. किम्, सा गृहगोधिका अस्ति ?
   आम्, सा गृहगोधिका अस्ति।





5. किम्, एषा मयूरी अस्ति ?
   .... ।

6. किम्, सा स्थालिका अस्ति ?
   .... ।
   .... ।





7. किम्, एषा गोशाला अस्ति ?
   ... . ।
   .... ।

8. किम्, सा पेटिका अस्ति ?
   .... ।



अभ्यासः – 35

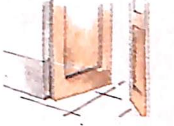
✍ **उदाहरणानुसारं प्रश्नान् उत्तरन्तु-**

[उदाहरण को देखकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Answer the questions as shown in the example.]



1. किम्, एतत् फलम् अस्ति ?
न, एतत् फलं नास्ति।
एतत् पुष्पम् अस्ति।

2. किम्, तत् वातायनम् अस्ति ?
....।
....।





3. किम्, एतत् मन्दिरम् अस्ति ?
....।
....।

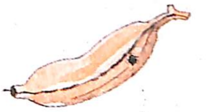
4. किम्, तत् उद्यानम् अस्ति ?
....।





5. किम्, एतत् आम्रम् अस्ति ?
....।

6. किम्, तत् कदलीफलम् अस्ति ?
....।





7. किम्, एतत् उपनेत्रम् अस्ति ?
....।

8. किं तत् मुखम् अस्ति ?
....।
....।



अभ्यासः – 36

✍ **एतानि चित्राणि ध्यानेन पश्यन्तु–**

[इन चित्रों को ध्यान से देखिए । Please look at these pictures carefully.]



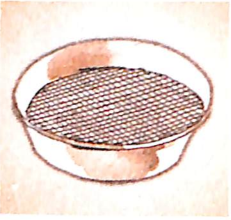
पादरक्षे









पुष्पाधानी


















अस्ति / नास्ति

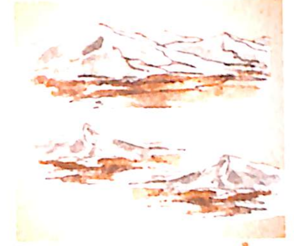
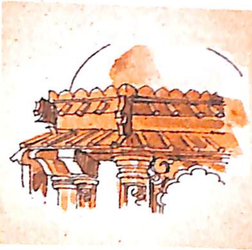
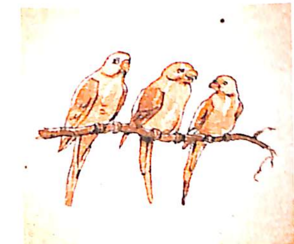
✍ **पूर्वपृष्ठे कस्य चित्रम् अस्ति कस्य चित्रं नास्ति इति लिखन्तु-**
[पूर्व पृष्ठ में दिये गये चित्रों में ढूंढ़िये किस का चित्र है किस का नहीं। Search the above given pictures to find out which object is there and which is not.]

1.	पर्णम्	.....अस्ति.....	18.	पुनःपूरणी	....
2.	पुस्तकम्	....	19.	पत्रसूची	....
3.	फलम्	....	20.	पादरक्षा	....
4.	क्रीडनकम्	....	21.	वेल्लनी	....
5.	अजा	....	22.	चालनी	....
6.	अश्वः	....	23.	मूषकः	....
7.	दाडिमम्	....	24.	समदर्वी	....
8.	द्विचक्रिका	....	25.	वृक्षः	....
9.	आलुकम्	....	26.	पत्रवाहकः	....
10.	आम्रम्	....	27.	गोपालकः	....
11.	अङ्कनी	....	28.	सिंहः	....
12.	पनसम्	....	29.	घटी	....
13.	मक्षिका	....	30.	लता	....
14.	लता	....	31.	छुरिका	....
15.	पिपीलिका	....	32.	रूप्यकम्	....
16.	शाटिका	....	33.	करांशुकम्	....
17.	व्यजनम्	....	34.	पादांशुकम्	....

1.4.3 कः अस्ति / कौ स्तः / के सन्ति
..... अस्ति / ..... स्तः / ..... सन्ति

 **सम्यक् पठन्तु, रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—**

[अच्छी तरह से पढ़िए और रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Please read carefully and fill in the blanks.]

कः अस्ति ?	कौ स्तः ?	के सन्ति ?
		
1. वृक्षः अस्ति।	वृक्षौ स्तः।	वृक्षाः सन्ति।
		
2. पर्वतः अस्ति।	पर्वतौ स्तः।	पर्वताः सन्ति।
		
3. देवालयः अस्ति।	देवालयौ ....।	देवालयाः ....।
		
4. शुकः अस्ति।	शुकौ ....।	शुकाः ....।



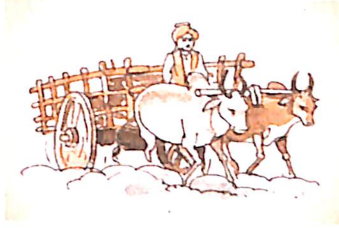
5. वृद्धः अस्ति ।



वृद्धौ स्तः ।



वृद्धाः सन्ति ।



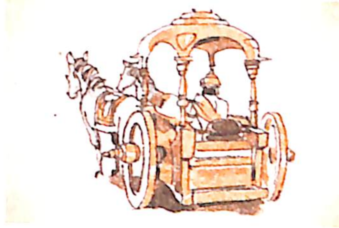
6. शकटः ...... ।



.... ।



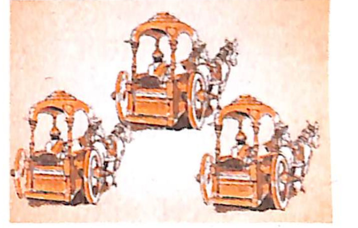
.... ।



7. रथः .... ।



.... ।



.... ।



8. दण्डः .... ।



.... ।



.... ।



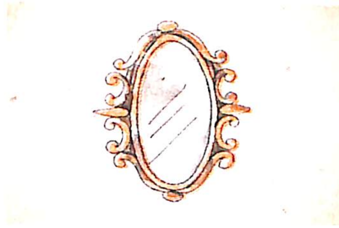
9. दीपः ...... ।



.... ।



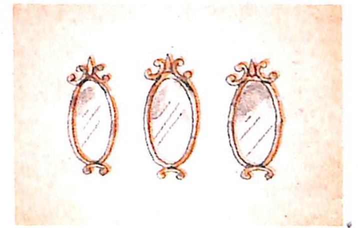
.... ।



10. दर्पणः ...... ।



.... ।



.... ।

1.4.3 (क) का अस्ति / के स्तः / काः सन्ति
..... अस्ति / ..... स्तः / ..... सन्ति

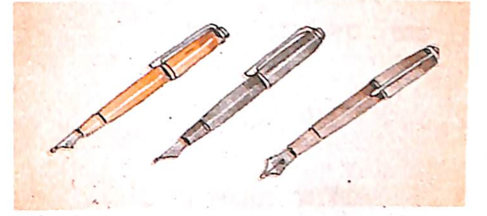
✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु—**
[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the examples.]

	का अस्ति ?	के स्तः ?	काः सन्ति ?
1.	शिला अस्ति।	शिले स्तः।	शिलाः सन्ति।
2.	माला अस्ति।	.... ।	.... ।
3.	नौका अस्ति।	.... ।	.... ।
4.	कलिका अस्ति।	.... ।	.... ।
5.	पत्रिका अस्ति।	.... ।	.... ।
6.	मक्षिका अस्ति।	.... ।	.... ।
7.	पिपीलिका अस्ति।	.... ।	.... ।
8.	पेटिका अस्ति।	.... ।	.... ।
9.	बालिका अस्ति।	.... ।	.... ।
10.	अजा अस्ति।	.... ।	.... ।
11.	शाटिका अस्ति।	.... ।	.... ।
12.	वाटिका अस्ति।	.... ।	.... ।
13.	नाटिका अस्ति।	.... ।	.... ।
14.	रोटिका अस्ति।	.... ।	.... ।
15.	लता अस्ति।	.... ।	.... ।

1.4.3 (ख) का अस्ति / के स्तः / काः सन्ति ..... अस्ति / ..... स्तः / ..... सन्ति

उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु—

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

का अस्ति ?	के स्तः ?	काः सन्ति ?
		
यथा-1. लेखनी अस्ति।	लेखन्यौ स्तः।	लेखन्यः सन्ति।
2. अङ्कनी अस्ति।	.... ।	.... ।
3. दैनन्दिनी अस्ति।	.... ।	.... ।
4. नारी अस्ति।	.... ।	.... ।
5. कर्त्तरी अस्ति।	.... ।	.... ।
6. नखरञ्जनी अस्ति।	.... ।	.... ।
7. नर्तकी अस्ति।	.... ।	.... ।
8. घटी अस्ति।	.... ।	.... ।
9. भगिनी अस्ति।	.... ।	.... ।
10. चालनी अस्ति।	.... ।	.... ।

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु—** **1.4.3 (ग) किम् अस्ति / के स्तः / कानि सन्ति ....अस्ति / ....स्तः / ....सन्ति**

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

	किम् अस्ति ?	के स्तः ?	कानि सन्ति ?
			
1. यथा-	पुस्तकम् अस्ति।	पुस्तके स्तः।	पुस्तकानि सन्ति।
2.	फलम् अस्ति।	.... ।	.... ।
3.	पुष्पम् अस्ति।	.... ।	.... ।
4.	पत्रम् अस्ति।	.... ।	.... ।
5.	त्रिशूलम् अस्ति।	.... ।	.... ।
6.	नेत्रम् अस्ति।	.... ।	.... ।
7.	उष्णीषम् अस्ति।	.... ।	.... ।
8.	विमानम् अस्ति।	.... ।	.... ।
9.	व्यजनम् अस्ति।	.... ।	.... ।
10.	सिंहासनम् अस्ति।	.... ।	.... ।
11.	कमलम् अस्ति।	.... ।	.... ।
12.	चक्रम् अस्ति।	.... ।	.... ।
13.	रूप्यकम् अस्ति।	.... ।	.... ।
14.	चित्रम् अस्ति।	.... ।	.... ।

अभ्यासः – 37

अस्ति / स्तः / सन्ति

✍ रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. छात्राः ....।
2. बालिके ....।
3. पुष्पाणि ....।
4. फलम् ....।
5. गृहम् ....।
6. मधुमक्षिका ....।
7. चटकाः ....।
8. मयूराः ....।
9. तरुण्यौ ....।
10. आसन्दः ....।
11. एतौ छात्रौ ....।
12. तौ अध्यापकौ ....।
13. ताः अध्यापिकाः ....।
14. सः वृद्धः ....।
15. एतानि पर्णानि ....।
16. एतौ वानरौ ....।
17. तौ बकौ ....।
18. एतानि आम्राणि ....।
19. एषः तरुणः ....।
20. पेटिका ....।
21. वृक्षौ ....।
22. बीजम् ....।
23. दण्डाः ....।
24. काष्ठानि ....।
25. वस्त्रम् ....।
26. सिंहौ ....।
27. दर्व्यः ....।
28. एताः अध्यापिकाः ....।
29. एते सज्जनाः ....।
30. तौ वैद्यौ ....।

अवधेयम्

 **ध्यानेन स्मरन्तु–**

[ध्यान से स्मरण कीजिए। *Please remember carefully.*]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	प्रथमे पुरुषे कर्तृपदम्	एषः	एतौ	एते
		एषा	एते	एताः
		एतत्	एते	एतानि
		सः	तौ	ते
		सा	ते	ताः
		तत्	ते	तानि
		कः	कौ	के
		का	के	काः
		किम्	के	कानि
		बालकः	बालकौ	बालकाः
		बालिका	बालिके	बालिकाः
		नदी	नद्यौ	नद्यः
		पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
		....	....	....
	प्रथमे पुरुषे क्रियापदम्	अस्ति	स्तः	सन्ति
मध्यमः पुरुषः	कर्तृपदम् क्रियापदम्			
उत्तमः पुरुषः	कर्तृपदम् क्रियापदम्			

अग्रे पठिष्यामः

[आगे पढ़ेंगे। We shall study later on.]

अवधेयम्

 **सम्यक् पठन्तु–**

[अच्छी तरह से पढ़िए। Please read carefully.]

ते

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुंलिङ्गे	सः	तौ	ते
स्त्रीलिङ्गे	सा	ते	ताः
नपुंसकलिङ्गे	तत्	ते	तानि

एते

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुंलिङ्गे	एषः	एतौ	एते
स्त्रीलिङ्गे	एषा	एते	एताः
नपुंसकलिङ्गे	एतत्	एते	एतानि

अभ्यासः – 38

एते / ते स्तः / सन्ति

✍ स्तः / सन्ति एतयोः उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु-
[स्तः / सन्ति इनमें से उचित पद का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by selecting one suitable word between the two. स्तः / सन्ति]

1. एते हरिणाः ....।
2. एते पुस्तके ....।
3. ते बालिके ....।
4. एते बालकाः ....।
5. ते कलिके ....।
6. ते पर्णे ....।
7. ते बालकाः ....।
8. एते ग्रन्थाः ....।
9. ते माले ....।
10. ते आसन्दाः ....।
11. ते लेखन्यौ ....।
12. ते फले ....।
13. एते द्विचक्रिके ....।
14. एते चक्रे ....।
15. एते पुरुषाः ....।
16. ते मयूराः ....।
17. ते मयूर्यौ ....।
18. एते आम्रे ....।
19. ते लते ....।
20. ते व्यजने ....।

प्रथमः स्तबकः

1.5 पञ्चमः पाठः

[क्रियापरिचयः]

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]


पठति


लिखति


क्रीडति


नमति


गायति


हसति


खादति


पतति


गच्छति


आगच्छति


पश्यति


वदति


उपविशति


उत्तिष्ठति


धावति


पठति


लिखति


क्रीडति


नमति


गायति


हसति


खादति


पतति


गच्छति


आगच्छति


पश्यति


वदति


उपविशति


उत्तिष्ठति


धावति

अभ्यासः – 39

 **चित्राणि दृष्ट्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु –**

[चित्रों को देखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Look at the pictures and fill in the blanks.]



1. ....

6. अर्चति.........





2. ....

7. खादति...........





3. प्रक्षालयति......

8. पिबति.........





4. भ्रमति..........

9. ....





5. स्नाति..........

10. आरोहति........





11. उपविशति ....

16. क्रीडति ....





12. अवतरति ....

17. ....





13. प्रविशति ....

18. ....





14. ....

19. वदति ....





15. ....

20. निद्राति ....



अभ्यासः – 40

कर्तृक्रियाप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences according to example.]


बालकः


बालिका


तरुणः


भक्तः

1. बालकः पठति । 2. .... । 3. .... । 4. .... ।


गायकः


नटः


वानरः

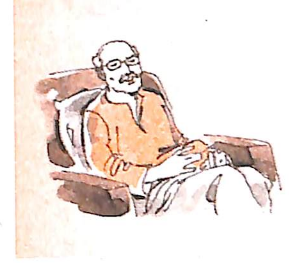

बालकः

5. .... । 6. .... । 7. .... । 8. .... ।


पुत्री


वृद्धा


अध्यापकः


वृद्धः

9. .... । 10. .... । 11. .... । 12. .... ।


जननी


चोरः


यात्रिकः


धनिकः

13. .... । 14. .... । 15. .... । 16. .... ।

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

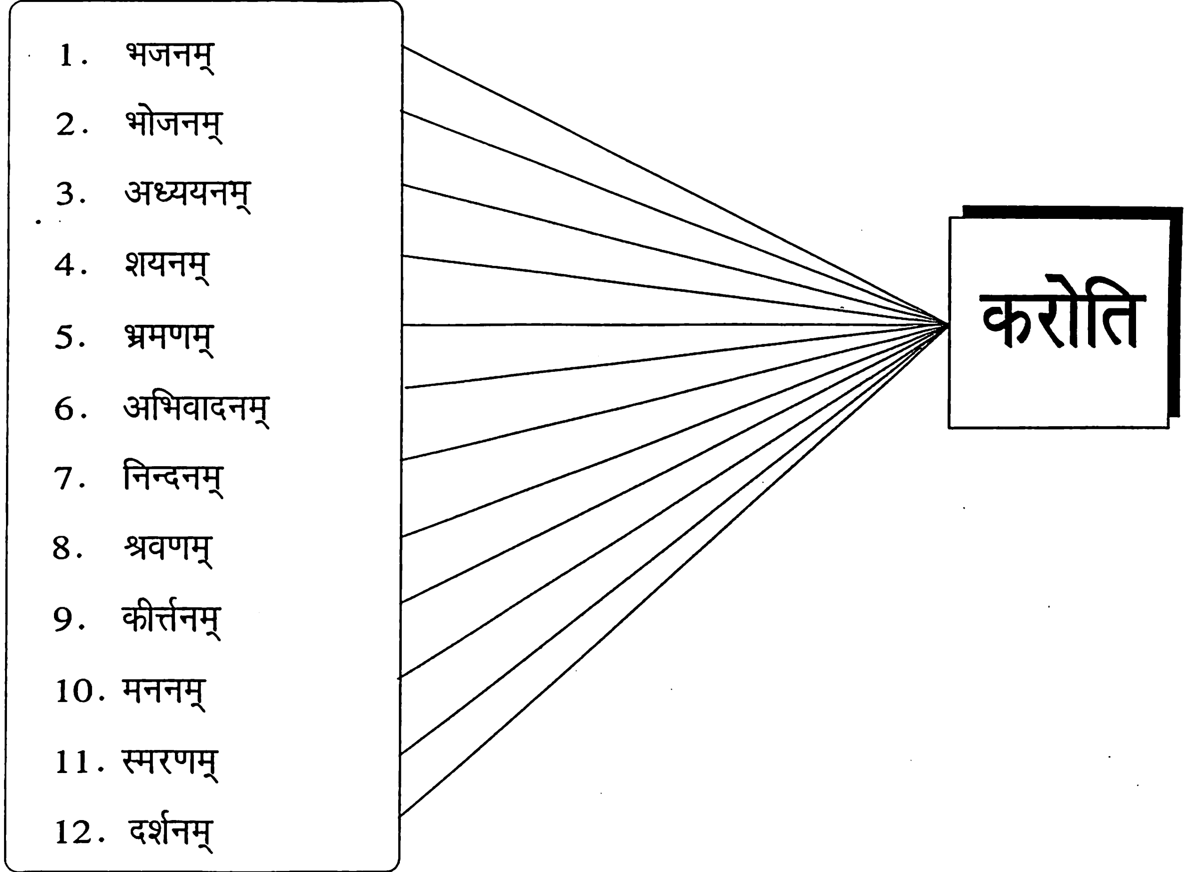
1.5..2 करोति

बालकः <u>नमति</u>।	=	बालकः <u>नमनं करोति</u>।
बालकः <u>स्मरति</u>।	=	बालकः <u>स्मरणं करोति</u>।
बालकः <u>भ्रमति</u>।	=	बालकः <u>भ्रमणं करोति</u>।
बालकः <u>रोदिति</u>।	=	बालकः <u>रोदनं करोति</u>।
बालकः <u>ध्यायति</u>।	=	बालकः <u>ध्यानं करोति</u>।
बालकः <u>निन्दति</u>।	=	बालकः <u>निन्दनं करोति</u>।
सिंहः <u>गर्जति</u>।	=	सिंहः <u>गर्जनं करोति</u>।
वृद्धः चिन्तयति।	=	वृद्धः <u>चिन्तनं करोति</u>।
सः शृणोति।	=	सः <u>श्रवणं करोति</u>।
सः <u>स्नाति</u>।	=	सः <u>स्नानं करोति</u>।
बालकः <u>निद्राति</u>।	=	बालकः <u>निद्रां करोति</u>।
बालिका <u>रचयति</u>।	=	बालिका <u>रचनां करोति</u>।

अभ्यासः – 41

..... करोति

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences according to the example.]



उदा0–1. भक्तः ....भजनं... ....करोति... ।

2. बुभुक्षितः .... ।

3. संशोधकः .... ।

4. रुग्णः .... ।

5. पथिकः .... ।

6. विनीतः .... ।

7. दुष्टः .... ।

8. गीतप्रियः .... ।

9. भक्तः .... ।

10. पण्डितः .... ।

11. छात्रः .... ।

12. भक्तः .... ।

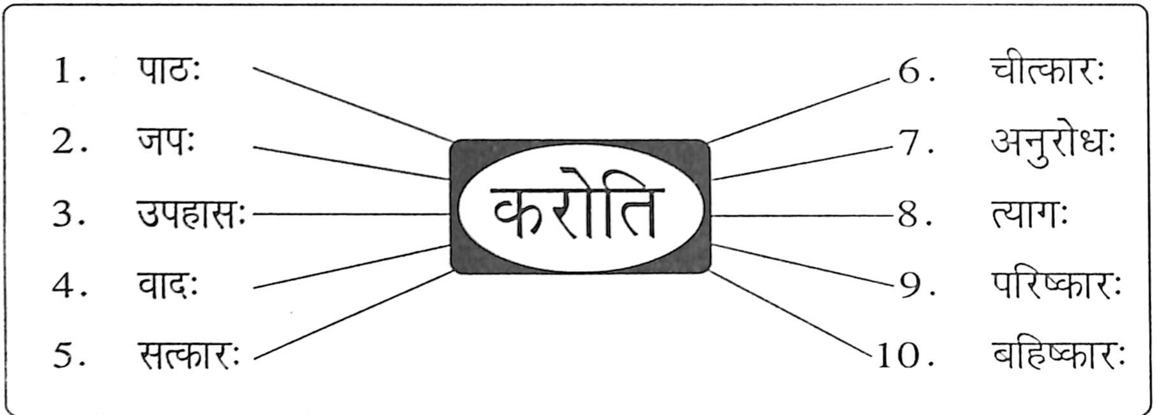
अभ्यासः – 42

..... करोति



उदाहरणानुसारं वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences according to the examples.]



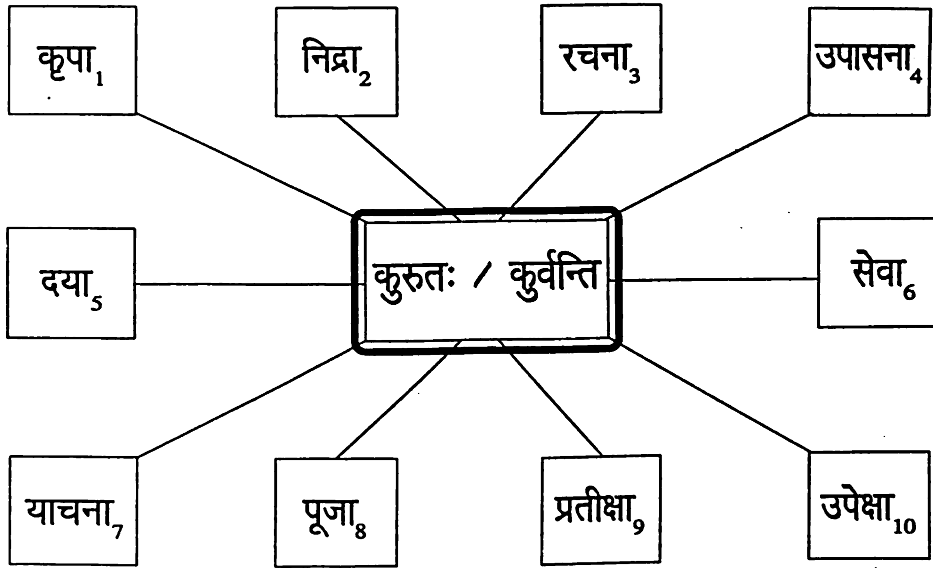
1. अध्यापकः.... पाठं.... करोति..... ।
2. मुनिवरः .... ।
3. दुष्टः .... ।
4. पण्डितः .... ।
5. गृहिणी .... ।
6. रुग्णः .... ।
7. धनिकः .... ।
8. सज्जनः .... ।
9. अध्यापिका .... ।
10. नृपः .... ।

अभ्यासः – 43

..... करोति

 **उदाहरणानुसारं वाक्यानि रचयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences according to the example.]



उदा0– 1. देवाः ..कृपां... ...कुर्वन्ति... ।

2. अलसाः .... ।

3. अध्यापकाः .... ।

4. भक्ताः .... ।

5. सज्जनाः .... ।

उदा0– 6. समाजसेवकौ ..सेवां... ..कुरुतः.. ।

7. भिक्षुकौ .... ।

8. अर्चकौ .... ।

9. यात्रिकौ .... ।

10. अलसौ .... ।

अभ्यासः – 44

कर्तृ-क्रियाप्रयोगाः

चित्रानुसारं कः किं करोति इति लिखन्तु–

[चित्रों को देखकर कौन क्या कर रहा है, यह लिखिए। Look at the pictures and write the actions accordingly.]



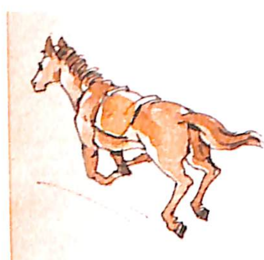



1. गजः पिबति । 2. .... । 3. .... । 4. .... ।






5. .... । 6. .... । 7. .... । 8. .... ।



9. .... । 10. .... । 11. .... । 12. .... ।

महिला, बालकः, विदूषकः, धनिकः, वृद्धः, गजः, मूषकः, लेखिका, मयूरः, अश्वः, भक्तः, फलम् ।	नमति, यच्छति, नृत्यति, स्नाति, पतति, गच्छति, गायति, पिबति, खादति, धावति, हसति, लिखति ।

अभ्यासः – 45

कर्तृ-क्रियाप्रयोगाः

चित्रानुगुणं वाक्यानि लिखन्तु–

[चित्रों को देखकर वाक्यों को लिखिए। Look at the pictures and write sentences accordingly.]


1. .... ।


2. .... ।


3. .... ।


4. .... ।


5. .... वुक्कति ।


6. ...... गर्जति ।


7. .... ।


8. .... ।


9. .... ।


10. .... ।


11. .... ।


12. .... ।


13. .... ।


14. .... ।


15. .... ।


16. .... ।


17. .... ।


18. .... ।


19. .... ।


20. .... ।

1.5.3 वर्तमानकाले प्रथमपुरुषे वचनत्रयम्

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



1. उत्तिष्ठति



उत्तिष्ठतः



उत्तिष्ठन्ति



2. नमति



नमतः



नमन्ति



3. गच्छति



गच्छतः



गच्छन्ति



4. भ्रमति



भ्रमतः



भ्रमन्ति

अभ्यासः – 46

त्रिषु वचनेषु कर्तृक्रियालेखनम्

उदाहरणानुरूपं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

उदाहरणों के अनुरूप रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks according to the example.]

किं करोति ?	किं कुरुतः ?	किं कुर्वन्ति ?
		

उदा०– 1.	सिंहः गर्जति	सिंहौ गर्जतः	सिंहाः गर्जन्ति
2.	मृगः धावति	मृगौ धावतः	मृगाः धावन्ति
3.	मूषकः खादति	....	....
4.	बिडालः पिबति	....	....
5.	पिकः कूजति	....	....
6.	शुकः कूजति	....	....
7.	मयूरः नृत्यति	....	....
8.	कृषकः कर्षति	....	....
9.	सैनिकः रक्षति	....	....
10.	वानरः आरोहति	....	....
11.	अजा चरति	....	....
12.	बाला वदति	....	....
13.	महिला गायति	....	....
14.	अम्बा पचति	....	....
15.	पुष्पं विकसति	....	....
16.	छात्रः तिष्ठति	....	....
17.	फलं पतति	....	....
18.	वाहनं चलति	....	....
19.	बालः हसति	....	....
20.	वृद्धः पश्यति	....	....

अभ्यासः – 47

वर्तमानकाले प्रथमपुरुषे क्रियालेखनम्

यथोचितानि रूपाणि रिक्तस्थानेषु लिखन्तु–
[यथोचित रूपों को रिक्त स्थान में लिखिए । Fill in the blanks with proper form of verb.]

उदा०– 1.	पिबति	पिबतः	पिबन्ति ।
2.	....	खादतः	.... ।
3.	....	....	धावन्ति ।
4.	जिघ्रति	....	.... ।
5.	....	पश्यतः	.... ।
6.	नमति	....	.... ।
7.	....	....	गच्छन्ति ।
8.	....	....	रटन्ति ।
9.	आरोहति	आरोहतः	आरोहन्ति ।
10.	....	अर्चतः	.... ।
11.	....	....	रक्षन्ति ।
12.	गायति	....	.... ।
13.	....	विकसतः	.... ।
14.	....	....	चलन्ति ।
15.	....	....	हसन्ति ।
16.	....	स्नातः	.... ।

अभ्यासः – 48

क्रियाप्रयोगाः

उदाहरणानुरूपं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुरूप रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks according to example.]



1. हरिणौ .... ।



2. वानरौ आरोहतः ।



3. बालकौ .... ।



4. बालौ .... ।



5. बालिका .... ।



6. रुग्णः .... ।



7. बालकौ .... ।



8. छात्रौ .... ।



9. बालिका .... ।



10. फले .... ।



11. तरुणौ .... ।



12. कृषकः .... ।



13. पुष्पाणि .... ।



14. धनिकः .... ।



15. सिंहौ .... ।



16. तरुणाः .... ।

गर्जतः, गायति, विकसन्ति, यच्छति, पततः, प्रविशतः, नमतः,
खादतः, कर्षति, पश्यतः, उपविशति, तरन्ति, क्रीडतः, लिखति

अभ्यासः – 49

वचनानुगुणं कर्तृक्रियालेखनम्



चित्रं दृष्ट्वा कर्तृपदस्य क्रियापदस्य च उचितं वचनं लिखन्तु–

[चित्र देखकर कर्ता पद और क्रिया पद के उचित वचन को लिखिए। Look at the pictures and write the suitable numbers of the subject and verb.]


(पठति)


(लिखति)


(अर्चति)


(गायति)

1. बालकौ पठतः। 2. ....। 3. ....। 4. ....।


(खादति)


(क्रीडति)


(आरोहति)


(तरति)

5. ....। 6. ....। 7. ....। 8. ....।


(धावति)


(पिबति)


(नमति)


(यच्छति)

9. ....। 10. ....। 11. ....। 12. ....।

अभ्यासः – 50

प्रथमपुरुषस्य पुंलिङ्गेन कर्तृपदेन सह वर्तमानकाले क्रियाप्रयोगाः

उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Make sentences according to the example.]

उदा०–	एषः मयूरः अस्ति।	एतौ मयूरौ स्तः।	एते मयूराः सन्ति।
	मयूरः नृत्यति।	मयूरौ नृत्यतः।	मयूराः नृत्यन्ति।
1.	एषः वानरः अस्ति।	....।	....।
	वानरः आरोहति।	...... आरोहतः।	...... आरोहन्ति।
2.	एषः हंसः अस्ति।	....।	....।
	हंसः तरति।	....।	....।
3.	एषः सिंहः अस्ति।	....।	....।
	सिंहः गर्जति।	....।	....।
4.	एषः भक्तः अस्ति।	....।	....।
	भक्तः भजति।	....।	....।
5.	एषः छात्रः अस्ति।	....।	....।
	छात्रः पठति।	....।	....।

अभ्यासः – 51

प्रथमपुरुषस्य स्त्रीलिङ्गेन कर्तृपदेन सह वर्तमानकाले क्रियाप्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Make sentences according to the example.]

उदा०–	एषा बालिका अस्ति।	एते बालिके स्तः।	एताः बालिकाः सन्ति।
	बालिका पश्यति।	बालिके पश्यतः।	बालिकाः पश्यन्ति।
1.	एषा वृद्धा अस्ति।	....।	....।
	वृद्धा अर्चति।	....।	....।
2.	एषा कलिका अस्ति।	....।	....।
	कलिका विकसति।	....।	....।
3.	एषा महिला अस्ति।	....।	....।
	महिला नृत्यति।	....।	....।
4.	एषा लेखिका अस्ति।	....।	....।
	लेखिका लिखति।	....।	....।
5.	एषा छात्रा अस्ति।	....।	....।
	छात्रा गायति।	....।	....।

अभ्यासः – 52

प्रथमपुरुषस्य विविधकर्तृपदैः सह वर्तमानकाले क्रियाप्रयोगाः

द्विवचन–बहुवचनयोः वाक्यप्रयोगं कुर्वन्तु–
[द्विवचन और बहुवचन में वाक्य प्रयोग कीजिए। Change the number and rewrite the sentences.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदा०–	1. एषः सिंहः अस्ति।	....।	....।
	सिंहः भ्रमति।	....।	....।
	2. एतत् पुष्पम् अस्ति।	....।	....।
	पुष्पं विकसति।	....।	....।
	3. एषः वृक्षः अस्ति।	....।	....।
	वृक्षः फलति।	....।	....।
	4. एतत् मित्रम् अस्ति।	....।	....।
	मित्रं प्रसीदति।	....।	....।
	5. एषः दीपः अस्ति।	....।	....।
	दीपः ज्वलति।	....।	....।
	6. एषा सारिका अस्ति।	....।	....।
	सारिका उपविशति।	....।	....।
	7. एषा गृहिणी अस्ति।	....।	....।
	गृहिणी पचति।	....।	....।
	8. एतत् यानम् अस्ति।	....।	....।
	यानं चलति।	....।	....।

प्रथमः स्तबकः

1.6 षष्ठः पाठः

1.6.1 अहम् / त्वम्



ध्यानेन पठन्तु,

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]


अहम् अध्यापकः


त्वं छात्रः


अहं वृद्धः


त्वं बालः


अहम् आचार्यः


त्वं शिष्यः


अहं नृपः


त्वं सेवकः


अहं कुम्भकारः


त्वं स्वर्णकारः


अहं वैद्यः


त्वं रुग्णः


अहं भक्तः


त्वं देवः


अहम् आरक्षकः


त्वं चौरः

अभ्यासः – 53

अहम् / त्वम्

 **ध्यानेन पठन्तु, चित्रानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए और चित्रों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please read carefully and fill in the blanks according to the pictures.]



अहम् अध्यापिका



त्वं छात्रा



अहं वृद्धा



त्वं बाला



1. .... वैद्या



2. .... रुग्णा



3. .... अग्रजा



4. .... अनुजा



5. .... जननी



6. .... पुत्री



7. .... स्थूला



8. .... कृशा



9. ...... स्वामिनी



10. ...... सेविका



11. ..... गायिका



12. ...... नर्तकी

1.6.2 अहम् / आवाम् / वयम्



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकवचनम्   द्विवचनम्   बहुवचनम्



अहम्



आवाम्



वयम्



अहं वैद्यः



आवां वैद्यौ



वयं वैद्याः



अहम् अध्यापकः



आवाम् अध्यापकौ



वयम् अध्यापकाः



अहम् अध्यापिका



आवाम् अध्यापिके



वयम् अध्यापिकाः



अहं बालिका



आवां बालिके



वयं बालिकाः

अभ्यासः – 53+

अहम् .... / आवाम् .... / वयम् ....

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. अहं स्वर्णकारः।	.... स्वर्णकारौ।	.... स्वर्णकाराः।
2. अहं चालकः।	.... चालकौ।	....।
3. .... रजकः।	आवां रजकौ।	.... रजकाः।
4. अहम् उद्यानपालकः।	....।	वयम् उद्यानपालकाः।
5. .... सौचिकः।	.... सौचिकौ।	वयं सौचिकाः।
6. ....।	आवां न्यायाधीशौ।	....।
7. अहं चिकित्सकः।	....।	....।
8. अहं पत्रवाहकः।	....।	....।
9. अहं गोपालकः।	....।	....।
10. अहं हस्तिपकः।	....।	....।
11. ....।	....।	वयं सैनिकाः।
12. अहं लेखिका।	आवां लेखिके।	वयं लेखिकाः।
13. .... उपचारिका।	आवाम् ....।	....।
14. अहं शिक्षिका।	....।	....।
15. ....।	आवां बालिके।	....।
16. .... नर्तकी।	....।	वयं नर्तक्यः।
17. ....।	....।	वयं गृहिण्यः।
18. अहं नारी।	.... नार्यौ।	वयं नार्यः।
19. अहं पुत्री।	....।	....।
20. .... गायिका।	आवां गायिके।	....।

1.6.3 अस्मि / स्वः / स्मः

ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम्



अहम् अस्मि



आवां स्वः



वयं स्मः



अहं वैद्यः अस्मि



आवां वैद्यौ स्वः



वयं वैद्याः स्मः



अहम् अध्यापकः अस्मि



आवाम् अध्यापकौ स्वः



वयम् अध्यापकाः स्मः



अहम् अध्यापिका अस्मि



आवाम् अध्यापिके स्वः



वयम् अध्यापिकाः स्मः



अहं बालिका अस्मि



आवां बालिके स्वः



वयं बालिकाः स्मः

अभ्यासः – 54

अहं .... अस्मि / आवां .... स्वः/ वयं .... स्मः

✍ उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Write sentences according to the example.]

1. अहं बालिका अस्मि। .आवां. ..बालिके. ..स्वः.. । .वयं.. .बालिकाः ..स्मः. ।
2. अहं छात्रः अस्मि। ....। ....।
3. अहं वैद्यः अस्मि। ....। ....।
4. अहं धीरः अस्मि। ....। ....।
5. अहं निपुणा अस्मि। ....। ....।
6. अहं प्राध्यापिका अस्मि। ....। ....।
7. अहं गृहिणी अस्मि। ....। ....।
8. अहं चालकः अस्मि। ....। ....।
9. अहं संशोधकः अस्मि। ....। ....।
10. अहम् अध्यापकः अस्मि। ....। ....।

अभ्यासः – 55

अहं .... अस्मि / आवां .... स्वः / वयं .... स्मः
अहं .... / आवां .... / वयं ....

✍ उदाहरणानुगुणं द्विवचन–बहुवचन–रूपाणि लिखन्तु–

1. अहं छात्रः अस्मि। .आवां. ...छात्रौ.. .स्वः.. । .वयं... छात्राः... स्मः... ।
   अहं पठामि। .आवां. ..पठावः.. । .वयं.. ..पठामः.. ।
2. अहम् अध्यापकः अस्मि। ....। ....।
   अहं पाठयामि। ....। ....।
3. अहं शिष्यः अस्मि। ....। ....।
   अहं नमामि। ....। ....।
4. अहं जनकः अस्मि। ....। ....।
   अहं कथयामि। ....। ....।
5. अहं सचिवः अस्मि। ....। ....।
   अहम् आदिशामि। ....। ....।
6. अहं प्राध्यापिका अस्मि। ....। ....।
   अहं प्रविशामि। ....। ....।

अभ्यासः – 56

अहं .... अस्मि / आवां .... स्वः / वयं .... स्मः
अहं .... / आवां .... / वयं ....

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

उदा०– अहं धनिकः अस्मि।	आवां धनिकौ स्वः।	वयं धनिकाः स्मः।
अहं यच्छामि।	आवां यच्छावः।	वयं यच्छामः।
1. अहं भक्तः अस्मि।	....।	....।
अहम् अर्चामि।	....।	....।
2. अहं सैनिकः अस्मि।	....।	....।
अहं रक्षामि।	....।	....।
3. अहं लेखिका अस्मि।	....।	....।
अहं लिखामि।	....।	....।
4. अहम् अध्यापकः अस्मि।	....।	....।
अहं पाठयामि।	....।	....।
5. अहं पाचिका अस्मि।	....।	....।
अहं पचामि।	....।	....।
6. अहं पण्डितः अस्मि।	....।	....।
अहम् उपदिशामि।	....।	....।
7. अहं जननी अस्मि।	....।	....।
अहं पालयामि।	....।	....।
8. अहं धीवरः अस्मि।	....।	....।
अहं तरामि।	....।	....।

1.6.4 त्वम् / युवाम् / यूयम्

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
		
त्वम्	युवाम्	यूयम्
		
त्वं छात्रः	युवां छात्रौ	यूयं छात्राः
		
त्वं बालकः	युवां बालकौ	यूयं बालकाः
		
त्वं छात्रा	युवां छात्रे	यूयं छात्राः

अभ्यासः – 57

त्वं .... / युवां .... / यूयं ....

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

उदा०– 1. त्वं बालकः। ..युवां.. .बालकौ.. । .यूयं... .बालकाः.. ।
2. त्वं तरुणः। .... । .... ।
3. त्वं नम्रः। .... । .... ।
4. त्वं छात्रः। .... । .... ।
5. त्वं तक्षकः। .... । .... ।
6. त्वं सैनिकः। .... । .... ।
7. त्वं नटः। .... । .... ।

उदा०– 8. त्वं छात्रा। .युवां... ..छात्रे.... । यूयं.... .छात्राः.. ।
9. त्वं बालिका। .... । .... ।
10. त्वं गायिका। .... । .... ।
11. त्वं महिला। .... । .... ।
12. त्वं श्रेष्ठा। .... । .... ।

उदा०– 13. त्वं पुत्री। .युवां.. पुत्र्यौ.... । .यूयं... ..पुत्र्यः.. ।
14. त्वं नर्त्तकी। .... । .... ।
15. त्वम् अभिनेत्री। .... । .... ।
16. त्वं गृहिणी। .... । .... ।
17. त्वं स्वामिनी। .... । .... ।

1.6.5 असि / स्थः / स्थ



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम्


त्वम्


युवाम्


यूयम्


त्वं छात्रः असि


युवां छात्रौ स्थः


यूयं छात्राः स्थ


त्वं बालकः असि


युवां बालकौ स्थः


यूयं बालकाः स्थ


त्वं छात्रा असि


युवां छात्रे स्थः


यूयं छात्राः स्थ

अभ्यासः – 58

त्वं .... असि / युवां .... स्थः / यूयं .... स्थ

उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

1. त्वं धनिकः असि। ..युवां.. ..धनिकौ. .स्थः.. । ..यूयं. ..धनिकाः .स्थ.. ।
2. त्वं वीरः असि। .... । .... ।
3. त्वम् अम्बा असि। .... । .... ।
4. त्वं भगिनी असि। .... । .... ।
5. त्वं पुत्रः असि। .... । .... ।
6. त्वं प्रियः असि। .... । .... ।
7. त्वं नर्त्तकी असि। .... । .... ।
8. त्वं पुत्री असि। .... । .... ।
9. त्वं सुन्दरी असि। .... । .... ।
10. त्वं चतुरः असि। .... । .... ।

अभ्यासः – 59

त्वं .... असि / युवां .... स्थः / यूयं .... स्थ
त्वं .... / युवां .... / यूयं ....

उदाहरणानुगुणं द्विवचन–बहुवचन–रूपाणि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार द्विवचन और बहुवचन के रूपों को लिखिए। Please write the forms in second and plural number as shown in the example.]

1. त्वं छात्रः असि। युवां छात्रौ स्थः। यूयं छात्राः स्थ।
   त्वं पठसि। युवां पठथः। यूयं पठथ।
2. त्वं लेखकः असि। .... । .... ।
   त्वं लिखसि। .... । .... ।
3. त्वम् ईश्वरः असि। .... । .... ।
   त्वं रक्षसि। .... । .... ।
4. त्वं प्रबुद्धः असि। .... । .... ।
   त्वम् उपदिशसि। .... । .... ।
5. त्वं जननी असि। .... । .... ।
   त्वं पालयसि। .... । .... ।
6. त्वं धनिकः असि। .... । .... ।
   त्वं यच्छसि। .... । .... ।

अभ्यासः – 60

त्वं .... असि / युवां .... स्थः / यूयं .... स्थ
त्वं .... / युवां .... / यूयं ....

✎ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

उदा० – त्वं याचकः असि।	युवां याचकौ स्थः।	यूयं याचकाः स्थ।
त्वं पृच्छसि।	युवां पृच्छथः।	यूयं पृच्छथ।
1. त्वं देवः असि।	....।	....।
त्वं रक्षसि।	....।	....।
2. त्वं कृषकः असि।	....।	....।
त्वं कर्षसि।	... .।	....।
3. त्वं वैद्यः असि।	....।	....।
त्वं चिकित्ससि।	....।	....।
4. त्वं नर्तकी असि।	....।	....।
त्वं नृत्यसि।	....।	....।
5. त्वं जनकः असि।	....।	....।
त्वं पालयसि।	....।	....।
6. त्वं छात्रा असि।	....।	....।
त्वं पठसि।	....।	....।
7. त्वम् आरक्षकः असि।	....।	....।
त्वं रक्षसि।	....।	....।
8. त्वं तन्तुवायः असि।	....।	....।
त्वं वयसि।	....।	....।

अभ्यासः – 61

✍ रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

अस्ति / स्तः / सन्ति /
असि / स्थः / स्थ /
अस्मि / स्वः / स्मः

1. अहम् अध्यापकः ....।	यूयं वैद्याः ....।	आवां मित्रे ....।
2. त्वं छात्रः ....।	वयं छात्राः ....।	युवां छात्रे ....।
3. अहं वैद्यः ....।	वयं राजपुत्राः ....।	ते कन्ये ....।
4. त्वं रुग्णः ....।	ताः बालिकाः ....।	तौ बालौ ....।
5. अहं सेवकः ....।	यूयम् अर्चकाः ....।	एतौ नृपौ ....।
6. अहं छात्रा ....।	ताः महिलाः ....।	तौ सचिवौ ....।
7. त्वं सेवकः ....।	ते धनिकाः ....।	एतौ वानरौ ....।
8. अहम् अध्यापिका ....।	एते अध्यापकाः........।	आवां धनिकौ ....।
9. अहं वृद्धः ....।	एताः बालिकाः ....।	युवां श्रमिकौ ....।
10. त्वं धनिकः ....।	वयं श्रमिकाः ....।	ते पुष्पे ....।
11. अहं निर्धनः ....।	यूयं सज्जनाः ....।	ते अध्यापिके ....।
12. अहं छात्रः ....।	ते आरक्षकाः ....।	एते लेखन्यौ ....।
13. अहं भक्तः ....।	ताः गृहिण्यः ....।	ते यन्त्रे ....।
14. त्वम् ईश्वरः ....।	एताः सेविकाः ....।	युवां चतुरौ ....।
15. सः गणेशः ....।	यूयं कर्मकराः ....।	आवां राष्ट्रभक्तौ ....।
16. सा लता ....।	ते निर्धनाः ....।	एते बालिके ......।
17. अहं मोहनः ....।	वयं शूराः ....।	आवां गृहिण्यौ ....।
18. त्वं रमेशः ....।	वयं देशभक्ताः ....।	युवां सेविके ....।

अभ्यासः – 62

✍ रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

अस्ति / स्तः / सन्ति / असि / स्थः / स्थ / अस्मि / स्वः / स्मः

उदा0– 1.	त्वं बालकः	...........।	23.	एतानि पत्राणि	...........।
2.	आवां छात्रौ	...........।	24.	ते बालिके	...........।
3.	सा बालिका	...........।	25.	सा लता	...........।
4.	यूयं रजकाः	...........।	26.	त्वं कः	.... ?
5.	त्वं बालिका	...........।	27.	यूयं छात्राः	...........।
6.	वयं कृषकाः	...........।	28.	ताः महिलाः	...........।
7.	युवां धनिकौ	...........।	29.	एते अजे	...........।
8.	ते महिले	...........।	30.	वयम् अध्यापकाः	...........।
9.	ताः अध्यापिकाः	...........।	31.	एते कन्ये	...........।
10.	ते सुन्दर्यौ	...........।	32.	एषः गणेशः	...........।
11.	सा रुग्णा	...........।	33.	यूयं काः	.... ?
12.	यूयं वृद्धाः	...........।	34.	एतत् गृहम्	...........।
13.	वयं युवकाः	...........।	35.	तत् भवनम्	...........।
14.	युवां चतुरौ	...........।	36.	सः कासारः	...........।
15.	आवां मूर्खौ	...........।	37.	तौ वृक्षौ	...........।
16.	त्वम् अध्यापकः	...........।	38.	एतौ व्याघ्रौ	...........।
17.	अहं छात्रः	...........।	39.	एते पण्डिताः	...........।
18.	ते शूराः	...........।	40.	एतौ मुनिवरौ	...........।
19.	तौ अश्वौ	...........।	41.	आवां स्नेहितौ	...........।
20.	सः रमेशः	...........।	42.	त्वं गृहिणी	...........।
21.	एषः अस्वस्थः	...........।	43.	तत् वाहनम्	...........।
22.	एतौ शिष्यौ	...........।	44.	एतानि मित्राणि	...........।

1.6.6 मि / वः / मः

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु—**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

अहं किं करोमि ?	आवां किं कुर्वः ?	वयं किं कुर्मः ?
अहं पठामि	आवां पठावः	वयं पठामः

1.	अहम् उत्तिष्ठामि	आवाम् उत्तिष्ठावः	वयम् उत्तिष्ठामः।
2.	अहं नमामि	आवां नमावः	वयं नमामः।
3.	अहं वदामि	आवां	वयं ....।
4.	अहं पठामि	आवां	वयं ....।
5.	अहं लिखामि	आवां	वयं ....।
6.	अहं क्रीडामि	आवां	वयं ....।
7.	अहं गच्छामि	आवां	वयं ....।
8.	अहं खादामि	आवां	वयं ....।
9.	अहं पिबामि	आवां	वयं ....।
10.	अहं पतामि	आवां	वयं ....।
11.	अहं भ्रमामि	आवां	वयं ....।
12.	अहं पृच्छामि	आवां	वयं ....।
13.	अहं स्मरामि	आवां	वयं ....।
14.	अहं गायामि	आवां	वयं ....।
15.	अहं हसामि	आवां	वयं ....।
16.	अहं पचामि	आवां	वयं ....।
17.	अहं धावामि	आवां	वयं ....।
18.	अहं स्नामि	आवां	वयं ....।
19.	अहं पश्यामि	आवां	वयं ....।
20.	अहम् अर्चामि	आवाम्	वयम् ....।
21.	अहं प्रक्षालयामि	आवां	वयं ....।
22.	अहं यच्छामि	आवां	वयं ....।
23.	अहम् उपविशामि	आवाम्	वयम् ....।

अभ्यासः – 63

वर्त्तमानकाले उत्तमपुरुषे क्रियापदानि

उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

	अहम्	आवाम्	वयम्
उदा० –	नृत्यामि	नृत्यावः	नृत्यामः ।
1.	....	....	खादामः ।
2.	....	पाठयावः	.... ।
3.	इच्छामि	....	.... ।
4.	....	....	प्रेषयामः ।
5.	....	स्थापयावः	.... ।
6.	उपविशामि	....	.... ।
7.	....	त्यजावः	.... ।
8.	....	....	भवामः ।
9.	मिलामि	....	.... ।
10.	....	निन्दावः	.... ।
11.	....	....	नयामः ।
12.	पतामि	....	.... ।
13.	....	सूचयावः	.... ।
14.	....	....	आह्वयामः ।
15.	पालयामि	....	.... ।
16.	....	उपदिशावः	.... ।
17.	....	....	प्रविशामः ।
18.	आगच्छामि	....	.... ।
19.	....	प्रशंसावः	.... ।
20.	....	....	तोषयामः ।

1.6.7 वर्त्तमानकाले मध्यमपुरुषे क्रियापदानि

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु—**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

त्वं किं करोषि ?	युवां किं कुरुथः ?	यूयं किं कुरुथ ?
त्वं पठसि	युवां पठथः	यूयं पठथ
1. त्वम् उत्तिष्ठसि	युवाम् उत्तिष्ठथः	यूयम् उत्तिष्ठथ।
2. त्वं नमसि	युवां नमथः	यूयं नमथ।
3. त्वं वदसि	युवां	यूयं ....।
4. त्वं पठसि	युवां	यूयं ....।
5. त्वं लिखसि	युवां	यूयं ....।
6. त्वं क्रीडसि	युवां	यूयं ....।
7. त्वं गच्छसि	युवां	यूयं ....।
8. त्वं खादसि	युवां	यूयं ....।
9. त्वं पिबसि	युवां	यूयं ....।
10. त्वं भ्रमसि	युवां	यूयं ....।
11. त्वं पृच्छसि	युवां	यूयं ....।
12. त्वं निद्रासि	युवां	यूयं ....।
13. त्वं स्मरसि	युवां	यूयं ....।
14. त्वं गायसि	युवां	यूयं ....।
15. त्वं हससि	युवां	यूयं ....।
16. त्वं पचसि	युवां	यूयं ....।
17. त्वं धावसि	युवां	यूयं ....।
19. त्वं स्नासि	युवां	यूयं ....।
19. त्वं पश्यसि	युवां	यूयं ....।
20. त्वम् अर्चसि	युवाम्	यूयम् ....।
21. त्वं प्रक्षालयसि	युवां	यूयं ....।
22. त्वम् उपविशसि	युवाम्	यूयम् ....।
23. त्वं यच्छसि	युवां	यूयं ....।

अभ्यासः – 64

वर्त्तमानकाले मध्यमपुरुषे क्रियापदानि

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Please fill in the blanks according to the example.]

	त्वम्	युवाम्	यूयम्
उदा० –	....पठसि....	...पठथः.....	...पठथ......
1.	नृत्यसि	....	....
2.	....	खादथः	....
3.	....	....	पाठयथ।
4.	इच्छसि	....	....
5.	....	प्रेषयथः	....
6.	....	....	स्थापयथ।
7.	गच्छसि	....	....
8.	....	उपविशथः	....
9.	....	....	त्यजथ।
10.	मिलसि	....	....
11.	....	निन्दथः	....
12.	....	....	नयथ।
13.	पतसि	....	....
14.	....	सूचयथः	....
15.	....	....	स्मरथ।
16.	खादसि	....	....
17.	....	पिबथः	....
18.	....	....	प्रक्षालयथ।
19.	पृच्छसि	....	....
20.	....	क्रीडथः	....

अभ्यासः – 65

वर्त्तमानकाले प्रथमपुरुषे क्रियापदानि

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्त्ति कीजिए। Please fill in the blanks according to examples.]

उदा० –	1.	बालकः पठति ।	बालकौ पठतः ।	बालकाः पठन्ति ।
	2.	गजः चलति ।	.... ।	.... ।
	3.	.... ।	दीपौ ज्वलतः ।	.... ।
	4.	.... ।	.... ।	भिक्षुकाः अटन्ति ।
	5.	वृक्षः फलति ।	.... ।	.... ।
	6.	.... ।	व्याघ्रौ जिघ्रतः ।	.... ।
	7.	सर्पः सर्पति ।	.... ।	.... ।
	8.	.... ।	महाराजौ आरोहतः ।	.... ।
	9.	बालिका प्रक्षालयति ।	.... ।	.... ।
	10.	.... ।	छात्रे पश्यतः ।	.... ।
	11.	.... ।	.... ।	अग्रजाः पृच्छन्ति ।
	12.	अनुजा वदति ।	.... ।	.... ।
	13.	.... ।	.... ।	परिचारिकाः मार्जयन्ति ।
	14.	.... ।	अध्यापिके पाठयतः ।	.... ।
	15.	नेत्रं स्फुरति ।	.... ।	.... ।
	16.	.... ।	.... ।	मित्राणि आगच्छन्ति ।
	17.	.... ।	यन्त्रे चलतः ।	.... ।
	18.	फलं पतति ।	.... ।	.... ।
	19.	नदी वहति ।	.... ।	.... ।
	20.	देवी तुष्यति ।	.... ।	.... ।
	21.	.... ।	कुमार्यौ अर्चतः ।	.... ।
	22.	.... ।	.... ।	मयूर्यः उपविशन्ति ।
	23.	.... ।	पुत्र्यौ पृच्छतः ।	.... ।
	24.	जननी वदति ।	.... ।	.... ।

अभ्यासः – 66

वर्त्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु क्रियापदानि

✍ **उदाहरणानुगुणं वाक्यानि लिखन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

उदा०–	1.	सः... ...पश्यति...।	तौ... ...पश्यतः...।	ते पश्यन्ति।
	2.	....।	एतौ तिष्ठतः।	....।
	3.	सा गायति।	....।	....।
	4.	....।	....।	ताः उपदिशन्ति।
	5.	....।	एते नृत्यतः।	....।
	6.	एषः रक्षति।	....।	....।
	7.	....।	....।	एते इच्छन्ति।
	8.	....।	तौ पृच्छतः।	....।
	9.	सः कथयति।	....।	....।
	10.	....।	....।	एताः हसन्ति।
	11.	....।	एतौ खादतः।	....।
	12.	सा पाठयति।	....।	....।
	13.	त्वं लिखसि।	....।	....।
	14.	....।	युवां गायथः।	....।
	15.	त्वं नृत्यसि।	....।	....।
	16.	....।	युवां मिलथः।	....।
	17.	....।	....।	यूयं प्रक्षालयथ।
	18.	त्वं तरसि।	....।	....।
	19.	....।	युवां खेलथः।	....।
	20.	....।	....।	वयं लिखामः।
	21.	अहं पश्यामि।	....।	....।
	22.	....।	आवां गच्छावः।	....।
	23.	....।	....।	वयं यच्छामः।
	24.	अहं पिबामि।	....।	....।
	25.	....।	आवां नमावः।	....।
	26.	....।	....।	वयं खादामः।

1.6.8 (क) अहम् / भवान्



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



1. अहं छात्रः।



2. भवान् अध्यापकः।



3. अहं बालकः।



4. भवान् वृद्धः।



5. अहं सेवकः।



6. भवान् नृपः।



7. अहं नर्तकी।



8. भवान् गायकः ।

अभ्यासः – 67

अहम् / भवान्.......

✍ **उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

उदा० –	1. अहं छात्रः ..अस्मि.... ।	भवान् अध्यापकः ...अस्ति... ।
	2. अहं बालः .... ।	भवान् वृद्धः .... ।
	3. अहं शिष्यः .... ।	भवान् आचार्यः .... ।
	4. अहं सेवकः .... ।	भवान् नृपः .... ।
	5. अहं स्थूलः .... ।	भवान् कृशः .... ।
	6. अहं वामनः .... ।	भवान् उन्नतः .... ।
	7. अहं सामान्यः .... ।	भवान् श्रेष्ठः .... ।
	8. अहम् अनुजः .... ।	भवान् अग्रजः .... ।
	9. अहम् अस्वस्थः .... ।	भवान् चिकित्सकः .... ।
	10. अहं चञ्चलः .... ।	भवान् निश्चलः .... ।

1.6.8 (ख) अहम् / भवती



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



1. अहं छात्रः।



2. भवती अध्यापिका।



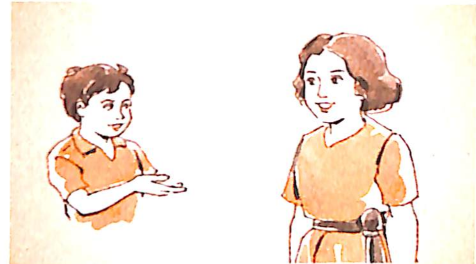
3. अहं बालकः।



4. भवती वृद्धा।



5. अहम् अनुजः



6. भवती अग्रजा



7. अहं पुत्री



8. भवती जननी



ध्यानेन पठन्तु—

1.6.8 (ग) त्वम् / भवान्, त्वम् / भवती

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



1. त्वं छात्रः।



2. भवान् अध्यापकः।



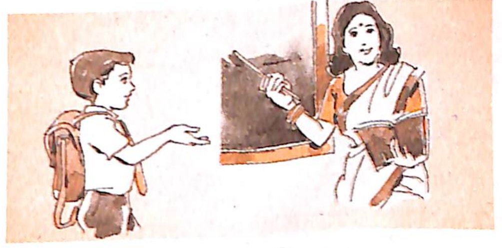
3. त्वं सेवकः।



4. भवान् नृपः।



5. त्वं छात्रः।



6. भवती अध्यापिका।



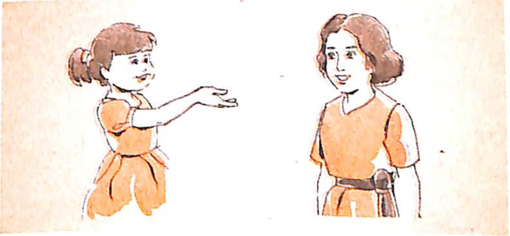
7. त्वं बालकः।



8. भवती जननी।



9. त्वम् अनुजा।



10. भवती अग्रजा।

अभ्यासः – 68

अहं .... अस्मि / भवती .... अस्ति

✍ **उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please write sentences according to the example.]

उदा०–	1. अहं छात्रा ...अस्मि... ।	भवती अध्यापिका ...अस्ति... ।
	2. अहं बालिका .... ।	भवती ज्येष्ठा .... ।
	3. अहं बालकः .... ।	भवती जननी .... ।
	4. अहं लिपिकारः .... ।	भवती सेविका .... ।
	5. अहं परिचारिका .... ।	भवती प्राचार्या .... ।
	6. अहं वादकः .... ।	भवती गायिका .... ।
	7. अहं सहायकः .... ।	भवती प्रमुखा .... ।
	8. अहम् अल्पज्ञः .... ।	भवती बहुज्ञा .... ।
	9. अहं पूजकः .... ।	भवती पूज्या .... ।
	10. अहम् अन्तिमः .... ।	भवती प्रथमा .... ।

1.6.9 (क) भवान् / भवन्तौ / भवन्तः

 **ध्यानेन पठन्तु। वाक्यानि रचयन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए और वाक्यों की रचना कीजिए। Please read carefully and make sentences.]





1. भवान् भवन्तौ भवन्तः





2. भवान् अध्यापकः । भवन्तौ अध्यापकौ । भवन्तः अध्यापकाः ।





3. भवान् अस्ति । भवन्तौ स्तः । भवन्तः सन्ति ।





4. भवान् अध्यापकः अस्ति । भवन्तौ अध्यापकौ स्तः भवन्तः अध्यापकाः सन्ति ।

5. भवान् ज्येष्ठः .... । भवन्तौ ज्येष्ठौ .... । भवन्तः ज्येष्ठाः .... ।

6. भवान् बोधकः .... । भवन्तौ .... । भवन्तः .... ।

7. भवान् देशभक्तः .... । .... । .... ।

8. भवान् प्रमुखः .... । .... । .... ।

9. भवान् निर्देशकः .... । .... । .... ।

10. भवान् तन्त्रज्ञः .... । .... । .... ।

1.6.9 (ख) भवती / भवत्यौ / भवत्यः

📖 **ध्यानेन पठन्तु। वाक्यानि रचयन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए और वाक्यों की रचना कीजिए। Please read carefully and make sentences.]





1. भवती भवत्यौ भवत्यः





2. भवती अध्यापिका। भवत्यौ अध्यापिके। भवत्यः अध्यापिकाः।





3. भवती अस्ति। भवत्यौ स्तः। भवत्यः सन्ति।





4. भवती अध्यापिका अस्ति। भवत्यौ अध्यापिके स्तः। भवत्यः अध्यापिकाः सन्ति।

5.	भवती प्राचार्या ....।	भवत्यौ प्राचार्ये ....।	भवत्यः प्राचार्याः ....।
6.	भवती उत्तमा ....।	भवत्यौ उत्तमे ....।	भवत्यः उत्तमाः ....।
7.	भवती चतुरा ....।	....।	....।
8.	भवती नर्तकी ....।	....।	....।
9.	भवती गृहिणी ....।	....।	....।
10.	भवती पूज्या ....।	....।	....।

अभ्यासः – 69

अस्ति / स्तः / सन्ति
असि / स्थः / स्थ
अस्मि / स्वः / स्मः

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. भवान् .... ।	भवन्तौ .... ।	भवन्तः .... ।
2. भवान् अध्यापकः .... ।	भवन्तौ अध्यापकौ .... ।	भवन्तः अध्यापकाः .... ।
3. भवती अध्यापिका .... ।	भवत्यौ अध्यापिके .... ।	भवत्यः अध्यापिकाः .... ।
4. भवन्तौ वैद्यौ .... ।	भवान् वैद्यः .... ।	भवान् .... ।
5. भवन्तौ .... ।	भवन्तः .... ।	भवन्तः वैद्याः .... ।
6. भवत्यः गृहिण्यः .... ।	भवती गृहिणी .... ।	भवत्यौ गृहिण्यौ .... ।
7. भवत्यौ .... ।	भवत्यः .... ।	भवती .... ।
8. भवान् .... ।	भवन्तौ .... ।	भवन्तः .... ।
9. त्वम् .... ।	युवां .... ।	यूयं .... ।
10. भवान् वैद्यः .... ।	भवती वैद्या .... ।	भवन्तौ अध्यापकौ ...... ।
11. त्वं छात्रः .... ।	त्वं बालिका .... ।	युवां छात्रौ .... ।
12. भवत्यौ भगिन्यौ .... ।	भवती जननी .... ।	भवन्तः छात्राः .... ।
13. भवन्तौ .... ।	भवत्यः .... ।	भवान् .... ।
14. भवन्तः अध्यापकाः .... ।	भवत्यः अध्यापिकाः .... ।	भवत्यौ अध्यापिके .... ।
15. भवती अध्यापिका .... ।	भवान् अध्यापकः .... ।	भवन्तौ अध्यापकौ .... ।
16. यूयं .... ।	भवान् .... ।	भवत्यः अध्यापिकाः .... ।
17. युवां छात्रौ .... ।	यूयं छात्राः .... ।	त्वं छात्रा .... ।
18. यूयं शिष्याः .... ।	त्वं छात्रः .... ।	आवां मित्रे .... ।
19. यूयं मित्राणि .... ।	वयं छात्राः .... ।	अहम् अध्यापिका .... ।

अभ्यासः – 70

भवान् .... अस्ति / भवन्तौ .... स्तः / भवन्तः .... सन्ति
भवान् .... / भवन्तौ .... / भवन्तः ....

✍ **उदाहरणानुगुणं द्विवचन–बहुवचन–रूपाणि लिखन्तु–**
[उदाहरण के अनुरूप द्विवचन और बहुवचन के रूपों को लिखिए। Please write the sentences in dual and plural numbers as per the example.]

1. भवान् अध्यापकः अस्ति। भवन्तौ अध्यापकौ स्तः। भवन्तः अध्यापकाः सन्ति।
   भवान् पाठयति। भवन्तौ पाठयतः। भवन्तः पाठयन्ति।
2. भवान् ईश्वरः अस्ति। .... । .... ।
   भवान् रक्षति। .... । .... ।
3. भवान् नारदः अस्ति। .... । .... ।
   भवान् विचरति। .... । .... ।
4. भवान् वैद्यः अस्ति। .... । .... ।
   भवान् चिकित्सति। .... । .... ।
5. भवान् युवकः अस्ति। .... । .... ।
   भवान् धावति। .... । .... ।
6. भवान् जनकः अस्ति। .... । .... ।
   भवान् पालयति। .... । .... ।

अभ्यासः – 71

भवती .... अस्ति / भवत्यौ .... स्तः / भवत्यः .... सन्ति
भवती .... / भवत्यौ .... / भवत्यः ....

✍ **उदाहरणानुगुणं द्विवचन–बहुवचन–रूपाणि लिखन्तु–**
[उदाहरण के अनुरूप द्विवचन और बहुवचन के रूपों को लिखिए। Please write the sentences in dual and plural numbers.]

1. भवती अध्यापिका अस्ति। भवत्यौ अध्यापिके स्तः। भवत्यः अध्यापिकाः सन्ति।
   भवती पाठयति। भवत्यौ पाठयतः। भवत्यः पाठयन्ति।
2. भवती वृद्धा अस्ति। .... । .... ।
   भवती चिन्तयति। .... । .... ।
3. भवती अग्रजा अस्ति। .... । .... ।
   भवती स्निह्यति। .... । .... ।
4. भवती जननी अस्ति। .... । .... ।
   भवती पालयति। .... । .... ।
5. भवती लेखिका अस्ति। .... । .... ।
   भवती लिखति। .... । .... ।
6. भवती उद्यानपालिका अस्ति। .... । .... ।
   भवती सिञ्चति। .... । .... ।

अवधेयम्

	एकवचनम्		द्विवचनम्		बहुवचनम्	
प्रथमः पुरुषः	एषः एषा एतत् सः सा तत् भवान् भवती बालकः बालिका मित्रम् ...... →	अस्ति पठति लिखति	एतौ एते एते तौ ते ते भवन्तौ भवत्यौ बालकौ बालिके मित्रे ...... →	स्तः पठतः लिखतः	एते एताः एतानि ते ताः तानि भवन्तः भवत्यः बालकाः बालिकाः मित्राणि ...... →	सन्ति पठन्ति लिखन्ति
मध्यमः पुरुषः	त्वम् →	असि पठसि लिखसि	युवां →	स्थः पठथः लिखथः	यूयं →	स्थ पठथ लिखथ
उत्तमः पुरुषः	अहम् →	अस्मि पठामि लिखामि	आवां →	स्वः पठावः लिखावः	वयं →	स्मः पठामः लिखामः

अभ्यासः – 72

गम्‌धातोः वर्तमाने प्रयोगाः

✍ **उचितेन क्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उचित क्रियापद के रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with the suitable form of the verb.]

1. बालकः .... ।
2. वयं .... ।
3. भवन्तः .... ।
4. छात्रौ .... ।
5. ताः .... ।
6. ते छात्रे .... ।
7. तौ छात्रौ .... ।
8. यूयं .... ।
9. भवती .... ।
10. भवान् .... ।
11. भवत्यः .... ।
12. बालिके .... ।
13. रमा .... ।
14. मोहनः .... ।
15. आवां .... ।
16. युवां .... ।
17. भवन्तौ .... ।
18. भवत्यौ .... ।
19. अहं .... ।
20. सा .... ।
21. सः .... ।
22. ते बालकाः .... ।
23. बालिकाः .... ।
24. बालकौ .... ।

गच्छति	गच्छतः	गच्छन्ति
गच्छसि	गच्छथः	गच्छथ
गच्छामि	गच्छावः	गच्छामः

अभ्यासः – 73

वर्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु विविधक्रियापदानां प्रयोगाः

उचितेन क्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उचित क्रियापद के द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verbs.]

उदा० – 1. सा ..लिखति..। एतौ ....। ते बालकाः ....। ते छात्रे ....।

लिखतः / लिखन्ति / लिखति

2. भवन्तः ....। भवत्यः ....। भवान् ....। भवत्यौ ....।

पाठयति / पाठयतः / पाठयन्ति

3. सः ....। एताः ....। तौ ....। एषा ....।

वदति / वदतः / वदन्ति

4. एषः ....। तत् ....। एषः ....। एतत् ....।

पतन्ति / पततः / पतति

5. एते याने.........। एतानि ....। ताः ....। एताः ....।

चलति / चलतः / चलन्ति

6. भवती ....। भवन्तौ ....। भवान् ....। भवत्यौ ....।

गच्छन्ति / गच्छतः / गच्छति

7. त्वं ....। युवां ....। यूयं ....।

धावसि / धावथः / धावथ

8. त्वं बालकः ....। युवां छात्रौ ....। यूयं युवकाः ....।

चलसि / चलथ / चलथः

9. त्वं बालिका ....। युवां युवत्यौ ....। यूयं महिलाः ....।

पिबसि / पिबथ / पिबथः

10. अहं ....। आवां युवकौ ....। वयं ....।

खादामः / खादामि / खादावः

11. अहं युवकः ....। आवां युवकौ ....। वयं युवकाः ....।

क्रीडामः / क्रीडावः / क्रीडामि

12. अहं बालिका ....। आवां बालिके ....। वयं बालिकाः ....।

अस्मि / स्मः / स्वः

13. सा ....। एषा ....। सः ....। | अस्ति / स्तः / सन्ति |

14. ते छात्राः ....। ताः ....। तौ ....। | नमति / नमतः / नमन्ति |

15. ते बालिके ....। एषः ....। एतौ ....। | हसति / हसतः / हसन्ति |

16. एते नर्त्तकाः ....। एते महिले ....। एताः ....। | नृत्यति / नृत्यतः / नृत्यन्ति |

17. एतौ ....। तौ ....। एते ....। | वदति / वदतः / वदन्ति |

18. एषः ....। ते गायकाः ....। सः ....। | गायति / गायतः / गायन्ति |

19. एषः ....। ते बाले ....। ताः ....। | खादति / खादतः / खादन्ति |

20. सा ....। एते कन्ये ....। एताः ....। | पिबति / पिबतः / पिबन्ति |

21. एतत् मित्रं ....। एते मित्रे ....। एतानि मित्राणि ....।

| आगच्छति / आगच्छतः / आगच्छन्ति |

अभ्यासः – 74

वर्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु विविधक्रियापदानां प्रयोगाः

✍ **कोष्ठकस्य उचितेन रूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[कोष्ठक के उचित क्रियापद द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **Please fill in blanks choosing the right verb from the bracket.**]

उदा0– 1. अहं ....। (पठसि / पठामि / पठति)

2. भवान् ....। (लिखामि / लिखसि / लिखति)
3. त्वं ....। (नमति / नमसि / नमथः)
4. एषा ....। (गच्छसि / गच्छथः / गच्छति)
5. युवां ....। (वदसि / वदथः / वदथ)
6. वयं ....। (नृत्यावः / नृत्यामि / नृत्यामः)
7. भवत्यः ....। (पाठयति / पाठयन्ति / पाठयतः)
8. भवन्तौ ....। (स्नातः / स्नाति / स्नान्ति)
9. आवां ....। (मिलतः / मिलावः / मिलथः)
10. भवन्तः ....। (पश्यति / पश्यन्ति / पश्यथ)
11. भवन्तः ....। (करोति / कुरुतः / कुर्वन्ति)
12. आवां ....। (यच्छामि / यच्छसि / यच्छावः)
13. भवन्तौ ....। (पिबथः / पिबथ / पिबतः)
14. भवत्यः ....। (नमन्ति / नमथः / नमामः)
15. वयं ....। (त्यजामः / त्यजति / त्यजसि)
16. युवां ....। (क्रीडथः / क्रीडतः / क्रीडथ)
17. एषा ....। (हसति / हसन्ति / हसामि)
18. त्वम् ....। (उत्तिष्ठति / उत्तिष्ठन्ति / उत्तिष्ठसि)
19. भवान् ....। (स्मरसि / स्मरन्ति / स्मरति)
20. अहं ....। (गायामः / गायन्ति / गायामि)

अभ्यासः – 74+

वर्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु विविधक्रियापदानां प्रयोगाः

कोष्ठकात् उचितक्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[कोष्ठक से उचित क्रिया–पद के रूप को लिखकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks choosing the right verb from the bracket.]

उदा०– 1. एतौ छात्रौ ....। (पठन्ति / पठति / पठतः / पठथः)

2. भवन्तौ ....। (उत्तिष्ठथः / उत्तिष्ठावः / उत्तिष्ठतः / उत्तिष्ठन्ति)

3. युवां छात्रौ ....। (स्वः / स्तः / स्थः / स्थ)

4. ते कन्ये ....। (गच्छथः / गच्छन्ति / गच्छतः / गच्छथः)

5. वानराः ....। (खादतः / खादति / खादसि / खादन्ति)

6. वयं मनुष्याः ....। (वदावः / वदामः / वदथ / वदसि)

7. एतौ गजौ ....। (चलथ / चलन्ति / चलथः / चलतः)

8. एते बालिके ....। (आगच्छन्ति / आगच्छतः / आगच्छसि / आगच्छामि)

9. वयं मित्राणि ....। (मिलति / मिलतः / मिलन्ति / मिलामः)

10. यूयं शिष्याः ....। (पृच्छथः / पृच्छन्ति / पृच्छथ / पृच्छतः)

11. आवाम् अध्यापकौ ....। (पाठयामः / पाठयतः / पाठयावः / पाठयथः)

12. ते छात्रे ....। (हसति / हसथः / हसतः / हसथ)

13. तौ मयूरौ ....। (नृत्यन्ति / नृत्यतः / नृत्यथः / नृत्यति)

14. ताः वृद्धाः ....। (ताडयतः / ताडयन्ति / ताडयति / ताडयथ)

15. एते नार्यौ ....। (हसति / हसामि / हससि / हसतः)

16. ते राजकुमाराः ....। (आगच्छामः / आगच्छामि / आगच्छन्ति)

17. ते फले ....। (पततः / पतथः / पतावः / पतामः)

18. तानि पुष्पाणि ....। (विकसामि / विकसति / विकसन्ति / विकससि)

19. एतानि व्यजनानि ....। (भ्रमन्ति / भ्रमामः / भ्रमसि / भ्रमथः)

20. भवत्यः घटीं ....। (पश्यामः / पश्यामि / पश्यन्ति / पश्यसि)

वर्त्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु त्रिषु वचनेषु क्रियारूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

पठ्–धातुः

वर्त्तमानकालः (लट्–लकारः)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	पठ् + अति पठति	पठ् + अतः पठतः	पठ् + अन्ति पठन्ति
मध्यमपुरुषः	पठ् + असि पठसि	पठ् + अथः पठथः	पठ् + अथ पठथ
उत्तमपुरुषः	पठ् + आमि पठामि	पठ् + आवः पठावः	पठ् + आमः पठामः

अन्तिमः ध्वनिः

	एकवचनम्	*द्विवचनम्*	*बहुवचनम्*
प्रथमपुरुषः	अति	अतः	अन्ति
मध्यमपुरुषः	असि	अथः	अथ
उत्तमपुरुषः	आमि	आवः	आमः

अभ्यासः – 75

वर्त्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु त्रिषु वचनेषु क्रियारूपाणि

(अ) रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

लिख्–धातुः

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	लिख् + अति लिखति	लिख् + अतः	लिख् + अन्ति ....
मध्यमपुरुषः	लिख् + असि	लिख् + अथः	लिख् + अथ ....
उत्तमपुरुषः	लिख् + आमि	लिख् + आवः	लिख् + आमः ....

धातुरूपाणि लिखन्तु–

[धातु रूपों को लिखिए। Please conjugate the following.]

अर्च्

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	.अर्च्..+..अति. .....अर्चति....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

(आ) **निर्दिष्टधातोः उचितेन रूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[दी गई धातु के उचित रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति **कीजिए।** Please fill in the blanks with the proper verb form of the given root.]

(लिख्)

कर्तृपदम्	क्रियापदम्
वयं	....
त्वं	....
सः	....
रमेशः	....
ते	....
यूयं	....

(अर्च्)

कर्तृपदम्	क्रियापदम्
ते छात्राः	....
वयम्	....
भक्तः	....
पूजकौ	....
भवत्यौ	....
अहं	....

अभ्यासः – 76

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1. लिख्

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

2. पिब्

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

3. तर् (तॄ–धातुः)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....तरति....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

4. गाय् (गै–धातुः)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....गायति....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

5. कूज्

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

6. जिघ्र् (घ्रा–धातुः)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमपुरुषः	....जिघ्रति...	....	....
मध्यमपुरुषः	....	....	....
उत्तमपुरुषः	....	....	....

अभ्यासः – 77

वर्तमानकाले त्रिषु पुरुषेषु विविधक्रियापदानां प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं क्रियापदरूपाणि लिखन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार क्रिया–पद के रूपों को लिखिए। Please write the suitable verb form of the given root as shown in the example.]

उदा०– 1. अहं ..पठामि..... । (पठ्)
2. बालकः .... । (लिख्)
3. सः .... । (धाव्)
4. रमेशः .... । (गच्छ्)
5. त्वं .... । (क्रीड्)
6. युवां .... । (हस्)
7. आवां .... । (पश्य्)
8. वयं .... । (नम्)
9. यूयं .... । (गच्छ्)
10. तौ .... । (गाय्)
11. बालकौ .... । (लिख्)
12. वयं .... । (धाव्)
13. बालकाः .... । (गच्छ्)
14 युवां .... । (क्रीड्)
15. आवां .... । (हस्)
16. यूयं .... । (पश्य्)
17. अहं .... । (नम्)
18. तौ .... । (गच्छ्)
19. वयं .... । (गाय्)
20. बालिकाः .... । (लिख्)
21. अश्वः .... । (धाव्)
22. रमा .... । (गच्छ्)
23. वयं .... । (क्रीड्)
24. यूयं .... । (हस्)
25. अहं .... । (पश्य्)
26. शिष्यः .... । (नम्)
27. गजौ .... । (गच्छ्)
28. बालिकाः .... । (गाय्)
29. सीता .... । (नृत्)
30. त्वं .... । (पत्)
31. अहं .... । (स्मर्)
32. वयं .... । (क्रीड्)
33. रामः .... । (हस्)
34. युवां .... । (पश्य्)
35. आवां .... । (खाद्)
36. जनकः .... । (पाल्)
37. जननी .... । (पच्)
38. वयं .... । (नम्)
39. भगिनी .... । (गाय्)
40. अग्रजः .... । (पिब्)
41. अहं .... । (गच्छ्)
42. त्वं .... । (ताडय्)
43. सः .... । (नय्)
44. रामः .... । (त्यज्)
45. युवां .... । (पठ्)
46. छात्राः .... । (प्रविश्)
47. मूर्खाः .... । (निन्द्)
48. त्वं .... । (स्मर्)
49 सा .... । (उपविश्)
50. ते छात्रे .... । (उत्तिष्ठ्)
51. महिलाः .... । (मिल्)
52. अश्वौ .... । (धाव्)
53. काकः .... । (रट्)
54. यूयम् .... । (इच्छ्)

द्वितीयः स्तबकः

2.1 प्रथमः पाठः

[द्वितीया]

2.1.1 द्वितीया—एकवचनप्रयोगाः



ध्यानेन पठन्तु—

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



बालकः



विद्यालयः



बालकः विद्यालयं गच्छति।



सचिवः



कार्यालयः



सचिवः कार्यालयं गच्छति।



जनकः



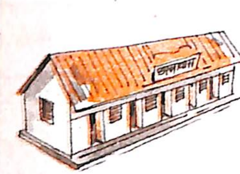
देवालयः



जनकः देवालयं गच्छति।



छात्रः



छात्रावासः



छात्रः छात्रावासं गच्छति।



कृषकः



ग्रामः



कृषकः ग्रामं गच्छति।


बालकः

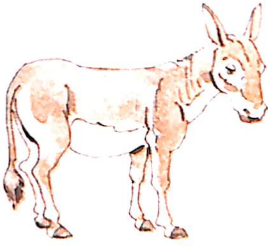

गणेशः


बालकः गणेशम् अर्चति ।

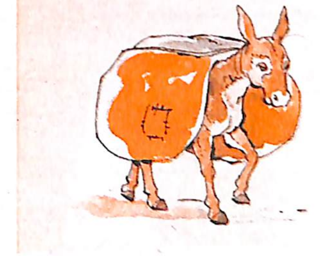

महिला


घटः


महिला घटं नयति ।


गर्दभः


भारः


गर्दभः भारं वहति ।


चटका


जलम्


चटका जलं पिबति ।


शुकः


फलम्

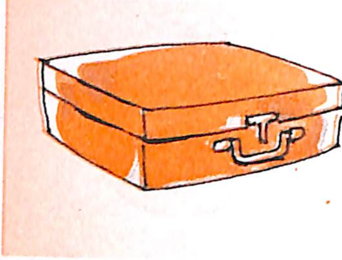

शुकः फलं खादति ।


बालिका


वाटिका

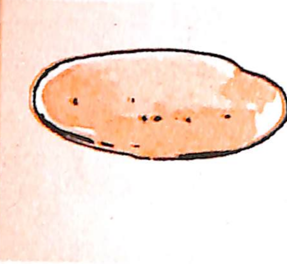

बालिका वाटिकां सिञ्चति ।


भारवाहकः


पेटिका

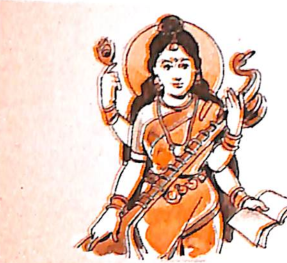

भारवाहकः **पेटिकां** वहति ।


जननी


रोटिका

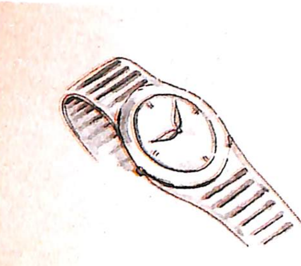

जननी **रोटिकां** पचति ।


बालकः


सरस्वती


बालकः **सरस्वतीम्** अर्चति ।


अध्यापकः


घटी


अध्यापकः **घटीं** पश्यति ।

अभ्यासः – 78

अ० पुं० शब्दानां द्वितीया–एकवचनप्रयोगाः

अग्रे लिखितानां शब्दानाम् उचितविभक्तिरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[अधोलिखित शब्दों के उचित विभक्ति के रूप का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by using proper form of Vibhakti with the words given below.]

आपणः 1	ग्रन्थालयः 2	वित्तकोषः 3	प्रकोष्ठः 4
मठः 5	बौद्धविहारः 6	आश्रमः 7	चन्द्रलोकः 8
विदेशः 9	मध्यप्रदेशः 10	स्वर्गः 11	भूलोकः 12

उदा०– 1. ग्राहकः ....आपणं..... गच्छति।
2. प्राध्यापकः .... गच्छति।
3. धनिकः .... गच्छति।
4. बालकः .... गच्छति।
5. यतिवरः .... गच्छति।
6. भिक्षुकः .... गच्छति।
7. आचार्यः .... गच्छति।
8. अन्तरिक्षयात्रिकः .... गच्छति।
9. सचिवः .... गच्छति।
10. शिष्यः .... गच्छति।
11. वीरः .... गच्छति।
12. नारदः .... गच्छति।

अभ्यासः – 79

आ० स्त्री० / ई० स्त्री० शब्दानां द्वितीया–एकवचनप्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the examples.]

उदा०– 1. अध्यापिका (बालिका) ..बालिकाम्.. आह्वयति।

2. बालिका (अध्यापिका) .... आह्वयति।

3. अग्रजः (अनुजा) .... ।

4. अनुजः (अग्रजा) .... ।

5. जनकः (कन्या) .... ।

6. स्वामिनी (सेविका) .... ।

7. रुग्णः (वैद्या) .... ।

8. वैद्यः (रुग्णा) .... ।

उदा०– 9. बालिका (जननी) ..जननीं... पश्यति।

10. बालकः (प्रदर्शनी) .... पश्यति।

11. प्रेक्षकः (अभिनेत्री) .... ।

12. नटः (नटी) .... ।

13. गृहिणी (भिक्षुकी) .... ।

14. याचकः (गृहिणी) .... ।

15. भक्तः (देवी) .... ।

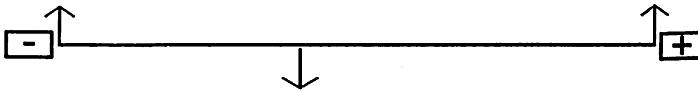
2.1.2 ..... कुत्र गच्छन्ति ? .....



सम्यक् पठन्तु–

[अच्छी तरह पढ़िए। Please read carefully.]

प्रश्नाः	उत्तराणि
1. बालकाः कुत्र गच्छन्ति ?	विद्यालयम्
2. अर्चकाः कुत्र गच्छन्ति ?	मन्दिरम्
3. विक्रयिकाः कुत्र गच्छन्ति ?	आपणम्
4. आचार्याः कुत्र गच्छन्ति ?	आश्रमम्
5. सिंहाः कुत्र गच्छन्ति ?	वनम्
6. कृषकाः कुत्र गच्छन्ति ?	ग्रामम्
7. अध्यापकाः कुत्र गच्छन्ति ?	पुस्तकालयम्
8. वैद्याः कुत्र गच्छन्ति ?	चिकित्सालयम्
9. गृहिण्यः कुत्र गच्छन्ति ?	उद्यानम्
10. छात्राः कुत्र गच्छन्ति ?	क्रीडाङ्गणम्



प्रश्नोत्तरवाक्यानि पठित्वा कः कुत्र गच्छति इति लिखन्तु–

[प्रश्न और उत्तर दोनों वाक्यों को पढ़कर कौन कहाँ जाता है, यह लिखिए। Read questions and answers then write who goes to where?]

यथा– 1. बालकाः विद्यालयं गच्छन्ति ।

2. .... ।

3. .... ।

4. .... ।

5. .... ।

6. .... ।

7. .... ।

8. .... ।

9. .... ।

10. .... ।

अभ्यासः – 80

...... कुत्र ...... गच्छ्

उत्तरानुगुणं रेखाङ्कितम् अंशम् आश्रित्य प्रश्नान् लिखन्तु—
[उत्तरों के अनुसार रेखाङ्कित अंशो पर आधारित प्रश्नों को लिखिए। Form questions based on words underlined in the sentences.]

यथा०– प्र०– रामः कुत्र गच्छति ?
उ०– रामः अरण्यं गच्छति।

1. प्र०– .... ?
उ०– बालकः <u>विद्यालयं</u> गच्छति ।

2. प्र०– .... ?
उ०– अहं <u>नगरं</u> गच्छामि।

3. प्र०– .... ?
उ०– वयम् <u>आपणं</u> गच्छामः।

4. प्र०– .... ?
उ०– सा <u>ग्रन्थालयं</u> गच्छति।

5. प्र०– .... ?
उ०– आवां <u>देवालयं</u> गच्छावः।

6. प्र०– .... ?
उ०– कृषकाः <u>क्षेत्राणि</u> गच्छन्ति।

7. प्र०– .... ?
उ०– गृहिण्यः <u>विपणिं</u> गच्छन्ति।

8. प्र०– .... ?
उ०– वयम् <u>आश्रमं</u> गच्छामः।

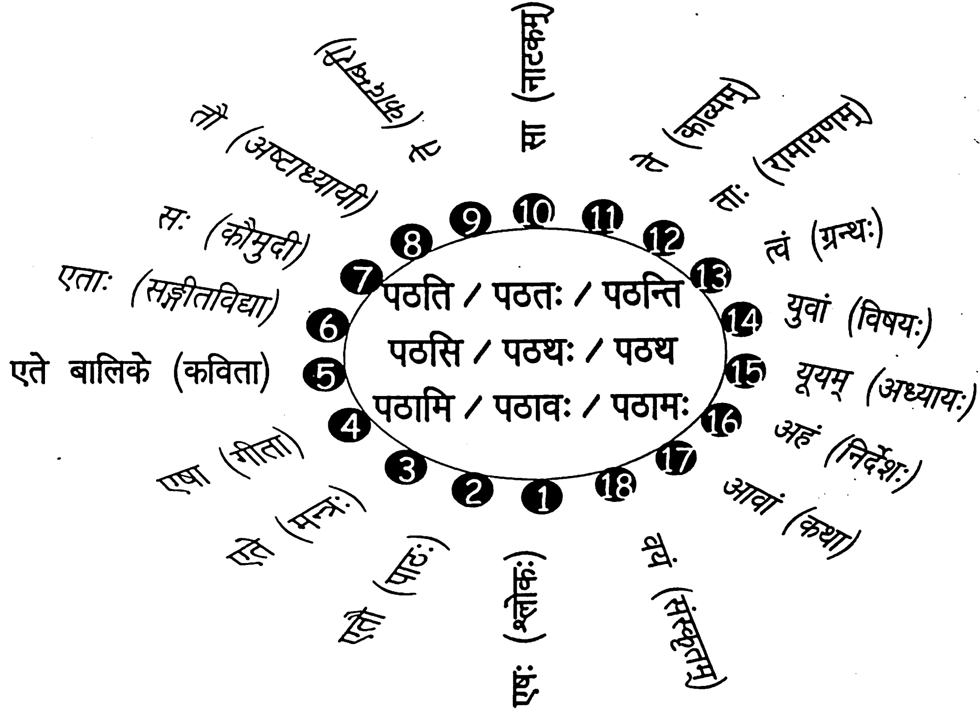
9. प्र०– .... ?
उ०– ताः <u>महिलामण्डलीं</u> गच्छन्ति।

10. प्र०– .... ?
उ०– अहं <u>कुत्रापि न</u> गच्छामि।

अभ्यासः – 81

त्रिषु लिङ्गेषु द्वितीयायाः एकवचनस्य मिश्रिताः प्रयोगाः (पठ्-धातुना सह)

उदाहरणानुसारं चक्रे प्रदत्तशब्दानाम् उचितरूपं प्रयुज्य वाक्यानि लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार चक्र में प्रदत्त शब्दों के उचित रूप का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।
Form sentences by using the words given in the circle as shown in the example.]



उदा०– 1. एषः <u>श्लोकं</u> पठति।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. ....।
7. ....।
8. ....।
9. ....।
10. ....।
11. ....।
12. ....।
13. ....।
14. ....।
15. ....।
16. ....।
17. ....।
18. ....।

अभ्यासः – 82

त्रिषु लिङ्गेषु द्वितीयायाः एकवचनस्य मिश्रिताः प्रयोगाः (प्रच्छ्–धातुना सह)

मञ्जूषातः क्रियापदस्य, कोष्ठतः कर्मपदस्य च उचितं रूपं पूरयन्तु–

[मञ्जूषा से क्रियापद और कोष्ठक से कर्मपद के उचित रूप से रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by selecting appropriate verb from the box and object from the bracket.]

पृच्छति	पृच्छतः	पृच्छन्ति
पृच्छसि	पृच्छथः	पृच्छथ
पृच्छामि	पृच्छावः	पृच्छामः

यथा– 1. छात्रः (अध्यापकः) अध्यापकं ...पृच्छति....... ।
2. जनकः (पुत्रः) .... ।
3. अध्यापकः (प्राचार्यः) .... ।
4. पुत्री (जननी) .... ।
5. आवां (सखी) .... ।
6. युवां (जनकः) .... ।
7. ते बालकाः (सेवकः) .... ।
8. वयं (सचिवः) .... ।
9. सः (प्रश्नः) .... ।
10. अहं (श्लोकः) .... ।
11. ते (कथा) .... ।
12. त्वं (वार्ता) .... ।
13. यूयं (मार्गः) .... ।
14. छात्रः (अर्थः) .... ।
15. बालिका (उत्तरम्) .... ।
16. आवां (नियमः) .... ।
17. वयम् (अध्यापिका) .... ।
18. जनाः (परिहारः) .... ।
19. धनिकः (सेवकः) .... ।
20. आपणिकः (ग्राहकः) .... ।

अभ्यासः – 83

द्वितीयायाः एकवचनस्य प्रयोगाः (विविधैः धातुभिः सह)

✍ **उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को लिखिए। **Please make sentences as per the examples.**]

1. खादति		1. फल
2. पठति	+	2. पुस्तक
3. लिखति		3. पत्र
4. पिबति	+	4. दुग्ध
5. पश्यति	**बालकः**	5. दूरदर्शन
6. जिघ्रति		6. पुष्प
7. नयति		7. पुस्तक
8. यच्छति		8. मोदक
9. आनयति		9. क्रीडनक
10. गायति		10. गीत

उदा०– 1. बालकः फलं खादति।

2. बालकः पुस्तकं पठति।

3. ....।

4. ....।

5. ....।

6. ....।

7. ....।

8. ....।

9. ....।

10. ....।

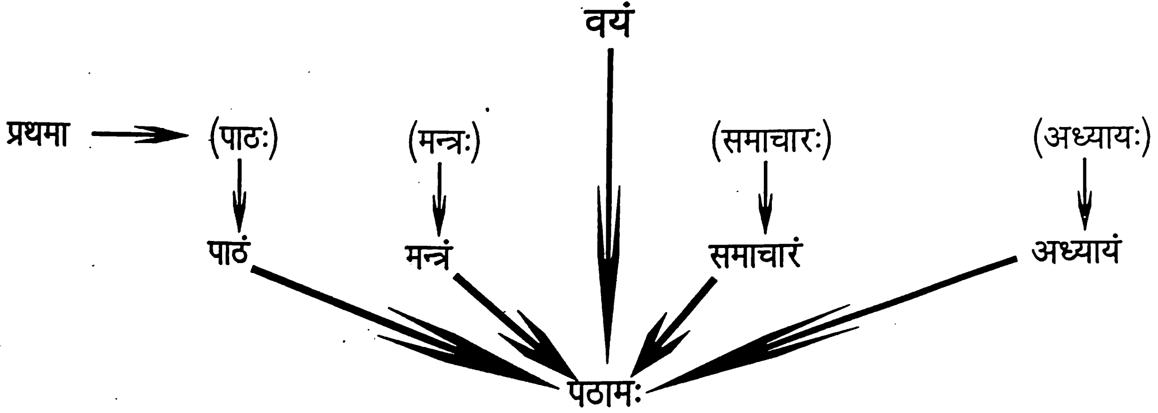
2.1.3 अकारान्तपुंलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

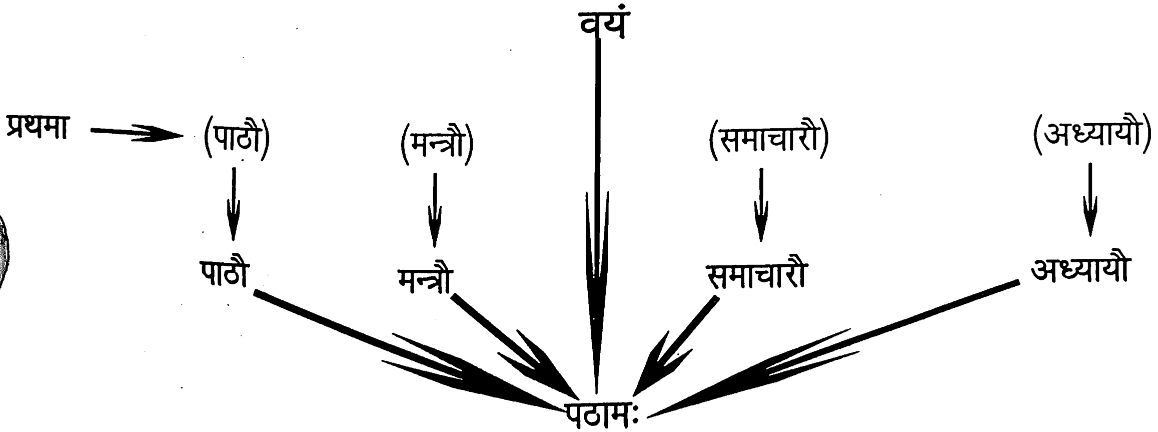


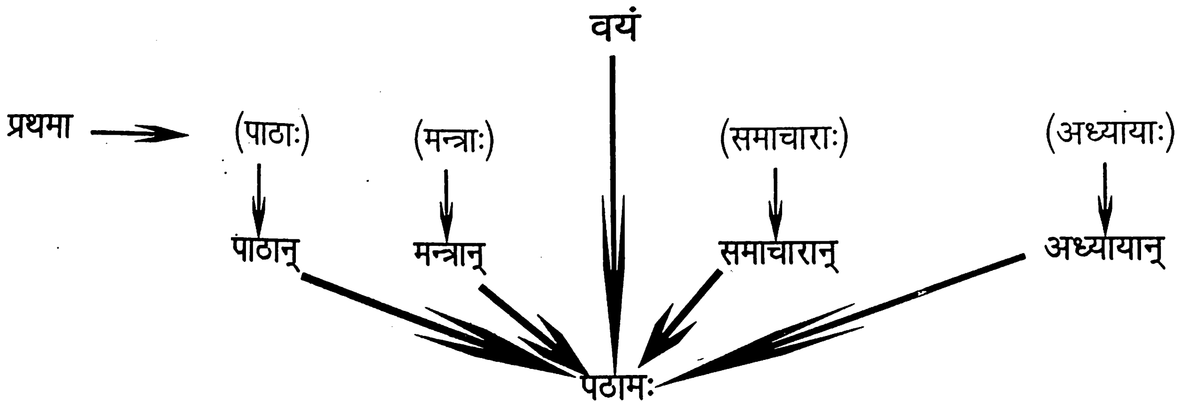
ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

वयं किं किं पठामः ?







अभ्यासः – 84

अकारान्तपुंलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

अग्रे लिखितानि वाक्यानि विभज्य एकस्मिन् वाक्ये एकम् एव कर्मपदं प्रयुज्य लिखन्तु–
[अधोलिखित वाक्यों को लघु वाक्यों में विभक्त कर एक वाक्य में एक कर्मपद का प्रयोग करते हुए लिखिए । Rewrite the following sentences using only one object at a time.]

I. वयं पाठं मन्त्रं समाचारम् अध्यायं च पठामः।

यथा–
1. ..वयं..... ....पाठं...... ....पठामः..... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।

II. वयं पाठौ मन्त्रौ समाचारौ अध्यायौ च पठामः।

1. ...वयं... .....पाठौ... .....पठामः... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।

III. वयं पाठान् मन्त्रान् समाचारान् अध्यायान् च पठामः।

1. ..वयं.... .....पाठान्... ......पठामः... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।

अभ्यासः – 85

अकारान्तपुंलिङ्गशब्दानां द्वितीयारूपाणि

उदाहरणानुसारम् अकारान्तपुंलिङ्गशब्दानां द्वितीयान्तरूपाणि लिखन्तु–

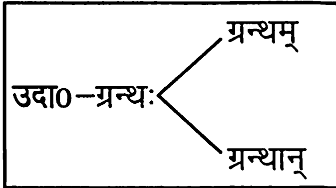
[उदाहरण के अनुसार अकारान्त पुंलिङ्ग शब्दों के द्वितीया विभक्ति के रूप लिखिए। Add second case-ending to the given words and re-write as shown in the example.]

			(एक०)	(द्वि०)	(बहु०)
उदा०–	1. पाठः	→	..पाठम्..	....पाठौ....	....पाठान्.... ।
	2. ग्रन्थः	→	....	....	.... ।
	3. संवादः	→	....	....	.... ।
	4. विद्यालयः	→	....	....	.... ।
	5. मासः	→	....	....	.... ।
	6. सप्ताहः	→	....	....	.... ।
	7. दिवसः	→	....	....	.... ।
	8. पक्षः	→	....	....	.... ।
	9. दिनाङ्कः	→	....	....	.... ।
	10. शशकः	→	....	....	.... ।
	11. मृगः	→	....	....	.... ।
	12. शुकः	→	....	....	.... ।
	13. पिकः	→	....	....	.... ।
	14. खगः	→	....	....	.... ।
	15. हंसः	→	....	....	.... ।
	16. बकः	→	....	....	.... ।
	17. आपणः	→	....	....	.... ।
	18. शकटः	→	....	....	.... ।
	19. चन्द्रः	→	....	....	.... ।
	20. आपणिकः	→	....	....	.... ।
	21. सूर्यः	→	....	....	.... ।
	22. वैद्यः	→	....	....	.... ।

अभ्यासः – 86

अ० पुं० शब्दानां द्वितीया – एक० / बहु० रूपाणि

अग्रे लिखितानां शब्दानां द्वितीयायाम् एकवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु–
[अधोलिखित शब्दों के द्वितीया विभक्ति के एकवचन एवं बहुवचन रूपों को लिखिए। Add second case-ending to the given words in singular and plural numbers.]



1. मन्त्रः	....	2. श्लोकः	....	3. पाठः	....
4. अध्यायः	....	5. निबन्धः	....	6. अभ्यासः	....
7. विषयः	....	8. नियमः	....	9. मयूरः	....
10. शुकः	....	11. कुक्कुरः	....	12. बिडालः	....
13. वृषभः	....	14. शशः	....	15. मीनः	....

अभ्यासः – 87

अ० पुं० द्वितीयाबहुवचनप्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुसारं कोष्ठगतशब्दस्य द्वितीयाबहुवचनं प्रयुज्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[कोष्ठ में दिये गये शब्द से द्वितीया बहुवचन का प्रयोग करके रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए।
Add second case ending (plural) to the word given in the bracket and re-write.]

I. उदा०– 1. वयं (पाठाः) ..पाठान्... ...पठामः... ।
2. वयं (मन्त्राः) .... ।
3. वयं (श्लोकाः) .... ।
4. वयम् (अध्यायाः) .... ।
5. वयं (निबन्धाः) .... ।
6. वयम् (अभ्यासाः) .... ।
7. वयं (विषयाः) .... ।
8. वयं (नियमाः) .... ।
9. वयं (ग्रन्थाः) .... ।
10. वयं (कोषाः) .... ।

अभ्यासः – 88

✍ **उदाहरणानुसारं कोष्ठगतशब्दस्य द्वितीयाबहुवचनं प्रयुज्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[कोष्ठ में दिये गये शब्द से द्वितीया बहुवचन का प्रयोग करके रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए।
Add second case ending (plural) to the word given in the bracket and re-write.]

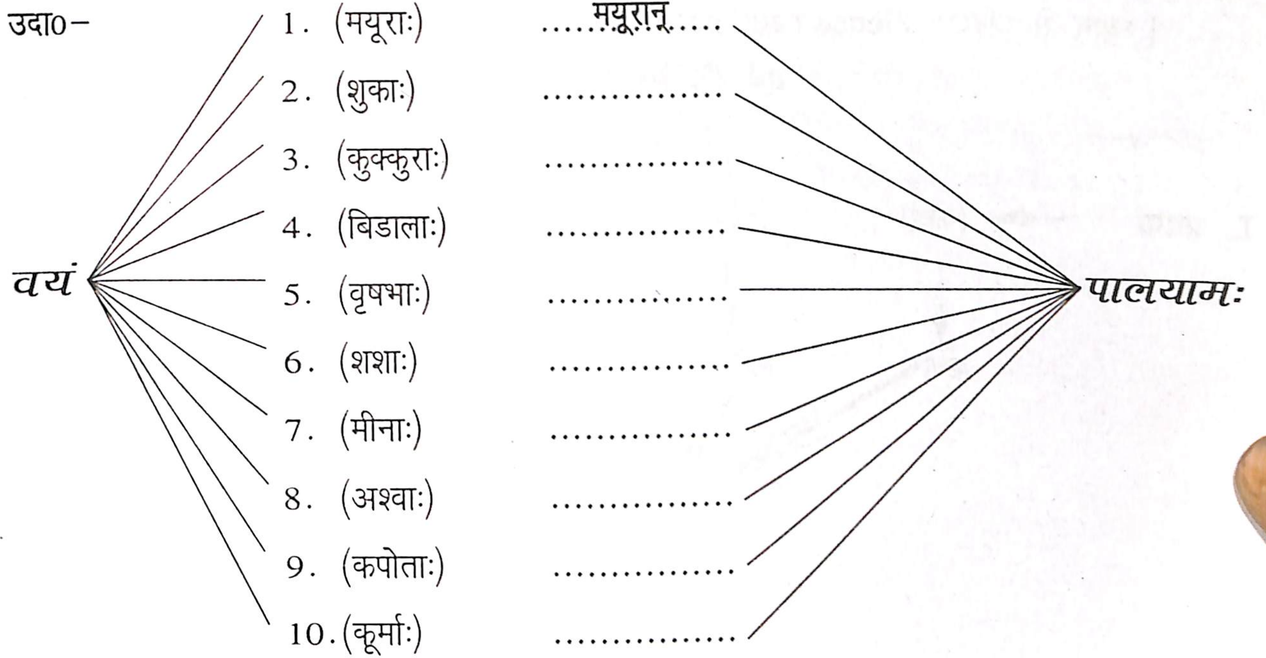
II. उदा०–

वयं — पश्यामः

1. (सिंहाः) ....सिंहान्.....
2. (भल्लूकाः) ....
3. (व्याघ्राः) ....
4. (वानराः) ....
5. (सर्पाः) ....
6. (गजाः) ....
7. (गर्दभाः) ....
8. (कीटाः) ....
9. (वृश्चिकाः) ....
10. (मीनाः) ....

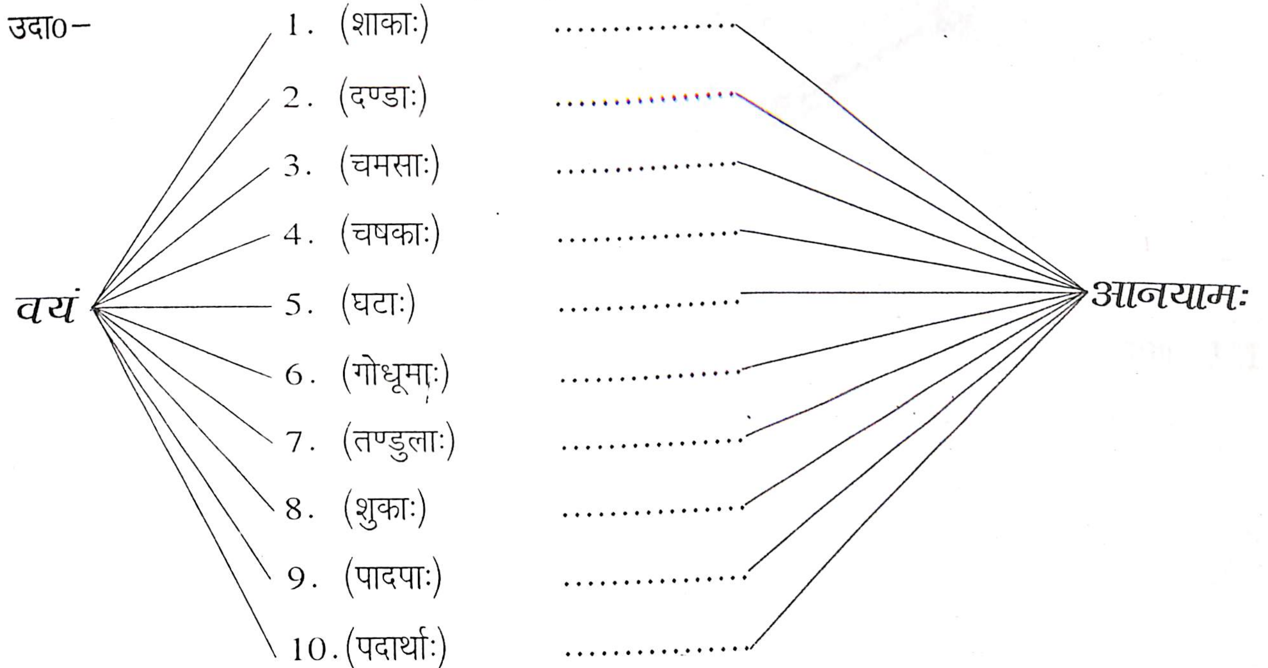
III. उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]



IV. उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]



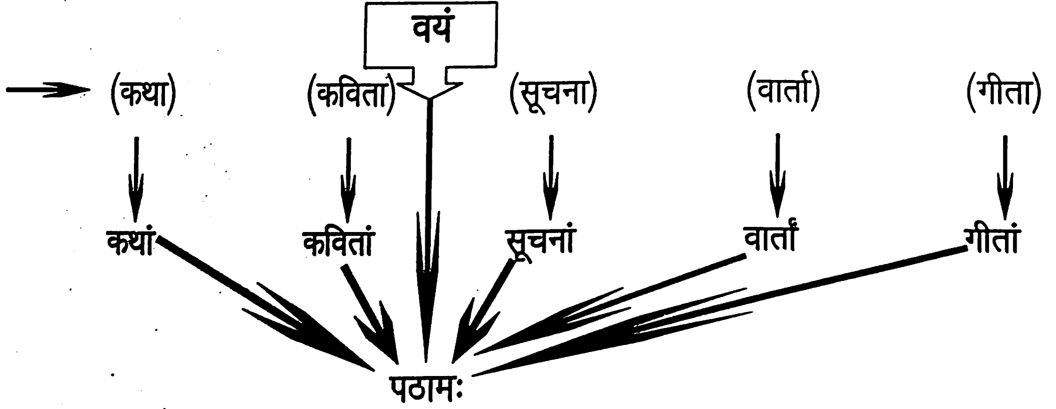
2.1.4 आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

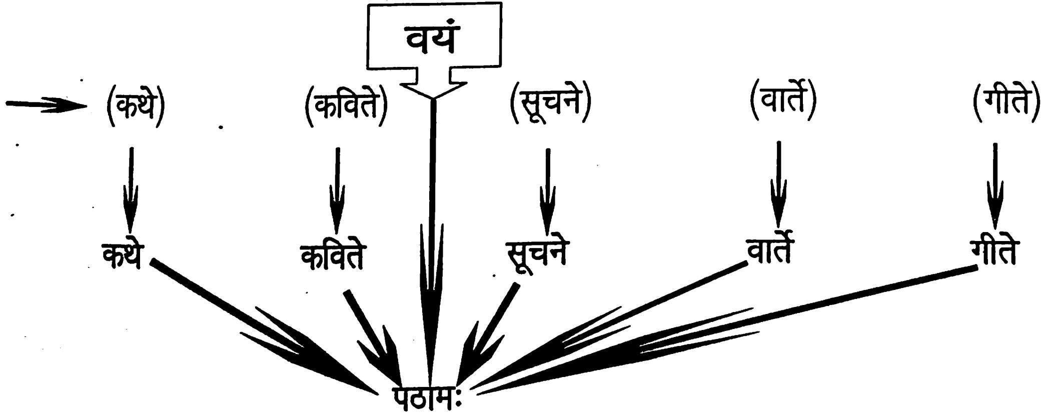


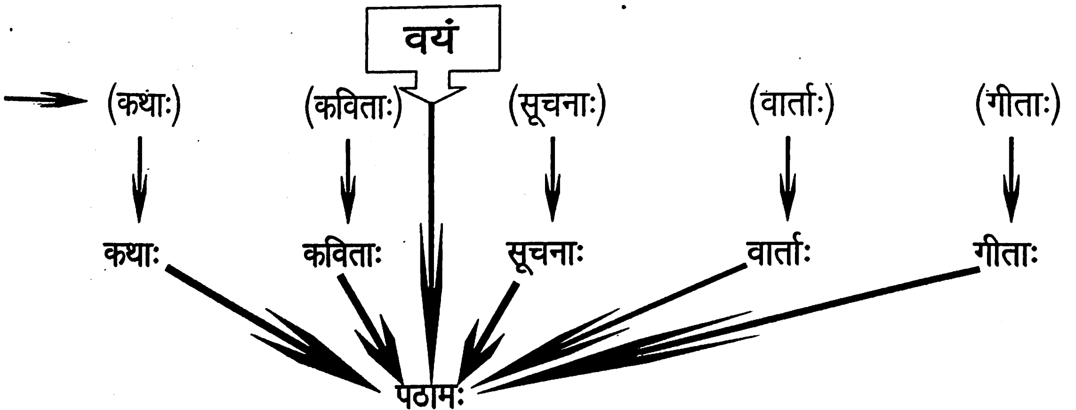
ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully]

वयं किं किं पठामः ?







अभ्यासः – 89

आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

एकस्मिन् वाक्ये एकम् एव कर्मपदं प्रयुज्य प्रदत्तं वाक्यं पुनः लिखन्तु–
[एक वाक्य में एक ही कर्म का प्रयोग करते हुए दिये गये वाक्य को पुनः लिखिए। Re-write the given sentences by using only one object in one sentence.]

यथा– I. **वयं कथां सूचनां वार्तां कवितां गीतां च पठामः।**

1. ..वयं.... ...कथाम्..... ..पठामः.....।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

II. **वयं कथे कविते सूचने वार्ते गीते च पठामः।**

1. ....।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

III. **वयं कथाः कविताः सूचनाः वार्ताः गीताः च पठामः।**

1. ....।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

अभ्यासः – 90

आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां द्वितीयारूपाणि

✍ **उदाहरणानुगुणं द्वितीयारूपाणि त्रिषु वचनेषु लिखन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार द्वितीया विभक्ति के रूपों को तीनों वचनों में लिखिए। Write the three forms of second case ending in singular, dual and plural.]

उदा०– 1.	कथा	→	..कथां....	...कथे........	...कथाः..... ।
2.	वार्ता	→	....	....	.... ।
3.	लता	→	....	....	.... ।
4.	शारदा	→	....	....	.... ।
5.	पाठशाला	→	....	....	.... ।
6.	मक्षिका	→	....	....	.... ।
7.	अध्यापिका	→	....	....	.... ।
8.	बालिका	→	....	....	.... ।
9.	महिला	→	....	....	.... ।
10.	अजा	→	....	....	.... ।
11.	एडका	→	....	....	.... ।
12.	कलिका	→	....	....	.... ।
13.	शाखा	→	....	....	.... ।
14.	अम्बा	→	....	....	.... ।
15.	वाटिका	→	....	....	.... ।

अभ्यासः – 91

आ० स्त्री० द्वितीया एक० बहु० रूपाणि

अग्रे लिखितानां शब्दानां द्वितीयायाम् एकवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु–

[अधोलिखित शब्दों के द्वितीया विभक्ति के एकवचन और बहुवचन के रूपों को लिखिए। Write the forms (Rupas) of the following words in Singular Number and Plural Number second case-ending.]

उदा०–

1. माला



...मालाम्... .. मालाः...

2. कविता



....

3. कथा



....

4. वार्त्ता



....

5. सूचना



....

6. पत्रिका



....

7. सञ्चिका



....

8. पुस्तिका



....

9. नलिका



....

10. पादरक्षा



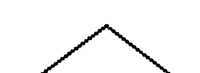
....

11. छुरिका



....

12. शाखा



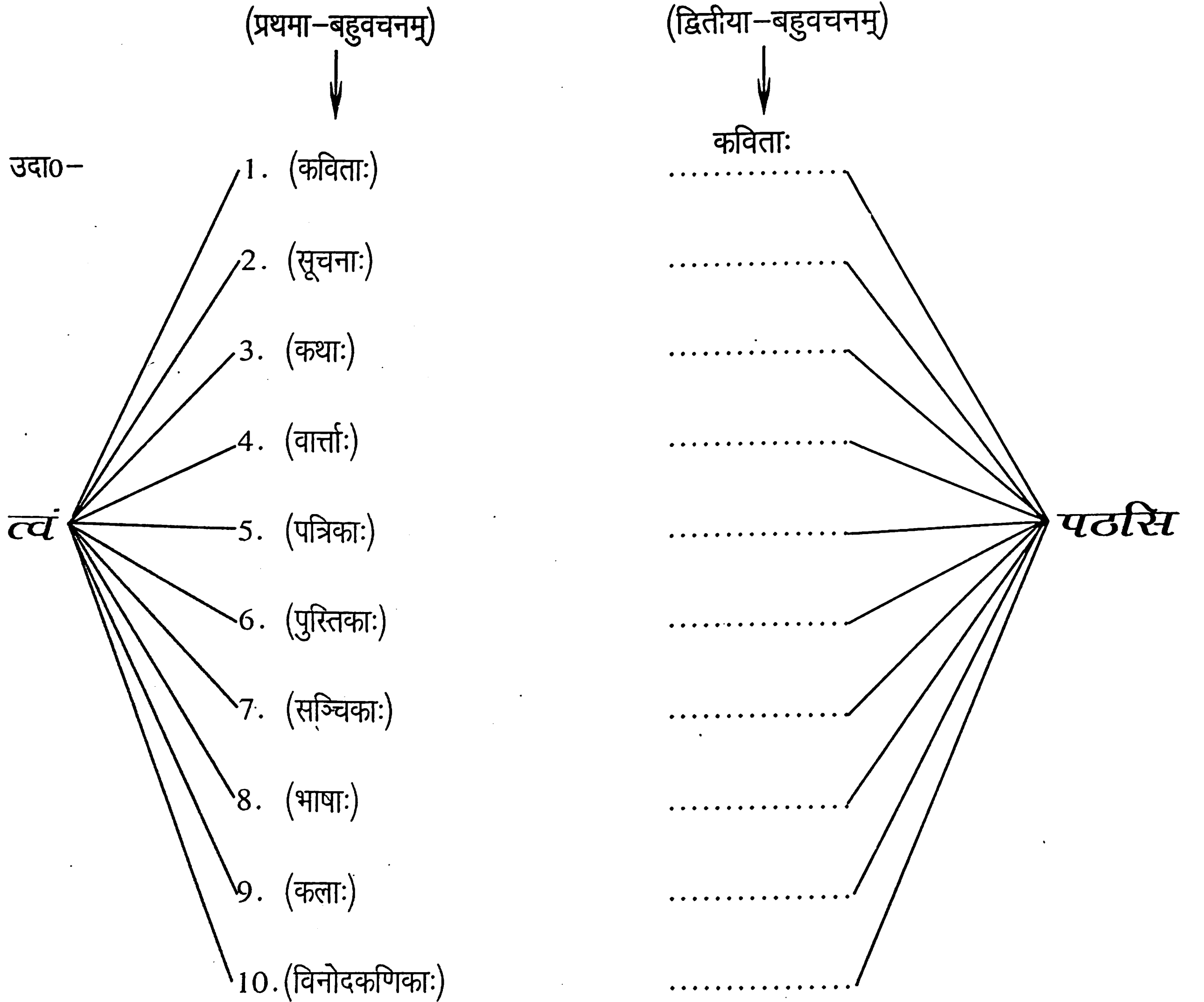
....

अभ्यासः – 92

आ० स्त्री० द्वितीया–बहुवचनप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example]

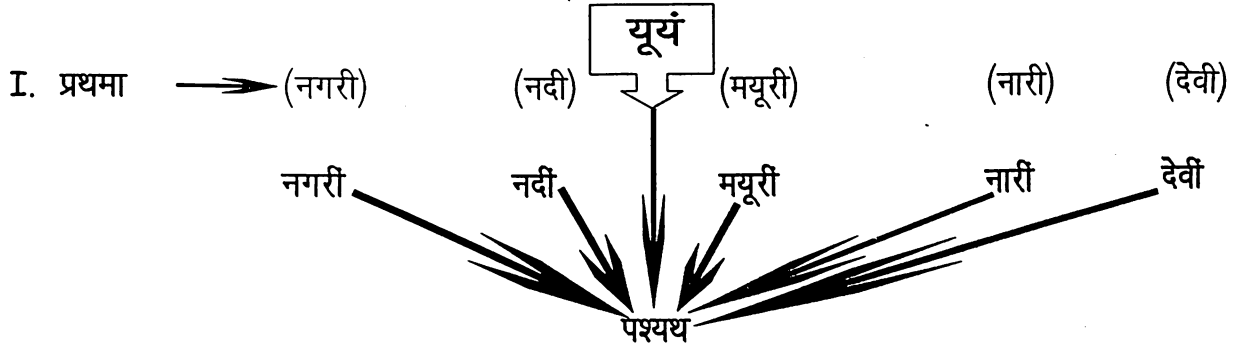


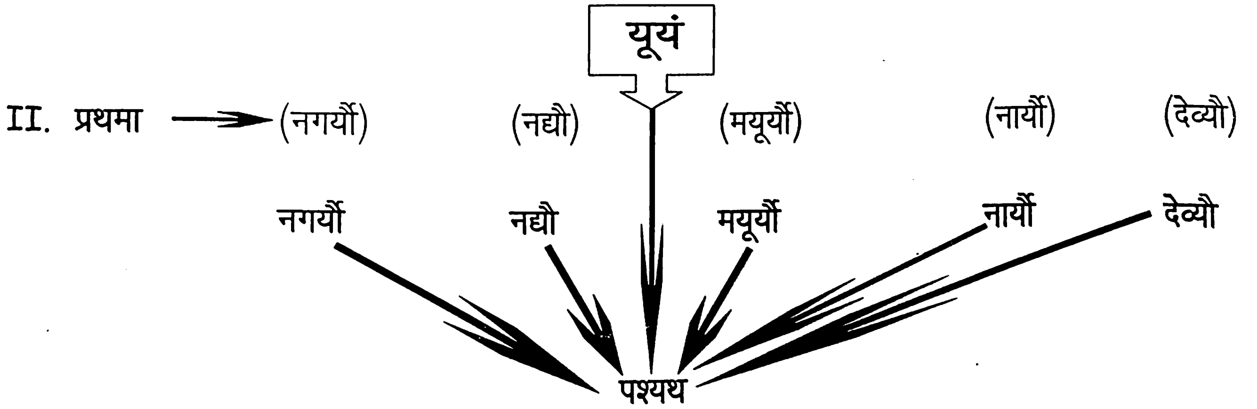
2.1.5 ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

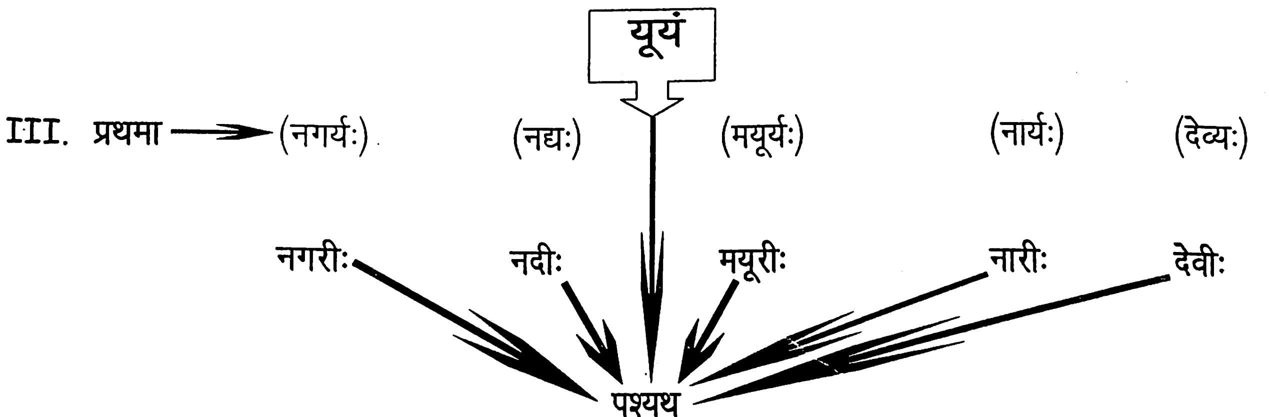
 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

यूयं किं किं पश्यथ ?







अभ्यासः – 93

2.1.5 ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

एकस्मिन् वाक्ये एकम् एव कर्मपदं प्रयुज्य प्रदत्तं वाक्यं पुनः लिखन्तु–
[एक वाक्य में एक ही कर्मपद का प्रयोग करते हुए दिये गये वाक्य को पुनः लिखिए।
Re-write the given sentences by using only one object in one sentence.]

यथा– **I. यूयं नगरीं प्रदर्शनीं नदीं मयूरीं नारीं देवीं च पश्यथ।**

1. यूयं..... .....नगरीं..... ...पश्यथ..... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।

II. यूयं नगर्यौ प्रदर्शन्यौ नद्यौ मयूर्यौ नार्यौ देव्यौ च पश्यथ।

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।

III. यूयं नगरीः प्रदर्शनीः नदीः मयूरीः नारीः देवीः च पश्यथ।

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।

अभ्यासः – 94

ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां द्वितीयारूपाणि

उदाहरणानुसारं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रूपों को लिखिए। Write forms (Rupas) as shown in the examples.]

उदा०– 1. नगरी → ..नगरीम्.. ......नगर्यौ.... .....नगरीः... ।

2. पार्वती → ..पार्वतीम् ......पार्वत्यौ.... .....पार्वतीः.. ।

3. काशी → .... ।

4. मयूरी → .... ।

5. देवी → .... ।

6. नारी → .... ।

7. कादम्बरी → .... ।

8. कौमुदी → .... ।

9. नलिनी → .... ।

10. राक्षसी → .... ।

11. शङ्करी → .... ।

12. मानिनी → .... ।

13. नखरञ्जनी → .... ।

14. सरस्वती → .... ।

15. विद्यार्थिनी → .... ।

16. गृहिणी → .... ।

अभ्यासः – 95

ई० स्त्री० शब्दानां द्वितीया एक० / बहु० रूपाणि

अग्रे लिखितानां शब्दानां द्वितीयायाम् एकवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु–

[अधोलिखित शब्दों के द्वितीया विभक्ति के एकवचन और बहुवचन में रूपों को लिखिए। Write the two forms of the following words in second case ending in singular number and plural number.]

उदा०– ..नर्त्तकीम्...

1. नर्त्तकी ..नर्त्तकीः...

2. नदी ....

3. मयूरी ....

4. नारी ....

5. देवी ....

6. नटी ....

7. भगिनी ....

8. जननी ....

9. पुत्री ....

10. दर्वी ....

11. भिक्षुकी ....

12. रजकी ....

13. लेखनी ....

14. कर्त्तरी ....

15. अनुरागिणी ....

अभ्यासः – 96

ई० स्त्री० शब्दानां द्वितीया–एकवचन / बहु० रूपाणि

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the exampls.]

(I)

उदा०–

एषा

1. (भगिन्यः) भगिनीः
2. (प्रतिवेशिन्यः) ....
3. (कर्मकर्यः) ....
4. (पुत्र्यः) ....
5. (महिष्यः) ....
6. (गृहिण्यः) ....
7. (नर्त्तक्यः) ....
8. (नट्यः) ....
9. (सख्यः) ....
10. (तरुण्यः) ....

आह्वयति

(II)

उदा०–

सा

1. (लेखन्यः) लेखनीः
2. (अङ्कन्यः) ....
3. (चालन्यः) ....
4. (वेल्लन्यः) ....
5. (दर्व्यः) ....
6. (आकाशवाण्यः) ....
7. (दिनदर्शिन्यः) ....
8. (घट्यः) ....
9. (सूच्यः) ....
10. (केशसूच्यः) ....

क्रीणाति

2.1.6 अकारान्तनपुंसकलिङ्गशब्दानां त्रिषु वचनेषु द्वितीयाप्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Read carefully.]

वयं किं किं पठामः ?

वयं

I. प्रथमा ⟶ (वाक्यम्) (व्याकरणम्) (पत्रम्) (पुस्तकम्) (काव्यम्)

द्वितीया वाक्यं व्याकरणं पत्रं पुस्तकं काव्यं

पठामः

वयं

II. प्रथमा ⟶ (वाक्ये) (व्याकरणे) (पत्रे) (पुस्तके) (काव्ये)

द्वितीया वाक्ये व्याकरणे पत्रे पुस्तके काव्ये

पठामः

वयं

III. प्रथमा ⟶ (वाक्यानि) (व्याकरणानि) (पत्राणि) (पुस्तकानि) (काव्यानि)

द्वितीया वाक्यानि व्याकरणानि पत्राणि पुस्तकानि काव्यानि

पठामः

अभ्यासः – 97

2.1.6 अकारान्तनपुंसकलिङ्गशब्दानां द्वितीयाप्रयोगाः

✍ **एकस्मिन् वाक्ये एकम् एव कर्मपदं प्रयुज्य प्रदत्तं वाक्यं पुनः लिखन्तु–**
[एक वाक्य में एक ही कर्मपद का प्रयोग करते हुए दिये गये वाक्य को पुनः लिखिए। Re-write the given sentences by using only one object in one sentence.]

I. **वयं वाक्यं व्याकरणं पत्रं पुस्तकं काव्यं च पठामः।**

यथा– 1. ...वयं... ...वाक्यं... ...पठामः...।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

II. **वयं वाक्ये व्याकरणे पत्रे पुस्तके काव्ये च पठामः।**

1. ...वयं... ...वाक्ये... ...पठामः...।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

III. **वयं वाक्यानि व्याकरणानि पत्राणि पुस्तकानि काव्यानि च पठामः।**

1. ....।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।

अभ्यासः – 98

अकारान्तनपुंसकशब्दानां द्वितीयारूपाणि

उदाहरणानुसारं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रूपों को लिखिए। Write the forms (Rupas) as shown in the example.]

उदा०– 1. वाक्यम् → ..वाक्यम् ......वाक्ये... .....वाक्यानि।

2. पुस्तकम् → ....।

3. फलम् → ....।

4. पुष्पम् → ....।

5. विमानम् → ....।

6. व्यजनम् → ....।

7. नेत्रम् → ....।

8. वस्त्रम् → ....।

9. शरीरम् → ....।

10. विज्ञानम् → ....।

11. शास्त्रम् → ....।

12. द्वारम् → ....।

13. पत्रम् → ....।

14. भवनम् → ....।

15. सस्यम् → ....।

16. पर्णम् → ....।

अभ्यासः – 99

अ० नपुं० द्वितीया एक० / बहु० रूपाणि

अग्रे लिखितानां शब्दानां द्वितीयायाम् एकवचने बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु—

[अधोलिखित शब्दों के द्वितीया विभक्ति के एकवचन और बहुवचन के रूप लिखिए। **Write the forms of the following words in Singular Number and Plural Number of second case - ending.**]

उदा०—

1 विमानम् < ..विमानम्.. / .विमानानि.

2. पर्णम् < .... / ....

3. यन्त्रम् < .... / ....

4 पुष्पम् < .... / ....

5. फलम् < .... / ....

6. वस्त्रम् < .... / ....

7 नगरम् < .... / ....

8. यानम् < .... / ....

9. गृहम् < .... / ....

10 वनम् < .... / ....

11. फलकम् < .... / ....

12. पात्रम् < .... / ....

अभ्यासः – 100

अ० नपुं० शब्दानां द्वितीया–बहुवचनप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete the sentences as shown in the examples.]

(I)

उदा०–

अहं
1. (पुष्प) ....पुष्पाणि....
2. (पत्र) ....
3. (वस्त्र) ....
4. (यन्त्र) ....
5. (चक्र) ....
6. (चित्र) ....
7. (रूप्यक) ....
नयामि

(II)

उदा०–

सा
1. (फलक) ....फलकानि....
2. (युतक) ....
3. (करांशुक) ....
4. (पुस्तक) ....
5. (काष्ठ) ....
6. (साधन) ....
7. (वातायन) ....
8. (यान) ....
9. (व्यजन) ....
10. (मोदक) ....
11. (फल) ....
क्रीणाति

अभ्यासः – 101

द्वितीया–द्विवचनस्य मिश्रिताः प्रयोगाः

✍ **मञ्जूषायाः पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[मञ्जूषा के पदों को जोड़कर रिक्त स्थानों को भरिए। Fill in the blanks by combining the words given in the box.]

1. बालौ ..वृक्षौ..	वृक्षः + वृक्षः	आरोहतः।
2. त्वम् .अङ्कन्यौ....	अङ्कनी + अङ्कनी	आनयसि।
3. सः ....फले....	फलम् + फलम्	खादति।
4. वयं	ग्रामः + ग्रामः	गच्छामः।
5. यूयम्	आरक्षकः + आरक्षकः	पृच्छथ।
6. युवां	लेखनी + लेखनी	आनयथः।
7. आवां	पुस्तकम् + पुस्तकम्	पठावः।
8. भिक्षुकः	बालिका + बालिका	पृच्छति।
9. ते	शकटः + शकटः	क्रीणन्ति।
10. अहं	नाणकम् + नाणकम्	ददामि।
11. भवती	आसन्दः + आसन्दः	आनयति।
12. छात्रः	पीठम् + पीठम्	स्थापयति।
13. महिलाः	पुष्पम् + पुष्पम्	धरन्ति।
14. महाराजः	नर्तकी + नर्तकी	आह्वयति।
15. भवन्तः	ऊरुकम् + ऊरुकम्	क्रीणन्ति।

अभ्यासः – 102

त्रिषु लिङ्गेषु द्वितीयायां संज्ञाशब्दानां मिश्रिताः प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रूपाणि लिखित्वा वाक्यानि पूरयन्तु—

[उदाहरण के अनुसार रूपों का वाक्य में प्रयोग कीजिए। Complete sentences with the proper forms.]

(कविता) (कथा) (ग्रन्थः) (पत्रम्) (श्लोकः)

1. सः कविताम् .... च पठति।

(श्लोकौ) (पुस्तके) (अध्यायौ) (निबन्धौ) (कविते) (सूचने)

2. आवां .... च लिखावः।

(मञ्चः) (भवनम्) (गजः) (अश्वाः) (वृक्षाः) (प्रासादाः) (पर्वताः)

3. सः .... च आरोहति।

(मञ्चाः) (गजाः) (अश्वाः) (वृक्षाः) (प्रासादाः) (पर्वताः)

4. तौ .... च आरोहतः।

(प्रदर्शनी) (जन्तुशाला) (ग्रामः) (काशी) (प्रयागः) (मथुरा) (अयोध्या)

5. त्वं .... च पश्यसि।

(गृहम्) (मन्दिराणि) (छात्रावासः) (भोजनालयाः) (ग्रामाः) (नगर्यः)

6. वयं .... च प्रविशामः।

(पाठाः) (कादम्बरी) (पत्रिकाः) (लेखाः) (वाक्यानि) (कथाः)

7. ते .... च पठन्ति।

[सर्वनामानि]

2.1.7 सर्वनामशब्दानां द्वितीयाप्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

	(अहम्)	(त्वम्)	(सः)	(सा)	(एषः)	(एषा)	(भवान्)	(भवती)	
बालकः	मां	त्वां	तं	तां	एतम्	एतां	भवन्तं	भवतीं	पृच्छति।
	(आवाम्)	(युवाम्)	(तौ)	(ते बालिके)	(एतौ)	(एते छात्रे)	(भवन्तौ)	(भवत्यौ)	
बालकः	आवां	युवां	तौ	ते	एतौ	एते छात्रे	भवन्तौ	भवत्यौ	पृच्छति।
	(वयम्)	(यूयम्)	(ते)	(ताः)	(एते)	(एताः)	(भवन्तः)	(भवत्यः)	
बालकः	अस्मान्	युष्मान्	तान्	ताः	एतान्	एताः	भवतः	भवतीः	पृच्छति।

सम्यक् स्मरन्तु

अहम्	–	माम्	आवाम्	अस्मान्
त्वम्	–	त्वाम्	युवाम्	युष्मान्
सः (पुं०)	–	तम्	तौ	तान्
सा (स्त्री०)	–	ताम्	ते	ताः
तत् (नपुं०)	–	तत्	ते	तानि
एषः (पुं०)	–	एतम्	एतौ	एतान्
एषा (स्त्री०)	–	एताम्	एते	एताः
एतत् (नपुं०)	–	एतत्	एते	एतानि
भवान् (पुं०)	–	भवन्तम्	भवन्तौ	भवतः
भवती (स्त्री०)	–	भवतीम्	भवत्यौ	भवतीः
कः (पुं०)	–	कम्	कौ	कान्
का (स्त्री०)	–	काम्	के	काः
किम् (नपुं०)	–	किम्	के	कानि

एतानि सर्वाणि द्वितीयान्तरूपाणि सम्यक् स्मरणीयानि।

अभ्यासः – 103

सर्वनामशब्दानां द्वितीयारूपाणि

प्रथमाविभक्तिवचनानुगुणं द्वितीयाविभक्तिरूपाणि लिखन्तु–

[प्रथमा विभक्ति के वचन के अनुसार द्वितीया विभक्ति के रूपों को लिखिए। Write the forms of second case ending according to the number of the first case-ending *Vibhakti.*]

1. अहम् ...माम्.... ।	2. त्वम् .... ।	3. सा .... ।
4. भवान् .... ।	5. सः .... ।	6. एषः .... ।
7. भवत्यः .... ।	8. वयम् .... ।	9. आवाम् .... ।
10. भवन्तौ .... ।	11. काः .... ।	12. भवत्यौ .... ।
13. का .... ।	14. एषा .... ।	15. एताः .... ।

अभ्यासः – 104

सर्वनामशब्दानां द्वितीयाप्रयोगाः

कोष्ठे लिखितानां शब्दानां द्वितीयान्तरूपाणि लिखन्तु–

[कोष्ठ में लिखे गए शब्दों के द्वितीया विभक्ति के रूप लिखिए। Add second case ending to the words given in brackets and fill in the blanks.]

1. सः (अहम्) ..माम्.... आह्वयति।
2. सा (भवती) .... पश्यति।
3. जननी (सा) .... स्पृशति।
4. त्वं (ते [पुं०]) .... मा विस्मर।
5. धर्मः (भवान्) .... रक्षति।
6. सा (भवत्यः) .... स्मरति।
7. सर्वे (यूयम्) .... पृच्छन्ति।
8. भवान् (एषा) .... जानाति किम्?
9. सः (त्वम्) .... न जानाति।
10. के (वयम्) .... पृच्छन्ति?

भवन्तम्,	त्वाम्,	युष्मान्,	अस्मान्,	भवतीम्,
तान्,	भवतीः,	एताम्,	ताम्,	माम्

द्वितीयः स्तबकः

2.2 द्वितीयः पाठः

[वर्तमानकाले विशेषक्रियापदानि]

2.2.1 जानाति

अग्रे निर्दिष्टायां मञ्जूषायां दत्तानां क्रियापदानाम् आधारेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[अधोनिर्दिष्ट मञ्जूषा में प्रदत्त क्रियाओं के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by choosing the right verb from the table given below.]

उदा०– 1. वयं ..जानीमः.. ।
2. ते बालकाः न .... ।
3. किं यूयं .... ?
4. भवती किं किं .... ?
5. भवत्यः .... वा ?
6. आवां न .... ।
7. एते बालिके .... ।
8. एते बालकाः .... ।
9. बालिकाः .... ।
10. बालकौ .... ।
11. रमा .... ।
12. मोहनः .... ।
13. युवां .... ।
14. भवान् .... ।
15. वयं किञ्चित् अपि न .... ।
16. एते बालकाः सर्वं .... ।
17. ताः बालिकाः अपि सर्वं .... ।
18. भवत्यौ किं ....?
19. एषा मां .... ।
20. त्वं तान् .... ।
21. त्वम् अस्मान् न .... ।
22. वयं युष्मान् .... ।
23. भवत्यौ .... ।
24. एताः तान् .... ।
25. वयं त्वां .... ।
26. सा मां सम्यक् .... ।
27. किं भवन्तः अस्मान् .... ।
28. तौ तां .... ।

 **अधोलिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरणीयानि–**
[अधोलिखित रूपों का अच्छी तरह स्मरण कीजिए। Learn the following forms Properly.]

(ज्ञा–धातोः रूपाणि)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	जानाति	जानीतः	जानन्ति
मध्यमः पुरुषः	जानासि	जानीथः	जानीथ
उत्तमः पुरुषः	जानामि	जानीवः	जानीमः

2.2.2 करोति

उदाहरणानुसारम् उचितक्रियापदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार उचित क्रिया पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with appropriate verbs as shown in the example.]

उदा0– 1. सा ध्यानं ...करोति..।
2. ते अध्यापनं न ....।
3. त्वं शयनं ....।
4. भवन्तः मननं ....।
5. युवां पाकं ....।
6. भवन्तौ पालनं ....।
7. किं यूयं स्वच्छतां .... ?
8. आवां मार्जनं ....।
9. तौ भोजनं ....।
10. त्वं रोदनं ....।
11. भवती प्रक्षालनं ....।
12. एतौ भजनं ....।
13. किं भवत्यौ कार्यं .... ?
14. ताः किं .... ?
15. आवां किं .... ?
16. वयं न ....।
17. भवत्यः बोधनं ....।
18. ते (छात्रे) किमपि ....।
19. सा किं किं .... ?
20. किं यूयं स्वकार्यं .... ?
21. ताः चिन्तनं ....।
22. भवन्तौ शयनं ....।
23. एतौ अध्ययनं ....।
24. वैद्याः चिकित्सां ....।
25. मूर्खौ निन्दनं ....।
26. बालः रोदनं ....।

(कृ–धातोः रूपाणि)



अधोलिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरन्तु–

[अधोलिखित रूपों का अच्छी तरह स्मरण कीजिए। Learn the following forms properly.]

	एक0	द्वि0	बहु0
प्र0 पु0	करोति	कुरुतः	कुर्वन्ति
म0 पु0	करोषि	कुरुथः	कुरुथ
उ0 पु0	करोमि	कुर्वः	कुर्मः

2.2.3 क्रीणाति

प्रथममञ्जूषातः कर्तृपदं, द्वितीयमञ्जूषातः कर्मपदं चित्वा क्री–धातोः उचितेन क्रियापदेन संयोज्य अग्रे लिखन्तु -

[प्रथम पेटिका से कर्तृपद तथा द्वितीय पेटिका से कर्मपद का चयन कर 'क्री' धातु के उचित क्रिया–पद के साथ मिलाकर अग्रलिखित उदाहरण वाक्यों के अनुसार अन्य वाक्य बनाइए। Select the Subject from the first box, object from the second box and form sentences by adding the proper form of root *Kri.*]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
गृहिणी	ताः	भवत्यौ	एताः	भगिनी	सः	भवान्	एषः	युवाम्	यूयम्
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
तौ	ते	भवन्तौ	एतौ	वयम्	भवन्तः	भवती	सा	त्वम्	अहम्
21	22	23	24	25	26				
एते	वैद्याः	रुग्णाः	आवाम्	पण्डिताः	भवन्तः				

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
पुष्पाणि	वस्त्रम्	पात्राणि	लेखनीः	वेल्लनीं	पुस्तकम्	ग्रन्थान्	कादम्बरीं	यानानि	दर्वीं
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
गृहे	फलम्	शाटिके	औषधम्	मञ्जूषाम्	कण्ठहारम्	आसन्दम्	कपाटिकाम्	मालाम्	दूरदर्शनम्
21	22	23	24	25	26				
शीतकम्	जवनिकाम्	सूचीम्	घटीम्	स्यूतम्	करांशुकम्				

(क्री–धातोः रूपाणि)



अधोलिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरन्तु–

[निम्नलिखित रूपों का अच्छी तरह स्मरण कीजिए। Learn the following forms properly.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्र० पु०	क्रीणाति	क्रीणीतः	क्रीणन्ति
म० पु०	क्रीणासि	क्रीणीथः	क्रीणीथ
उ० पु०	क्रीणामि	क्रीणीवः	क्रीणीमः

(1) (1)

उदा०– 1. गृहिणी....... पुष्पाणि....... क्रीणाति। ।

(2) (2)

2. ताः..... वस्त्रं... .क्रीणन्ति. ।

(3) (3)

3. .... ।

(4) (4)

4. .... ।

(5) (5)

5. .... ।

(6) (6)

6. .... ।

(7) (7)

7. .... ।

(8) (8)

8. .... ।

(9) (9)

9. .... ।

(10) (10)

10. .... ।

(11) (11)

11. .... ।

(12) (12)

12. ....

(13) (13)

13. .... ।

(14) (14)

14. .... ।

(15) (15)

15. .... ।

(16) (16)

16. .... ।

(17) (17)

17. .... ।

(18) (18)

18. .... ।

(19) (19)

19. .... ।

(20) (20)

20. .... ।

(21) (21)

21. .... ।

(22) (22)

22. .... ।

(23) (23)

23. .... ।

(24) (24)

24. .... ।

(25) (25)

25. .... ।

(26) (26)

2.2.4 शक्नोति

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०– 1. रामः कार्यं कर्तुं ..शक्नोति.. ।
2. त्वं कार्यं कर्तुं .... ।
3. अहं कार्यं कर्तुं .... ।
4. युवां कार्यं कर्तुं .... ।
5. आवां कार्यं कर्तुं .... ।
6. वैद्याः कार्यं कर्तुं .... ।
7. पण्डिताः कार्यं कर्तुं .... ।
8. यूयं कार्यं कर्तुं .... ।
9. एषः कार्यं कर्तुं .... ।
10. वयं कार्यं कर्तुं .... ।
11. भवती कार्यं कर्तुं .... ।
12. भवान् कार्यं कर्तुं .... ।
13. भवन्तौ कार्यं कर्तुं .... ।
14. भवन्तः कार्यं कर्तुं .... ।
15. भवत्यः कार्यं कर्तुं .... ।
16. तौ कार्यं कर्तुं .... ।
17. भवत्यौ कार्यं कर्तुं .... ।
18. सः कार्यं कर्तुं .... ।
19. ताः कार्यं कर्तुं .... ।
20. सा कार्यं कर्तुं .... ।
21. ते बालिके कार्यं कर्तुं .... ।
22. छात्राः कार्यं कर्तुं .... ।
23. शिष्यौ कार्यं कर्तुं .... ।
24. अध्यापकौ कार्यं कर्तुं .... ।
25. यूयं बालकाः कार्यं कर्तुं .... ।

(शक्–धातोः रूपाणि)



अग्रे लिखितानि रूपाणि स्मरन्तु–

[अधोलिखित रूपों का स्मरण कीजिए। Learn the following forms.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	शक्नोति	शक्नुतः	शक्नुवन्ति
मध्यमः पुरुषः	शक्नोषि	शक्नुथः	शक्नुथ
उत्तमः पुरुषः	शक्नोमि	शक्नुवः	शक्नुमः

2.2.5 शृणोति

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०— 1.	बालकः वार्तां ..शृणोति..... ।	9.	तौ आकाशवाणीं .... ।
2.	जनकः विषयान् .... ।	10.	ते सङ्गीतं .... ।
3.	शिष्यः नियमौ .... ।	11.	भवन्तः रामायणं .... ।
4.	यूयं श्लोकान् .... ।	12.	आरक्षकौ ध्वनिं .... ।
5.	अहं गीतां .... ।	13.	जननी रोदनं .... ।
6.	त्वं प्रवचनं .... ।	14.	आवां भजनं .... ।
7.	आवां भाषणं .... ।	15.	तौ कोलाहलं .... ।
8.	एतौ निन्दनं .... ।	16.	वयं पाठान् .... ।

(श्रु–धातोः रूपाणि)



अग्रे लिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरन्तु–

[निम्नलिखित रूपों को अच्छी तरह याद करें। Learn the following forms properly.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	शृणोति	शृणुतः	शृण्वन्ति
मध्यमः पुरुषः	शृणोषि	शृणुथः	शृणुथ
उत्तमः पुरुषः	शृणोमि	शृण्वः	शृण्मः

2.2.6 गृह्णाति

अग्रे दर्शितायाः मञ्जूषायाः उचितं क्रियापदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[अधोदर्शित मञ्जूषा से उचित क्रिया का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by selecting proper form of the verb given below in the box .]

उदा०– 1. बालकः कन्दुकं गृह्णाति ।
2. जनन्यः शिशुं .... ।
3. यूयं चोरं .... ।
4. आवां .... ।
5. तौ .... ।
6. आरक्षकौ चोरौ .... ।
7. युवां कन्दुकं .... ।
8. अहं शिशुं .... ।
9. भवन्तौ किं .... ?
10. भवती किं .... ?
11 ते किं किं .... ?
12. त्वं मां .... ।
13. यूयं तौ .... ।
14. भवत्यौ तान् .... ।
15. सा किं .... ?
16. भवत्यः अस्मान् .... ।
17. छात्रः लेखनीं .... ।
18. युवाम् आसन्दं .... ।
19. त्वं तं .... ।
20. ते स्यूतं .... ।
21. किं ते चोरं .... ?
22. ताः मार्जारं .... ।
23. अहं शुकं .... ।
24. त्वं शुकं न .... ।
25. किं तौ सर्वान् .... ?
26. वयं प्रसादं .... ।

(ग्रह्–धातोः रूपाणि)



अग्रे लिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरन्तु–

[निम्नलिखित रूपों को अच्छी तरह याद करें। Learn the following forms well.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	गृह्णाति	गृह्णीतः	गृह्णन्ति
मध्यमः पुरुषः	गृह्णासि	गृह्णीथः	गृह्णीथ
उत्तमः पुरुषः	गृह्णामि	गृह्णीवः	गृह्णीमः

2.2.7 ददाति

अग्रे दर्शितायाः मञ्जूषायाः उचितं क्रियापदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[अधोदर्शित पेटिका से उचित क्रिया का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by selecting proper forms of the verbs given below in the box.]

उदा०– 1. सा फलं ..ददाति... ।
2. ते (पुं०) सुधाखण्डं .... ।
3. भवन्तः भोजनं .... ।
4. बालकः लेखनीं .... ।
5. अहं पुष्पं .... ।
6. वयं रोटिकां .... ।
7. अहं स्यूतं .... ।
8. तौ नाणकं .... ।
9. आवां शाटिकां .... ।
10. गृहिण्यः भिक्षां .... ।
11. वयं धनं .... ।
12. त्वं पत्रं .... ।
13. देवः वरं .... ।
14. वयं वस्त्राणि .... ।
15. महिला आभरणं ...ददाति.. ।
16. वयं लेखनीं .... ।
17. ताः पुस्तकानि .... ।
18. किं, त्वं पुष्पं .... ?
19. न, अहं फलं .... ।
20. सा किं किं .... ?
21. सा किमपि न .... ।
22. अस्तु, अहं .... ।
23. भवती कङ्कणं .... ।
24. ताः कण्ठहारं .... ।
25. किं सा सुवर्णं .... ?
26. न, सा पात्रं .... ।
27. भवत्यः किं .... ?
28. वयं आसन्दं .... ।

(दा–धातोः रूपाणि)

अधोलिखितानि रूपाणि सम्यक् स्मरन्तु–

[अधोलिखित रूपों का अच्छी तरह स्मरण कीजिए। Learn the following forms properly.]

	एक०	द्वि०	बहु०
प्र० पु०	ददाति	दत्तः	ददति
म० पु०	ददासि	दत्थः	दत्थ
उ० पु०	ददामि	दद्वः	दद्मः

2.2.8 पाठयति-इत्यादीनि कानिचित् ण्यन्तक्रियापदानि

 **ध्यानेन पठन्तु-**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



छात्रः पुस्तकं पठति।



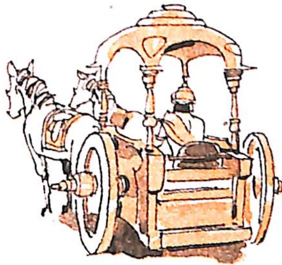
जननी पुस्तकं पाठयति।



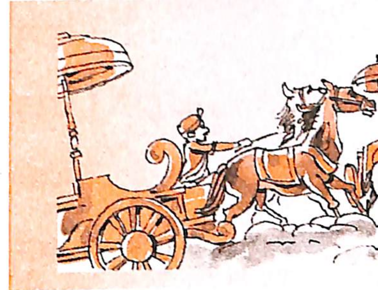
बालकः भोजनं करोति।



जननी भोजनं कारयति।



अश्वौ रथं वहतः।



रथिकः रथं वाहयति।



बालकः निद्राति।



जननी बालकं निद्रापयति।

यथोदाहरणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]



छात्रः पुस्तकं पठति।



अध्यापकः पुस्तकं पाठयति।

उदा०–

1. आचार्यः वेदं ..पाठयति.. । (पाठय्)
2. त्वं कवितां .... । (पाठय्)
3. सा गीतं .... । (पाठय्)
4. पितामहः हितवचनं .... । (पाठय्)
5. जनकः रामायणं ..बोधयति.. । (बोधय्)
6. जननी पुत्रं .... । (बोधय्)
7. वयं संस्कृतिं ..बोधयामः.. । (बोधय्)
8. यूयं शिष्टाचारं ..बोधयथ.. । (बोधय्)
9. भगिनी चित्रं ..दर्शयति.. । (दर्शय्)
10. युवकः सर्पं .... । (दर्शय्)
11. वयम् अभिमानं .... । (दर्शय्)
12. जननी पुत्रम् ..उत्थापयति.. । (उत्थापय्)
13. अधिकारी सेवकम् .... । (उत्थापय्)
14. स्वामी कार्यं ..कारयति.. । (कारय्)
15. अग्रजा भोजनं .... । (कारय्)
16. प्रवाचकः प्रवचनं ..श्रावयति.. । (श्रावय्)
17. रमा गीतं .... । (श्रावय्)
18. अहं कवितां ..श्रावयामि.. । (श्रावय्)
19. पण्डितः वेदं............ । (श्रावय्)
20. छात्रः श्लोकं............ । (श्रावय्)

अभ्यासः – 105

विशेषक्रियापदानां मिश्रिताः प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणम् उचितैः क्रियापदरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरण के अनुसार उचित क्रिया–पद के रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by the suitable forms of the verbs as shown in the example.]

उदा०– 1. सा संस्कृतं न ...जानाति...। (ज्ञा)
2. वयं संस्कृतं..........। (ज्ञा)
3. आरक्षकः चोरं ....। (ग्रह्)
4. महिला शाटिकां ....। (क्री)
5. ते शिष्टाचारं न ....। (ज्ञा)
6. गृहिणी रोटिकां ....। (दा)
7. अनुजः चित्रं ....। (दर्शय्)
8. वैद्यः औषधं ....। (दा)
9. भवन्तः पुस्तकानि ....। (क्री)
10. वयं दुर्जनं न ....। (ज्ञा)
11. आवां फलानि ....। (क्री)
12. ते कोलाहलं ....। (श्रु)
13. वयं गीतं ....। (श्रु)
14. तौ रामायणं ....। (श्रु)
15. साधकः ध्यानं ....। (कृ)
16. पुरुषाः भोजनं ....। (कृ)
17. वयं सत्कार्यं ....। (कृ)
18. ताः समाजसेवां ....। (कृ)
19. सः ....। (शक्)
20. वयं ....। (शक्)
21. बालाः कन्दुकं ....। (ग्रह्)
22. वयं पुष्पाणि ....। (दा)

द्वितीयः स्तबकः

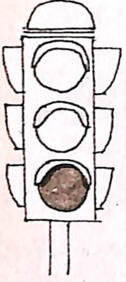
2.3 तृतीयः पाठः

[आज्ञा–प्रार्थनादिषु अर्थेषु लोट्]

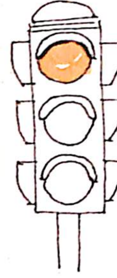
2.3.1 लोट्मध्यमपुरुषे प्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



चल



तिष्ठ



आगच्छ



उपविश



पठ



लिख



खाद



मा वद

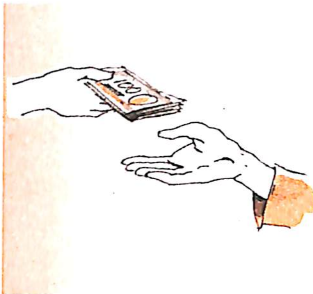


पिब



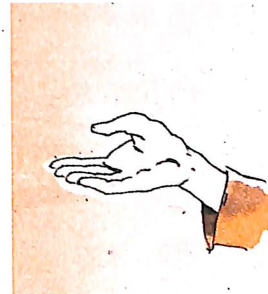
चल

वर्तमाने



यच्छति। (ददाति)

प्रार्थनादिषु



यच्छ। (देहि)

उदा०- (1) सः पठति। [प] [ठ] → [ति] त्वं [पठ]।

(2) सः लिखति [लि] [ख] → [ति] त्वं [लिख]।

अभ्यासः – 106

वर्त्तमानकाले लटि प्रथम पुरुष-एकवचनस्य आज्ञाप्रार्थनादिषु (लोटि) मध्यमपुरुष-एकवचने परिवर्तनम्

उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रूप लिखिए। Write the forms as shown in the examples.]

सः ↓ (वर्त्तमाने)	त्वं ↓ (आज्ञादिषु)
उदा०– 1. खादति	......खाद....
2. वदति	......वद....
3. हसति	....
4. नमति	....
5. क्रीडति	....
6. चलति	....
7. प्रहरति	....
8. मिलति	....
9. पिबति	....
10. नयति	....
11. पश्यति	....
12. स्थापयति	....
13. उत्तिष्ठति	....
14. उपविशति	....
15. स्मरति	....
16. प्रेषयति	....
17. नृत्यति	....
18. गायति	....
19. त्यजति	....
20. चिन्तयति	....
21. तरति	....
22. पतति	....
23. प्रविशति	....
24. पठति	....
25. गच्छति	....

करोति ⟶ कुरु

26. सः/सा सेवां करोति। — त्वं सेवां कुरु।

27. सः/सा कार्यं करोति। — त्वं कार्यं ....।

28. सः/सा अध्ययनं करोति। — त्वम् अध्ययनं ......।

29. सः/सा भजनं करोति। — त्वं भजनं ....।

30. सः/सा नृत्यं करोति। — त्वं नृत्यं ....।

अभ्यासः – 107

वर्त्तमानकाले लटि प्रथमपुरुष-एकवचनस्य आज्ञाप्रार्थनादिषु (लोटि) मध्यमपुरुष -एकवचने परिवर्तनम्

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए। Write the sentences as per the example.]

उदा०– 1. सः खादति। त्वं ..खाद....।
2. बालकः वदति। त्वं ....।
3. एषा धावति। त्वं ....।
4. भवान् गायति। त्वं ....।
5. एषः पश्यति। त्वं ....।
6. गीता आगच्छति। त्वम् ....।
7. प्रकाशः हसति। त्वं ....।
8. शिक्षकः पाठयति। त्वं ....।
9. सा रटति। त्वं ....।
10. बालकः क्रीडति। त्वं ....।
11. जननी नमति। त्वं ....।
12. रक्षकः रक्षति। त्वं ....।
13. भक्तः ध्यायति। त्वं ....।
14. छात्रः लिखति। त्वं ....।
15. पिता आह्वयति। त्वम् ....।
16. सेवकः आनयति। त्वम् ....।
17. धनिकः यच्छति। त्वं ....।
18. भगिनी पिबति। त्वं ....।
19. सः त्यजति। त्वं ....।
20. पितामहः चिन्तयति। त्वं ....।
21. शिष्यः कथयति। त्वं ....।
22. लता नयति। त्वं ....।
23. रमेशः आनयति। त्वम् ....।
24. राधिका नृत्यति। त्वं ....।
25. सः तरति। त्वं ....।
26. लेखकः रचयति। त्वं ....।
27. छात्रः पठति। त्वं ....।
28. देवः रक्षति। त्वं ....।
29. सः ताडयति। त्वं ....।
30. उदयनः प्रक्षालयति। त्वं ....।

2.3.1 (क) लोट्प्रथमपुरुषे प्रयोगाः



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



आगच्छतु



उपविशतु



पिबतु



खादतु



गृह्णातु



पश्यतु



भवान् उपविशतु

वर्त्तमाने	आज्ञा/प्रार्थनादिषु	वर्त्तमाने	आज्ञा-प्रार्थनादिषु
उदा० –			
1. सः उपविशति	। भवान् .... ।	11. नर्तकः नृत्यति	। नटः .... ।
2. सा पठति	। सः .... ।	12. पिता रक्षति	। पुत्रः .... ।
3. रामः गच्छति	। भास्करः .... ।	13. माता क्षालयति	। भगिनी .... ।
4. भक्तः नमति	। बालकः .... ।	14. सा यच्छति	। सः .... ।
5. चित्रकारः लिखति	। छात्रः .... ।	15. अध्यक्षः उपविशति	। अतिथिः .... ।
6. कोकिलः गायति	। गायकः .... ।	16. सौचिकः सीव्यति	। अम्बा .... ।
7. रमेशः क्रीडति	। बालकृष्णः .... ।	17. सा प्रेषयति	। भवती .... ।
8. लता वदति	। सीता .... ।	18. पुत्री सम्पादयति	। पुत्रः .... ।
9. सा चिन्तयति	। एषा .... ।	19. गिरीशः धरति	। निखिलः .... ।
10. चोरः धावति	। आरक्षकः .... ।	20. सिंहः गर्जति	। व्याघ्रः .... ।

2.3.1 (ख) त्रिषु वचनेषु त्रिषु पुरुषेषु लोट्

 **ध्यानेन पंठन्तु। उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु।**

[ध्यान से पढिए। उदाहरण के अनुसार रूप लिखिए। Read carefully and write the forms as per the example.]

पठ्–वर्तमाने

पठ ति	पठ तः	पठ न्ति

आज्ञादिषु					
सः	पठ तु वद तु लिख .... पश्य .... गच्छ .... हस	तौ	पठ ताम् वद ताम् लिख .... पश्य .... गच्छ .... हस	ते	पठ न्तु वद न्तु लिख .... पश्य .... गच्छ .... हस ....

वर्तमाने

पठ सि	पठ थः	पठ थ

आज्ञादिषु					
त्वं	पठ लिख पश्य गच्छ हस वद	युवां	पठ तम् लिख .... पश्य .... गच्छ .... हस .... वद	यूयं	पठ त लिख .... पश्य .... गच्छ .... हस .... वद ....

वर्तमाने

पठा मि	पठा वः	पठा मः

आज्ञादिषु					
अहं	पठा नि लिखा .... वदा .... पश्या .... हसा	आवां	पठा व लिखा .... वदा .... पश्या .... हसा	वयं	पठा म लिखा .... वदा .... पश्या .... हसा ....

अभ्यासः – 108

आज्ञा–प्रार्थनादिषु क्रियाप्रयोगाः (लोट्–लकारे प्रथमपुरुषे)

✍ **अधोलिखितवाक्यानि उचितक्रियापदैः पूरयन्तु।**
[निम्नलिखित वाक्यों को उचित क्रियापद से पूरा कीजिए। Complete the following sentences with appropriate verbs.]

उदा०–

1. सः गच्छति। एषः .....गच्छतु.....।
2. सीता पठति। लता ....।
3. बालकः क्रीडति। बालिका ....।
4. बालिका गायति। महिला ....।
5. सा पश्यति। एषा ....।

उदा०–

6. तौ गच्छतः। एतौ ...गच्छताम्.....।
7. नटौ नृत्यतः। नर्तकौ ....।
8. बालकौ तरतः। युवकौ ....।
9. वैद्यौ यच्छतः। अर्चकौ ....।
10. शुकौ वदतः। बालकौ ....।
11. सेवकौ तिष्ठतः। कर्मकरौ ....।
12. वृद्धौ उपविशतः। बालिके ....।
13. भक्तौ ध्यायतः। छात्रौ ....।
14. युवकौ हसतः। युवत्यौ ....।
15. सङ्गीतज्ञौ गायतः। गायकौ ....।

उदा०–

16. ते स्मरन्ति। एते ....स्मरन्तु....।
17. जनाः पश्यन्ति। सज्जनाः ....।
18. पुत्राः कुर्वन्ति। पुत्र्यः ....।
19. महिलाः आगच्छन्ति। पुरुषाः ....।
20. जनाः अर्चन्ति। भक्ताः ....।
21. व्याघ्राः धावन्ति। हरिणाः ....।
22. शिष्याः नमन्ति। बालिकाः ....।
23. मीनाः तरन्ति। मकराः ....।
24. देशभक्ताः जानन्ति। प्रजाः ....।
25. जनकाः रक्षन्ति। आरक्षकाः ....।

अभ्यासः – 109

आज्ञा–प्रार्थनादिषु क्रियाप्रयोगाः (लोट् लकारे मध्यम–पुरुषे)

अधोलिखितवाक्यानि उचितक्रियापदैः पूरयन्तु।

[निम्नलिखित वाक्यों को उचित क्रियापद से पूरा कीजिए। Complete the following sentences with appropriate verbs.]

उदा० –

1. त्वं सम्पादयसि। त्वं ...सम्पादय....।
2. त्वं त्यजसि। त्वं ....।
3. त्वं प्रेषयसि। त्वं ....।
4. त्वं धरसि। त्वं ....।
5. त्वं चलसि। त्वं ....।
6. त्वं पश्यसि। त्वं ....।
7. त्वं नयसि। त्वं ....।
8. त्वम् उपविशसि। त्वम् ....।
9. त्वं पाठयसि। त्वं ....।
10. त्वं स्मरसि। त्वं ....।

उदा० –

11. युवां वदथः। युवां .....वदतम्.....।
12. युवां क्रीडथः। युवां ....।
13. युवां नमथः। युवां ....।
14. युवां गणयथः। युवां ....।
15. युवां चालयथः। युवां ....।
16. युवां वादयथः। युवां ....।
17. युवां चर्चयथः। युवां ....।
18. युवां लिखथः। युवां ....।
19. युवां सञ्चरथः। युवां ....।
20. युवाम् आनयथः। युवाम् ....।

उदा० –

21. यूयं ध्यायथ। यूयं .....ध्यायत.....।
22. यूयं नमथ। यूयं ....।
23. यूयं पिबथ। यूयं ....।
24. यूयं त्यजथ। यूयं ....।
25. यूयं मिलथ। यूयं ....।
26. यूयं जल्पथ। यूयं ....।
27. यूयं गुणयत। यूयं ....।
28. यूयं हसथ। यूयं ....।
29. यूयं स्मरथ। यूयं ....।
30. यूयं निन्दथ। यूयं ....।

अभ्यासः – 110

2.3.1.3 आज्ञा–प्रार्थनादिषु क्रियाप्रयोगाः (लोट्लकारे उत्तम-पुरुषे)

अग्रे लिखितानि वाक्यानि उचितक्रियापदैः पूरयन्तु।
[निम्नलिखित वाक्यों को उचित क्रियापद से पूरा कीजिए। Complete the following sentences with appropriate verbs.]

उदा०–

1. अहं गच्छामि। अहं ....गच्छानि.....।
2. अहं परिशीलयामि। अहं ....।
3. अहं हरामि। अहं ....।
4. अहं त्यजामि। अहं ....।
5. अहं वदामि। अहं ....।
6. अहं प्रदर्शयामि। अहं ....।
7. अहं तोषयामि। अहं ....।
8. अहं कर्तयामि। अहं ....।
9. अहम् उद्धरामि। अहम् ....।
10. अहं निर्वापयामि। अहं ....।

उदा०–

11. आवां चलावः। आवां ....चलाव....।
12. आवां ज्वालयावः। आवां ....।
13. आवाम् आरोपयावः। आवाम् ....।
14. आवां नृत्यावः। आवां ....।
15. आवां प्रेषयावः। आवां ....।
16. आवां निवारयावः। आवां ....।
17. आवां चिन्तयावः। आवां ....।
18. आवां त्यजावः। आवां ....।
19. आवाम् उपविशावः। आवाम्.............।
20. आवां गायावः। आवां ....।

उदा०–

21. वयं तरामः। वयं .....तराम.....।
22. वयं स्मरामः। वयं ....।
23. वयं प्रेषयामः। वयं ....।
24. वयं लिखामः। वयं ....।
25. वयं धरामः। वयं ....।
26. वयं क्रीडामः। वयं ....।
27. वयं पश्यामः। वयं ....।
28. वयं नयामः। वयं ....।
29. वयम् आगच्छामः। वयम् ....।
30. वयं प्रविशामः। वयं ....।

अभ्यासः – 111

आज्ञादिषु क्रियाप्रयोगाः (लोट्लकारे त्रिषु पुरुषेषु)

कोष्ठके दत्तैः धातुभिः आज्ञार्थे क्रियापदानि निर्माय वाक्यानि पूरयन्तु।

[कोष्ठक में दी गई धातुओं से आज्ञार्थक क्रिया पद बना कर वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete the following sentences by the imperative forms of the roots given in the brackets.]

उदा०–

1. सः ..पठतु... । (पठ्)
2. सा .... । (लिख्)
3. तौ .... । (चर्च्)
4. त्वं .... । (मिल्)
5. आवां .... । (वद्)
6. यूयं .... । (गाय्)
7. ते .... । (सूच्)
8. युवां .... । (सिञ्च्)
9. गायकौ .... । (गाय्)
10. बालिके .... । (गणय्)
11. छात्राः .... । (स्मर्)
12. वैद्यः .... । (यच्छ्)
13. गायकाः .... । (गाय्)
14. देवः .... । (पालय्)
15. वयं .... । (त्यज्)
16. भवान् .... । (नम्)
17. भवती .... । (ज्ञा – जा)
18. वाहनानि .... । (गच्छ्)
19. माता .... । (पच्)
20. एषा .... । (हस्)
21. एताः .... । (क्रीण्)
22. भवत्यः .... । (नृत्)
23. अर्चकः .... । (अर्च्)
24. अहं .... । (दण्डय्)
25. युवां .... । (पिब्)
26. ते बालिके .... । (क्रीड्)

अभ्यासः – 112

आज्ञादिषु क्रियाप्रयोगाः (लोट्–लकारे त्रिषु पुरुषेषु)

कोष्ठे लिखितस्य क्रियापदस्य उचितं रूपं रिक्ते स्थाने योजयन्तु।

[कोष्ठ में लिखे क्रियापदों से उचित रूप चुनकर रिक्तस्थान में लिखिए। Fill in the blanks by choosing suitable form of verbs given in the brackets.]

1. ते छात्रे ....। (गच्छतु / गच्छानि / गच्छताम् / गच्छाव)
2. भवती ....। (पठ / पठाम / पठतु / पठतम्)
3. यूयम् ....। (आगच्छताम् / आगच्छतु / आगच्छत / आगच्छतम्)
4. किं वयं .... ? (लिखाव / लिखानि / लिखत / लिखाम)
5. एषा ....। (शृणोतु / शृणवानि / शृणु)
6. त्वं ....। (जानातु / जानीहि / जानानि / जानीताम्)
7. भवन्तः ....। (जानानि / जानातु / जानन्तु / जानीहि)
8. किं वयं .... ? (प्रविशानि / प्रविशत / प्रविशाम / प्रविशतु)
9. एते बालकाः तत्र ....। (उपविशत / उपविशतु / उपविशानि / उपविशन्तु)
10. किम् आवाम् अत्र .... ? (तिष्ठाम / तिष्ठाव / तिष्ठताम् / तिष्ठतम्)
11. भवन्तः स्वकार्यं ....। (करोतु / कुर्वन्तु / कुरु / कुरुताम् / कुरुत)
12. किं वयं स्वकार्यं .... ? (करवाणि / करवाव / कुर्वन्तु / कुरु / करवाम)
13. एते अपि शीघ्रं स्वकार्यं ....। (करोतु / कुरु / करवाव / कुर्वन्तु)
14. भवान् एतत् फलं ....। (स्वीकुरु / स्वीकरोतु / स्वीकुरुताम् / स्वीकुर्वन्तु)
15. भवती एतत् ....। (जानीहि / जानीताम् / जानातु / जानन्तु)

[सम्बोधनम्]

2.3.2 सम्बोधनप्रथमा-एकवचनम्

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



पुत्र ! पिब



पुत्र ! चल



गोविन्द ! पठ



मोहन ! लिख



पुत्र ! खाद



मदन ! मा वद



पुत्र ! शृणु



पुत्र ! आगच्छ।



बालिके ! पिब।



लते ! आगच्छ।



पुत्रि ! लिख।



गौरि ! उत्तिष्ठ।

उदाहरणानुगुणं सम्बोधनरूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार सम्बोधन के रूपों को लिखिए। Write the vocative form of the words given in nominative case.]

प्रथमा	सम्बोधनप्रथमा		
उदा०–रामः	राम !	गिरीशः	....
बालकः	बालक !	भास्करः	....
पुत्रः	....	विवेकः	....
कृष्णः	....	सीता	..सीते !...
भरतः	....	रमा	....
भिक्षुकः	....	सुशीला	....
		भगिनी	..भगिनि !..

स्त्रीलिङ्गे–

2.3.2 (क) एकवचनम्

'आ' कारान्ताः		'ई' कारान्ताः	
प्रथमा	सम्बोधनप्रथमा	प्रथमा	सम्बोधनप्रथमा
रमा	..रमे..!.....	गौरी	.गौरि..!....
सुधा	....	पार्वती	....
गीता	....	सरस्वती	....
बालिका	....	सुमती	....
ललिता	....	भगिनी	....
सुनीता	....	देवी	....
गिरिजा	....	नलिनी	....
अध्यापिका	....	शालिनी	....
वसुन्धरा	....	कावेरी	....
ममता	....	नन्दिनी	....

नपुंसकलिङ्गे–

प्रथमा	सम्बोधनप्रथमा
मित्रम्	मित्र !

सम्यक् स्मरन्तु –
[ध्यान से स्मरण कीजिए। Learn carefully.]

प्रथमा	सम्बोधनप्रथमा
अम्बा	अम्ब !

अभ्यासः – 113

सम्बोधन-प्रथमा-एकवचनस्य प्रयोगाः

 **कोष्ठे प्रदत्तस्य शब्दस्य सम्बोधनरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[कोष्ठ में दिए गए शब्दों के सम्बोधन रूप का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks by using the Vocative form of the words given in the brackets.]

1. ..उषे !.. त्वम् आगच्छ। (उषा)
2. .... त्वं पाठं पठ। (पुत्री)
3. .... त्वं कोलाहलं न कुरु। (बालकः)
4. .... त्वं गृहपाठं लिख। (पुत्रः)
5. .... भवती भोजनं यच्छतु। (अम्बा)
6. .... त्वं क्षीरं पिब। (कृष्णः)
7. .... किं पानीयं स्वीकरोति ? (मित्रम्)
8. .... भवती सङ्कोचं मा अनुभवतु। (सखी)
9. .... त्वं शीघ्रम् उत्तिष्ठ। (वत्सः)
10. .... भवान् हस्तं प्रक्षालयतु। (महोदयः)
11. .... भवान् आसन्दम् अलङ्करोतु। (अध्यक्षमहोदयः)
12. .... भवान् कृपां प्रदर्शयतु। (देवः)
13. .... त्वं घटीं पश्य। (बालकः)
14. .... भवती भोजनं परिवेषयतु। (भगिनी)
15. .... त्वं कुत्र गच्छसि ? (बालिका)
16. .... त्वं किं खादसि ? (गणेशः)
17. .... त्वं श्लोकं वद। (गीता)
18. .... त्वं कार्यं कुरु। (ललिता)
19. .... त्वं मा हस। (मूर्खः)
20. .... त्वम् उत्तरं वद। (शिष्यः)
21. .... त्वं लेखनीं यच्छ। (गौरी)
22. .... भवान् समाधानं वदतु। (अध्यापकः)
23. .... त्वं मा धाव। (पुत्रः)
24. .... भवान् फलं स्वीकरोतु। (महोदयः)
25. .... त्वं जलम् आनय। (शारदा)

2.3.2 (ख) सम्बोधनप्रथमा त्रिषु वचनेषु

उदाहरणानुसारं सम्बोधनरूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार सम्बोधन के रूपों को लिखिए। Write down the forms of Vocative case as shown in the examples.]

	प्रथमा				सम्बोधनम्		
पुंल्लिङ्गेः–							
उदा०–	बालकः,	बालकौ,	बालकाः	→	बालक,	बालकौ,	बालकाः
1.	छात्रः,	छात्रौ,	छात्राः	1.	....	....	....
2.	शिक्षकः,	शिक्षकौ,	शिक्षकाः	2.	....	....	....
3.	सेवकः,	सेवकौ,	सेवकाः	3.	....	....	....
4.	शिष्यः,	शिष्यौ,	शिष्याः	4.	....	....	....
स्त्रीलिङ्गे–							
उदा०–	बालिका,	बालिके,	बालिकाः	→	बालिके,	बालिके,	बालिकाः
5.	महिला,	महिले,	महिलाः	5.	....	....	....
6.	शिक्षिका,	शिक्षिके,	शिक्षिकाः	6.	....	....	....
7.	छात्रा,	छात्रे,	छात्राः	7.	....	....	....
8.	गायिका,	गायिके,	गायिकाः	8.	....	....	....
उदा०–	भगिनी,	भगिन्यौ,	भगिन्यः	→	भगिनि,	भगिन्यौ,	भगिन्यः
9.	देवी,	देव्यौ,	देव्यः	9.	....	....	....
10.	नर्तकी,	नर्तक्यौ,	नर्तक्यः	10.	....	....	....
11.	पुत्री,	पुत्र्यौ,	पुत्र्यः	11.	....	....	....
12.	जननी,	जनन्यौ,	जनन्यः	12.	....	....	....
नपुंसकलिङ्गे–							
उदा०–	मित्रम्	मित्रे,	मित्राणि	→	मित्र,	मित्रे,	मित्राणि

अभ्यासः – 114

2.3.2.2 सम्बोधनप्रथमायाः मिश्रिताः प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं यथोचितं सम्बोधनरूपैः वाक्यानि पूरयन्तु –**

[उदाहरणों के अनुसार सम्बोधन के रूपों से वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete the following sentences with appropriate Vocative forms as shown in the examples.]

द्विवचने

उदा०– 1. .....पुत्रौ..... ! युवां पठतम्। (पुत्र)

2. .... ! युवां पाठं लिखतम्। (शिष्य)

3. .... ! युवां श्लोकं वदतम्। (बालिका)

4. .... ! भवन्तौ उपविशताम्। (महोदय)

5. .... ! युवां खादतम्। (वत्सा)

बहुवचने

उदा०– 1. अध्यापिकाः... ! भवत्यः पाठयन्तु। (अध्यापिका)

2. .... ! यूयं मा क्रीडथ। (छात्र)

3. .... ! यूयं गृहपाठं लिखथ। (बालिका)

4. .... ! भवत्यः आगच्छन्तु। (भगिनी)

5. .... ! भवन्तः चित्रं पश्यन्तु। (जन)

2.3.2 (ग) अद्य/ह्यः/परह्यः/प्रपरह्यः श्वः/परश्वः/प्रपरश्वः

12.2.2001

प्रपरह्यः - द्वादशदिनाङ्कः
प्रपरह्यः - त्रयोदशी तिथिः
प्रपरह्यः - बुधवासरः
प्रपरह्यः - अहं गृहे आसम्
प्रपरह्यः - भवान्/भवती कुत्र अगच्छत्?

13.12.2001

परह्यः - त्रयोदशदिनाङ्कः
परह्यः - चतुर्दशी तिथिः
परह्यः - गुरुवासरः
परह्यः - अहं कार्यालयं प्रविष्टवान्।
परह्यः - अहं लेखनकार्यं सम्पादितवान्।

14.12.2001

ह्यः - चतुर्दशदिनाङ्कः
ह्यः - अमावस्या तिथिः
ह्यः - शुक्रवासरः
ह्यः - रात्रौ गाढान्धकारः आसीत्।
ह्यः - रात्रौ मम गृहे विद्युत् नासीत्।

15.12.2001

अद्य - मार्गशीर्षशुक्लपक्षस्यारम्भः
अद्य - सर्वकारीयकार्यालयेषु अवकाशः
अद्य - पञ्चदशदिनाङ्कः
अद्य - शनिवासरः

16.12.2001

श्वः - षोडशदिनाङ्कः
श्वः - अपि सर्वत्र अवकाशः
श्वः - रविवासरः
श्वः - द्वितीया तिथिः

17.12.2001

परश्वः - सप्तदशदिनाङ्कः
परश्वः - तृतीया तिथिः
परश्वः - सोमवासरः
परश्वः - ईद–उल्फितर उत्सवः
परश्वः - कार्यालयेषु अवकाशः भविष्यति।

18.12.2001

प्रपरश्वः - अष्टादशदिनाङ्कः
प्रपरश्वः - चतुर्थी तिथिः
प्रपरश्वः - मङ्गलवासरः
प्रपरश्वः - सर्वे कार्यालयान् गमिष्यन्ति। कार्याणि करिष्यन्ति।
प्रपरश्वः - मम जन्मदिवसः
प्रपरश्वः - भवान्/भवती अवश्यम् मम गृहम् आगच्छतु।

तृतीयः स्तबकः

3.1 प्रथमः पाठः

[भूतकालः (लङ्)]



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

3.1.1 आसीत्



बुद्धः



बुद्धः पूर्वं राजकुमारः आसीत्।



वृद्धः



वृद्धः पूर्वं युवकः आसीत्।



वृक्षः



वृक्षः पूर्वम् अङ्कुरः आसीत्।



अग्रे लिखितं पठन्तु–

[निम्नलिखित को पढ़िए। Please read the following.]

अद्य 23–दिनाङ्कः गुरुवासरः च अस्ति।

ह्यः 22–दिनाङ्कः बुधवासरः च आसीत्।

3.1.1÷ अस् / भू

 **ध्यानेन पठन्तु–**

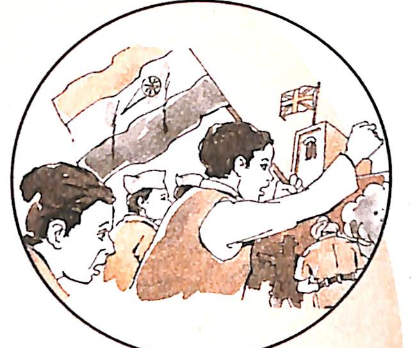
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



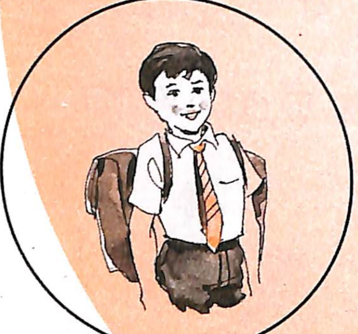
अध्यापकः अभवम्। अपाठयम्।



स्नातकः अभवम्।



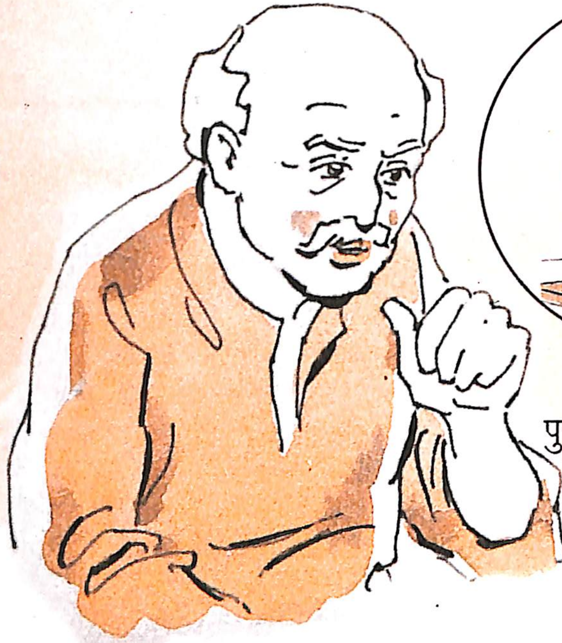
जननायकः अभवम्।



छात्रः आसम्। अपठम्।



लेखकः अभवम्।
पुस्तकानि अलिखम्।



वृद्धः चिन्तयति।

रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

1.	अद्य रविवासरः अस्ति।	ह्यः शनिवासरः आसीत्।
2.	अद्य शनिवासरः अस्ति।	ह्यः शुक्रवासरः ....।
3.	अद्य शुक्रवासरः अस्ति।	ह्यः ....।
4.	अद्य गुरुवासरः अस्ति।	...... बुधवासरः ....।
5.	अद्य बुधवासरः अस्ति।	ह्यः ....।
6.	अद्य मङ्गलवासरः अस्ति।	.... सोमवासरः ....।
7.	अद्य सोमवासरः अस्ति।	ह्यः ....।

अभ्यासः – 115

अस्ति / आसीत्

यथोचितं क्रियापदरूपं लिखन्तु –
[सही क्रियापद लिखिए। Write the correct form of the verbs.]

उदा०– 1. अङ्कुरः अधुना वृक्षः ....अस्ति.......।
2. युवकः पूर्वं बालकः ....आसीत्......।
3. वाल्मीकिः पूर्वं व्याधः ....।
4. गङ्गानदी भारतदेशे ....।
5. सुभाषचन्द्रबोसः देशभक्तः ....।
6. विश्वनाथमन्दिरं वाराणस्याम् ....।
7. पुष्पं पूर्वं कलिका ....।
8. विवेकानन्दस्य नाम नरेन्द्रः इति.....................।
9. बालकः इदानीं तरुणः ....।
10. वाराणसी उत्तरप्रदेशे ....।

3.1.2 आसीत्, आस्ताम्, आसन्

✍ **उदाहरणानुगुणं भूतकालरूपाणि लिखन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के रूपों को लिखिए। Write down the forms (Rupas) of Past Tense as shown in the examples.]

	अधुना अस्ति।	पूर्वम् आसीत्।
उदा०–	1. वृक्षः अस्ति।	अङ्कुरः ....आसीत्... ।
	2. वृद्धः अस्ति।	युवकः .... ।
	3. दरिद्रः अस्ति।	धनिकः .... ।
	4. पण्डितः अस्ति।	मन्दः .... ।
	5. शान्तः अस्ति।	क्रूरः .... ।
	6. कृशः अस्ति।	स्थूलः .... ।

	अधुना स्तः।	पूर्वम् आस्ताम्
उदा०–	7. वृद्धौ स्तः।	बालकौ ...आस्ताम्... ।
	8. धनिकौ स्तः।	दरिद्रौ .... ।
	9. स्थूलौ स्तः।	कृशौ .... ।
	10. क्रूरौ स्तः।	शान्तौ .... ।
	11. दुर्जनौ स्तः।	सज्जनौ .... ।
	12. सुन्दरौ स्तः।	कुरूपौ .... ।

	अधुना सन्ति।	पूर्वम् आसन्।
उदा०–	13. श्वेतकेशाः सन्ति।	कृष्णकेशाः आसन्।
	14. दन्ताः न सन्ति।	दन्ताः ...आसन्.... ।
	15. फलानि पक्वानि सन्ति।	फलानि अपक्वानि............. ।
	16. नायकाः सन्ति।	नृपाः .... ।
	17. यानानि सन्ति।	शकटाः .... ।
	18. राज्यानि 28 सन्ति।	राज्यानि 25 .... ।

3.1.3 आसीः, आस्तम्, आस्त

 **उदाहरणानुगुणं भूतकालिकरूपैः वाक्यानि पूरयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के रूपों से वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete following sentences with the forms of verbs in past tense.]

अधुना त्वं .... असि।	पूर्वं त्वं .... आसीः।
उदा०– 1. त्वं नवमकक्ष्यायाम् असि।	त्वम् अष्टमकक्ष्यायाम् आसीः।
2. त्वं चतुरः असि।	त्वं मूर्खः ...आसीः...।
3. त्वं प्रवीणः असि।	त्वं मन्दः ....।
4. त्वं कृशः असि।	त्वं स्थूलः ....।
5. त्वं भारते असि।	त्वं विदेशे ....।

अधुना युवां .... स्थः।	पूर्वं युवां .... आस्तम्।
उदा०– 6. युवां स्वस्थौ स्थः।	युवां रुग्णौ ...आस्तम्...।
7. युवां मूर्खौ स्थः।	युवां पण्डितौ ....।
8. युवां सबलौ स्थः।	युवां दुर्बलौ ....।
9. युवां धीरौ स्थः।	युवां भीतौ ....।
10. युवां युवकौ स्थः।	युवां बालौ ....।

अधुना यूयं .... स्थ।	पूर्वं यूयं .... आस्त।
उदा०– 11. यूयम् अध्यापकाः स्थ।	यूयं छात्राः आस्त।
12. यूयं सरलाः स्थ।	यूयम् उद्दण्डाः ....।
13. यूयम् आचार्याः स्थ।	यूयं शिक्षकाः ....।
14. यूयं बालकाः स्थ।	यूयं शिशवः ....।
15. यूयं देहलीनगरे स्थ।	यूयं वाराणसीनगरे ....।

3.1.4 आसम्, आस्व, आस्म

✍ **उदाहरणानुगुणं भूतकालरूपैः वाक्यानि पूरयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के रूपों से वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete the following sentences with the verbs in past tense.]

अधुना अहं .... अस्मि।	पूर्वम् अहं .... आसम्।
उदा०– 1. अहं वृद्धः अस्मि।	अहं तरुणः ...आसम्.... ।
2. अहं विशेषज्ञः अस्मि।	अहम् अल्पज्ञः .... ।
3. अहं राष्ट्रनायकः अस्मि।	अहं ग्रामनायकः .... ।
4. अहम् अलसः अस्मि।	अहम् उद्यमशीलः .... ।
5. अहं गृहस्थः अस्मि।	अहं छात्रः .... ।

अधुना आवां .... स्वः।	पूर्वम् आवां .... आस्व।
उदा०– 6. आवां सुदृढौ स्वः।	आवां शिथिलौ ...आस्व.... ।
7. आवां सैनिकौ स्वः।	आवां कृषकौ .... ।
8. आवां मित्रे स्वः।	आवाम् अपरिचितौ .... ।
9. आवां देवभक्तौ स्वः।	आवां नास्तिकौ .... ।
10. आवां सज्जनौ स्वः।	आवां दुष्टौ .... ।

अधुना वयं .... स्मः।	पूर्वं वयं .... आस्म।
उदा०– 11. वयं धनिकाः स्मः।	वयं दरिद्राः ...आस्म.... ।
12. वयं शिक्षिताः स्मः।	वयं मूर्खाः .... ।
13. वयं नागरिकाः स्मः।	वयं ग्रामीणाः .... ।
14. वयं प्राध्यापकाः स्मः।	वयं शिक्षकाः .... ।
15. वयं संस्कृतज्ञाः स्मः।	वयं वैज्ञानिकाः .... ।

अभ्यासः – 116

उदाहरणानुगुणं यथोचितं संयोजनं कृत्वा वाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार उचित संयोजन कर वाक्यों को लिखिए। Frame sentences by arranging the words in proper order.]

(अधुना)	पूर्वम्
1. वृक्षः	3. पूर्वं कुटीरम्
2. भवती महिला	4. पूर्वं दरिद्रः
3. भवनम्	2. पूर्वं बालिका
4. त्वं धनिकः	1. पूर्वम् अङ्कुरः
5. सा कोमला	13. पूर्वं मन्दौ
6. त्वं कुपितः	12. पूर्वं स्वार्थपराः
7. एतौ कुरूपौ	11. पूर्वं दरिद्रौ
8. त्वं मित्रम्	10. पूर्वं दुष्टाः
9. अहम् अध्यापकः	8. पूर्वम् अपरिचितः
10. वयं सज्जनाः	9. पूर्वं छात्रः
11. युवां धनिकौ	7. पूर्वं सुन्दरौ
12. यूयं सेवापराः	6. पूर्वं शान्तः
13. आवां चतुरौ	5. पूर्वं कठोरा

आसीत्	आस्ताम्	आसन्
आसीः	आस्तम्	आस्त
आसम्	आस्व	आस्म

उदा०–1. ...वृक्षः... ...पूर्वम्... ...अङ्कुरः... ...आसीत्..।

2. ....।

3. ....।

4. ....।

5. ....।

6. ....।

7. ....।

8. ....।

9. ....।

10. ....।

11. ....।

12. ....।

13. ....।

3.1.5 भूतकाले विविधक्रियापदानि



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढिए Please read carefully.]

जन्तुशाला











1. जन्तुशालायां मयूरः आसीत् । सः अनृत्यत् ।
2. जन्तुशालायां सिंहः आसीत् । सः अगर्जत् ।
3. जन्तुशालायां वानरः आसीत् । सः आरोहत् ।
4. जन्तुशालायां हरिणः आसीत् । सः अधावत् ।
5. जन्तुशालायाम् अश्वः आसीत् । सः अखादत् ।

अभ्यासः – 117

वर्त्तमानकालिकरूपात् भूतकालिके रूपे परिवर्त्तनम्

 **उदाहरणानुगुणं भूतकालरूपाणि लिखन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के रूपों को लिखिए। Write the forms of verbs in past tense.]

	वर्तमाने	भूते
		
उदा०– 1.	खादति	अखादत्
2.	वदति	अवदत्
3.	चलति	....
4.	हसति	....
5.	नयति	....
6.	क्रीडति	....
7.	पश्यति	....
8.	हरति	....
9.	मिलति	....
10.	पिबति	....
11.	स्मरति	....
12.	त्यजति	....
13.	भवति	....
14.	तिष्ठति	....

वर्तमाने	भूते
15. रचयति	....
16. पतति	....
17. वसति	....
18. पचति	....
19. पठति	....
20. नृत्यति	....
21. वसति	....
22. गायति	....
23. स्थापयति	....
24. मारयति	....
25. ताडयति	....
26. पाठयति	....
27. दर्शयति	....
28. चिन्तयति	....
29. सूचयति	....
30. चोरयति	....
31. योजयति	....

अभ्यासः – 118

वर्त्तमानकालिकवाक्यानां भूतकाले परिवर्त्तनम्

उदाहरणानुसारं भूतकालवाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के वाक्यों को लिखिए। Convert the following sentences from present tense into past tense.]

	वर्तमाने			भूते
उदा०–	1. बालकः पुस्तकं पठति।	बालकः	पुस्तकम्	अपठत्।
	2. बालिका पत्रं लिखति।	बालिका	पत्रम्	अलिखत्।
	3. भवान् श्लोकं वदति।	....	....	..........।
	4. सा फलरसं पिबति।	....	....	..........।
	5. एषः घटीं पश्यति।	....	....	..........।
	6. अध्यापकः पाठं पाठयति।	....	....	..........।
	7. माता शाकं कर्त्तयति।	....	....	..........।
	8. सः कार्यालयं गच्छति।	....	....	..........।
	9. भक्तः देवान् नमति।	....	....	..........।
	10. पुष्पं शुष्यति।	....	..........।	
	11. सेवकः लताः सिञ्चति।	....	....	..........।
	12. आरक्षकः चोरं ताडयति।	....	....	..........।
	13. फलम् अत्र पतति।	....	....	..........।

वर्तमाने



भूते



14. निर्वाहकः यात्रापत्रं यच्छति। ....।

15. खलः सज्जनान् निन्दति। ....।

16. आपणिकः पदार्थान् यच्छति। ....।

17. छात्रः उत्तराणि स्मरति। ....।

18. सा जलं नयति। ....।

19. कर्मकरः स्वच्छतां करोति। ....।

20. सेविका गृहं मार्जयति। ....।

21. पिता वस्त्राणि धरति। ....।

22. चालकः वाहनं चालयति। ....।

23. व्यजनं भ्रमति। ....।

24. एषा स्यूतं स्थापयति। ....।

25. क्रीडापटुः क्रीडति। ....।

26. कुक्कुरः भषति। ....।

27. वैद्यः औषधं यच्छति। ....।

28. महिला पुष्पाणि चिनोति। ....।

29. गायिका गीतं गायति। ....।

30. नर्तकी नृत्यति। ....।

अभ्यासः – 119

भूतकाले रूपाणि (लङि)

 **उदाहरणानुसारं भूतकालस्य एकवचन–द्विवचन–बहुवचनरूपाणि लिखन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार भूतकाल के एकवचन, द्विवचन और बहुवचन के रूपों को लिखिए। Conjugate the following roots in past tense in all the three numbers.]

प्रथम–पुरुषे

उदा०– 1.	पठ्	.....अपठत्.....	...अपठताम्.....	.....अपठन्.....
2.	पिब्	.....अपिबत्.....	...अपिबताम्....	.....अपिबन्.....
3.	लिख्	....	....	....
4.	पश्य्	....	....	....
5.	नय्	....	....	....
6.	गच्छ्	....	....	....
7.	पृच्छ्	....	....	....
8.	सूचय्	....	....	....
9.	गणय्	....	....	....
10.	वद्	....	....	....
11.	याच्	....	....	....
12.	चल्	....	....	....
13.	यच्छ्	....	....	....
14.	क्षालय्	....	....	....
15.	भव्	....	....	....

मध्यम—पुरुषे

उदा०–	16. पठ्	......अपठः......	......अपठतम्......	......अपठत......
	17. पिब्	अपिबः	अपिबतम्	अपिबत
	18. लिख्	....	....	....
	19. पश्य्	....	....	....
	20. नय्	....	....	....
	21. गच्छ्	....	....	....
	22. सूचय्	....	....	....
	23. पृच्छ्	....	....	....
	24. गणय्	....	....	....
	25. वद्	....	....	....
	26. याच्	....	....	....
	27. चल्	....	....	....
	28. यच्छ्	....	....	....
	29. क्षालय्	....	....	....
	30. भव्	....	....	....

उत्तम—पुरुषे

31.	पठ्	..अपठम्........	....अपठाव......	....अपठाम.....
32.	पिब्	..अपिबम्.......	....अपिबाव.....	....अपिबाम.....
33.	भव्	....	....	....
34.	यच्छ्	....	....	....
35.	याच्	....	....	....
36.	वद्	....	....	....
37.	गणय्	....	....	....
38.	सूचय्	....	....	....
39.	पृच्छ्	....	....	....
40.	गच्छ्	....	....	....
41.	नय्	....	....	....
42.	पश्य्	....	....	....
43.	हस्	....	....	....
44.	तिष्ठ्	....	....	....
45.	स्मर्	....	....	....

अभ्यासः – 120

त्रिषु वचनेषु भूतकाले रूपाणि

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the example.]

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदा०–1.	....अपठत्.....	....अपठताम्....	....अपठन्......
2.	....	....अलिखाव....	....
3.	....	....	....अमिलन्.....
4.	....अपश्यम्....	....	....
5.	....	....अक्रीडतम्....	....
6.	....	....	....अनयन्......
7.	....अवदः......	....	....
8.	....	..अस्थापयतम्...	....
9.	....	....	....अचलाम.....
10.	....अनिन्दम्....	....	....
11.	....	..अगच्छतम्.....	....
12.	....	....	....अचोरयन्....
13.	....अशुष्यत्....	....	....
14.	....अखादः.....	....	....
15.	....अपिबम्....	....	....
16.	....	...अनिन्दताम्....	....
17.	....	....अनिन्दाव....	....
18.	....	...अगायतम्.....	....

19.	....	....	....अभ्रमन्.....
20.	....	....	....अनयाम.....
21.	....	....	....अताडयत....
22.	....	....	....अजिघ्रन्.....
23.	....	....अपठाव.....	....
24.	....	....अचालयतम्....	....
25.	....	....	....अत्यजन्.....
26.	....	....अस्मरताम्....	....
27.	.....अरटम्.....	....	....
28.	.....अधावः.....	....	....
29.	....	....अक्रीडाव.....	....
30.	....	....	.....अकुर्वन्.....

अभ्यासः – 121

गम्–धातोः भूतकाले प्रयोगाः

 **रिक्तस्थानानि उचितक्रियापदैः पूरयन्तु–**

[उचितं क्रियापदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable verbs.]

अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
अगच्छः	अगच्छतम्	अगच्छत
अगच्छम्	अगच्छाव	अगच्छाम

उदा०– 1. सः ह्यः विद्यालयं न ...अगच्छत्.... ।

2. एतौ छात्रौ ह्यः भ्रमणाय नगरम् .... ।

3. ताः बालिकाः अपि परह्यः भ्रमणाय मुम्बईनगरीम् .... ।

4. किं त्वम् अपि ह्यः कुत्रचित् .... ?

5. अहं तु गृहे एव आसम्, कुत्रचिद् अपि न .... ।

6. युवां कुत्र .... ?

7. आवां गङ्गास्नानाय प्रयागम् .... ।

8. यूयं कुत्र .... ?

9. वयं वाराणसीम् .... ।

10. भवान् कदा .... ?

अभ्यासः – 122

अपठत् / अपठताम् / अपठन्

 **प्रथमपुरुषस्य उचितक्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[प्रथमपुरुष के उचित क्रियापद के रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verb in third person.]

1. सा पत्रिकाम् ....अपठत्......... ।
2. बालकाः कथाम् .... ।
3. भवान् समाचारपत्रम् .... ।
4. सीता निबन्धम् .... ।
5. तौ श्लोकान् .... ।
6. भवत्यौ ग्रन्थम् .... ।
7. तौ व्याकरणम् .... ।
8. ते बालिके काव्यम् .... ।
9. सः सूचनाम् .... ।
10. सा शास्त्रम् .... ।
11. ताः विज्ञानम् .... ।
12. भवन्तः व्याकरणम् .... ।
13. एते महिले पत्रम् .... ।
14. एताः वृद्धाः स्तोत्रम् .... ।
15. छात्रौ कादम्बरीम् .... ।

अभ्यासः – 123

अपठः / अपठतम् / अपठत

मध्यमपुरुषस्य उचितेन क्रियापदरूपेण वाक्यानि पूरयन्तु—

[मध्यमपुरुष के उचित क्रियापद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verbs in sceond person.]

1. त्वं रामायणम् ......अपठः....... ।
2. यूयं काव्यम् .... ।
3. यूयं साहित्यम् .... ।
4. युवां समाचारम् .... ।
5. त्वं गीताम् .... ।
6. युवां विज्ञानम् .... ।
7. त्वं किं न .... ?
8. युवां ज्यौतिषम् .... ।
9. यूयं पत्रिकाम् .... ।
10. युवां प्रश्नम् .... ।
11. त्वं लेखम् .... ।
12. यूयं शोधग्रन्थम् .... ।
13. यूयं फलकम् .... ।
14. त्वं जीवनचरितम् .... ।
15. युवाम् उत्तरम् .... ।

अभ्यासः – 124

अपठम् / अपठाव / अपठाम

 **उत्तमपुरुषस्य क्रियापदेन रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उत्तमपुरुष के उचित क्रियापद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with appropriate verb in first person.]

1. अहम् आदेशान् ...अपठम्........।
2. आवां दर्शनम् ....।
3. वयं वेदान् ....।
4. वयं सूचनाः ....।
5. आवां कथाः ....।
6. अहं नाटकानि ....।
7. आवां विनोदान् ....।
8. वयम् उत्तरपुस्तिकाः ....।
9. अहम् आत्मकथाम् ....।
10. अहम् उपदेशान् ....।
11. आवां ग्रन्थान् ....।
12. वयम् उत्तरम् ....।
13. वयम् आकरग्रन्थम् ....।
14. आवाम् आदेशम् ....।
15. अहं वाक्यानि ....।

अभ्यासः – 125

विविधक्रियाणां भूतकाले मिश्रिताः अभ्यासाः

उचितक्रियारूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उचित क्रिया–पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verbs.]

1. ते छात्राः पुस्तकम् .... । (अपठत् / अपठन् / अपठाम)
2. वयं पत्रम् .... । (अलिखाव / अलिखाम / अलिखत)
3. तौ कुत्र .... ? (अगच्छः / अगच्छताम् / अगच्छतम्)
4. सिंहाः .... । (अगर्जत् / अगर्जत / अगर्जन्)
5. मयूराः .... । (अनृत्यत् / अनृत्यन् / अनृत्यत)
6. वानराः .... । (अखादतम् / अखादत् / अखादन्)
7. मेघाः .... । (अवर्षन् / अवर्षत / अवर्षः)
8. अध्यापकाः पाठान् .... । (अपाठयाम / अपाठयत / अपाठयन्)
9. यूयं लेखनीः .... । (अयच्छाम / अयच्छत / अयच्छः)
10. आरक्षकौ चोरम् .... । (अताडयः / अताडयताम् / अताडयत)
11. आवाम् .... । (अक्रीडाव / अक्रीडाम / अक्रीडत)
12. युवां पुस्तकम् .... । (अलिखतम् / अलिखः / अलिखत)
13. अहं शिलाखण्डम् .... । (अक्षिपत् / अक्षिपः / अक्षिपम्)
14. ते श्लोकान् .... । (अवदन् / अवदः / अवदम्)
15. युवां शाकम् .... । (अकर्तयन् / अकर्तयतम् / अकर्तयः)
16. सा गीतम् .... । (अगायम् / अगायः / अगायत्)
17. पुष्पाणि .... । (अशुष्यन् / अशुष्यः / अशुष्यतम्)

अभ्यासः – 126

त्रिषु पुरुषेषु भूतकाले द्विवचनाभ्यासः

उचितेन क्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उचित क्रिया–पद रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verb.]

1. तौ कथाम् ....। (लिख्)
2. ते बालिके ....। (गच्छ्)
3. आवाम् अङ्कनीम् ....। (यच्छ्)
4. युवां मोदकानि ....। (खाद्)
5. बालौ दुग्धम् ....। (पिब्)
6. आवाम् आम्रफलम् ....। (पश्य्)
7. युवां छात्रम् ....। (बोधय्)
8. धनिकौ धनम् ....। (गणय्)
9. तौ वस्तूनि ....। (नय्)
10. बालिके उद्याने ....। (क्रीड्)
11. एते महिले ....। (जल्प्)
12. आवां वेदमन्त्रान् ....। (जप्)
13. अनुजौ श्लोकम् ....। (वद्)
14. मूर्खौ मार्गे जनान् ....। (निन्द्)
15. बालकौ उत्तरम् ....। (स्मर्)

अभ्यासः – 127

भूतकाले त्रिषु पुरुषेषु बहुवचनस्य अभ्यासः

उचितेन क्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उचित क्रियापद रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verb.]

1. कृपणाः फलानि ....। (जिघ्र्)
2. चोराः धनम् ....। (नय्)
3. सैनिकाः शत्रून् ....। (मारय्)
4. ते दुर्गुणम् ....। (त्यज्)
5. एताः गीतम् ....। (गाय्)
6. नर्तकाः ....। (नृत्य्)
7. छात्राः विषयम् ....। (स्मर्)
8. धेनवः तृणम् ....। (चर्)
9. सेविकाः पात्राणि ....। (क्षालय्)
10. वयं कथाः ....। (रचय्)
11. यूयं वस्त्राणि ....। (धर्)
12. सेवकाः गृहम् ....। (मार्जय्)
13. वयम् आम्रफलम् ....। (खाद्)
14. यूयं तान् ....। (निन्द्)
15. वयं सेवकान् ....। (सूचय्)

अभ्यासः – 128

भूतकालिकक्रियाणाम् अभ्यासः

अधोलिखितानि वाक्यानि भूतकाले लिखन्तु–

[निम्नलिखित वाक्यों को भूतकाल में लिखिए। Convert the following sentences into Past Tense.]

1. वयं गायामः । वयम् अगायाम ।
2. तौ पत्रं लिखतः । .... ।
3. एताः पाठयन्ति । .... ।
4. ताः पठन्ति । .... ।
5. वयं गीतं शृणुमः । .... ।
6. आवां श्लोकं वदावः । .... ।
7. ते गृहं गच्छन्ति । .... ।
8. वृक्षात् पर्णानि पतन्ति । .... ।
9. वानराः खादन्ति । .... ।
10. छात्रौ गुरुं नमतः । .... ।

अभ्यासः – 129

भूतकालिकक्रियाणाम् अभ्यासः

 'ख' विभागतः उचितं क्रियापदं चित्वा 'क' विभागीयवाक्यानि पूरयन्तु–

['ख' विभाग से उचित क्रिया–पद का चयन कर 'क' विभाग के वाक्यों की पूर्ति कीजिए।]
Complete the sentences in column'ka' by choosing suitable form of the verb from the column 'kha'.

क		ख	
1.	आवां पुस्तकम्	क.	अगच्छम्
2.	वयं पत्रम्	ख.	अपश्यम्
3.	ते बालकाः वार्ताम्	ग.	अखादताम्
4.	ताः महिलाः भोजनम्	घ.	अकुरुत
5.	ह्यः अहं विद्यालयं न	ङ.	अलिखाम
6.	एतौ वानरौ फलम्	च.	अपठाव
7.	यूयं किं कार्यम्	छ.	अशृण्वन्
8.	आवां गीतम्	ज.	अपचन्
9.	सः ह्यः चलचित्रम्	झ.	अगायाव
10.	अहं घटीम्	ण.	अपश्यत्

यथा– 1. आवां पुस्तकम् अपठाव।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. ....।
7. ....।
8. ....।
9. ....।
10. ....।

अभ्यासः – 130

कथायां वर्तमानकालिकक्रियाणां भूतकाले परिवर्तनम्



एतां कथां पठन्तु–
[इस कथा को पढ़िए। Read the following story.]

एकः काकः अस्ति। सः तृषितः भवति। सः जलस्य अन्वेषणं करोति। सर्वत्र पश्यति। कुत्रापि जलम् एव न अस्ति। सः सर्वत्र भ्रमति। सुदूरं गच्छति। एकं घटं पश्यति। जलं पातुं न शक्नोति। सः एकम् उपायं चिन्तयति। शिलाखण्डान् आनयति। घटे स्थापयति। पुनः बहुशिलाखण्डान् आनयति। घटे स्थापयति। जलम् उपरि आगच्छति। काकस्य आनन्दः भवति। काकः सन्तोषेण जलं पिबति। स्वनीडं गच्छति। सुखेन जीवनं यापयति।



उपरि कथायाम् अधोरेखया निर्दिष्टानां क्रियापदानां भूतकालरूपाणि अधस्तनकथायां लिखन्तु–
[ऊपर की कथा में रेखाङ्कित क्रियाओं के भूत–काल के रूपों को नीचे की कथा में लिखिए।
Complete the following story by converting the underlined verbs of the above story into past tense.]

उदा०–

एकः काकः ..आसीत्...। सः तृषितः ..अभवत्...। सः जलस्य अन्वेषणम् ....। सर्वत्र ....। कुत्रापि जलम् एव न ....। सर्वत्र ....। सुदूरम् ....। एकं घटम् ....। जलं पातुं न ....। सः एकम् उपायम् ....। शिलाखण्डान् ....। जलम् उपरि ....। काकस्य आनन्दः ....। काकः सन्तोषेण जलम् ....। स्वनीडम् ....। सुखेन जीवनम् ....।

अभ्यासः – 131

कथायां वर्तमानकालिकक्रियाणां भूतकाले परिवर्तनम्



एतां कथां पठन्तु–
[इस कथा को पढ़िए। Read the following story.]

कश्चन बालकः अस्ति। सः अलसः अस्ति। सः प्रतिदिनं समयेन विद्यालयं न गच्छति। एकदा सः उद्यानं गच्छति। तत्र एकं काकं पश्यति। सः काकं क्रीडार्थम् आह्वयति। काकः वदति 'मम समयः नास्ति' इति । अनन्तरं सः एकं शुकं पश्यति। बालकः शुकं क्रीडार्थम् आह्वयति। शुकः अपि 'मम समयः नास्ति' इति वदति। अनन्तरम् एकां पिपीलिकां पश्यति। क्रीडार्थम् आह्वयति च। तदा पिपीलिका अपि 'समयः नास्ति' इति वदति। बालकः सर्वं शृणोति। तस्य लज्जा भवति। 'सर्वे स्व-स्वकार्ये निरताः' इति जानाति। विद्यालयं समयेन गच्छति। सम्यक् पठति च।



उपरि कथायाम् अधोरेखया निर्दिष्टानां शब्दानां भूतकालरूपाणि अधस्तनकथायां लिखन्तु–
[ऊपर की कथा में रेखाङ्कित शब्दों के भूतकाल के रूपों को नीचे की कथा में लिखिए। Complete the following story by converting the underlined verbs of the above story into past tense.]

उदा०– कश्चन बालकः ..आसीत्...। सः अलसः............। सः प्रतिदिनं समयेन विद्यालयं न ....। एकदा सः उद्यानम् ....। तत्र एकं काकम् ....। सः काकं क्रीडार्थम् ..आह्वयत्....। काकः .... 'मम समयः नास्ति' इति। अनन्तरं सः एकं शुकम् ....। बालकः शुकं क्रीडार्थम् ....। शुकः अपि 'मम समयः नास्ति' इति ....। अनन्तरम् एकां पिपीलिकाम् .... क्रीडार्थम् .... च। तदा पिपीलिका अपि – 'समयः नास्ति' इति ....। बालकः सर्वम् ....। तस्य लज्जा ....। सर्वे स्वस्वकार्ये निरताः इति अजानात्..। विद्यालयं समयेन ....। सम्यक् .... च।

तृतीयः स्तबकः

3.2 द्वितीयः पाठः

3.2.1 क्तवतु–प्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

उदा0– बालकः विद्यालयम् अगच्छत् = बालकः विद्यालयं गतवान्।

बालिका विद्यालयम् अगच्छत् = बालिका विद्यालयं गतवती।

उदा0– छात्रः पत्रम् अलिखत् = छात्रः पत्रं लिखितवान्।

छात्रा पत्रम् अलिखत् = छात्रा पत्रं लिखितवती।

लङ्लकारे	क्तवतु–प्रत्यये	लङ्लकारे	क्तवतु–प्रत्यये
अगच्छत्	गतवान् / गतवती	अहसत्	हसितवान् / हसितवती
अनमत्	नतवान् / नतवती	अपतत्	पतितवान् / पतितवती
अपिबत्	पीतवान् / पीतवती	अखादत्	खादितवान् / खादितवती
अनयत्	नीतवान् / नीतवती	अधावत्	धावितवान् / धावितवती
आनयत्	आनीतवान् / आनीतवती	अचलत्	चलितवान् / चलितवती
अवदत्	उदितवान् / उदितवती	अलिखत्	लिखितवान् /लिखितवती
अकरोत्	कृतवान् / कृतवती	अकुप्यत्	कुपितवान् / कुपितवती
अशृणोत्	श्रुतवान् / श्रुतवती	अयाचत्	याचितवान् / याचितवती
ऐच्छत्	इष्टवान् / इष्टवती	अचोरयत्	चोरितवान् / चोरितवती
अपश्यत्	दृष्टवान् /दृष्टवती	अस्थापयत्	स्थापितवान् / स्थापितवती
अपृच्छत्	पृष्टवान् / पृष्टवती	प्रैषयत्	प्रेषितवान् / प्रेषितवती
अस्पृशत्	स्पृष्टवान् / स्पृष्टवती	अक्षालयत्	क्षालितवान् / क्षालितवती
अनश्यत्	नष्टवान् / नष्टवती	अचिन्तयत्	चिन्तितवान् / चिन्तितवती
अपठत्	पठितवान् / पठितवती	अरक्षत्	रक्षितवान् / रक्षितवती

क्तवतु–पुंलिङ्गे ......वान्

रेखाङ्कितक्रियापदानि क्तवतु–प्रत्ययान्ते परिवर्त्य रिक्तस्थानेषु लिखन्तु–
[रेखाङ्कित क्रियापदों को क्तवतु प्रत्ययान्त शब्दों में परिवर्तित कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by changing the underlined verbs into words ending in क्तवतु suffix]

उदा०–	बालकः विद्यालयम् <u>अगच्छत्</u>।	–	बालकः विद्यालयं ....गतवान्............ ।
1.	छात्रः पुस्तकम् <u>अपठत्</u>।	–	छात्रः पुस्तकं .... ।
2.	पुत्रः पत्रम् <u>अलिखत्</u>।	–	पुत्रः पत्रं .... ।
3.	सः <u>अहसत्</u>।	–	सः .... ।
4.	मूर्खः <u>अनिन्दत्</u>।	–	मूर्खः .... ।
5.	युवकः <u>अक्रीडत्</u>।	–	युवकः .... ।
6.	सिंहः <u>अगर्जत्</u>।	–	सिंहः .... ।
7.	सुरेशः <u>अचलत्</u>।	–	सुरेशः .... ।
8.	वानरः फलम् <u>अखादत्</u>।	–	वानरः फलं .... ।
9.	गणेशः <u>अपतत्</u>।	–	गणेशः .... ।
10.	मृगः <u>अधावत्</u>।	–	मृगः .... ।

क्तवतु–स्त्रीलिङ्गे ......वती

उदा०–	बालिका विद्यालयम् <u>अगच्छत्</u>।	–	बालिका विद्यालयं ....गतवती............ ।
1.	छात्रा पुस्तकम् <u>अपठत्</u>।	–	छात्रा पुस्तकम् .... ।
2.	पुत्री पत्रम् <u>अलिखत्</u>।	–	पुत्री पत्रं .... ।
3.	सा <u>अहसत्</u>।	–	सा .... ।
4.	मूर्खा <u>अनिन्दत्</u>।	–	मूर्खा .... ।
5.	बाला <u>अक्रीडत्</u>।	–	बाला .... ।
6.	सिंही <u>अगर्जत्</u>।	–	सिंही .... ।
7.	रमा <u>अचलत्</u>।	–	रमा .... ।
8.	अजा पर्णम् <u>अखादत्</u>।	–	अजा .... ।
9.	महिला <u>अपतत्</u>।	–	महिला .... ।
10.	उषा <u>अधावत्</u>।	–	उषा .... ।



ध्यानेन पठन्तु–
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

लङ्लकारतः क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम्

पुं० / स्त्री० एकवचने		
सः / सा पुस्तकम् **अपठत्**	–	सः पुस्तकं **पठितवान्** सा पुस्तकं **पठितवती**
त्वं (पुं०) / त्वं (स्त्री०) पुस्तकम् **अपठः**	–	त्वं (पुं०) पुस्तकं **पठितवान्** त्वं (स्त्री०) पुस्तकं **पठितवती**
अहं (पुं०) / अहं (स्त्री०) पुस्तकम् **अपठम्**	–	अहं (पुं०) पुस्तकं **पठितवान्** अहं (स्त्री०) पुस्तकं **पठितवती**

पुं० / स्त्री० द्विवचने		
तौ छात्रौ / ते छात्रे पुस्तकम् **अपठताम्**	–	तौ छात्रौ पुस्तकं **पठितवन्तौ** ते छात्रे पुस्तकं **पठितवत्यौ**
युवां (पुं०) / युवां (स्त्री०) पुस्तकम् **अपठतम्**	–	युवां (पुं०) पुस्तकं **पठितवन्तौ** युवां (स्त्री०) पुस्तकं **पठितवत्यौ**
आवां (पुं०) / आवां (स्त्री०) पुस्तकम् **अपठाव**	–	आवां (पुं०) पुस्तकं **पठितवन्तौ** आवां (स्त्री०) पुस्तकं **पठितवत्यौ**

पुं० / स्त्री० बहुवचने	
ते बालकाः / ताः बालिकाः पुस्तकम् अपठन्	ते बालकाः पुस्तकं पठितवन्तः ताः बालिकाः पुस्तकं पठितवत्यः
यूयं (पुं०) / यूयं (स्त्री०) पुस्तकम् अपठत	यूयं (पुं०) पुस्तकं पठितवन्तः यूयं (स्त्री०) पुस्तकं पठितवत्यः
वयं (पुं०) / वयं (स्त्री०) पुस्तकम् अपठाम	वयं (पुं०) पुस्तकं पठितवन्तः वयं (स्त्री०) पुस्तकं पठितवत्यः

लङ्लकारतः क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्तनम्

लङि →	प्र० पु०	अपठत् (पुं० / स्त्री०)	अपठताम् (पुं० / स्त्री०)	अपठन् (पुं० / स्त्री०)



क्तवतुप्रत्ययान्ते →	पठितवान् (पुं०) पठितवती (स्त्री०)	पठितवन्तौ (पुं०) पठितवत्यौ (स्त्री०)	पठितवन्तः (पुं०) पठितवत्यः (स्त्री०)

लङि →	म० पु०	अपठः (पुं० / स्त्री०)	अपठतम् (पुं० / स्त्री०)	अपठत (पुं० / स्त्री०)



क्तवतुप्रत्ययान्ते →	पठितवान् (पुं०) पठितवती (स्त्री०)	पठितवन्तौ (पुं०) पठितवत्यौ (स्त्री०)	पठितवन्तः (पुं०) पठितवत्यः (स्त्री०)

लङि →	उ० पु०	अपठम् (पुं० / स्त्री०)	अपठाव (पुं० / स्त्री०)	अपठाम (पुं० / स्त्री०)



क्तवतुप्रत्ययान्ते →	पठितवान् (पुं०) पठितवती (स्त्री०)	पठितवन्तौ (पुं०) पठितवत्यौ (स्त्री०)	पठितवन्तः (पुं०) पठितवत्यः (स्त्री०)

संक्षेपः–

	एक०		द्वि०		बहु०
सः / सा	अपठत्	तौ / ते (स्त्री०)	अपठताम्	ते / ताः	अपठन्
त्वम्	अपठः	युवाम्	अपठतम्	यूयम्	अपठत
अहम्	अपठम्	आवाम्	अपठाव	वयम्	अपठाम
	पठितवान् (पुं०) / पठितवती (स्त्री०)		पठितवन्तौ (पुं०) / पठितवत्यौ (स्त्री०)		पठितवन्तः (पुं०) / पठितवत्यः (स्त्री०)

अभ्यासः – 132

लङ्लकारप्रथमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम्

क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[क्तवतु प्रत्ययान्त रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with words ending in क्तवतु suffix.]

उदा०–	गोपालः ग्रामम् अगच्छत्	–	गोपालः ग्रामं ....गतवान्............ ।
1.	छात्रः अनमत् ।	–	छात्रः .... ।
2.	भक्तः अस्तौत् ।	–	भक्तः .... ।
3.	रामः सीताम् ऐच्छत् ।	–	रामः सीताम् .... ।
4.	शिष्याः गुरुम् अपृच्छन् ।	–	शिष्याः गुरुं .... ।
5.	मार्जारौ मूषकम् अखादताम् ।	–	मार्जारौ मूषकं .... ।
6.	रमेशः श्लोकम् अलिखत् ।	–	रमेशः श्लोकं .... ।
7.	शिवः पार्वतीम् अनयत् ।	–	शिवः पार्वतीं .... ।
8.	विष्णुः गजम् अरक्षत् ।	–	विष्णुः गजं .... ।
9.	पुत्राः पितरम् अवदन् ।	–	पुत्राः पितरम् .... ।
10.	कर्मकरौ कार्यम् अकुरुताम् ।	–	कर्मकरौ कार्यं .... ।

कृतवन्तौ,	नतवान्,	उदितवन्तः,	स्तुतवान्,	खादितवन्तौ,
रक्षितवान्,	पृष्टवन्तः,	नीतवान्,	लिखितवान्,	इष्टवान्

अभ्यासः – 133

लङ्लकारमध्यमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम्

मञ्जूषायाः क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[मञ्जूषा से क्तवतु प्रत्ययान्त रूप का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by selecting appropriate word from the box given below.]

उदा०–	त्वम् अनमः।	–	त्वं ....नतवान्............... ।
1.	त्वम् ऐच्छः।	–	त्वम् .... ।
2.	त्वं कार्यम् अकरोः।	–	त्वं कार्यं .... ।
3.	युवां पत्रम् अलिखतम्।	–	युवां पत्रं .... ।
4.	युवां गुरुम् अपृच्छतम्।	–	युवां गुरुं .... ।
5.	युवां श्लोकम् अवदतम्।	–	युवां श्लोकम् .... ।
6.	यूयं दुग्धम् अपिबत।	–	यूयं दुग्धं .... ।
7.	यूयं चित्रम् अपश्यत।	–	यूयं चित्रं .... ।
8.	यूयम् अहसत।	–	यूयं .... ।
9.	त्वं कथाम् अलिखः।	–	त्वं कथां .... ।
10.	यूयं संस्कृतम् अपठत।	–	यूयं संस्कृतं .... ।

उदितवन्तौ,	पठितवन्तः,	इष्टवान्,	पृष्टवन्तौ,	लिखितवान्,
दृष्टवन्तः,	लिखितवन्तौ,	हसितवन्तः,	कृतवान्,	पीतवन्तः,

अभ्यासः – 134

लङ्लकार–उत्तमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम्

मञ्जूषायाः क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[मञ्जूषा से क्तवतु प्रत्ययान्त रूप का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by selecting appropriate word from the box given below.]

उदा०–	अहं ग्रामम् अगच्छम्	–	अहं ग्रामं ....गतवान्............ ।
1.	अहं देवम् अनमम्।	–	अहं देवं .... ।
2.	अहं कार्यम् अकरवम्।	–	अहं कार्यं .... ।
3.	अहं मित्रम् अमिलम्।	–	अहं मित्रं .... ।
4.	आवां चित्रम् अपश्याव।	–	आवां चित्रं .... ।
5.	आवां शिलाम् अस्थापयाव।	–	आवां शिलां .... ।
6.	आवां मृगम् अरक्षाव।	–	आवां मृगं .... ।
7.	वयं कथाम् अकथयाम।	–	वयं कथां .... ।
8.	वयं पुरस्कारम् अगृह्णीम।	–	वयं पुरस्कारं .... ।
9.	वयं नियमम् अपालयाम।	–	वयं नियमं .... ।
10.	वयम् अरुदाम।	–	वयं .... ।

कथितवन्तः,	कृतवान्,	दृष्टवन्तौ,	पालितवन्तः,	स्थापितवन्तौ,
गृहीतवन्तः,	मिलितवान्,	रक्षितवन्तौ,	रुदितवन्तः,	नतवान्।

अभ्यासः – 135

लङ्लकारप्रथमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (स्त्रीलिङ्गे)

मञ्जूषायाः क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[मञ्जूषा से क्तवतु प्रत्ययान्त रूप का चयन कर रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by selecting appropriate word from the box given below.]

उदा०– बालिका नगरम् अगच्छत्।– ....बालिका नगरं गतवती

1. भवती पाठम् अपठत्। – ....।
2. महिले देवम् अपश्यताम्। – ....।
3. छात्राः अधावन्। – ....।
4. कन्ये अक्रीडताम्। – ....।
5. धाविका अधावत्। – ....।
6. गायिकाः गीतम् अगायन्। – ....।
7. माता बालकम् अताडयत्। – ....।
8. सा लेखनीम् अनयत्। – ....।
9. पार्वती उपासनाम् अकरोत्। – ....।
10. भवत्यः प्रश्नान् अपृच्छन्। – ....।

क्रीडितवत्यौ,	धावितवती,	नीतवती,	पृष्टवत्यः,	कृतवती,
गीतवत्यः	धावितवत्यः,	दृष्टवत्यौ,	पठितवती,	ताडितवती

अभ्यासः – 136

लङ्लकारमध्यमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (स्त्रीलिङ्गे)

 **मञ्जूषायाः स्त्रीलिङ्गस्य क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[मञ्जूषा से क्तवतु प्रत्ययान्त स्त्रीलिङ्ग रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by selecting the feminine form of words ending in क्तवतु suffix from the box given below.]

उदा0– त्वम् ऐच्छः। – ....त्वम्...इष्टवती...........।

1. यूयम् अलिखत। – ....।
2. त्वं दुग्धम् अपिबः। – ....।
3. युवां कथाम् अपिबतम्। – ....।
4. त्वं चित्रम् अपश्यः। – ....।
5. युवां अखादतम्। – ....।
6. यूयं विद्यालयतः आगच्छत। – ....।

7. त्वं कन्दुकम् अक्रीडः। – .... ।
8. त्वं तत्र अहसः। – .... ।
9. युवां गुरुम् अनमतम्। – .... ।
10. यूयं पितरम् अपृच्छत। – .... ।

क्रीडितवती,	खादितवत्यौ,	लिखितवत्यः,	दृष्टवती,	नतवत्यौ,
पृष्टवत्यः,	हसितवती,	पीतवत्यौ,	आगतवत्यः,	पीतवती

अभ्यासः – 137

लङ्लकार-उत्तमपुरुषस्य क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्तनम् (स्त्रीलिङ्गे)

मञ्जूषायाः क्तवतुप्रत्ययान्तरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[मञ्जूषा से क्तवतु प्रत्ययान्त रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by selecting appropriate word ending in क्तवतु suffix from the given box.]

उदा०– अहं कार्यम् अकरवम्। – ....अहं...कार्यं...कृतवती....... ।
1. अहम् अरुदम्। – .... ।
2. आवाम् अकथयाव। – .... ।
3. वयं गृहम् अगच्छाम। – .... ।
4. अहं चित्रम् अपश्यम्। – .... ।
5. आवाम् पुरस्कारम् अददाव। – .... ।
6. वयं संस्कृतम् अपठाम। – .... ।
7. अहं मृगम् अरक्षम्। – .... ।
8. आवां चोरम् अताडयाव। – .... ।
9. वयं खाद्यं न अखादाम। – .... ।
10. अहं कथाम् अलिखम्। – .... ।

रुदितवती,	कथितवत्यौ,	गतवत्यः,	पठितवत्यः,	रक्षितवती,
दृष्टवती,	दत्तवत्यौ,	ताडितवत्यौ,	लिखितवती,	खादितवत्यः

अभ्यासः – 138

क्तवतु प्रत्ययान्तानां प्रथमायां रूपाणि

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा०– 1.	पठितवान्	पठितवन्तौ............	पठितवन्तः.............. ।
2.	क्रीडितवान्	क्रीडितवन्तौ	.... ।
3.	पीतवती	....	.... ।
4.	दृष्टवती	....	.... ।
5.	नीतवान्	....	.... ।
6.	....	हसितवत्यौ	.... ।
7.	....	पीतवन्तौ	.... ।
8.	पीडितवती	....	.... ।
9.	नन्दितवती	....	.... ।
10.	....	स्थितवन्तौ	.... ।
11.	नतवान्	....	.... ।
12.	....	....	गतवन्तः ।
13.	....	....	उक्तवत्यः ।
14.	स्पृष्टवान्	....	.... ।
15.	खादितवती	....	.... ।
16.	....	हसितवन्तौ	.... ।
17.	शिक्षितवती	....	.... ।
18.	रचितवान्	....	.... ।
19.	....	दृष्टवन्तौ	.... ।
20.	दत्तवान्	....	.... ।
21.	....	....	धृतवत्यः ।
22.	हतवती	....	.... ।
23.	कृतवान्	....	.... ।
24.	....	बोधितवत्यौ	.... ।
25.	....	....	पूजितवन्तः ।

अभ्यासः – 139

क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (स्त्रीलिङ्ग)

उदाहरणानुगुणं क्तवतुप्रत्ययान्तानि स्त्रीलिङ्ग रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार क्तवतु प्रत्ययान्त स्त्रीलिङ्ग रूपों को लिखिए। Please write the feminine forms of verbs ending in क्तवतु suffix]

	वर्त्तमाने	लङि	क्तवतुप्रत्ययान्ते (स्त्री0)
उदा0–	पठति	अपठत्	पठितवती............
1.	क्रीडति	अक्रीडत्	क्रीडितवती...........
2.	गच्छति	अगच्छत्	गत.................
3.	नमति	अनमत्	नत.................
4.	यच्छति	अयच्छत्	दत्त.................
5.	पश्यति	अपश्यत्	दृष्ट................
6.	नयति	अनयत्	नीत................
7.	हसति	अहसत्	हसित................
8.	पिबति	अपिबत्	पीत................
9.	स्पृशति	अस्पृशत्	स्पृष्ट................
10.	खादति	अखादत्	खादित...............
11.	आश्रयति	आश्रयत्	आश्रित..............
12.	पीडयति	अपीडयत्	पीडित...............
13.	नन्दति	अनन्दत्	नन्दित..............
14.	तिष्ठति	अतिष्ठत्	स्थित................
15.	करोति	अकरोत्	कृत.................
16.	चलति	अचलत्	चलित...............
17.	पूजयति	अपूजयत्	पूजित...............
18.	गणयति	अगणयत्	गणित...............
19.	त्यजति	अत्यजत्	त्यक्त...............

अभ्यासः – 139 +

क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (पुंलिङ्गे)

✍ **उदाहरणानुगुणं पुंलिङ्ग रूपाणि लिखन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार पुलिङ्ग रूपों को लिखिए। Please write the masculine forms of words ending in क्तवतु suffix.]

	वर्त्तमाने	लङि	क्तवतुप्रत्ययान्ते (पुं०)
उदा०–	नमति	अनमत्	नतवान्.............
1.	पठति	अपठत्	पठित...............
2.	गच्छति	अगच्छत्	गत..................
3.	यच्छति	अयच्छत्	दत्त..................
4.	त्यजति	अत्यजत्	त्यक्त................
5.	तिष्ठति	अतिष्ठत्	स्थित................
6.	नन्दति	अनन्दत्	नन्दित...............
7.	पिबति	अपिबत्	पीत..................
8.	हसति	अहसत्	हसित................
9.	नयति	अनयत्	नीत..................
10.	पश्यति	अपश्यत्	दृष्ट..................
11.	खादति	अखादत्	खादित...............
12.	क्रीडति	अक्रीडत्	क्रीडित..............
13.	चलति	अचलत्	चलित...............
14.	करोति	अकरोत्	कृत..................
15.	गणयति	अगणयत्	गणित...............
16.	पूजयति	अपूजयत्	पूजित...............
17.	चोरयति	अचोरयत्	चोरित..............
18.	आश्रयति	आश्रयत्	आश्रित..............
19.	पीडयति	अपीडयत्	पीडित...............

अभ्यासः – 140

क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (पुं० / स्त्री०)

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रूपों को लिखिए। Please write the sentences as shown in the example]

उदा०–	जनाः नृपम् अस्तुवन्।	....जनाः.....	.....नृपं......	..स्तुतवन्तः.... ।
1.	वैद्यः रुग्णम् अपृच्छत्।	....	....	.... ।
2.	अहं शालाम् अगच्छम्।	....	....	.... ।
3.	सः माम् अस्मरत्।	....	....	.... ।
4.	जनकः पुत्रम् अपीडयत्।	....	....	.... ।
5.	जननी पुत्रीम् अवदत्।	....	....	.... ।
6.	मृगाः व्याधम् अपश्यन्।	....	....	.... ।
7.	आवां देवम् अस्मराव।	....	....	.... ।
8.	त्वं बालम् अनयः।	....	....	.... ।
9.	बालौ क्रीडाम् अक्रीडताम्।	....	....	.... ।
10.	युवां जनकम् अदर्शयतम्।	....	....	.... ।
11.	सेवकाः भारम् अनयन्।	....	....	.... ।
12.	बालौ श्लोकम् अवदताम्।	....	....	.... ।
13.	भक्ताः देवम् अस्मरन्।	....	....	.... ।
14.	वयं शैलम् अपश्याम।	....	....	.... ।
15.	यूयं पुराणम् अपठत।	....	....	.... ।
16.	एषः पुष्पम् अस्पृशत्।	....	....	.... ।
17.	राक्षसाः आञ्जनेयम् अपश्यन्।	....	....	.... ।
18.	इन्द्रः रामम् अनमत्।	....	....	.... ।
19.	अहम् औषधम् अपिबम्।	....	....	.... ।
20.	व्याधः मृगम् अमारयत्।	....	....	.... ।
21.	जनाः रामम् अस्मरन्।	....	....	.... ।
22.	सः देवम् अनमत्।	....	....	.... ।
23.	महिला पुष्पम् अधरत्।	....	....	.... ।
24.	बालिका वृक्षम् अपश्यत्।	....	....	.... ।
25.	गोपालः कृष्णम् अस्मरत्।	....	....	.... ।

अभ्यासः – 141

क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम् (पुं० / स्त्री०)

वर्तमानकालरूपाणां साहाय्येन उदाहरणानुगुणं क्तवतुप्रत्ययान्तपदानि योजयित्वा वाक्यानि रचयन्तु–
[वर्तमानकालिकरूपों की सहायता से उदाहरण के अनुसार क्तवतु प्रत्ययान्त पदों को जोड़कर वाक्य बनाइये। Please form sentences by adding क्तवतु suffixes with the help of verbs given in present tense as shown in the example.]

उदा०–	रामः विद्यालयं	...गतवान्... ।	(गच्छति)
1.	जननी पुत्रं	.... ।	(ताडयति)
2.	जनाः नृपं	.... ।	(वदति)
3.	अहं क्रीडां	.... ।	(क्रीडति)
4.	वयं जनकं	.... ।	(पश्यति)
5.	त्वं बालं	.... ।	(स्पृशति)
6.	रावणः अनुजं	.... ।	(त्यजति)
7.	राक्षसाः देवान्	.... ।	(पीडयति)
8.	गोपालः वृषभं	.... ।	(पालयति)
9.	बालः पुष्पं	.... ।	(स्पृशति)
10.	पुत्री जननीं	.... ।	(स्मरति)
11.	यूयं (स्त्री.) परीक्षां	.... ।	(यच्छति)
12.	वनिताः आभरणानि	.... ।	(धरति)
13.	मार्जारः मूषकं	.... ।	(खादति)
14.	सिंहः गजं	.... ।	(मारयति)
15.	व्याधः मृगं	.... ।	(नयति)
16.	अहं (महिला) पुष्पं	.... ।	(जिघ्रति)
17.	पाचकः पायसं	.... ।	(पिबति)
18.	देवः वरं	.... ।	(यच्छति)
19.	देवी असुरं	.... ।	(मारयति)
20.	हंसः सरोवरं	.... ।	(गच्छति)
21.	नृपः सचिवं	.... ।	(पृच्छति)
22.	रामः सीतां	.... ।	(पश्यति)
23.	विश्वामित्रः रामं	.... ।	(नयति)
24.	मारीचः रावणं	.... ।	(वदति)
25.	सेवकः भारं	.... ।	(त्यजति)

अभ्यासः – 142

क्तवतुप्रत्ययान्ते परिवर्त्तनम्

 **एतां कथां पठन्तु–**

[इस कहानी को पढ़िए। Please read this story.]

कश्चन व्याधः अस्ति। सः अतीव दुष्टः निष्करुणः च। एकदा सः वनं गच्छति। तत्र जालं प्रसारयति। एका कपोती जाले पतति। व्याधः कपोतीं पञ्जरे स्थापयति, अग्रे गच्छति च। तदा वृष्टिः आरब्धा। भीतः व्याधः आश्रयम् अन्विष्यति। एकस्य महावृक्षस्य अधः आगच्छति। सः वृक्षम् उद्दिश्य – भोः अत्र यः वसति, तं प्रति शरणागतः अस्मि। मां रक्षतु" इति कथयति। तत्र वृक्षे एकः कपोतः आसीत्। कपोतः व्याधस्य पञ्जरे स्थितां पत्नीं पश्यति। तदा सा कपोती पतिम् उद्दिश्य वदति – "एषः व्याधः शीतार्तः, क्षुधार्तः अस्माकं गृहम् आगतः अस्ति। एतस्य सत्कारं करोतु" इति।

पत्न्याः वचनं कपोतः अङ्गीकरोति। सः अङ्गारकम् आनयति। अग्निं ज्वालयति। व्याधं वदति "भोः ! व्याध ! शीतबाधां दूरीकरोतु" इति। अनन्तरं कपोतः चिन्तयति - "व्याधः क्षुधार्तः। तस्मै दातुं गृहे आहारः नास्ति। किं करोमि ?" इति। कपोतः व्याधं वदति - "अतिथिमहाशय ! आहारं ददामि। कृपया स्वीकरोतु" इति। ततः कपोतः व्याधस्य आहारार्थम् अग्निं प्रविशति। कपोतस्य त्यागं दृष्ट्वा व्याधः लज्जाम् अनुभवति। कपोतीं बन्धनात् मोचयति। कपोती अपि पतिविरहदुःखेन अग्निं प्रविशति। इत्थं कपती-कपोतयोः त्यागं दृष्ट्वा व्याधः दुःखेन अश्रूणि स्रावयति।

उपरि कथायाम् अधोरेखया निर्दिष्टानां शब्दानां अधस्तनकथायां क्तवतुरूपाणि लिखन्तु–

[ऊपर दी गई कथा में रेखाङ्कित शब्दों के भूतकालिक क्तवतु रूप नीचे दी गई कथा में लिखिए। Complete the following story by Using the Past Tense forms of the verbs underlined in the story given above.]

कश्चन व्याधः आसीत्। सः अतीव दुष्टः निष्करुणः च। एकदा सः वनं ....। तत्र जालं ....। एका कपोती जाले ....। व्याधः कपोतीं पञ्जरे ...., अग्रे ....च। तदा वृष्टिः आरब्धा। भीतः व्याधः आश्रयम् ....। एकस्य महावृक्षस्य अधः ....। सः वृक्षम् उद्दिश्य – "भोः, अत्र यः वसति, तं प्रति शरणागतः अस्मि। मां रक्षतु" इति ....। तत्र वृक्षे एकः कपोतः आसीत्। कपोतः व्याधस्य पञ्जरे स्थितां पत्नीं ....। तदा सा कपोती पतिम् उद्दिश्य .... – "एषः व्याधः शीतार्तः, क्षुधार्तः अस्माकं गृहम् आगतः अस्ति। एतस्य सत्कारं करोतु" इति।

पत्न्याः वचनं कपोतः .... सः अङ्गारकम् ....। अग्निं ....। व्याधं .... "भोः ! व्याध ! शीतबाधां दूरीकरोतु" इति। अनन्तरं कपोतः ....। 'व्याधः क्षुधार्तः। तस्मै दातुं गृहे आहारः नास्ति। किं करोमि ?' इति। कपोतः व्याधम् .... "अतिथिमहाशय ! आहारं ददामि, कृपया स्वीकरोतु" इति। कपोतः व्याधस्य आहारार्थम् अग्निं .... । कपोतस्य त्यागं दृष्ट्वा व्याधः लज्जाम् अनुभवति। कपोतीं बन्धनात् मोचयति। कपोती अपि पतिविरहदुःखेन अग्निं प्रविशति। इत्थं कपती-कपोतयोः त्यागं दृष्ट्वा व्याधः दुःखेन अश्रूणि स्रावयति।

3.2.2 नपुंसके क्तवतुप्रत्ययान्तस्य प्रयोगाः

ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

फलम् अपतत्। = फलं पतितवत्।

अभ्यासः – 143

उदाहरणानुसारं वाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्य लिखिए। Please write the sentences as shown in the example.]

उदा०– 1.	फलम् अपतत्।	1. ......फलं.......	.....पतितवत्... ।
2.	पुष्पम् अपतत्।	2.	.... ।
3.	पर्णम् अपतत्।	3.	.... ।
4.	विमानम् अपतत्।	4.	.... ।
5.	कङ्कणम् अपतत्।	5.	.... ।
6.	आभरणम् अपतत्।	6.	.... ।
7.	यानम् अगच्छत्।	7.	.... ।
8.	कारयानम् अगच्छत्।	8.	.... ।
9.	मित्रम् अगच्छत्।	9.	.... ।
10.	नेत्रम् अस्फुरत्।	10.	.... ।
11.	जलम् अगच्छत्।	11.	.... ।
12.	पत्रम् अगच्छत्।	12.	.... ।
13.	वस्त्रम् अनश्यत्।	13.	.... ।
14.	कार्यम् अनश्यत्।	14.	.... ।

अभ्यासः – 144

उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रूपों को लिखिए। Please write the forms as shown in the example.]

वर्तमाने लट्	भूते लङ्	भूते क्तवतु	वर्तमाने लट्	भूते लङ्	भूते क्तवतु
1. पठति	अपठत्	...पठितवत्...	2. लिखति	अलिखत्	..लिखितवत्...
3. खादति	अखादत्	....	4. हसति	अहसत्	....
5. निन्दति	अनिन्दत्	....	6. चलति	अचलत्	....
7. वर्षति	अवर्षत्	....	8. गर्जति	अगर्जत्	....
9. क्रीडति	अक्रीडत्	....	10. रक्षति	अरक्षत्	....
11. गच्छति	अगच्छत्	....	12. निन्दति	अनिन्दत्	....
13. पतति	अपतत्	....	14. कुप्यति	अकुप्यत्	....
15. क्रन्दति	अक्रन्दत्	....	16. खनति	अखनत्	....
17. जपति	अजपत्	....	18. धावति	अधावत्	....
19. नृत्यति	अनृत्यत्	....	20. मिलति	अमिलत्	....
21. लुण्ठति	अलुण्ठत्	....	22. वसति	अवसत्	....
23. कथयति	अकथयत्	....	24. दर्शयति	अदर्शयत्	....
25. गणयति	अगणयत्	....	26. चिन्तयति	अचिन्तयत्	....
27. चोरयति	अचोरयत्	....	28. ताडयति	अताडयत्	....
29. तोलयति	अतोलयत्	....	30. पालयति	अपालयत्	....
31. सूचयति	असूचयत्	....	32. पीडयति	अपीडयत्	....

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

1.	गच्छति	–	गतवत्
2.	नमति	–	नतवत्
3.	यच्छति / ददाति	–	दत्तवत्
4.	पश्यति	–	दृष्टवत्
5.	नयति	–	नीतवत्
6.	पिबति	–	पीतवत्
7.	स्पृशति	–	स्पृष्टवत्
8.	करोति	–	कृतवत्
9.	तिष्ठति	–	स्थितवत्
10.	हरति	–	हृतवत्
11.	धरति	–	धृतवत्
12.	स्मरति	–	स्मृतवत्
13.	पृच्छति	–	पृष्टवत्
14.	कर्षति	–	कृष्टवत्
15.	क्रीणाति	–	क्रीतवत्
16.	गृह्णाति	–	गृहीतवत्
17.	जानाति	–	ज्ञातवत्
18.	त्यजति	–	त्यक्तवत्
19.	दहति	–	दग्धवत्
20.	पचति	–	पक्ववत्
21.	शक्नोति	–	शक्तवत्
22.	स्नाति	–	स्नातवत्

तृतीयः स्तबकः

3.3 तृतीयः पाठः

[भविष्यकालः]

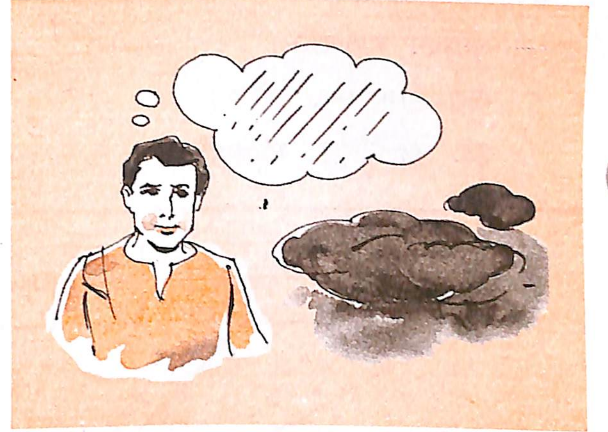
 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



एषः अङ्कुरः अस्ति।

एषः वृक्षः भविष्यति।



मेघः अस्ति।

वृष्टिः भविष्यति।



आम्रवृक्षः पुष्पितः अस्ति।

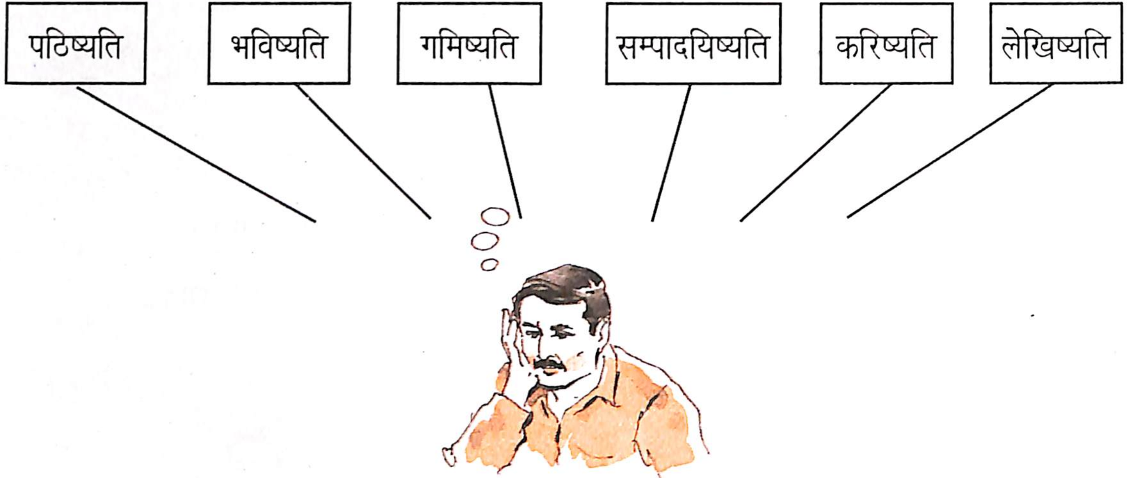
आम्राणि भविष्यन्ति।



बालकः उत्तमः अस्ति।

एषः वैद्यः भविष्यति।

1. एषः बालकः अस्ति ।
   एषः युवकः **भविष्यति** ।
2. अधुना दिनम् अस्ति ।
   रात्रिः **भविष्यति** ।
3. एषा कलिका अस्ति ।
   एषा पुष्पं **भविष्यति** ।
4. रात्रिः अस्ति ।
   सुप्रभातं **भविष्यति** ।
5. अद्य सोमवासरः अस्ति ।
   श्वः मङ्गलवासरः **भविष्यति** ।
6. फलम् अपक्वम् अस्ति ।
   फलं पक्वं **भविष्यति** ।
7. उषःकालः अस्ति ।
   सूर्योदयः **भविष्यति** ।
8. अद्य आगष्टमासस्य चतुर्दश-दिनाङ्कः अस्ति ।
   श्वः स्वातन्त्र्यदिनं **भविष्यति** ।
9. एषः अधुना अष्टमकक्षायाम् अस्ति ।
   आगामिवर्षे नवमकक्षायां **भविष्यति** ।
10. एषः अधुना अविवाहितः अस्ति ।
   आगामिवर्षे विवाहितः **भविष्यति** ।



जनकः चिन्तयति

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

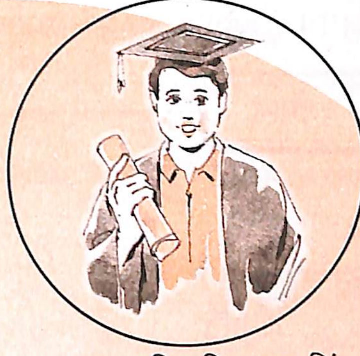
1. मम पुत्रः सम्यक् पठिष्यति ।
2. वैद्यः भविष्यति ।
3. विदेशं गमिष्यति ।
4. धनं सम्पादयिष्यति ।
5. समाजसेवां करिष्यति ।
6. ग्रन्थान् लेखिष्यति ।

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



विद्यालयं गमिष्यति। पठिष्यति।



स्नातकः भविष्यति। उपाधिं प्राप्स्यति।



चलिष्यति।



वैद्यः भविष्यति। चिकित्सां करिष्यति।



बालकः भविष्यति।



जनसेवां करिष्यति।
पुरस्कारं कीर्तिं च अर्जयिष्यति।



जननी चिन्तयति

3.3.1 वर्तमानकालतः भविष्यकाले परिवर्तनम्



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

	वर्तमाने	भविष्यति
1.	गच्छति	गमिष्यति
2.	पठति	पठिष्यति
3.	वदति	वदिष्यति
4.	क्रीडति	क्रीडिष्यति
5.	चलति	चलिष्यति
6.	प्रेषयति	प्रेषयिष्यति
7.	करोति	करिष्यति
8.	लिखति	लेखिष्यति
9.	हसति	हसिष्यति
10.	पतति	पतिष्यति
11.	निन्दति	निन्दिष्यति
12.	मार्जयति	मार्जयिष्यति
13.	पिबति	पास्यति
14.	यच्छति/ददाति	दास्यति
15.	गायति	गास्यति
16.	पश्यति	द्रक्ष्यति
17.	नमति	नंस्यति
18.	क्रीणाति	क्रेष्यति
19.	जानाति	ज्ञास्यति
20.	शृणोति	श्रोष्यति
21.	पृच्छति	प्रक्ष्यति
22.	नयति	नेष्यति
23.	त्यजति	त्यक्ष्यति
24.	शक्नोति	शक्ष्यति
25.	फलति	फलिष्यति
26.	निर्माति	निर्मास्यति
27.	सिञ्चति	सेक्ष्यति

अभ्यासः – 145

वर्तमानकालिक–वाक्यानां भविष्यकाले परिवर्तनम्

उदाहरणानुगुणं भविष्यत्कालवाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को भविष्यकाल में बदलिए। Re-write the following sentences in future tense.]

	वर्तमानकाले	भविष्यकाले	
उदा०–	1. एषः पठति।	एषः	पठिष्यति।
	2. सा क्रीडति।	....	.... ।
	3. सेविका गृहं मार्जयति।	....	.... ।
	4. खलः निन्दति।	....	.... ।
	5. सीता वनं गच्छति।	....	.... ।
	6. गायकः गीतं गायति।	....	.... ।
	7. छात्रः विषयं जानाति।	....	.... ।
	8. शिष्यः प्रश्नं पृच्छति।	....	.... ।
	9. तरुणः सङ्गीतं शृणोति।	....	.... ।
	10. एषा शाटिकां क्रीणाति।	....	.... ।
	11. बालकः चित्रं पश्यति।	....	.... ।
	12. आपणिकः वस्तूनि यच्छति।	....	.... ।
	13. भक्तः देवतां नमति।	....	.... ।
	14. मार्जारः दुग्धं पिबति।	....	.... ।
	15. शिशुः हसति।	....	.... ।
	16. अर्चकः मन्त्रं वदति।	....	.... ।
	17. माता पत्रं लिखति।	....	.... ।
	18. पञ्चवादने वाहनं चलति।	....	.... ।
	19. पिता धनं प्रेषयति।	....	.... ।
	20. सा वस्त्रप्रक्षालनं करोति।	....	.... ।
	21. फलं पतति।	....	.... ।
	22. भगिनी धनं नयति।	....	.... ।
	23. अलसः दुर्गुणं त्यजति।	....	.... ।
	24. एषा गातुं शक्नोति।	....	.... ।
	25. गृहिणी जलं सिञ्चति।	....	.... ।

अभ्यासः – 146

भविष्यकाले प्रथमपुरुषे रूपाणि

उदाहरणानुगुणं द्विवचने, बहुवचने च रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार द्विवचन और बहुवचन में रूपों को लिखिए। Write down the verbs in dual and plural number as shown in the examples.]

	भविष्यकालः (प्रथमः पुरुषः)		
वर्तमाने	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
1. भवति	भविष्यति	भविष्यतः	भविष्यन्ति
2. पठति	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
3. गच्छति	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति
4. लिखति	लेखिष्यति	लेखिष्यतः	लेखिष्यन्ति
5. धावति	धाविष्यति	....	....
6. करोति	करिष्यति	....	....
7. स्थापयति	स्थापयिष्यति	....	....
8. हसति	हसिष्यति	....	....
9. निन्दति	निन्दिष्यति	....	....
10. पश्यति	द्रक्ष्यति	....	....
11. चोरयति	चोरयिष्यति	....	....
12. पिबति	पास्यति	....	....
13. खादति	खादिष्यति	....	....
14. वदति	वदिष्यति	....	....
15. क्षालयति	क्षालयिष्यति	....	....
16. पृच्छति	प्रक्ष्यति	....	....
17. मिलति	मेलिष्यति	....	....
18. स्मरति	स्मरिष्यति	....	....
19. रोदिति	रोदिष्यति	....	....
20. नयति	नेष्यति	....	....

भविष्यकाले मध्यमे पुरुषे रूपाणि

वर्तमाने	भविष्यकाले (मध्यमः पुरुषः)		
	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
1. भवति	भविष्यसि	भविष्यथः	भविष्यथ
2. पठति	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
3. गच्छति	गमिष्यसि	गमिष्यथः	गमिष्यथ
4. लिखति	लेखिष्यसि	....	....
5. धावति	....	....	....
6. करोति	करिष्यसि	....	....
7. स्थापयति	स्थापयिष्यसि	....	....
8. हसति	....	....	....
9. निन्दति	....	....	....
10. पश्यति	द्रक्ष्यसि	....	....
11. चोरयति	चोरयिष्यसि	....	....
12. पिबति	पास्यसि	....	....
13. खादति	....	....	....
14. वदति	....	....	....
15. क्षालयति	....	....	....
16. पृच्छति	प्रक्ष्यसि	....	....
17. मिलति	....	....	....
18. स्मरति	....	....	....
19. रोदिति	रोदिष्यसि	....	....
20. नयति	नेष्यसि	....	....

भविष्यकाले उत्तमपुरुषे रूपाणि

वर्तमाने	भविष्यकालः (उत्तमः पुरुषः)		
	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
1. भवति	भविष्यामि	भविष्यावः	भविष्यामः
2. पठति	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः
3. गच्छति	गमिष्यामि	गमिष्यावः	गमिष्यामः
4. लिखति	....	....	....
5. धावति	....	....	....
6. करोति	....	....	....
7. स्थापयति	....	....	....
8. हसति	....	....	....
9. निन्दति	....	....	....
10. पश्यति	....	....	....
11. चोरयति	....	....	....
12. पिबति	....	....	....
13. खादति	....	....	....
14. वदति	....	....	....
15. क्षालयति	....	....	....
16. पृच्छति	....	....	....
17. मिलति	....	....	....
18. स्मरति	....	....	....
19. रोदिति	....	....	....
20. नयति	....	....	....

अभ्यासः – 147

भविष्यकाले प्रथमपुरुषे रूपाणि

 **अन्यवचनरूपाणि लिखन्तु–**

[अन्य वचन के रूपों को लिखिए। Write the verbs in other numbers.]

उदा० –	भविष्यति	...भविष्यतः...	...भविष्यन्ति...
1.	पठिष्यति	....	....
2.	चलिष्यति	....	..चलिष्यन्ति...
3.	धाविष्यति	....	....
4.	हसिष्यति	..हसिष्यतः...	....
5.	पतिष्यति	....	....
6.	खादिष्यति	..खादिष्यतः..	....
7.	गमिष्यति	....	....
8.	रोदिष्यति	....	...रोदिष्यन्ति..
9.	आरोक्ष्यति	..आरोक्ष्यतः...	....
10.	नर्तिष्यति	....	....
11.	वदिष्यति	...वदिष्यतः...	....
12.	भ्रमिष्यति	....	....
13.	गास्यति	....	....
14.	तरिष्यति	....	....
15.	चोरयिष्यति	....	..चोरयिष्यन्ति.
16.	नेष्यति	.....नेष्यतः....	....
17.	ताडयिष्यति	....	....
18.	स्मरिष्यति	....	..स्मरिष्यन्ति..
19.	ग्रहीष्यति	....	....
20.	मेलिष्यति	..मेलिष्यतः...	....

अभ्यासः – 148

त्रिषु पुरुषेषु पठ्धातोः भविष्यकालरूपलेखनम्

 **अधोलिखितानि वाक्यानि पठ्क्रियायाः भविष्यकालस्य उचितेन रूपेण पूरयन्तु–**
[अधोलिखित वाक्यों की पूर्त्ति पठ् क्रिया के भविष्यकाल के उचित रूप से कीजिए। Complete the sentences with suitable form of the root Path *(पठ्)* in future tense.]

उदा0– 1. अहं ...पठिष्यामि....

2. भवान् ....
3. ते छात्रे ....
4. सुशीलः ....
5. भवती ....
6. भवन्तौ ....
7. भवत्यः ....
8. भवन्तः ....
9. यूयं ....
10. वयं ....
11. भवत्यौ ....
12. त्वं ....
13. युवां ....
14. आवां ....

पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

अभ्यासः – 149

वर्तमानकालतः भविष्यकालरूपेषु परिवर्त्तनम्

 **भविष्यकालरूपाणि लिखन्तु–**

[भविष्यकाल के रूपों को लिखिए। Write down the verb forms in future tense.]

उदा०– 1. पिबति ....पास्यति.....

2. वदामि ....
3. चलसि ....
4. वदतः ....
5. लिखन्ति ....
6. आरोहन्ति ....
7. पृच्छसि ....
8. पाठयति ....
9. भ्रमथः ....
10. कुरुथः ....
11. त्यजसि ....
12. भवामि ....
13. पिबथ ....
14. विकसतः ....
15. प्रक्षालयति ....
16. दर्शयामि ....
17. प्रहरथ ....
18. नृत्यामः ....
19. स्मरति ....
20. उत्तिष्ठावः ...उत्थास्यावः...
21. उपदिशति ...उपदेक्ष्यति...
22. कुरुतः ....
23. पतन्ति ....
24. तोलयामः ....
25. धावतः ....
26. धरन्ति ....
27. पश्यावः ....
28. चोरयसि ....
29. निन्दसि ....
30. मिलतः ....
31. ज्वालयतः ....
32. नयथः ....
33. खादथः ....
34. हसामि ....
35. ताडयथ ....
36. यच्छन्ति (दा) ...दास्यन्ति....
37. उपविशावः ....
38. प्रक्षालयति ....
39. नमथः ....
40. प्रेषयति ....

अभ्यासः – 150

भविष्यकालरूपलेखनम्



भवतः मित्रं दिनेशः अस्ति। सः श्वः किं करिष्यति इति मञ्जूषायाः क्रियापदं चित्वा लिखतु।
[आपका मित्र दिनेश है। वह कल क्या करेगा ? यह पेटिका में प्रदत्त शब्दों से चुनकर लिखिए। Your friend is Dinesh. What will he do tomorrow ? Complete the sentences choosing the right verb from the box.]

क्रेष्यति	लेखिष्यति	प्रक्ष्यति	गमिष्यति	श्रोष्यति
प्रवेक्ष्यति	दास्यति	द्रक्ष्यति	पास्यति	खादिष्यति

1. दिनेशः श्वः पुस्तकानि..क्रेष्यति....।
2. सः श्वः कदलीफलं ....।
3. सः श्वः गृहपाठं ....।
4. सः श्वः औषधं न ....।
5. सः श्वः प्रश्नं ....।
6. सः श्वः मातुलगृहं ....।
7. सः श्वः गीतानि ....।
8. सः श्वः धनं ....।
9. सः श्वः चलचित्रं ....।
10. सः श्वः व्याकरणकक्षां ....।

अभ्यासः – 151

भविष्यकालरूपलेखनम्



कोष्ठके दत्तेभ्यः क्रियापदेभ्यः उचितक्रियापदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठक में दी गई क्रियाओं में से उचित क्रिया चुनकर रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks choosing suitable verbs from the box.]

गमिष्यतः	पास्यावः	गास्यामः	क्रीडिष्यन्ति	लेखिष्यावः
प्रक्ष्यथ	वदिष्यामः	खादिष्यतः	द्रक्ष्यथः	पठिष्यथ

1. ते बालिके फलं ....।
2. वयं गीतं ....।
3. युवां घटीं ....।
4. यूयं सूचनां ....।
5. तौ नगरं ....।
6. आवां जलं ....।
7. ते बालकाः ....।
8. आवां पत्रं ....।
9. वयं श्लोकं ....।
10. यूयं गुरुं ....।

अभ्यासः – 152

वर्तमानकालात् भविष्यकाले परिवर्तनम्

रिक्तस्थानानि उचितैः शब्दैः पूरयन्तु–
[उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable words.]

यथा–	अहम् उद्यानं गच्छामि।	अहं श्वः ..उद्यानं.. गमिष्यामि।
1.	अहं देवालयं गच्छामि।	अहं श्वः ....।
2.	अहं वेदं पठामि।	अहम् अपि वेदं ....।
3.	अहम् ईश्वरं स्मरामि।	.... श्वः ....।
4.	अहम् उच्चैः हसामि।	अहं श्वः ....।
5.	अहं वेगेन धावामि।	.... अपि ....।
6.	अहं कन्दुकेन क्रीडामि।	अहं ....।
7.	अहं सत्यं वदामि।	.... अपि सत्यं ....।
8.	अहं फलं खादामि।	अहं श्वः ....।
9.	अहं देशसेवां करोमि।	.... अपि ....।
10.	अहं श्लोकं वदामि।	अहं श्वः ....।
11.	अहं दुग्धं पिबामि।	अहं ....।
12.	अहं दीपं ज्वालयामि।	.... श्वः ....।
13.	अहं वाहनं चालयामि।	अहं श्वः ....।
14.	अहं गृहपाठं लिखामि।	.... अपि ....।
15.	अहं शब्दकोषं पश्यामि।	अहं श्वः ....।
16.	अहं गीतं शृणोमि।	.... अपि ....।
17.	अहं खलं ताडयामि।	.... खलं ....।
18.	अहं वने सञ्चरामि।	अहं श्वः वने ....।
19.	अहं पुष्पं धरामि।	अहं श्वः ....।
20.	अहं रात्रौ निद्रामि।	अहं रात्रौ ....।

अभ्यासः – 153

वर्तमानकालात् भविष्यकाले परिवर्तनम्



वर्तमानकालिकरूपस्य भविष्यकालिकरूपे परिवर्त्तनं कृत्वा वाक्यानि रचयन्तु–
[वर्तमानकाल के रूप को भविष्यकाल के रूप में परिवर्तित करके वाक्यों की रचना कीजिए। Make sentences by changing the following verbs from present tense into future tense.]

	अद्य	श्वः
यथा–	1. सः दुग्धं पिबति।	....सः.... ...दुग्धं...... ....पास्यति...... ।
	2. आवां फलं खादावः।	.... ।
	3. अहं श्लोकं वदामि।	.... ।
	4. ते विषयं स्मरन्ति।	.... ।
	5. वयं पद्यं लिखामः।	.... ।
	6. त्वं कार्यं करोषि।	.... ।
	7. युवां मिलथः।	.... ।
	8. बालकाः क्रीडन्ति।	.... ।
	9. सः गीतं गायति।	.... ।
	10. तौ वने विहरतः।	.... ।
	11. यूयं कुत्र गच्छथ ?	.... ।
	12. सा कदा आगच्छति ?	.... ।
	13. आवां लेखनीं यच्छावः (दद्वः)।	.... ।
	14. युवां जलं यच्छथः (दत्थः)।	.... ।
	15. ताः गृहं प्रक्षालयन्ति।	.... ।
	16. अहं ग्रन्थं पठामि।	.... ।
	17. एतौ कथां कथयतः।	.... ।
	18. यूयं वाहनं चालयथ।	.... ।
	19. त्वं देवं पूजयसि।	.... ।
	20. वयं फलं नयामः।	.... ।

अभ्यासः – 154

वर्तमानकालात् भविष्यकाले परिवर्तनम्

उचितक्रियारूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उचित क्रिया रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable form of the verb.]

1. एते कदा गृहं .... । (गमिष्यतः / गमिष्यति / गमिष्यन्ति)
2. श्वः वयं विद्यालयं न .... । (गमिष्यावः / गमिष्यन्ति / गमिष्यामः)
3. एताः बालिकाः अग्रिमे वर्षे विश्वविद्यालये .... । (पठिष्यथ / पठिष्यन्ति / पठिष्यसि)
4. अहम् अपि अग्रिमवर्षे विश्वविद्यालये .... । (पठिष्यामि / पठिष्यन्ति / पठिष्यसि)
5. श्वः प्रातः त्वं कदा .... ? (उत्थास्यति / उत्थास्यामि / उत्थास्यसि)
6. परश्वः एताः बालिकाः दिल्लीं न .... । (गमिष्यति / गमिष्यतः / गमिष्यन्ति)
7. ग्रीष्मकाले आम्राः .... । (फलिष्यन्ति / फलिष्यति / फलिष्यतः)
8. वसन्ते पुरातनानि पत्राणि .... । (पतिष्यतः / पतिष्यामः / पतिष्यन्ति)
9. वसन्ते नूतनानि पत्राणि .... । (आगमिष्यतः / आगमिष्यामः / आगमिष्यन्ति)
10. वसन्ते कोकिलाः .... । (कूजिष्यतः / कूजिष्यति / कूजिष्यन्ति)
11. वसन्ते मयूराः .... । (नर्तिष्यन्ति / नर्तिष्यति / नर्तिष्यथ)
12. जनाः गीतं .... । (गास्यति / गास्यामि / गास्यन्ति)
13. बालकाः .... । (खादिष्यति / खादिष्यथ / खादिष्यन्ति)
14. भक्ताः कथां .... । (श्रोष्यन्ति / श्रोष्यतः / श्रोस्यसि)
15. वयम् उत्तराणि .... । (लेखिष्यावः / लेखिष्यामः / लेखिष्यन्ति)
16. यूयं प्रश्नान् .... । (प्रक्ष्यसि / प्रक्ष्यथः / प्रक्ष्यथ)
17. युवां फलानि .... । (भक्षयिष्यथः / भक्षयिष्यत / भक्षयिष्यावः)
18. त्वं नेयदीपं .... । (नेष्यति / नेष्यामि / नेष्यसि)
19. यूयं श्लोकं .... । (वदिष्यथ / वदिष्यन्ति / वदिष्यामः)
20. युवां कोलाहलं .... । (करिष्यसि / करिष्यथः / करिष्यथ)

अभ्यासः – 155

 **कोष्ठे प्रदत्तस्य क्रियापदस्य भविष्यकालिकं रूपं लिखित्वा कथां पठन्तु–**

[कोष्ठ में दिए गए क्रिया–पद का भविष्यकालिक रूप लिखकर कथा को पढ़िए। Fill in the blanks converting the present tense form of verbs given in the brackets into past tense and then read the story.]



कस्मिंश्चित् नगरे कश्चन दरिद्रः ब्राह्मणः वसति स्म। सः भिक्षाटनेन जीवनयापनं करोति स्म। कदाचित् सः पिष्टेन पूर्णम् एकं घटं प्राप्तवान्। सः तं घटं नागदन्ते स्थापितवान्। तस्य अधः उपविश्य घटमेव पश्यति स्म।

एकदा रात्रौ सः चिन्तितवान् "यदि देशे दुर्भिक्षः .... (भवति) तर्हि एतस्य शतरूप्यकाणि मूल्यं .... (भवति)। तदा अहम् एतस्य विक्रयणं कृत्वा तेन धनेन अजद्वयं .... (क्रीणामि)। कालान्तरे तेन अजसमूहः एव .... (भवति)। अनन्तरम् अजसमूहस्य विक्रयणं कृत्वा महिषीः, ताः विक्रीय अश्वान् च .... (क्रीणामि)। तान् अपि विक्रीय यथेष्टं धनं .... (सम्पादयामि)। बृहत् गृहं .... (निर्मापयामि)। तदा कश्चित् ब्राह्मणः आगत्य रूपवतीं स्वकन्यां मह्यं (दास्यति) अनन्तरं मम पुत्रः उत्पन्नः .... (भवति)। देवशर्मा इति तस्य नामकरणं .... (करोमि)। यदा सः जानुभ्यां चलितुं समर्थः .... (भवति) तदा अहं पुस्तकं .... (पठामि) तदा देवशर्मा मम समीपम् .... (आगच्छति)। तदा 'बालं गृहणातु' इति स्वपत्नीम् .... (आज्ञापयामि)। यदा सा मम वचनं न .... (शृणोति) तदा अहं कोपेन पादप्रहारं .... (करोमि)" इति चिन्तामग्नः पादप्रहारं कृतवान् एव। प्रहारेण पूर्णः घटः पतितः। भग्नः च।

चतुर्थः स्तबकः

4.1 प्रथमः पाठः

[क्त्वा / ल्यप्]

4.1.1 क्त्वा—प्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु—**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



बालकः स्नाति।



बालकः अर्चति।

बालकः स्नात्वा अर्चति।



बालकः विद्यालयं गच्छति।



बालकः पठति।

बालकः विद्यालयं गत्वा पठति।



बालकः क्रीडति।



बालकः खादति।

बालकः क्रीडित्वा खादति।

अभ्यासः – 156

उदाहरणानुगुणं क्त्वान्तपदैः वाक्यानि योजयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार क्त्वान्त पदों से वाक्यों को जोड़िये। Join the sentences as shown in the example. Choose the joining words from the box.]

उदा०– 1. सीता मोदकं खादति, सा जलं पिबति। सीता मोदकं खादित्वा जलं पिबति......।

2. जननी स्नाति, पाकं करोति। ....।

3. जनकः कार्यालयं गच्छति, कार्यं करोति ....।

4. छात्रः पाठं पठति, निद्राति । ....।

5. शिशुः फलं खादति, क्रीडति। ....।

6. त्वं पत्रं लिखसि, प्रेषयसि। ....।

7. भवती देवं नमति, प्रदक्षिणं करोति। ....।

8. सा गीतं शृणोति, नृत्यति। ....।

9. अध्यापकः पाठं पाठयति, प्रश्नं पृच्छति। ....।

10. छात्रः वाक्यं वदति, अर्थं जानाति। ....।

1	2	3	4	5
खादित्वा	स्नात्वा	गत्वा	पठित्वा	खादित्वा
6	7	8	9	10
लिखित्वा	नत्वा	श्रुत्वा	पाठयित्वा	उदित्वा

क्त्वान्तरूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

1.	हसति (हस्)	–	हसित्वा
2.	क्रीडति (क्रीड्)	–	क्रीडित्वा
3.	भ्रमति (भ्रम्)	–	भ्रमित्वा
4.	जपति (जप्)	–	जपित्वा
5.	लिखति (लिख्)	–	लिखित्वा
6.	खादति (खाद्)	–	खादित्वा
7.	खनति (खन्)	–	खनित्वा
8.	क्रन्दति (क्रन्द्)	–	क्रन्दित्वा
9.	धावति (धाव्)	–	धावित्वा
10.	निन्दति (निन्द्)	–	निन्दित्वा
11.	नृत्यति (नृत्)	–	नर्तित्वा
12.	पठति (पठ्)	–	पठित्वा
13.	पतति (पत्)	–	पतित्वा
14.	मिलति (मिल्)	–	मिलित्वा

धरति (धृ)	–	धृत्वा
करोति (कृ)	–	कृत्वा
स्मरति (स्मृ)	–	स्मृत्वा
हरति (हृ)	–	हृत्वा
शृणोति (श्रु)	–	श्रुत्वा
जानाति (ज्ञा)	–	ज्ञात्वा
स्नाति (स्ना)	–	स्नात्वा
क्रीणाति (क्री)	–	क्रीत्वा
नयति (नी)	–	नीत्वा
भवति (भू)	–	भूत्वा
पिबति (पा)	–	पीत्वा
तिष्ठति (स्था)	–	स्थित्वा
दहति (दह्)	–	दग्ध्वा
गच्छति (गम्)	–	गत्वा
नमति (नम्)	–	नत्वा
त्यजति (त्यज्)	–	त्यक्त्वा
पचति (पच्)	–	पक्त्वा
पश्यति (दृश्)	–	दृष्ट्वा
पृच्छति (प्रच्छ्)	–	पृष्ट्वा
कर्षति (कृष्)	–	कृष्ट्वा
इच्छति (इष्)	–	इष्ट्वा

अभ्यासः – 157

क्त्वान्त – प्रयोगाः

अधोलिखितवाक्यानि क्त्वान्तेन पदेन योजयन्तु–

[निम्नलिखित वाक्यों को क्त्वान्त पदों से जोड़िये । Join the following sentences using the word ending in क्त्वा .]

पूर्वम् पश्चात्

उदा0– 1. छात्रः पाठं पठति, टिप्पणीं लिखति । = छात्रः पाठं पठित्वा टिप्पणीं लिखति ।

2. कृषकः भूमिं खनति, सस्यं रोपयति । = ... ।

3. आचार्यः पाठं पाठयति, प्रश्नं पृच्छति । = ... ।

4. कृष्णः रथं स्थापयति, अर्जुनम् उपदिशति । = ... ।

5. आरक्षकः धावति, चोरं गृह्णाति । = ... ।

6. कविः काव्यं लिखति, धनं प्राप्नोति । = ... ।

7. वानरः फलं खादति, धावति । = ... ।

8. शिशुः पतति, रोदनं करोति । = ... ।

9. पितामहः कथां कथयति, प्रश्नं पृच्छति । = ... ।

10. बालिका नृत्यति, जनान् तोषयति । = ... ।

उदा0– 11. जननी स्नानं करोति, पाकं करोति । = जननी स्नानं कृत्वा पाकं करोति ।

12. छात्रः अध्यापकं पश्यति, नमस्करोति । = ... ।

13. युवकः चित्रालयं गच्छति, चित्रं पश्यति । = ... ।

14. बालिका गीतं शृणोति, नृत्यति । = ... ।

15. बालकः जननीं स्मरति, रोदनं करोति । = ... ।

16. त्वं दुग्धं पिबसि, क्रीडसि । = ... ।

17. शिष्यः प्रश्नं पृच्छति, उत्तरं जानाति । = ... ।

18. भक्तः देवं नमति, प्रार्थनां करोति । = ... ।

19. युवकः दुरभ्यासं त्यजति, सज्जनः भवति । = ... ।

20. बालकाः क्रीडन्ति, गृहं गच्छन्ति । = ... ।

अभ्यासः – 158

क्त्वान्त – प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि योजयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िये । Please join the sentences as shown in the example.]

उदा०– 1. सः विद्यालयं गच्छति, पाठं पठति । ......सः विद्यालयं गत्वा पाठं पठति...... ।

2. बालिका फलं खादति, जलं न पिबति । .... ।

3. रमेशः दुग्धं पिबति, शयनं करोति । .... ।

4. अहं श्लोकं वदामि, अर्थं बोधयामि । .... ।

5. सा पुस्तकं पठति, भोजनं करोति । .... ।

6. अहं कार्यं करोमि, विद्यालयं गच्छामि । .... ।

7. ते चित्रं पश्यन्ति, आनन्दम् अनुभवन्ति । .... ।

8. भवन्तः गीतं शृण्वन्ति, चायं पिबन्ति । .... ।

9. वयं धनं यच्छामः, (दद्मः) वस्तूनि क्रीणीमः । .... ।

10. सः फलानि नयति, जनन्यै ददाति । .... ।

11. ताः संस्कृतं जानन्ति, सम्भाषणं कुर्वन्ति । .... ।

12. सः दुर्गुणं त्यजति, सज्जनः भवति । .... ।

13. महिलाः गीतं गायन्ति, पूजां कुर्वन्ति । .... ।

14. वैद्याः औषधं यच्छन्ति, धनं स्वीकुर्वन्ति । .... ।

15. पितामहः रामायणं पाठयति, अर्थं वदति । .... ।

16. छात्रः चिन्तयति, उत्तरं लिखति । .... ।

17. जननी पुत्रं ताडयति, दुःखम् अनुभवति । .... ।

18. क्रीडापटुः क्रीडति, पदकं प्राप्नोति । .... ।

19. एताः पूजां कुर्वन्ति, प्रसादं स्वीकुर्वन्ति । .... ।

20. अर्चकः देवम् अर्चति, प्रार्थनां करोति । .... ।

4.1.2 ल्यप्

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]





बालकः उत्तिष्ठति, देवं नमति। बालकः उत्थाय देवं नमति।





बालकः गृहं प्रविशति, हस्तौ प्रक्षालयति। बालकः गृहं प्रविश्य हस्तौ प्रक्षालयति।

अभ्यासः – 159

 **मञ्जूषातः पदं चित्वा उदाहरणानुगुणं वाक्यानि योजयन्तु–**

[मञ्जूषा से पद चुनकर उदाहरण के अनुसार वाक्यों को जोड़िये। Join the sentences as shown in the example selecting the right word from the box.]

उदा0– 1. अध्यापकः ग्रन्थम् <u>अध्यापयति</u>, प्रश्नं पृच्छति। = अध्यापकः ग्रन्थम् अध्याप्य प्रश्नं पृच्छति।

2. ग्राहकः वस्तु <u>स्वीकरोति</u>, धनं ददाति। = ...।

3. आचार्यः ग्रन्थं <u>परिशीलयति</u>, अध्यापनं करोति। = ...।

4. जननी द्वारम् <u>उद्घाटयति</u>, अतिथिं सत्करोति। = ...।

5. समाजसेवकः धनं **सङ्गृह्णाति,** समाजसेवां करोति। = ... ।
6. अर्चकः प्रतिमां **संस्थापयति,** पूजां करोति। = ... ।
7. भगिनी आकाशवाणीं **प्रचालयति,** गीतं शृणोति। = ... ।
8. अनुजा द्वारं **प्रक्षालयति,** रङ्गवल्लीं लिखति। = ... ।
9. जननी अतिथिं **सत्करोति,** भोजनं ददाति। = ... ।
10. युवकः आसन्दे **उपविशति,** जलं पिबति। = ... ।
11. बालकः वृक्षम् **आरोहति,** फलानि अवचिनोति। = ... ।
12. सः माम् **अनुसरति,** वेगेन आगच्छति। = ... ।

1	2	3	4	5	6
अध्याप्य	स्वीकृत्य	परिशील्य	उद्घाट्य	सङ्गृह्य	संस्थाप्य
7	8	9	10	11	12
प्रचाल्य	प्रक्षाल्य	सत्कृत्य	उपविश्य	आरुह्य	अनुसृत्य

 **ध्यानेन पठन्तु–**
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

गच्छति ⟶ गत्वा आगच्छति ⟶ आगत्य	तिष्ठति ⟶ स्थित्वा उत्तिष्ठति ⟶ उत्थाय	गच्छति ⟶ गत्वा अवगच्छति ⟶ अवगम्य
हरति ⟶ हृत्वा विहरति ⟶ विहृत्य	प्रेषयति ⟶ प्रेषयित्वा सम्प्रेषयति ⟶ सम्प्रेष्य	सरति ⟶ सृत्वा अनुसरति ⟶ अनुसृत्य
क्षालयति ⟶ क्षालयित्वा प्रक्षालयति ⟶ प्रक्षाल्य	हसति ⟶ हसित्वा उपहसति ⟶ उपहस्य	भवति ⟶ भूत्वा अनुभवति ⟶ अनुभूय

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

	क्त्वान्तपदानि ↓	उपसर्गाः ↓	क्त्वान्तपदानि ↓	ल्यबन्तपदानि ↓
1.	नीत्वा	आ +	नीत्वा	आनीय
2.	हृत्वा	आ +	हृत्वा	आहृत्य
3.	स्मृत्वा	वि +	स्मृत्वा	विस्मृत्य
4.	कृष्ट्वा	आ +	कृष्ट्वा	आकृष्य
5.	कृत्वा	उप +	कृत्वा	उपकृत्य
6.	ज्ञात्वा	वि +	ज्ञात्वा	विज्ञाय
7.	क्रीत्वा	वि +	क्रीत्वा	विक्रीय
8.	नत्वा	प्र +	नत्वा	प्रणम्य
9.	त्यक्त्वा	परि +	त्यक्त्वा	परित्यज्य
10.	लिखित्वा	वि +	लिखित्वा	विलिख्य
11.	स्थापयित्वा	सम् +	स्थापयित्वा	संस्थाप्य
12.	गृहीत्वा	सम् +	गृहीत्वा	सङ्गृह्य
13.	प्रेषयित्वा	सम् +	प्रेषयित्वा	सम्प्रेष्य
14.	स्थित्वा	उत् +	स्थित्वा	उत्थाय
15.	हसित्वा	वि +	हसित्वा	विहस्य

अभ्यासः – 160

ल्यबन्ते परिवर्त्तनम्

✍ **उदाहरणानुगुणं ल्यबन्तरूपाणि लिखन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार ल्यबन्त रूपों को लिखिए। Please write down the *lyabanta* forms as shown in the examples.]

		उपसर्गः	क्त्वान्तपदम्	ल्यबन्तरूपम्			उपसर्गः	क्त्वान्तपदम्	ल्यबन्तरूपम्
उदा०–	1.	आ +	गत्वा	..आगत्य...	उदा०–	2.	आ +	नीत्वा	..आनीय...
	3.	परि +	शीलयित्वा	....		4.	सं +	हृत्वा	....
	5.	प्र +	नत्वा	..प्रणम्य...		6.	निरा +	कृत्वा	....
	7.	सं +	गृहीत्वा	....		8.	अभि +	नन्दित्वा	....
	9.	अनु +	भूत्वा	....		10.	परि +	त्यक्त्वा	....
	11.	आ +	हूत्वा	....		12.	प्र +	क्षालयित्वा	....
	13.	सम् +	आप्त्वा	....		14.	प्र +	आप्त्वा	....
	15.	आ +	कृष्ट्वा	....		16.	सं +	दिष्ट्वा	....
	17.	उत् +	स्थित्वा	..उत्थाय..		18.	उप +	विष्ट्वा	....
	19.	उप +	हसित्वा	....		20.	नि +	वेदयित्वा	..निवेद्य...
	21.	आ +	छादयित्वा	....		22.	वि +	स्मृत्वा	....
	23.	सं +	स्मृत्वा	....		24.	उद् +	धृत्वा	....
	25.	निर् +	गत्वा	....		26.	प्रति +	गत्वा	....
	27.	परि +	गणयित्वा	....		28.	सम् +	आप्त्वा	....
	29.	उप +	कृत्वा	....		30.	परि +	वेषयित्वा	....
	31.	सम् +	प्रेषयित्वा	....		32.	वि +	लिखित्वा	....
	33.	उद् +	नीत्वा	....		34.	आ +	रूढ्वा	....
	35.	निर् +	दिष्ट्वा	..निर्दिश्य..		36.	वि +	चारयित्वा	....

अभ्यासः – 161

क्त्वान्त/ल्यबन्त–प्रयोगाः

क्त्वा/ल्यप्-योगेन वाक्यानि योजयन्तु–

[क्त्वा/ल्यप् प्रत्यय के योग से वाक्यों को जोड़िये। Join the following sentences using क्त्वा/ल्यप् suffixes.]

उदा०– 1. अध्यापकः आसन्दे उपविशति, प्रश्नं पृच्छति।
..अध्यापकः.. ..आसन्दे... ..उपविश्य... ....प्रश्नं... ....पृच्छति.।

2. जनकः स्नानं करोति, पूजां करोति।
....

3. बिडालः गृहं प्रविशति, दुग्धं पिबति।
....

4. लक्ष्मणः सीता च रामम् अनुसरतः, वनं गच्छतः।
....।

5. महिला मन्दिरं गच्छति, देवं नमस्करोति।
....।

6. त्वं मित्रम् उपकरोषि, सन्तुष्टः भवसि।
....।

7. बालकौ फलं खादतः, शयनं कुरुतः।
....।

8. बालकाः आपणात् कन्दुकम् आनयन्ति, क्रीडन्ति।
....।

9. भक्तः नद्यां स्नाति, सूर्याय अर्घ्यं यच्छति।
....।

10. जननी पुत्रान् आह्वयति, भोजनं ददाति।
....।

 **शुद्धरूपाणि जानन्तु–**

[शुद्ध रूपों को समझिए। Please learn the correct forms.]

×		✓
1.	आगत्वा	आगत्य
2.	सङ्गृहीत्वा	सङ्गृह्य
3.	सङ्कलयित्वा	सङ्कलय्य
4.	प्रकटयित्वा	प्रकटय्य
5.	प्रापयित्वा	प्राप्य
6.	सम्प्रेषयित्वा	सम्प्रेष्य
7.	उपवेशयित्वा	उपवेश्य
8.	आनीत्वा	आनीय
9.	परिवेषयित्वा	परिवेष्य
10.	सङ्गमयित्वा	सङ्गमय्य
11.	आलोडयित्वा	आलोड्य
12.	समापयित्वा	समाप्य
13.	संस्मृत्वा	संस्मृत्य
14.	सम्मिलित्वा	सम्मिल्य
15.	संस्थापयित्वा	संस्थाप्य
16.	प्रस्थित्वा	प्रस्थाय
17.	विलिखित्वा	विलिख्य
18.	निर्गत्वा	निर्गत्य
19.	विज्ञात्वा	विज्ञाय
20.	विहसित्वा	विहस्य
21.	उपविष्ट्वा	उपविश्य

अभ्यासः – 162

शुद्धं रूपं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[शुद्ध रूप का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks selecting the correct form.]

1. बालकः गृहपाठं .... निद्राति। (समाप्य / समापयित्वा)
2. सा द्वारम् .... अतिथिं सत्करोति। (उद्घाटयित्वा / उद्घाट्य)
3. जननी पुत्रेभ्यः .... भोजनं करोति। (परिवेष्य / परिवेषयित्वा)
4. छात्रः विद्यालयात् .... दुग्धं पिबति। (आगत्वा / आगत्य)
5. सा पारितोषिकं .... आनन्दम् अनुभवति। (प्राप्य / प्राप्त्वा)
6. भगिनी द्वारं .... रङ्गवल्लीं लिखति। (प्रक्षालयित्वा / प्रक्षाल्य)
7. अर्चकः विग्रहं .... पूजां करोति। (प्रतिष्ठाप्य / प्रतिष्ठापयित्वा)
8. भवती पत्रं .... प्रेषयति। (विलिखित्वा / विलिख्य)
9. रामः रावणं .... अयोध्यां गच्छति। (संहृत्य / संहृत्वा)
10. सीता रामम् .... वनं गच्छति। (अनुसृत्य / अनुसृत्वा)
11. तौ मरणवार्तां .... दुःखम् अनुभवतः। (विज्ञात्वा / विज्ञाय)
12. महिला पेटिकाम् .... आभरणं पश्यति। (उद्घाट्य / उद्घाटयित्वा)
13. चोरः राजभवनं .... चौर्यं करोति। (प्रविष्ट्वा / प्रविश्य)
14. सेवकः वृक्षम् .... फलानि अवचिनोति। (आरुह्य / आरूढ्वा)
15. गुरुः शिष्यम् .... गच्छति। (अध्यापयित्वा / अध्याप्य)

चतुर्थः स्तबकः

4.2 द्वितीयः पाठः

तुमुन्–प्रयोगः

 ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



वत्सः क्षीरं पातुम् इच्छति।



चोरः धावितुम् इच्छति।



गोपालकः दुग्धं दातुं गच्छति।



छात्रः पठितुं विद्यालयं गच्छति।



अहं नर्तितुं शक्नोमि।



अहम् एतानि खादितुं शक्नोमि।

अभ्यासः – 163

इच्छतेः प्रयोगे तुमुन्

मञ्जूषातः उचितं पदं योजयित्वा उदाहरणानुगुणं वाक्यानि पुनः लिखन्तु–

[मञ्जूषा से उचित पद का चयन कर उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को पुनः लिखिए। Select the suitable word from the box and rewrite the following sentences as shown in the examples.]

उदा०–1. सः ..पठनम्.. इच्छति। उदा०– सः ..पठितुम्.. इच्छति।

2. सः गानम् इच्छति। सः गातुम् इच्छति।

1 पठितुम्	2 गातुम्	3 लेखितुम्
4 कथयितुम्	5 गन्तुम्	6 पातुम्
7 खादितुम्	8 दातुम्	9 हसितुम्
10 चलितुम्	11 क्रीडितुम्	12 धावितुम्
13 कर्तुम्	14 द्रष्टुम्	15 अर्चितुम्

3. सः लेखनम् इच्छति। सः .... ।
4. सः कथनम् इच्छति। सः .... ।
5. सः गमनम् इच्छति। सः .... ।
6. सः पानम् इच्छति। सः .... ।
7. सः खादनम् इच्छति। सः .... ।
8. सः दानम् इच्छति। सः .... ।
9. सः हसनम् इच्छति। सः .... ।
10. सः चलनम् इच्छति। सः .... ।
11. सः क्रीडनम् इच्छति। सः .... ।
12. सः धावनम् इच्छति। सः .... ।
13. सः करणम् इच्छति। सः .... ।
14. सः दर्शनम् इच्छति। सः .... ।
15. सः अर्चनम् इच्छति। सः .... ।

अभ्यासः – 164

क्रियार्थायां क्रियायां तुमुन्

कोष्ठके प्रदत्तैः धातुभिः सह तुमुन् प्रत्ययं संयोज्य यथोदाहरणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में दी गई धातुओं के साथ तुमुन् प्रत्यय जोड़कर उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Add तुमुन् to the roots given in the brackets and fill in the blanks as shown in the example.]

1.	वयं	......नर्तितुम्......	इच्छामः।	(नृत्)
2.	सः	....	इच्छति।	(खाद्)
3.	ते गृहं	....	इच्छन्ति।	(गम्)
4.	यूयं किं	....	इच्छथ।	(कृ)
5.	रमा प्राङ्गणे	....	इच्छति।	(क्रीड्)
6.	देवेशः चलचित्रं	....	इच्छति।	(दृश्)
7.	सः आसने	....	इच्छति।	(उपविश्)
8.	सः श्लोकं	....	इच्छति।	(श्रावय्)
9.	सः गीतं	....	इच्छति।	(गा)
10.	सः वस्त्राणि	....	इच्छति।	(प्रक्षालय्)
11.	सः समाचारं	....	इच्छति।	(श्रु)
12.	सः उत्तरं	....	इच्छति।	(ज्ञा)

गन्तुम्	*श्रावयितुम्*	*प्रक्षालयितुम्*	*खादितुम्*
गातुम्	*श्रोतुम्*	*उपवेष्टुम्*	*द्रष्टुम्*
कर्त्तुम्	*नर्तितुम्*	*ज्ञातुम्*	*क्रीडितुम्*

अभ्यासः – 165

क्रियार्थायां क्रियायां तुमुन्

कोष्ठगतशब्दान् तुमुन्नन्तपदेषु परिवर्त्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[कोष्ठ में दिये गये शब्दों को "तुमुनन्त" शब्दों में परिवर्तित करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Change the words given in brackets into words ending in तुमुन् and fill in the blanks.]

उदा०– 1. अहं ...पठितुं... विद्यालयं गच्छामि। (पठनार्थम्)

2. सः .... गच्छति। (शयनार्थम्)

3. ते .... गच्छन्ति। (वन्दनार्थम्)

4. ताः .... मन्दिरं गच्छन्ति। (अर्चनार्थम्)

5. बिडालः .... भोजनालयं प्रविशति। (खादनार्थम्)

6. मूषकः .... आगच्छति। (कर्तनार्थम्)

7. कृषकः .... क्षेत्रं गच्छति। (कर्षणार्थम्)

8. ते .... द्वारे तिष्ठन्ति। (रक्षणार्थम्)

9. वयं .... प्रातः उत्तिष्ठामः। (स्मरणार्थम्)

10. एते विश्वनाथमन्दिरं .... काशीं गच्छन्ति। (दर्शनार्थम्)

11. सा .... पाकशालां गच्छति। (पचनार्थम्)

12. युवकः चायं .... उपाहारगृहं गच्छति। (पानार्थम्)

पठितुम्,	शयितुम्	वन्दितुम्,	अर्चितुम्,
खादितुम्,	कर्तयितुम्,	क्रष्टुम्,	रक्षितुम्,
स्मर्तुम्,	द्रष्टुम्	पक्तुम्,	पातुम्

अभ्यासः – 166

क्रियार्थायां क्रियायां तुमुन्

तुमुन्नन्तप्रयोगेण यथोदाहरणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[तुमुन्नन्त का प्रयोग करते हुए उदाहरण के अनुसार रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks using 'tumun' suffix as shown in the example.]

उदा०– बालकः विद्यालयं गच्छति। पठति।

सः किमर्थं विद्यालयं गच्छति ? बालकः ...पठितुं... विद्यालयं गच्छति।

1. सः आपणं गच्छति। फलानि आनयति।
   सः किमर्थम् आपणं गच्छति ? सः फलानि .... आपणं गच्छति।
2. सः स्नानगृहं गच्छति। स्नाति।
   सः किमर्थं स्नानगृहं गच्छति ? सः .... स्नानगृहं गच्छति।
3. रमा चित्रालयं गच्छति। चलचित्रं पश्यति।
   सा किमर्थं चित्रालयं गच्छति ? सा चलचित्रं .... चित्रालयं गच्छति।
4. अहं चित्रालयं गच्छामि। चलचित्रं पश्यामि।
   त्वं किमर्थं चित्रालयं गच्छसि ? अहं चलचित्रं ....चित्रालयं गच्छामि।
5. ईश्वरः पृथिव्याम् अवतरति। भक्तान् रक्षति।
   सः किमर्थं पृथिव्याम् अवतरति ? सः भक्तान् .... पृथिव्याम् अवतरति।
6. गजः जलाशयं गच्छति। जलं पिबति।
   सः किमर्थं जलाशयं गच्छति ? सः जलं .... जलाशयं गच्छति।
7. वयं प्रयागं गच्छामः। स्नामः।
   वयं किमर्थं प्रयागं गच्छामः ? वयं गङ्गायां .... प्रयागं गच्छामः।
8. एते इदानीं शयनागारं गच्छन्ति। शयनं कुर्वन्ति।
   एते इदानीं किमर्थं शयनागारं गच्छन्ति ? एते इदानीं........... शयनागारं गच्छन्ति।
9. जननी मन्दिरं गच्छति। देवम् अर्चति।
   सा किमर्थं मन्दिरं गच्छति ? जननी देवम् ..... मन्दिरं गच्छति।
10. बालकः क्रीडाङ्गणं गच्छति। क्रीडति।
    सः किमर्थं क्रीडाङ्गणं गच्छति ? सः .... क्रीडाङ्गणं गच्छति।

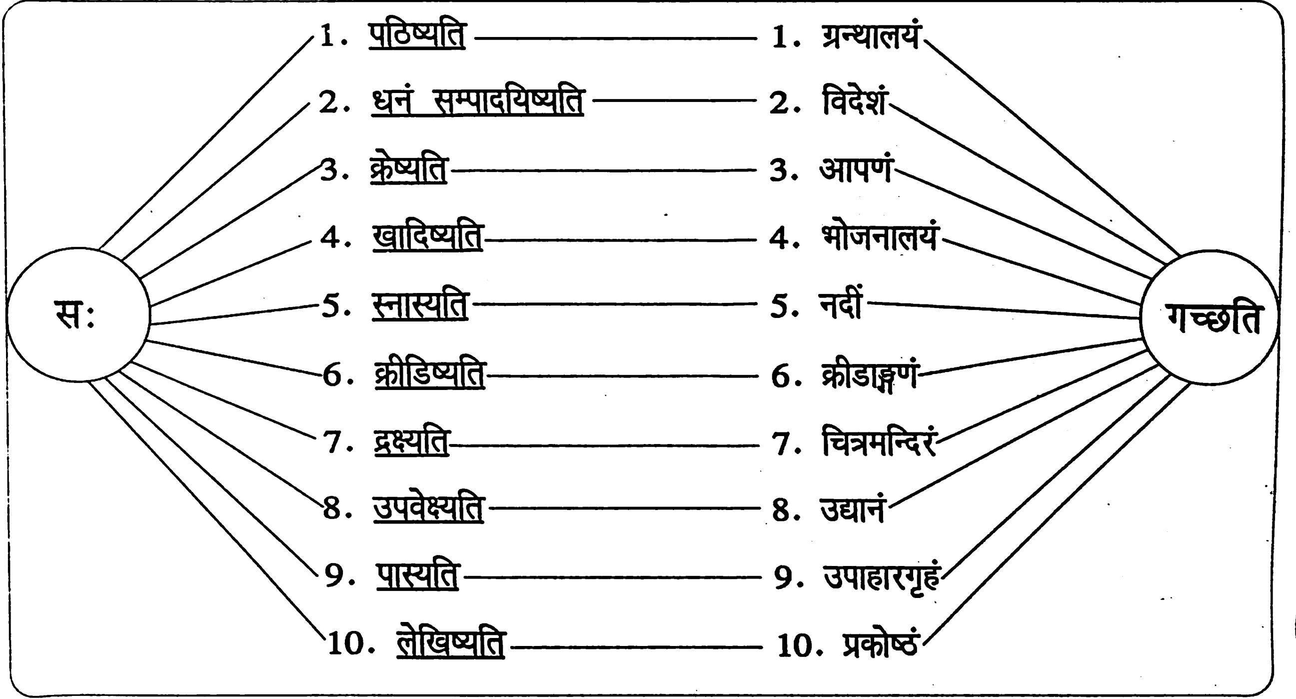
अभ्यासः – 167

उदाहरणानुसारं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रूपों को लिखिए। Write the tumunant form as per the example.]

[वर्तमानरूपं पठित्वा भविष्यकालरूपं स्मरन्तु। ततः तुमुन्नन्तरूपलेखनं सुकरं भवति। वर्तमान काल के रूप को पढ़कर भविष्यकाल के रूप का स्मरण कीजिए। इससे तुमुन्नन्त रूप का लेखन सरल हो जाता है। Convert the present tense form of the verb into future and that will make the formation of *tumunant* (तुमुन्नन्त) word easier.]

यथा–	लिखति	....लेखिष्यति....	....लेखितुम्....
1.	पठति	....	....
2.	क्रीडति	....	....
3.	खादति	....	....
4.	उत्तिष्ठति	....	....
5.	उपविशति	...उपवेक्ष्यति...	.....उपवेष्टुम्..
6.	पश्यति	...द्रक्ष्यति......	......द्रष्टुम्.....
7.	पिबति	....	....
8.	हसति	....	....
9.	अर्चति	....	....
10.	गच्छति	....	....
11.	गृह्णाति	....	....
12.	जानाति	....	....
13.	दर्शयति	...दर्शयिष्यति....	.....दर्शयितुम्..
14.	शृणोति	....	....
15.	क्रीणाति	....	....
16.	स्मरति	..स्मरिष्यति.....	....स्मर्तुम्......
17.	पृच्छति	..प्रक्ष्यति........	....प्रष्टुम्......
18.	निन्दति	....	....



अभ्यासः – 168

उदाहरणानुगुणं तुमुन्नन्तपदानि प्रयुज्य वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार तुमुन्नन्त पदों का प्रयोग करके वाक्यों की रचना कीजिए। Make sentences by using *tumunanta Padas.*]

उदा०– 1. सः ..पठितुं...... ...ग्रन्थालयं.. गच्छति।

2. सः .... गच्छति।

3. सः .... गच्छति।

4. सः .... गच्छति।

5. सः .... गच्छति।

6. सः .... गच्छति।

7. सः .... गच्छति।

8. सः .... गच्छति।

9. सः .... गच्छति।

10. सः .... गच्छति।

अभ्यासः – 169

शक्नोतेः प्रयोगे तुमुन्

कोष्ठे दत्तेषु शब्देषु प्रयुक्तेन धातुना सह तुमुन्-प्रत्ययं योजयित्वा प्रश्नं उत्तरं च पूरयन्तु–
[कोष्ठक में दिये गये शब्दों में प्रयुक्त धातु के साथ तुमुन् प्रत्यय जोड़कर प्रश्न और उत्तर दोनों को पूरा कीजिए। Complete the questions and answers by adding तुमुन् to the roots of the words given in the brackets.]

उदा०– 1. प्र०– किं सः ...गातुं.... शक्नोति ? (गानम्)
उ०– ..आम्.., ..सः.. .गातुं..... ...शक्नोति..।

2. प्र०– किं त्वम् .... शक्नोषि ? (उत्थानम्)
उ०– आम्, अहम्... ....।

3. प्र०– किं शालिनी .... शक्नोति ? (नर्तनम्)
उ०– न, ... न ....।

4. प्र०– किं वृद्धः .... शक्नोति ? (धावनम्)
उ०– आम्, ...।

5. प्र०– किं भवती कथाम् .... शक्नोति ? (वदनम्)
उ०– आम् अहम् ....।

6. प्र०– किं यूयं .... शक्नुथ ? (पाठनम्)
उ०– आम्, वयं ....।

7. प्र०– किं बालकः श्लोकान् .... शक्नोति ? (पठनम्)
उ०– आम्, ...।

8. प्र०– किं त्वम् अभ्यासान् .... शक्नोषि ? (रचनम्)
उ०– आम्, ...।

9. प्र०– किम् अन्धः .... शक्नोति ? (दर्शनम्)
उ०– न, ...।

10. प्र०– किं युवां पाठं .... शक्नुथः ? (ज्ञानम्)
उ०– आम्, ...।

उत्थातुम्, ज्ञातुम्, रचयितुम्, वदितुम्, धावितुम्, पाठयितुम्, नर्त्तितुम्, द्रष्टुम्, पठितुम्

अभ्यासः – 170

शक्नोतेः प्रयोगे तुमुन्

कोष्ठे दत्तेन धातुना सह तुमुन्-प्रत्ययं योजयित्वा उचितं रूपं रिक्ते स्थाने लिखन्तु–
[कोष्ठ में दी गई धातु में 'तुमुन्' प्रत्यय जोड़कर रिक्त स्थान में लिखिए। Fill in the blanks by adding तुमुन् to the roots given in brackets.]

1. सः अत्र .... शक्नोति। (स्था)
2. सः एतत् पुस्तकं .... शक्नोति। (पठ्)
3. किं, सः अस्मिन् आसने .... शक्नोति ? (उपविश्)
4. अहं गीताम् .... शक्नोमि। (उपदिश्)
5. किम्, इदानीं सः गृहं .... न शक्नोति ? (गम्)
6. न हि, इदानीं सः गृहं .... न शक्नोति। (गम्)
7. किम्, अहम् अत्र .... शक्नोमि ? (आगम्)
8. किम्, अहम् एकं चलचित्रं .... शक्नोमि ? (दृश्)
9. किं, भवती एकं गीतं .... शक्नोति ? (गा)
10. सः वृक्षम् .... शक्नोति। (आरुह्)
11. ताः नृत्यं .... शक्नुवन्ति। (कृ)
12. अहं काव्यं .... न शक्नोमि। (लिख्)
13. त्वं .... न शक्नोषि। (पच्)
14. ते छात्रे .... शक्नुतः। (नृत्)
15. मूषकः बिलं .... शक्नोति। (प्रविश्)

आगन्तुम्, गन्तुम्, उपवेष्टुम्, पाठयितुम्, स्थातुम्, पठितुम्,
गन्तुम्, उपदेष्टुम्, द्रष्टुम्, गातुम्, प्रवेष्टुम्, नर्तितुम्,
लेखितुम्, पक्तुम्, कर्तुम्, आरोढुम्

चतुर्थः स्तबकः

4.3. तृतीयः पाठः

[तृतीया]

4.3.1 अकारान्तपुंलिङ्गशब्दानां तृतीया-एकवचने प्रयोगाः



ध्यानेन पठन्तु-

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



बालकः



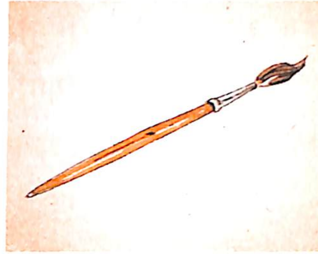
हस्तः



बालकः **हस्तेन** लिखति।



चित्रकारः



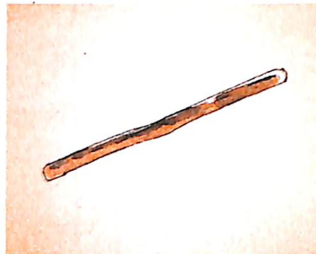
कूर्चः



चित्रकारः **कूर्चेन** चित्रं निर्माति।



वृद्धा



दण्डः



वृद्धा **दण्डेन** कुक्कुरं ताडयति।



बालकः



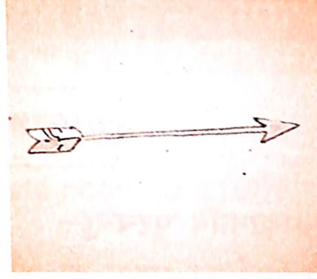
चमसः



बालकः **चमसेन** खादति।



व्याधः



बाणः



व्याधः बाणेन प्रहरति



आरक्षकः



दण्डः



आरक्षकः दण्डेन चोरं ताडयति।



वृद्धः



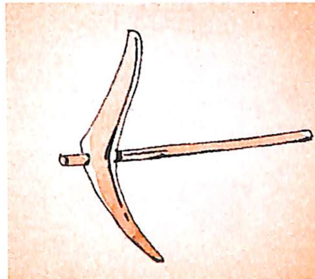
उपनेत्रम्



वृद्धः उपनेत्रेण पश्यति।



कृषकः



हलम्



कृषकः हलेन कर्षति।

अभ्यासः – 171

अकारान्तशब्दानां तृतीया–एकवचने प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुसारं तृतीयान्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार तृतीयान्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by the words ending in third case ending.]

उदा०– 1. वृद्धः (चषकः) ...चषकेण... पिबति।

2. भीमः (वृक्षः) .... ताडयति।

3. बालकः (मुखम्) .... खादति।

4. रमेशः (वाहनम्) .... आनयति।

5. जनकः (हस्तः) .... ताडयति।

6. व्याधः (बाणः) .... मारयति।

7. आरक्षकः (अश्वः) .... गच्छति।

8. नृपः (गजः) .... आगच्छति।

9. क्रीडकः (कन्दुकम्) .... क्रीडति।

10. उद्यानकारः (जलम्) .... सिञ्चति।

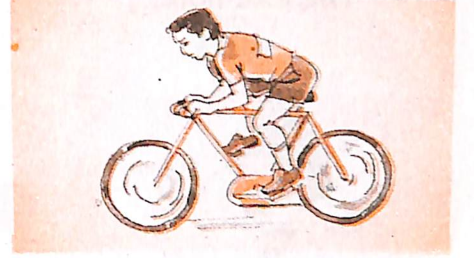
4.3.2. (क) आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां तृतीया–एकवचने प्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु–**

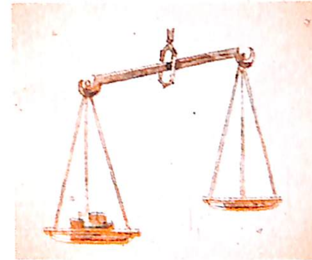
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]


बालकः


द्विचक्रिका


बालकः द्विचक्रिकया गच्छति।


आपणिकः


तुला


आपणिकः तुलया तोलयति।

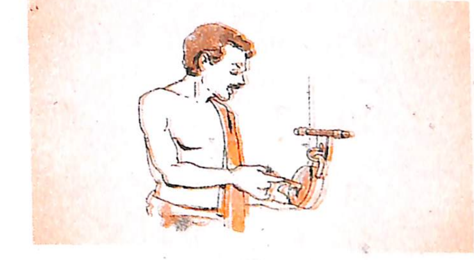

महिला


छुरिका


महिला छुरिकया कर्तयति।


परिचारकः

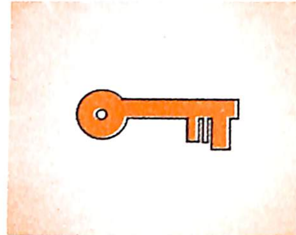
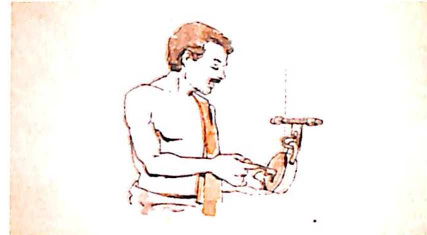

कुञ्चिका


परिचारकः कुञ्चिकया तालकम् उद्घाटयति।

अभ्यासः – 172

उदाहरणानुसारं वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Complete the sentences as shown in the example.]

उदा० – 1.	एषः	कुञ्चिका	एषः कुञ्चिकया तालकम् उद्घाटयति।
2.	वृद्धा	माला	वृद्धा .... जपति।
3.	पर्यटकः	नौका	.... भ्रमति।
4.	भक्तः	वर्तिका	.... अर्चति।
5.	आरक्षकः	कशा	.... प्रहरति।
6.	नृपः	शिविका	.... गच्छति।
7.	सैन्यः	शृङ्खला	.... बध्नाति।
8.	भीमः	गदा	.... ताडयति।
9.	आपणिकः	पेटिका	.... नयति।
10.	सर्पः	फणा	.... दशति।
11.	नाविकः	नौका	.... तोलयति।
12.	आरक्षकः	कशा	.... चौरं ताडयति।

4.3.2. (ख) ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां तृतीया-एकवचने प्रयोगाः



ध्यानेन पठन्तु—

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



बालिका



संमार्जनी



बालिका संमार्जन्या मार्जयति।



अध्यापिका



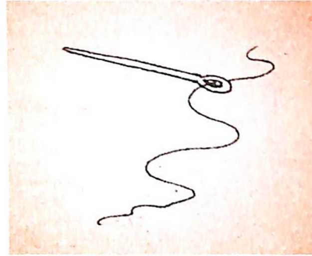
लेखनी



अध्यापिका लेखन्या लिखति।



सौचिकः



सूची



सौचिकः सूच्या वस्त्रं सीव्यति।



महिला



द्रोणी



महिला द्रोण्या जलम् आनयति।

अभ्यासः – 173

ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानां तृतीया–एकवचने प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०–	1.	जननी	–	दर्वी	1.	...जननी...	...दर्व्या...	आलोडयति।
	2.	गृहिणी	–	वेल्लनी	2.	....	....	निर्माति।
	3.	शिक्षकः	–	लेखनी	3.	....	....	लिखति।
	4.	चित्रकारः	–	अङ्कनी	4.	....	....	अङ्कयति।
	5.	वैज्ञानिकः	–	क्षेपणी	5.	....	....	गच्छति।
	6.	बालिका	–	कर्तरी	6.	....	....	कर्तयति।
	7.	गृहिणी	–	चालनी	7.	....	....	चालयति।
	8.	वैद्यः	–	औषधसूची	8.	....	....	चिकित्सति।
	9.	सः	–	कूपी	9.	....	....	जलं नयति।
	10.	सरिता	–	सूची	10.	....	....	सीव्यति।

अभ्यासः – 174

तृतीया–एकवचने विविधाः प्रयोगाः



उदाहरणानुगुणं कोष्ठके दत्तेन शब्देन सह तृतीयाविभक्तिं संयोज्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिये गये शब्दों के साथ तृतीयाविभक्ति जोड़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Complete the sentences by adding third case ending to the words given in the brackets.]

बालकः
1. ..कन्दुकेन.. कन्दुकम् क्रीडति।
2. .... सुधाखण्डः लिखति।
3. .... द्विचक्रिका गच्छति।
4. .... कूर्चः चित्रं रचयति।
5. .... यानम् गच्छति।

गृहिणी
6. .... अङ्कनी चित्रम् अङ्कयति।
7. .... वेल्लनी रोटिकाः निर्माति।
8. .... नौका नदीं तरति।
9. .... घटः जलम् आनयति।
10. .... चालनी तण्डुलं परिष्करोति।

वृद्धाः
11. .... दण्डः चलन्ति।
12. .... उपनेत्रम् पश्यन्ति।
13. .... पादौ गच्छन्ति।
14. .... चमसः खादन्ति।
15. .... कर्तरी कर्तयन्ति।

अभ्यासः – 175

तृतीया–एकवचने मिश्रिताः प्रयोगाः

कोष्ठगतेन शब्देन सह तृतीयां संयोज्य वाक्यं पूरयन्तु–

[कोष्ठ में दिये गये शब्द के साथ तृतीया जोड़कर वाक्य पूरा कीजिए। Complete the sentence by adding third case ending to the words given in brackets.]

बालकः

1. लेखनी ..लेखन्या... लिखति।
2. दण्डः .... कृष्णपटं दर्शयति।
3. अङ्गुली .... निर्दिशति।
4. हस्तः .... यानं स्थगयति।
5. अङ्गुली .... गणयति।

कृषकः

6. हलः ...हलेन... कर्षति।
7. कुम्भः .... सिञ्चति।
8. कुठारः .... छिनत्ति।
9. खनित्रम् .... खनति।
10. लवित्रम् .... लुनाति।

अभ्यासः – 176

तृतीयारूपाणि

उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रूपों को लिखिए। Write the forms in third case ending as shown in the examples.]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदा0– 1.	दण्डः –	दण्डेन	दण्डाभ्याम्	दण्डैः
2.	सुधाखण्डः –	....	....	....
3.	दीपः –	....	....	....
4.	वृक्षः –	....	....	....
5.	सर्पः –	....	....	....
6.	मकरः –	....	....	....
उदा0– 7.	यानम् –	यानेन	यानाभ्याम्	यानैः
8.	पुस्तकम् –	....	....	....
9.	सोपानम् –	....	....	....
10.	पुष्पम् –	....	....	....
11.	पदम् –	....	....	....
उदा0– 12.	द्विचक्रिका –	द्विचक्रिकया	द्विचक्रिकाभ्याम्	द्विचक्रिकाभिः
13.	लता –	....	....	....
14.	दोला –	....	....	....
15.	पुस्तिका –	....	....	....
16.	सन्दंशिका –	....	....	....
उदा0– 17.	लेखनी –	लेखन्या	लेखनीभ्याम्	लेखनीभिः
18.	घटी –	....	....	....
19.	सूची –	....	....	....
20.	दर्वी –	....	....	....

तृतीयारूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Read carefully.]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत्	पुं०	एतेन	एताभ्याम्	एतैः
	नपुं०	एतेन	एताभ्याम्	एतैः
	स्त्री०	एतया	एताभ्याम्	एताभिः
तत्	पुं०	तेन	ताभ्याम्	तैः
	नपुं०	तेन	ताभ्याम्	तैः
	स्त्री०	तया	ताभ्याम्	ताभिः
भवत्	पुं०	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः
	नपुं०	भवता	भवद्भ्याम्	भवद्भिः
	स्त्री०	भवत्या	भवतीभ्याम्	भवतीभिः
सर्व	पुं०	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
	नपुं०	सर्वेण	सर्वाभ्याम्	सर्वैः
	स्त्री०	सर्वया	सर्वाभ्याम्	सर्वाभिः
अस्मद्	पुं०	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
	नपुं०	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
	स्त्री०	मया	आवाभ्याम्	अस्माभिः
युष्मद्	पुं०	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
	नपुं०	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः
	स्त्री०	त्वया	युवाभ्याम्	युष्माभिः

अभ्यासः – 177

तृतीया–द्विवचने प्रयोगाः

✍ **चित्रानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[चित्रों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as per the pictures.]

उदा0–

वयं

1. नेत्राभ्यां .... पश्यामः।
2. .... शृणुमः।
3. .... चलामः।
4. .... नयामः।

अभ्यासः – 177+

✍ **उदाहरणानुगुणं तृतीयाद्विवचनरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार तृतीया द्विवचन के रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with words ending in third case.]

उदा0– 1. कुलालः (दण्डौ) ....दण्डाभ्या..... वस्तु उन्नयति।
2. अर्चकः (दर्भौ) .... जलं सिञ्चति।
3. माता (चषकौ) .... क्षीरं शीतलीकरोति।
4. पाचकः (चुल्ल्यौ) .... पाकं करोति।
5. अर्जुनः (हस्तौ) .... बाणप्रयोगं करोति।
6. सा (अङ्गुल्यौ) .... शब्दं करोति।
7. कर्मकरी (द्रोण्यौ) .... जलम् आनयति।
8. कृषकः (वृषभौ) .... क्षेत्रं कर्षति।
9. मातुलः (मुष्ट्यौ) .... प्रहरति।
10. कारयानं (चक्रे) .... न चलति।
11. बालकः (नेत्रे) .... पश्यति।

त्रिषु वचनेषु तृतीयायाः प्रयोगाः [पादेन / पादाभ्याम्/ पादैः]



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Read carefully.]

बकः	एकेन पादेन	तिष्ठति।
वयं	पादाभ्यां	चलामः।
हरिणाः	पादैः	चलन्ति।

अभ्यासः – 178

पादेन / पादाभ्याम् / पादैः



रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks.]

उदा0– 1. गजाः ....पादैः.... चलन्ति।

2. अश्वाः .... चलन्ति।

3. मनुष्याः ..पादाभ्याम्.. चलन्ति।

4. खञ्जाः .... चलन्ति।

5. बकाः .... चलन्ति।

6. वानराः .... चलन्ति।

7. जनाः .... चलन्ति।

8. वनमानवाः .... चलन्ति।

9. शुकाः .... चलन्ति।

10. चटकाः .... चलन्ति।

अभ्यासः – 179

तृतीयायाः त्रिषु वचनेषु प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं अथवा कोष्ठगतेन शब्देन सह तृतीयाविभक्तिं संयोज्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार कोष्ठ में दिये गये शब्दों के साथ तृतीया विभक्ति जोड़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Complete the following sentences by adding third case ending to the words given in brackets.]

लिखति	शृणोति	पश्यति	गच्छति

		कः	केन	किं	करोति ?
यथा–	1.	वृद्धः	...दण्डेन...	(दण्डः)	गच्छति।
	2.	छात्रः	....	(लेखनी)	लिखति।
	3.	वयं	....	(कर्णौ)	शृणुमः।
	4.	वयं	....	(पादौ)	चलामः।
	5.	वयं	....	(हस्तः)	लिखामः।
	6.	वयं	....	(मुखम्)	वदामः।
	7.	वयं	....	(जिह्वा)	माधुर्यम् अनुभवामः।
	8.	भक्ताः	....	(हृदयम्)	ईश्वरम् अर्चन्ति।
	9.	सिंहाः	....	(नखाः)	जीवान् पीडयन्ति।
	10.	जनाः	....	(नेत्रे)	पश्यन्ति।
	11.	वानराः	....	(दन्ताः)	खादन्ति।
	12.	गृहिण्यः	....	(घटाः)	जलम् आनयन्ति।
	13.	बालिका	....	(चमसः)	मिश्रयति।
	14.	बालकः	....	(नासिका)	जिघ्रति।
	15.	महिला	....	(कङ्कतम्)	प्रसाधयति।

अभ्यासः – 180

तृतीयायाम् अन्ये प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं कोष्ठगते शब्दे तृतीयां संयोज्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार कोष्ठ में दिये गये शब्दों में तृतीया विभक्ति जोड़कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Complete the following sentences by adding third case ending to the words given in brackets.]

उदा०– 1. वयम् ......आनन्देन...... निवसामः। (आनन्दः)
2. ते .... जीवन्ति। (कष्टम्)
3. सः .... वसति। (सुखम्)
4. हरीशः .... तिष्ठति। (सन्तोषः)
5. शिक्षकः .... ताडयति। (कोपः)
6. अलसः .... जीवति। (आलस्यम्)
7. जननी .... पाकं करोति। (अनायासः)
8. दुःखितः .... वदति। (उद्वेगः)
9. सन्तुष्टः .... जीवति। (वैराग्यम्)
10. जनाः .... निवसन्ति। (शान्तभावः)
11. ताः .... कालं यापयन्ति। (वार्तालापः)
12. एताः .... दिनं यापयन्ति। (जल्पनम्)
13. वृद्धः .... घण्टां यापयति। (पठनम्)
14. बालकः .... द्विचक्रिकां चालयति। (क्रीडा)
15. सचिवः .... सन्तोषं जनयति। (आगमनम्)
16. गृहजनः .... स्वागतीकरोति। (आदरः)
17. अलसः .... कार्यं करोति। (उपेक्षा)
18. त्वम् .... मा व्यवहर। (ईर्ष्या)
19. दरिद्रः .... धनिकं पश्यति। (असूया)
20. भवान् .... कीर्तिं प्राप्नोतु। (त्यागः)

अभ्यासः – 181

भाववाचकानां प्रयोगे तृतीया

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा० – 1.	सः	.....समीचीनतया....	लिखति।	(समीचीनता)
2.	अध्यापकः	....	पाठयति।	(सरलता)
3.	छात्रा	....	लिखति।	(स्पष्टता)
4.	चित्रकारः	....	चित्रं करोति।	(सुचारुता)
5.	कृषकः	....	कर्षति।	(पूर्णता)
6.	व्याख्याकारः	....	व्याख्यां करोति।	(स्पष्टता)
7.	कविः	....	निवसति।	(एकाकिता)
8.	महिला	....	व्यवहरति।	(भीरुता)
9.	राक्षसः	....	गर्जति।	(भयङ्करता)
10.	व्याघ्रः	....	पश्यति।	(क्रूरता)
11.	तरुणी	....	लिखति।	(सुन्दरता)
12.	सः	....	कटं प्रसारयति।	(विशालता)
13.	सज्जनः	....	जीवति।	(ऋजुता)
14.	जननी	....	पाकं कृतवती।	(मधुरता)
15.	वैद्यः	....	शल्यचिकित्सां कृतवान्।	(समर्थता)
16.	ग्रन्थकारः	....	ग्रन्थं रचयति।	(विस्तृतता)
17.	कथाकारः	....	कथां कथयति।	(मनोरञ्जकता)
18.	ग्रामीणः	....	नगरं दृष्टवान्।	(इदम्प्रथमता)
19.	ऐन्द्रजालिकः	....	कौशलं दर्शयति।	(आकस्मिकता)

अभ्यासः – 182

तृतीयायां मिश्रिताः प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा०– 1. बालकः (द्विचक्रिका) ....द्विचक्रिकया..... गच्छति।
2. वैदेशिकाः (विमानम्) .... भारतं द्रष्टुम् आगच्छन्ति।
3. नवपरिणीता (शिबिका) .... श्वसुरगृहं गच्छति।
4. वयम् (अश्वशकटः) .... गच्छामः।
5. यूयं (रथः) .... कुत्र गच्छथ ?
6. जनाः (लोकयानम्) .... यात्रां कुर्वन्ति।
7. एतौ (वृषभशकटः) .... ग्रामं गच्छतः।

उदा०– 8. अहं (संस्कृतम्) ...संस्कृतेन......... वदामि।
9. गूर्जराः (गूर्जरभाषा) .... वदन्ति।
10. भारतीयाः (राष्ट्रभाषा) .... वदन्ति।
11. बालकाः (मातृभाषा) .... व्यवहरन्ति।
12. इदानीं केचन एव (पालीभाषा) .... वक्तुं शक्नुवन्ति।
13. इदानीं लक्षाधिकाः जनाः (संस्कृतभाषा) .... व्यवहरन्ति।

उदा०– 14. एतां लेखनीम् अहं (विंशतिरूप्यकाणि) विंशतिरूप्यकैः... क्रीतवती।
15. सा (एकं रूप्यकम्) .... चाकलेहं क्रेतुम् इच्छति।
16. वयं (दशरूप्यकाणि) .... चलचित्रचिटिकां क्रीत्वा चलचित्रं पश्यामः।
17. एते धनिकाः (सहस्त्ररूप्यकाणि) .... वायुयानचिटिकां क्रीत्वा भ्रमितुं गच्छन्ति।
18. आवां (द्वे रूप्यके) इच्छावः .... फलं क्रेतुम् इच्छावः।
19. ताः (शतरूप्यकाणि) .... वस्त्राणि क्रीतवत्यः।
20. एषः (लक्षरूप्यकाणि) .... भवनं क्रीतवान्।



सह—योगे तृतीया

ध्यानेन पठन्तु—

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



जनकः



पुत्रः



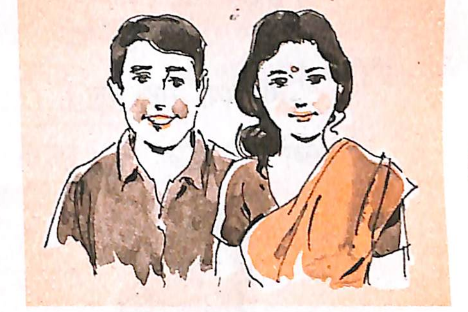
जनकः **पुत्रेण** सह अस्ति।



अनुजः



अग्रजा



अनुजः **अग्रजया** सह उपविशति।



वृद्धा



पौत्री



वृद्धा **पौत्र्या** सह उपविशति।



पुत्रः



जननी



पुत्रः जनन्या सह गच्छति।



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



त्वं मया सह चल।



अहं भवता सह आगच्छामि।



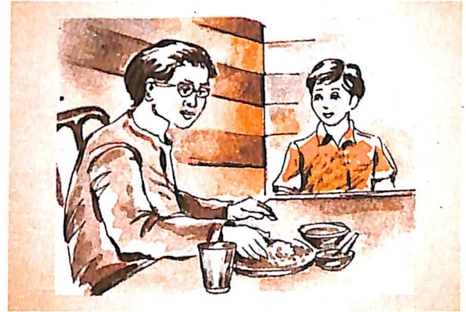
त्वं मया सह आगच्छ।



त्वं मया सह उपरि चल।



त्वं मया सह क्रीड।



अहं भवता सह खादामि।

अभ्यासः – 183

सह–योगे तृतीया

 **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the examples.]

अहं			
उदा०– 1.	...पुत्रेण...	पुत्रः	सह खेलामि।
2.	....	जनाः	सह तरामि।
3.	....	जनकः	सह वार्तालापं करोमि।
4.	....	मित्रम्	सह गृहं गच्छामि।
5.	....	अनुजः	सह आगच्छामि।

आवां			
उदा०– 1.	...त्वया...	त्वम्	सह गच्छावः।
2.	....	मित्रम्	सह भ्रमावः।
3.	....	भवान्	सह चलावः।
4.	....	लता	सह उपविशावः।
5.	....	सः	सह वदावः।

वयं			
उदा०– 1.	...मित्रैः...	मित्राणि	सह पठामः।
2.	....	बालकाः	सह धावामः।
3.	....	छात्राः	सह निवसामः।
4.	....	बालिका	सह खादामः।
5.	....	पर्यटकाः	सह दर्शनं कुर्मः।

अभ्यासः – 184

सह–योगे तृतीया

 **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०– 1.	रामः	सीता	रामः ...सीतया..... सह गच्छति।
2.	कृष्णः	राधा	.... विहरति।
3.	मोहनः	राकेशः	.... भ्रमति।
4.	कृषकः	हलम्	.... क्षेत्रं गच्छति।
5.	मित्रम्	मित्रम्	.... आलपति।
6.	अध्यापकः	शिष्यः	.... उपविशति।
7.	जननी	पुत्री	.... अन्नं पचति।
8.	अनुराधा	मातुलः	.... आपणं गच्छति।
9.	भगिनी	अग्रजः	.... विद्यालयं गच्छति।
10.	सुधीरः	पत्नी	.... चलचित्रं द्रष्टुम् इच्छति।
11.	वृद्धः	वृद्धा	.... वार्त्तां करोति।
12.	बालिकाः	अध्यापिकाः	.... राष्ट्रगीतं गायन्ति।
13.	सचिवः	लिपिकाराः	.... आलपति।
14.	प्रबन्धकः	कर्मकराः	.... व्यवस्थां पश्यति।
15.	अभिनायकाः	अभिनेत्र्यः	.... नृत्यन्ति।

अभ्यासः – 185

सर्वनामशब्दानां तृतीयारूपाणि

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि तृतीयान्तपदैः पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार तृतीयान्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । Fill in the blanks with words ending in third case as per the example.]

उदा०–	1.	......मया......	(अहम्)	
	2.	....	(भवान्)	
	3.	....	(भवती)	
	4.	....	(सः)	
	5.	....	(एषः)	
	6.	....	(सा)	
	7.	....	(त्वम्)	
	8.	....	(एषा)	
	9.	....	(वयम्)	
सः	10.	....	(भवन्तः)	सह गच्छति ।
	11.	....	(यूयम्)	
	12.	....	(भवत्यः)	
	13.	....	(ते छात्राः)	
	14.	....	(ताः बलिकाः)	
	15.	....	(एतौ)	
	16.	....	(आवाम्)	
	17.	....	(युवाम्)	
	18.	....	(भक्तौ)	
	19.	....	(भवत्यौ)	
	20.	....	(तौ)	

अभ्यासः – 186

सह–योगे तृतीयाप्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानेषु तृतीया बहुवचनरूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों में तृतीया विभक्ति के बहुवचन के रूपों को लिखिए। Fill in the blanks with words in third case ending in plural number as per the example.]

उदा०–	1. ते ..अस्माभिः.. सह क्रीडन्ति।	(वयम्)
	2. वयं .... सह पठामः।	(ताः)
	3. अहं .... सह खेलामि।	(यूयम्)
	4. सः .... सह आगच्छति।	(भवन्तः)
	5. यूयं .... सह क्रीडथ।	(वानराः)
	6. जननी .... सह गच्छति।	(बालिकाः)
	7. गोपालः .... सह प्रत्यागच्छति।	(वत्साः)
	8. त्वं .... सह आगच्छ।	(मित्राणि)
	9. सा .... सह सम्भाषणं करोति।	(ते बालिके)
	10. जननी .... सह पचति।	(पुत्र्यः)
	11. .... सह का आसीत् ?	(भवत्यः)
	12. .... सह अध्यापिका आसीत्।	(वयम्)
	13. .... सह मृदुतया व्यवहरतु।	(सर्वे)
	14. ग्रामीणः .... सह विपणिं गच्छति।	(परिवारजनाः)
	15. भवन्तः .... सह मा भ्रमन्तु।	(दुष्टाः)
	16. सर्वे जनाः .... सह उपवेष्टुम् इच्छन्ति।	(सज्जनाः)
	17. अध्यापकः .... सह पुस्तकालयं गच्छति।	(वयम्)
	18. यूयम् .... सह कुत्र अगच्छत ?	(एताः)
	19. पुत्रः .... सह गन्तुम् इच्छति।	(जननी)
	20. वयम् .... सह उपवेष्टुम् इच्छामः।	(एते बालिके)

अभ्यासः – 187

सह–योगे तृतीयाप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं तृतीयान्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार तृतीयान्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with words ending in third case as per the example.]

उदा०–	1.	छात्राः	..अध्यापकैः..	सह प्रयोगशालां गच्छन्ति।	(अध्यापकाः)
	2.	बालिकाः	....	सह देवालयम् आगच्छन्ति।	(सख्यः)
	3.	वृद्धः	....	सह आपणं गच्छति।	(बालकः)
	4.	यूयम्	....	सह कन्दुकेन क्रीडत।	(वयम्)
	5.	वयं	....	सह चायं पिबामः।	(यूयम्)
	6.	अहम्	....	सह न वदामि।	(एते)
	7.	तरुणाः	....	सह भ्रमणं कुर्वन्ति।	(वृद्धाः)
	8.	कुक्कुराः	....	सह धावन्ति।	(वानराः)
	9.	वत्साः	....	सह जलं पिबन्ति।	(अजाः)
	10.	हंसाः	....	सह तरन्ति।	(बकाः)

4.3.3 विना–योगे तृतीया



ध्यानेन पठन्तु–

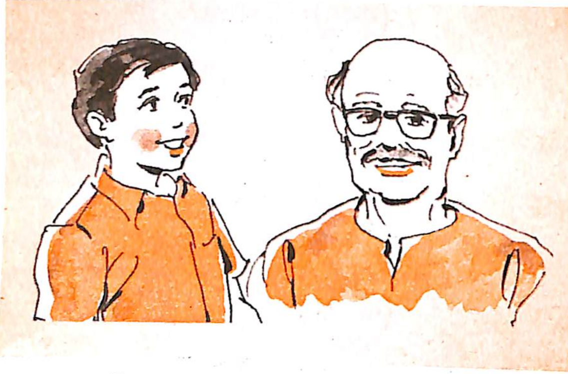
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



रामेण ....सह.... सीता अस्ति।



रामेण <u>विना</u> सीता अस्ति।



पुत्रेण <u>सह</u> जनकः अस्ति।



पुत्रेण <u>विना</u> जनकः अस्ति।

अभ्यासः — 188

विना–योगे तृतीया प्रयोगाः

मञ्जूषातः उचितं पदं चित्वा तस्य उचितेन रूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[मञ्जूषा में प्रदत्त पदों के उचितरूपों से रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with suitable forms of words from the box.]

उदा०– 1. मीनाः ....जलेन..... विना न जीवन्ति।

2. बालः .... विना रोदिति।

3. दुर्जनाः .... विना न तिष्ठन्ति।

4. महिलाः .... विना न उपविशन्ति।

5. अध्यापकाः .... विना न वसन्ति।

6. बालकाः .... विना मूर्खाः भवन्ति।

7. जनाः .... विना दुर्बलाः भवन्ति।

8. वृद्धः .... विना न चलति।

9. अन्धकारः .... विना न अपगच्छति।

अपकारः,	*जलम्,*	*अन्नम्*	*वार्ता,*
पुस्तकानि,	*अध्ययनम्,*	*सूर्यः,*	*दुग्धम्,*
दण्डः			

अभ्यासः – 189

विना–योगे तृतीयाप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०– 1. जननी ....पुत्राभ्यां.... विना आपणं गतवती। (पुत्रौ)

2. अध्यापकाः .... विना प्रयोगशालां गच्छन्ति। (छात्राः)

3. मीनाः .... विना न जीवन्ति। (जलम्)

4. सुखं .... विना न मिलति। (दुःखम्)

5. लेखकः .... विना न तिष्ठति। (पुस्तकानि)

6. कुमुदम् .... विना न विकसति। (चन्द्रः)

7. खगः .... विना न गच्छति। (पतत्रे)

8. खाद्यं .... विना रुचिकरं न भवति। (लवणम्)

9. गृहं .... विना निरर्थकं भवति। (गृहिणी)

10. शास्त्रम् .... विना नश्यति। (अभ्यासम्)

अभ्यासः – 190

सह / विना – योगे तृतीयाप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

उदा०– 1. ....रामः. ....सीतया.. | रामः / सीता | सह वनं गच्छति।

2. .... | लक्ष्मणः / उर्मिला | विना वनं गच्छति।

3. .... | जननी / पुत्री | विना न तिष्ठति।

4. .... | जनकः / पुत्रः | सह मन्दिरम् आगच्छति।

5. .... | दशरथः / रामः | विना न जीवति।

6. .... | अनुजः / अग्रजः | सह प्रातः भ्रमणं करोति।

7. .... | स्वास्थ्यम् / व्यायामः | विना न भवति।

8. .... | कमलम् / सूर्यः | विना न विकसति।

9. .... | शास्त्राभ्यासः / पठनम् | विना न भवति।

10. .... | कमलम् / पङ्कः | विना न भवति।

चतुर्थः स्तबकः

4.4. चतुर्थः पाठः

[चतुर्थी]

 **ध्यानेन पठन्तु—**

4.4.1. दानार्थे चतुर्थी

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



गृहिणी



भिक्षुकः



गृहिणी भिक्षुकाय भिक्षां यच्छति (ददाति)।



कर्णः



इन्द्रः



कर्णः इन्द्राय कवचं कुण्डलं च यच्छति।



एकलव्यः



द्रोणाचार्यः



एकलव्यः द्रोणाचार्याय अङ्गुष्ठं यच्छति।



शिष्यः



आचार्यः



शिष्यः आचार्याय गुरुदक्षिणां ददाति।



जननी



बालकः



जननी बालकाय दुग्धं यच्छति ।



अग्रजः



अनुजा



अग्रजः अनुजायै वस्त्रं ददाति ।



पतिः



पत्नी



पतिः पत्न्यै उपहारं ददाति ।



जनकः



पुत्री



जनकः पुत्र्यै धनं ददाति ।

अभ्यासः – 191

दानार्थे चतुर्थी

अधोलिखितानि वाक्यानि उदाहरणानुगुणं पूरयन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार अधोलिखित वाक्यों की पूर्ति कीजिए। Complete the following sentences as shown in the examples.]

उदा०– 1. जननी, ..पुत्रः...... ।	1.	जननी ...पुत्राय... मोदकं.. यच्छति ददाति।
2. अध्यापकः, छात्रः ।	2.	अध्यापकः .... पुस्तकं यच्छति।
3. भक्तः, सूर्यः ।	3.	.... अर्घ्यं यच्छति।
4. अर्चकः, देवः ।	4.	.... पुष्पं यच्छति।
5. पूजकः, भक्तः ।	5.	.... प्रसादं यच्छति।
उदा०– 6. अग्रजः, ..अनुजा.. ।	6.	...अग्रजः... ..अनुजायै अङ्गनीं यच्छति।
7. जनकः, कन्या ।	7.	.... कर्कटीं यच्छति।
8. बालकः, पाचिका ।	8.	.... वेल्लनीं यच्छति।
9. शिक्षकः, छात्रा ।	9.	.... लेखनीं यच्छति।
10. गृहिणी, बुभुक्षिता ।	10.	.... भोजनं यच्छति।
उदा०– 11. जननी, ...पुत्री.. ।	11.	...जननी... ...पुत्र्यै.. मालां यच्छति।
12. गृहस्थः, गृहिणी ।	12.	.... शाटिकां यच्छति।
13. पाचकः, विद्यार्थिनी ।	13.	.... रोटिकां यच्छति।
14. धनिकः, भिक्षुकी ।	14.	.... वस्त्रं यच्छति।
15. वैद्यः, नन्दिनी ।	15.	.... औषधं यच्छति।

अभ्यासः – 192

चतुर्थीरूपाणि

✍ उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the examples.]

			एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
उदा०–	1.	दण्डः –	दण्डाय	दण्डाभ्याम्	दण्डेभ्यः।
पुं०–	2.	सुधाखण्डः –	....	....	............।
	3.	वृक्षः –	....	....	............।
	4.	सर्पः –	....	....	............।
	5.	दीपः –	....	....	............।
	6.	रामः –	....	....	............।
नपुं०–	7.	यानम् –	यानाय	यानाभ्याम्	यानेभ्यः।
	8.	सोपानम् –	....	....	............।
	9.	पुस्तकम् –	....	....	............।
	10.	पत्रम् –	....	....	............।
	11.	पुष्पम् –	....	....	............।
	12.	यन्त्रम् –	....	....	............।
स्त्री०–	13.	द्विचक्रिका –	द्विचक्रिकायै	द्विचक्रिकाभ्याम्	द्विचक्रिकाभ्यः।
	14.	लता –	....	....	............।
	15.	माला –	....	....	............।
	16.	पुस्तिका –	....	....	............।
	17.	पाठशाला –	....	....	............।
	18.	शाटिका –	....	....	............।
	19.	अङ्कनी –	अङ्कन्यै	....	अङ्कनीभ्यः।
	20.	लेखनी –	....	....	............।
	21.	घटी –	....	....	............।
	22.	सूची –	....	....	............।
	23.	गृहिणी –	....	....	............।
	24.	दर्वी –	....	....	............।

सर्वनामशब्दानां चतुर्थीरूपाणि



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत्	पुं०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
	नपुं०	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
	स्त्री०	एतस्यै	एताभ्याम्	एताभ्यः ।
तत्	पुं०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः ।
	नपुं०	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः ।
	स्त्री०	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्यः ।
भवत्	पुं०	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः ।
	नपुं०	भवते	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः ।
	स्त्री०	भवत्यै	भवतीभ्याम्	भवतीभ्यः ।
सर्व	पुं०	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः ।
	नपुं०	सर्वस्मै	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः ।
	स्त्री०	सर्वस्यै	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः ।
अस्मद्	पुं०	मह्यम्	आवाभ्याम्	अस्मभ्यम् ।
	नपुं०	मह्यम्	आवाभ्याम्	अस्मभ्यम् ।
	स्त्री०	मह्यम्	आवाभ्याम्	अस्मभ्यम् ।
युष्मद्	पुं०	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम् ।
	नपुं०	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम् ।
	स्त्री०	तुभ्यम्	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम् ।

अभ्यासः – 193

क्रियार्थायां क्रियायां चतुर्थी

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

वालकाः **किमर्थं** विद्यालयं गच्छन्ति ? ....अध्ययनाय... (अध्ययनम्)

उदा०–1. छात्राः **किमर्थं** विद्यालयं गच्छन्ति ? छात्राः .अध्ययनाय..... विद्यालयं गच्छन्ति। (अध्ययनम्)

2. तरुणाः **किमर्थं** चित्रालयं गच्छन्ति ? .... (चलचित्रदर्शनम्)

3. छात्राः **किमर्थं** पठन्ति ? .... (ज्ञानार्जनम्)

4. जनाः **किमर्थं** वायुविहारं कुर्वन्ति ? .... (स्वास्थ्यरक्षणम्)

5. जनाः **किमर्थं** भोजनं कुर्वन्ति ? .... (जीवनम्)

6. बालः **किमर्थं** रोदनं करोति ? .... (दुग्धपानम्)

7. पर्यटकाः **किमर्थम्** आगच्छन्ति ? .... (भ्रमणम्)

8. वालकाः **किमर्थं** कोलाहलं कुर्वन्ति ? .... (गृहगमनम्)

9. जनाः **किमर्थं** तत्र समवेताः सन्ति ? ....(अवलोकनम्)

10. युवकः **किमर्थं** योगासनं करोति ? .... (आरोग्यवर्धनम्)

अभ्यासः – 194

प्रश्नः– किमर्थम् ..... ?
उत्तरम्– ....

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the example.]

यथा– 1. वयं किमर्थं विद्यालयं गच्छामः ?
वयम्... अध्ययनाय विद्यालयं.. गच्छामः.. । (अध्ययनम्)

2. यूयं किमर्थं प्रयागं गच्छथ ?
.... । (गङ्गास्नानम्)

3. जनाः किमर्थं मुम्बईनगरीं गच्छन्ति ?
.... । (समुद्रदर्शनम्)

4. पाचकः किमर्थं पाकशालां गच्छति ।
.... । (भोजननिर्माणम्)

5. वृक्षाः किमर्थं फलन्ति ?
.... । (परोपकारः)

6. वयं किमर्थं प्रार्थनां कुर्मः ?
.... । (मानवकल्याणम्)

7. ते किमर्थं मन्दिरं गच्छन्ति ?
.... । (अर्चनम्)

8. त्वं किमर्थं विदेशं गच्छसि ?
.... । (अनुसन्धानम्)

9. भवत्यौ किमर्थं जलाशयं गच्छतः ?
.... । (नौकाविहारः)

10. भवत्यः किमर्थं भोजनालयं गच्छन्ति ?
.... । (भोजनम्)

अभ्यासः – 195

किमर्थम् / कस्मै

उत्तराणि दृष्ट्वा उदाहरणानुगुणं प्रश्नान् लिखन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार उत्तरों को देखकर प्रश्नों को लिखिए। Read the examples carefully and then frame questions to the given answers.]

उदा०– उ०– हरीशः भोजनाय गच्छति।
प्र०– ..हरीशः.. किमर्थं ..गच्छति.. ?

1. उ०– छात्रः अध्ययनाय वसति।
प्र०– .... ?

उदा०– 2. उ०– नृपः ग्रन्थकाराय पुरस्कारं ददाति।
प्र०– ..नृपः... ..कस्मै.. पुरस्कारं.. ..ददाति... ?

3. उ०– धनिकः भिक्षुकाय धनं ददाति ?
प्र०– .... ?

4. उ०– वृद्धः प्रातः भ्रमणाय गच्छति।
प्र०– .... ?

5. उ०– क्रीडकः क्रीडनाय गच्छति।
प्र०– .... ?

6. उ०– जनकः देवाय अर्घ्यम् अर्पयति।
प्र०– .... ?

7. उ०– यतिवरः ध्यानाय उपविशति।
प्र०– .... ?

8. उ०– बालकः पठनाय आगच्छति।
प्र०– .... ?

9. उ०– आञ्जनेयः रामाय चूडामणिं ददाति।
प्र०– .... ?

10. उ०– भक्तः देवाय निवेदयति।
प्र०– .... ?

अभ्यासः – 196

दानार्थे चतुर्थी प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the examples.]

कर्ता	क्रमः	रिक्तस्थानम्	शब्दः	कर्म	क्रिया
नृपः	1.	..भिक्षुकेभ्यः..	भिक्षुकाः	भिक्षां	यच्छति/ददाति
	2.	....	निर्धनाः	धनं	
	3.	....	अध्यापकाः	उपायनानि	
	4.	....	बालकाः	मोदकानि	
	5.	....	ब्राह्मणः	क्षेत्रं	
जननी	6.	....पुत्राय....	पुत्रः	खाद्यं	यच्छति/ददाति
	7.	....	कन्या	शाटिकां	
	8.	....	रजकी	वस्त्रं	
	9.	....	बालिका	फलं	
	10.	....	बालिकाः	पुस्तकानि	
वृद्धा	11.	...प्रपौत्राय...	प्रपौत्रः	उपदेशं	यच्छति/ददाति
	12.	....	विनम्राः	आशीर्वादं	
	13.	....	आश्रिताः	रूप्यकाणि	
	14.	....	दुर्जनः	अभिशापं	
	15.	....	प्रपौत्री	मोदकानि	

अभ्यासः – 197

दानार्थे चतुर्थी–प्रयोगाः

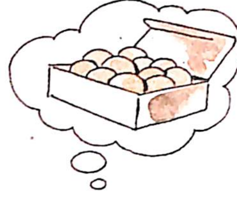
उदाहरणानुगुणं चतुर्थ्यन्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार चतुर्थ्यन्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks with words ending in fourth (dative) case as shown in the examples.]

उदा०–	1.	भगिनी	..अनुजाय..	अनुजः	मोदकं यच्छति/ददाति।
	2.	पुत्री	...जनन्यै...	जननी	रोटिकां यच्छति/ददाति।
	3.	शिक्षकाः	....	छात्राः	पुस्तकानि यच्छन्ति/ददति।
	4.	त्वं	....	अहम्	अङ्कनीं यच्छसि/ददासि।
	5.	युवां	....	भिक्षुकौ	नाणके यच्छथः/दत्थ।
	6.	सः	....	भगिनी	उपायनं यच्छति/ददाति।
	7.	भवान्	....	सौचिकः	वस्त्रं यच्छति/ददाति।
	8.	भवती	....	सा	किं यच्छति/ददाति ?
	9.	अहं	....	मित्रम्	घटीं यच्छामि/ददामि।
	10.	नन्दिनी	....	त्वम्	सुधाखण्डं यच्छति/ददाति।

4.4.2 रोचतेः प्रयोगे चतुर्थी

'अ' भागस्य शब्देभ्यः समुचितविभक्तिप्रयोगेण 'आ' भागे वाक्यानि पूरयन्तु–
['अ' भाग के शब्दों से समुचित विभक्ति का प्रयोग करते हुए 'आ' भाग में वाक्यों को पूरा कीजिए। Complete the following sentences in part 'अ' joining the proper ending with words given in part 'आ']





मह्यं मोदकं रोचते।

	(अ)		(आ)
उदा०– 1.	बालकः, मोदकम्।	1.	....बालकाय.... मोदकं रोचते।
2.	श्रेष्ठः, आदरः।	2.	.... रोचते।
3.	मित्रम्, स्नेहः।	3.	.... रोचते।
4.	देवः, भक्तिः।	4.	.... रोचते।
5.	मीनः, जलम्।	5.	.... रोचते।
6.	सर्पः, पवनः।	6.	.... रोचते।
7.	बालिका, पुष्पम्।	7.	.... रोचते।
8.	यतिवरः, आश्रमः।	8.	.... रोचते।
9.	अहम्, कदलीफलम्।	9.	.... रोचते।
10.	वयम्, संस्कृतम्।	10.	.... रोचते।

अभ्यासः – 198

रोचतेः प्रयोगे चतुर्थी

कस्मै रोचते, कस्मै न रोचते इति कोष्ठके निर्दिष्टम् अस्ति। तत्र चतुर्थीविभक्तिं संयोज्य वाक्यानि रचयन्तु–

[किसको क्या अच्छा लगता है और क्या नहीं ? यह कोष्ठ मे प्रदर्शित है। उस शब्द में चतुर्थी विभक्ति जोड़कर वाक्यों की रचना कीजिए। What is liked and what is not liked bywhom is shown in the brackets. Complete the sentences by adding fourth case-ending to them.]

उदा0–	(बालकः)	...बालकाय...	मधुरं रोचते।
	(एषः)	...एतस्मै.....	अम्लं न रोचते।
1.	(सः)	....	कलहः न रोचते।
2.	(सीता)	....	पायसं रोचते।
3.	(अहम्)	....	संस्कृतं रोचते।
4.	(सा)	....	गणितं न रोचते।
5.	(वयम्)	....	मधुरं रोचते।
6.	(माला)	....	चित्रं रोचते।
7.	(पण्डिताः)	....	वादः रोचते।
8.	(मूर्खाः)	....	शास्त्रं न रोचते।
9.	(अध्यापकः)	....	अध्यापनं रोचते।
10.	(पुत्री)	....	गीतं रोचते।
11.	(पुत्रः)	....	क्रीडा रोचते।
12.	(जनकः)	....	चित्रं रोचते।
13.	(जननी)	....	चित्रं न रोचते।
14.	(एषा)	....	ओदनं रोचते।
15.	(सा)	....	रोटिका न रोचते।
16.	(पितामही)	....	पुराणं रोचते।
17.	(पितामहः)	....	चलचित्रगानं न रोचते।
18.	(छात्राः)	....	क्रीडा रोचते।
19.	(मित्रम्)	....	कार्यं रोचते।
20.	(अलसः)	....	कार्यं न रोचते।

अभ्यासः – 199

4.4.3 तादर्थ्ये चतुर्थी

 **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Fill in the blanks as shown in the examples.]

जननी → आनयति

1. .....मह्यं.... | अहम् | मिष्टान्नम्
2. .... | त्वम् | फलम्
3. .... | सा | शाटिकाम्
4. .... | सः | लेखनीम्
5. .... | एषः | अङ्कनीम्

शिक्षकः → आनयति

6. ....छात्रेभ्यः.. | छात्राः | पुस्तकानि
7. .... | छात्रा | अङ्कनीम्
8. .... | चित्रकारः | पटम्
9. .... | गवेषकाः | पठनसामग्रीम्
10. .... | पुत्रः | मोदकम्

एषा → आनयति

11. ...शिक्षकाय.. | शिक्षकः | सुधाखण्डम्
12. .... | यूयम् | तक्रम्
13. .... | आवाम् | उपाहारम्
14. .... | एते | फलम्
15. .... | वयम् | जलम्

त्वम् →			← क्रीणासि
16. ...एताभ्यां...	एतौ	वस्त्राणि	
17.	सः	फलं	
18.	ते	पुस्तकानि	
19.	एषा	मालां	
20.	तौ	लेखन्यौ	

अहम् →			← क्रीणामि
21. .....तुभ्यं.....	त्वम्	कागदं	
22.	युवाम्	कर्कटीः	
23.	ताः	करवस्त्राणि	
24.	एताः	शाटिकाः	
25.	भवती	पुष्पं	

जनकः →			← नयति
26.	लता	मोदकं	
27.	सुदेशः	फलानि	
28.	ताः	शाटिकाः	
29.	जननी	आभूषणानि	
30.	अनुजौ	वस्त्राणि	

अभ्यासः – 200

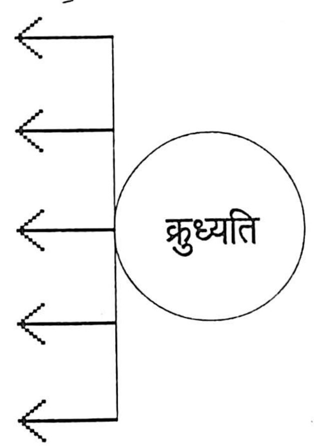
4.4.4 क्रुध्–द्रुह्–असूया–ईर्ष्या–प्रयोगे चतुर्थी

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानेषु चतुर्थ्यन्तरूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्तस्थानों में चतुर्थी विभक्ति के रूपों को लिखिए। Write down the forms of fourth case-ending in the given blanks.]

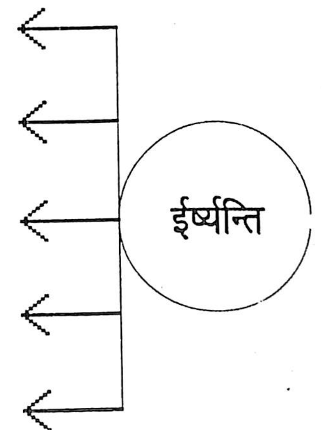
I ...कः... ....कस्मै...... ..क्रुध्यति ... ?

उदा०– 1.	रावणः	....रामाय....	रामः
2.	कंसः	....	कृष्णः
3.	दुर्योधनः	....	युधिष्ठिरः
4.	कर्णः	....	अर्जुनः
5.	दुर्जनः	....	सज्जनः



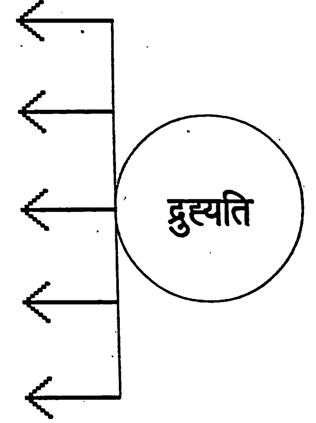
II ...कः... ....कस्मै...... ..ईर्ष्यति ... ?

उदा०– 6.	देवाः	..राक्षसेभ्यः...	राक्षसाः
7.	राक्षसाः	....	देवाः
8.	कौरवाः	....	पाण्डवाः
9.	खलाः	....	सज्जनाः
10.	निर्धनाः	....	धनिकाः



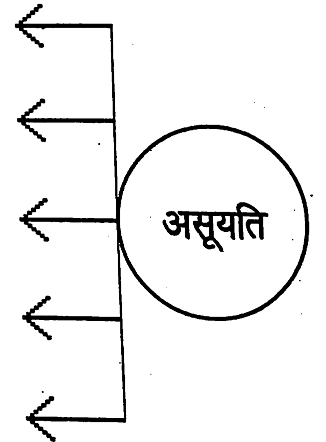
III ...कः... ....कस्मै...... ..द्रुह्यति.... ?

उदा०– 11.	ताडका	...रामाय....	रामः
12.	पूतना	....	कृष्णः
13.	तारकासुरः	....	कुमारः
14.	महिषासुरः	....	दुर्गा
15.	शुक्राचार्यः	....	देवाः



IV ...कः..... ...कस्मै............ ...असूयति.... ?

उदा०– 16.	चोरः	.सज्जनेभ्यः..	सज्जनाः
17.	शूर्पणखा	....	रामलक्ष्मणौ
18.	नकुलः	....	सर्पाः
19.	महिला	....	महिला
20.	भिक्षुकः	....	धनिकाः



पञ्चमः स्तबकः

5.1 प्रथमः पाठः

[पञ्चमी]

5.1.1 पञ्चमीप्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु-**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



भटः



अश्वः



भटः अश्वात् पतति।



कृषकः



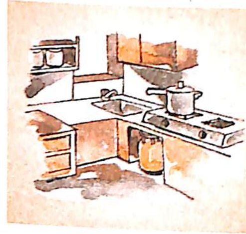
ग्रामः



कृषकः **ग्रामात्** आगच्छति।



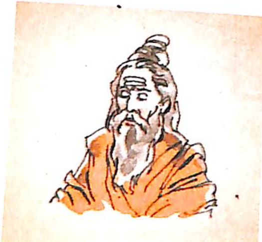
महिला



पाकशाला



महिला **पाकशालायाः** आगच्छति।



मुनिवरः



नदी



मुनिवरः **नद्याः** आगच्छति।

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]



वृक्षः



आम्रम्



वृक्षात् आम्रं पतति।



बालकः



विद्यालयः



बालकः विद्यालयात् आगच्छति।

उदा0– 1. वृक्षः पत्रम् — 1. ..वृक्षात्.. पत्रं पतति।

2. हस्तः सुधाखण्डः — 2. ....पतति... ।

3. अश्वः बालकः — 3. ....पतति... ।

4. आकाशः जलम् — 4. ....पतति... ।

उदा0– 5. अध्यापिका पुस्तकालयः — 5. अध्यापिका पुस्तकालयात् आगच्छति।

6. मित्रं ग्रामः — 6. .... आगच्छति.. ।

7. छात्रा प्रवासः — 7. .... आगच्छति .... ।

9. गवेषकः/विदेशः	9.	....	....	आगच्छति।
10. गृहिणी/गृहम्	10.	....	....	आगच्छति।
11. अर्चकः/मन्दिरम्	11.	....	....	आगच्छति।
12. भगिनी/उद्यानम्	12.	....	....	आगच्छति।
13. नारदः/कैलासः	13.	....	....	आगच्छति।
14. मूषकः/बिलम्	14.	....	....	आगच्छति।
15. वैद्यः/चिकित्सालयः	15.	....	....	आगच्छति।

अभ्यासः – 201

.... आगच्छति

कः कस्मात् स्थानात् आगच्छति इति अग्रे कोष्ठके निर्दिष्टम् अस्ति। तत् पञ्चम्यन्ते परिवर्त्य रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[कौन कहाँ से आ रहा है यह कोष्ठ में निर्दिष्ट है, इसे पञ्चम्यन्त में परिवर्तित कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 'Who is coming from where' is indicated below. Please fill in the blanks by adding fifth case ending to the words.]

यथा–	जनकः	कार्यालयात्	आगच्छति।	(कार्यालयः)
1.	मित्रं	..गृहात्....	आगच्छति।	(गृहम्)
2.	बालकः	....	आगच्छति।	(विद्यालयः)
3.	एषः	....	आगच्छति।	(नगरम्)
4.	सा	....	आगच्छति।	(ग्रामः)
5.	रमा	....	आगच्छति।	(मन्दिरम्)
6.	लता	....	आगच्छति।	(श्वशुरगृहम्)
7.	अध्यापिका	....	आगच्छति।	(बैंगलूरनगरम्)
8.	छात्रा	....	आगच्छति।	(हिमाचलः)
9.	अर्चकः	....	आगच्छति।	(मनसादेवीमन्दिरम्)
10.	आरक्षकः	....	आगच्छति।	(आरक्षककार्यालयः)
11.	छात्रनायकः	....	आगच्छति।	(विश्वविद्यालयः)
12.	वित्तकोषाध्यक्षः	....	आगच्छति।	(जापानदेशः)
13.	मन्त्रिमहोदयः	....	आगच्छति।	(विदेशः)
14.	धावकः	....	आगच्छति।	(आस्ट्रेलियादेशः)
15.	अनुजः	....	आगच्छति।	(चैन्नैनगरम्)
16.	जननी	....	आगच्छति।	(मातुलगृहम्)

अभ्यासः – 202

पञ्चम्यां रूपाणि

✍ **पञ्चम्यन्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[पञ्चम्यन्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with words in fifth case-ending.]

			एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ0पुं0–	1. वृक्षः	→	वृक्षात्	वृक्षाभ्याम्	वृक्षेभ्यः
	2. दण्डः	→	....	....	....
	3. दीपः	→	....	....	....
	4. सर्पः	→	....	....	....
	5. नृपः	→	....	....	....
	6. सुधाखण्डः	→	....	....	....
अ0नपुं0–	7. फलम्	→	फलात्	फलाभ्याम्	फलेभ्यः
	8. पुस्तकम्	→	....	....	....
	9. पत्रम्	→	....	....	....
	10. पुष्पम्	→	....	....	....
	11. सोपानम्	→	....	....	....
	12. नाणकम्	→	....	....	....
आ0स्त्री0–	13. बालिका	→	बालिकायाः	बालिकाभ्याम्	बालिकाभ्यः
	14. लता	→	....	....	....
	15. दोला	→	....	....	....
	16. माला	→	....	....	....
	17. सन्दंशिका	→	....	....	....
	18. कन्या	→	....	....	....
ई0स्त्री0–	19. सूची	→	सूच्याः	सूचीभ्याम्	सूचीभ्यः
	20. घटी	→	....	....	....
	21. गृहिणी	→	....	....	....
	22. नर्तकी	→	....	....	....
	23. चालनी	→	....	....	....

सर्वनामशब्दानां पञ्चम्यां रूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत्	पुं०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
	नपुं०	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
	स्त्री०	एतस्याः	एताभ्याम्	एताभ्यः
तत्	पुं०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
	नपुं०	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
	स्त्री०	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
भवत्	पुं०	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
	नपुं०	भवतः	भवद्भ्याम्	भवद्भ्यः
	स्त्री०	भवत्याः	भवतीभ्याम्	भवतीभ्यः
सर्व	पुं०	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
	नपुं०	सर्वस्मात्	सर्वाभ्याम्	सर्वेभ्यः
	स्त्री०	सर्वस्याः	सर्वाभ्याम्	सर्वाभ्यः
अस्मद्	पुं०	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
	नपुं०	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
	स्त्री०	मत्	आवाभ्याम्	अस्मत्
युष्मद्	पुं०	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
	नपुं०	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
	स्त्री०	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्

अभ्यासः – 203

पञ्चम्यां रूपाणि

अधोनिर्दिष्टानां पञ्चम्यन्तरूपाणि लिखन्तु–

[अधोलिखित शब्दों के पञ्चम्यन्त रूपों को लिखिए। Please write the fifth case ending forms of the following words.]

उदा० –	वृक्षः	–	....वृक्षात्....		सर्वः	–	....सर्वस्मात्.
1.	एषः	–	....	21.	भवन्तौ	–	....
2.	नन्दिनी	–	....	22.	नदी	–	....
3.	वयम्	–	....	23.	फलम्	–	....
4.	सा	–	....	24.	आवाम्	–	....
5.	अध्यापकः	–	....	25.	भवत्यः	–	....
6.	भवती	–	....	26.	यानानि	–	....
7.	जननी	–	....	27.	ताः	–	....
8.	तौ	–	....	28.	गृहिण्यः	–	....
9.	सर्वा	–	....	29.	देवी	–	....
10.	एते (पुं०)	–	....	30.	भवन्तः	–	....
11.	अहम्	–	....	31.	आसन्दौ	–	....
12.	भवत्यौ	–	....	32.	भवने	–	....
13.	वैद्यः	–	....	33.	शकटौ	–	....
14.	भवान्	–	....	34.	लेखन्यः	–	....
15.	त्वम्	–	....	35.	एतौ	–	....
16.	सः	–	....	36.	दीपाः	–	....
17.	शाटिका	–	....	37.	व्यजनम्	–	....
18.	यूयम्	–	....	38.	सस्यानि	–	....
19.	काशी	–	....	39.	तीरम्	–	....
20.	युवाम्	–	....	40.	कूपी	–	....

अभ्यासः – 204

पञ्चम्यन्तानां वाक्ये प्रयोगाः

मञ्जूषायां प्रदत्तयोः शब्दयोः उचितेन शब्देन सह पञ्चमीं योजयित्वा वाक्यानि लिखन्तु –
[मंजूषा में प्रदत्त शब्दों में से उचित शब्द के साथ पञ्चमी विभक्ति जोड़कर वाक्य पूर्ण कीजिए।
Complete the following sentences by adding fifth case ending to the selected word given in the box.]

उदा० –	1. ...वृक्षः... पत्रम्।	.वृक्षात्... पत्रं पतति।
	2. अश्वः भटः।	.... पतति।
	3. लता पुष्पम्।	....।
	4. हिमालयः गङ्गा।	.... प्रवहति।
	5. पर्वतः नदी।	....।
	6. महानदी शाखानदी	....।
उदा० –	7. गृहिणी नदी।	गृहिणी ...नद्याः... जलम् आनयति।
	8. बालिका कूपः।	बालिका .... जलम् आनयति।
	9. बालकः आपणः।	.... तण्डुलम् आनयति।
	10. वानरः शाखा।	वानरः .... पतति।
	11. बालकः सोपानम्।	....।
	12. मण्डूकः कूलम्।	.... जले ....।
	13. महिला कूपः।	.... जलम् आकर्षति।
	14. पुरुषः जलाशयः।	.... पङ्कम् उद्धरति।
	15. अग्निशमकः भवनम्।	.... जनान् बहिः निष्कासयति।
	16. चोरः कारागारम्।	.... निर्गच्छति।
	17. जलं मेघः।	....।
	18. धूमः अनलः।	....।

अभ्यासः – 205

पञ्चम्याः केचन अन्ये प्रयोगाः

 **प्रदत्तक्रियापदं संयोज्य उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार दी गई क्रिया को जोड़ते हुए वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the examples by using the given verb.]

पठति

उदा०– 1. छात्रः अध्यापकः — छात्रः अध्यापकात् पठति।
2. रामः वसिष्ठः — ....।
3. राक्षसाः शुक्राचार्यः — .... पठन्ति।
4. छात्राः अध्यापिकाः — ....।
5. पुत्री जनकः — .... पठति।

बिभेति

उदा०– 6. हरिणः व्याघ्रः — हरिणः व्याघ्रात् बिभेति।
7. मीनः मकरः — ....।
8. मूषकः बिडालः — ....।
9. सर्पः नकुलः — ....।
10. बालकः भल्लूकः — ....।

रक्षति

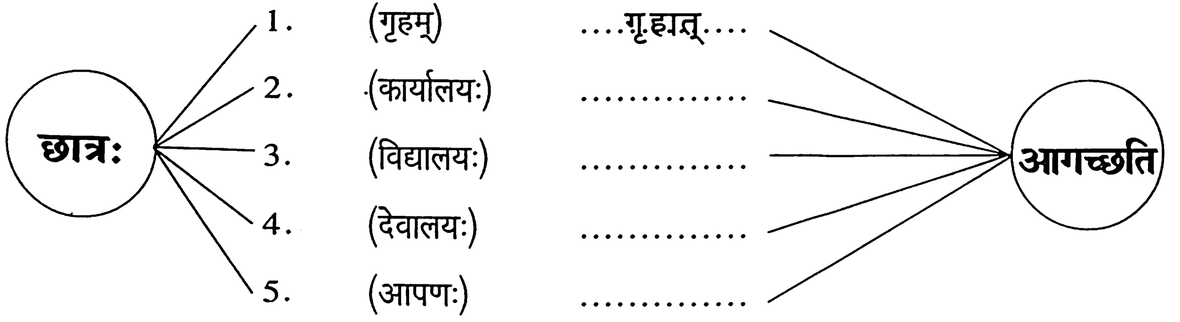
उदा०– 11. जननी सर्पः — जननी सर्पात् पुत्रीं रक्षति।
12. देवः राक्षसाः — .... मनुष्यान् ....।
13. अध्यापकः कुक्कुरः — .... छात्रं ....।
14. नृपः लुण्ठाकाः — .... प्रजाः ....।
15. बालिका जलं — .... पुस्तकं ....।

अभ्यासः – 206

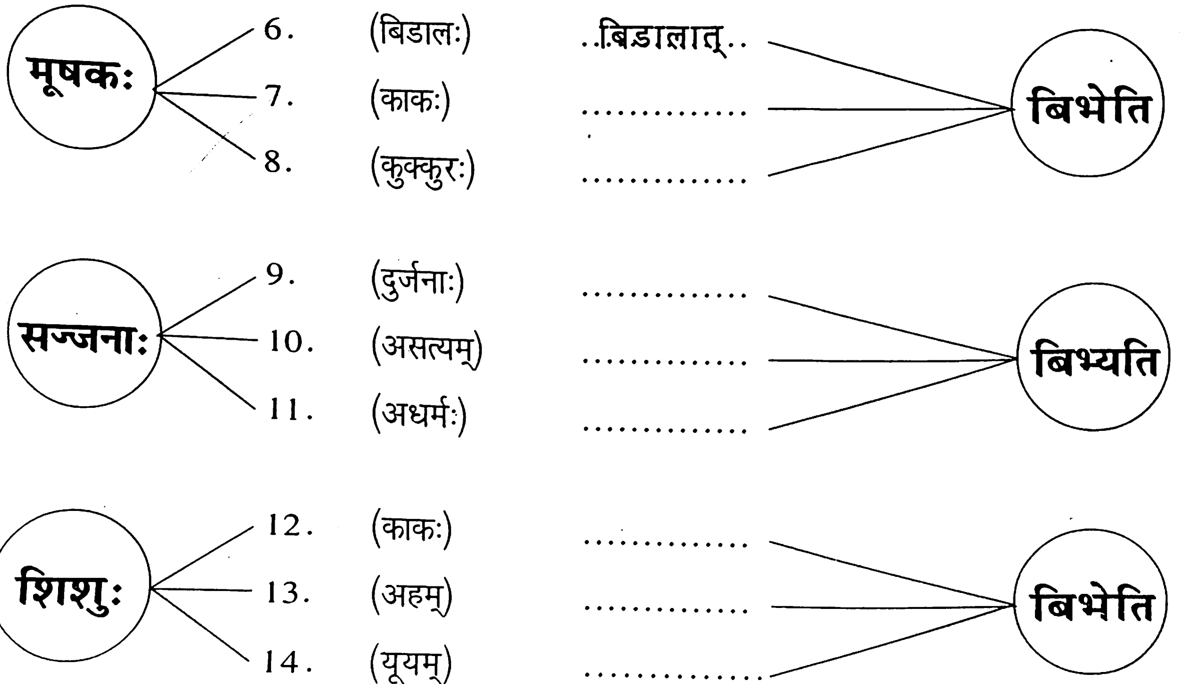
पञ्चम्यन्तानां मिश्रिताः प्रयोगाः

यथोदाहरणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

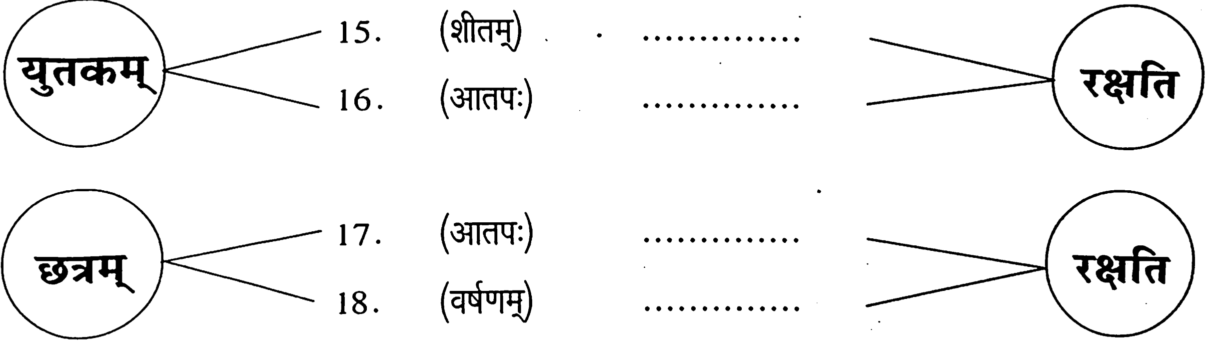
I. कुतः आगच्छति ?



II. कस्मात् बिभेति ?



III. कस्मात् रक्षति ?



सम्यक् स्मरन्तु–

[स्मरण कीजिए। Learn carefully.]

भी भये

बिभेति	बिभितः/बिभीतः	बिभ्यति
बिभेषि	बिभिथः/बिभीथः	बिभिथ/बिभीथ
बिभेमि	बिभिवः/बिभीवः	बिभिमः/बिभीमः

अभ्यासः – 207

पञ्चम्यन्तानां प्रयोगाः

पञ्चम्यन्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[पञ्चम्यन्त पदों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with words in fifth case ending.]

उदा० – 1.	पत्रं	वृक्षात्.........	पतति।	(वृक्षः)
2.	बालकः	....	आगच्छति।	(गृहम्)
3.	छात्रः	....	आगच्छति।	(गुरुकुलम्)
4.	तौ	....	पततः।	(अश्वः)
5.	युतकं	....	रक्षति।	(शीतम्)
6.	अहम्	....	आगच्छामि।	(आपणः)
7.	भवती	....	बिभेति ?	(किम्)
8.	यूयं	....	आगच्छथ।	(ग्रामः)
9.	आवां	....	आगच्छावः।	(मन्दिरम्)
10.	भवन्तौ	....	पठतः।	(शिक्षकः)
11.	भवत्यः	....	पठन्ति।	(शिक्षिका)
12.	त्वं	....	शृणोषि ?	(किम्)
13.	सः	....	रक्षति।	(व्याघ्रः)
14.	एते	....	पश्यन्ति।	(भवनम्)
15.	एषा	....	जलम् आनयति।	(कूपः)
16.	दर्शकाः	....	निर्गच्छन्ति।	(चलचित्रमन्दिरम्)
17.	जनकः	....	रक्षति।	(जलम्)
18.	गृहिणी	....	बिभेति।	(सर्पः)
19.	पितृव्यः	....	रक्षति।	(अनलः)
20.	पितामहः	....	आगच्छति।	(मन्दिरम्)

अभ्यासः – 208

पञ्चम्यन्तानां प्रयोगाः

बहुवचनान्तपञ्चम्यन्तपदैः उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[पञ्चमी बहुवचन का प्रयोग करते हुए उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by changing words into fifth case ending plural number as per the example.]

उदा० – ते आपणेभ्यः वस्तूनि आनयन्ति। (आपणाः)

1. छात्राः .... पाठं पठन्ति। (अध्यापिकाः)
2. वयं .... विचारान् ज्ञास्यामः। (शिक्षकाः)
3. भिक्षुकः .... अन्नं स्वीकरोति। (गृहिण्यः)
4. राजकीयनायकाः .... उत्कोचं स्वीकुर्वन्ति। (सर्वे)
5. ताः .... वस्त्राणि आनयन्ति। (नगर्यः)
6. वयं .... पुष्पाणि आनेष्यामः। (वाटिकाः)
7. ते .... धनं न स्वीकुर्वन्ति। (वयम्)
8. .... फलानि पतन्ति। (वृक्षाः)
9. भगिनी .... टिप्पणीं स्वीकरोति। (ते)
10. सः .... चाकलेहं स्वीकरोति। (ताः)
11. वाहनानि .... आगच्छन्ति। (नगराणि)
12. राज्याभिषेकसमये .... जलम् आनयन्ति। (नद्यः)
13. भवती .... धान्यम् आनयतु। (सस्यानि)
14. भवान् .... जलम् आनयतु। (तीर्थक्षेत्राणि)
15. कार्यक्रमार्थं .... जनाः आगताः। (विभिन्नदेशाः)
16. अनेके इतिहासकाराः .... भारतम् आगताः। (विभिन्नदेशाः)
17. पुष्पाणि .... पतन्ति। (लताः)
18. सन्त्रस्तानां कृते .... वस्तूनि सङ्गृहीतानि। (विभिन्नगृहाणि)
19. घण्टानादानन्तरं छात्राः .... गृहं गच्छन्ति। (शालाः)
20. सः .... ऋणं स्वीकरोति। (सर्वे)

अभ्यासः – 209

सर्वनामशब्दानां पञ्चम्यां प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

उदा० – 1.	रमा	....तस्मात्...	फलं स्वीकरोति।	(तत्)
2.	वयं	....	फलानि स्वीकुर्मः।	(ताः)
3.	मालिनी	....	धनं स्वीकरोति।	(वयम्)
4.	सः	....	ऋणं स्वीकरोति।	(सर्वे)
5.	छात्रः	....	पुष्पं स्वीकरोति।	(अहम्)
6.	रमेशः	....	धान्यं स्वीकरोति।	(एषः)
7.	भगिनी	....	शाटिकां स्वीकरोति।	(सा)
8.	अग्रजः	....	सूचीं स्वीकरोति।	(तौ)
9.	सा	....	संस्कृतं ज्ञास्यति।	(अहम्)
10.	छात्राः	....	शिष्टाचारं ज्ञास्यन्ति।	(वयम्)
11.	पुरुषाः	....	वाहनचालनं ज्ञास्यन्ति।	(ते-स्त्री०)
12.	जनाः	....	वस्तूनि सङ्गृह्णन्ति।	(ते-पु०)
13.	अहं	....	लेखनीं स्वीकरोमि।	(त्वम्)
14.	वयं	....	कवितां स्वीकुर्मः।	(भवत्यः)
15.	वैद्याः	....	धनं स्वीकुर्वन्ति।	(भवन्तः)
16.	भ्रष्टाः	....	उत्कोचं स्वीकुर्वन्ति।	(ते-स्त्री०)
17.	अहं	....	विषयसङ्ग्रहणं करोमि।	(ताः)
18.	पण्डिताः	....	सूचनाः स्वीकुर्वन्ति।	(वयम्)
19.	निर्धनाः	....	मिष्टान्नं स्वीकुर्वन्ति।	(भवत्यौ)
20.	भिक्षुकाः	....	रोटिकाः स्वीकुर्वन्ति।	(आवाम्)

अभ्यासः – 210

बहिः, आरभ्य, पूर्वम्, परम् इति एतेषां शब्दानां प्रयोगे पञ्चम्याः प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the examples.]

I. बहिः–	1.	....ग्रामात्.... बहिः विद्यालयः अस्ति।	(ग्रामः)
	2.	.... बहिः मन्दिरम् अस्ति।	(नगरम्)
	3.	.... वृक्षः ....।	(क्षेत्रम्)
	4.	.... अजा चरति।	(गृहम्)
	5.	.... वृषभः निद्राति।	(मन्दिरम्)
II. आरभ्य–	6.	....सोमवासरात्... आरभ्य कक्ष्या भविष्यति।	(सोमवासरः)
	7.	.... नगरसीमा अस्ति।	(नदी)
	8.	.... गृहं यावत् उद्यानं निर्मातु।	(मार्गः)
	9.	.... कन्याकुमारीं यावत् भारतदेशः।	(हिमालयः)
	10.	.... शयनं यावत् कार्यं करोतु।	(उत्थानम्)
III. पूर्वम्–	11.	....नगरात्... पूर्वं ग्रामः अस्ति।	(नगरम्)
	12.	.... शनिवासरः।	(रविवासरः)
	13.	.... मां पश्य।	(गमनम्)
	14.	.... शान्तिमन्त्रं वदामः।	(भोजनम्)
	15.	.... देवं स्मरामः।	(शयनम्)
IV. परम्–	16.	....मासात्.... परं परीक्षा अस्ति।	(मासः)
	17.	.... सोमवासरः भवति।	(रविवासरः)
	18.	.... जलं न पिबत।	(भोजनम्)
	19.	.... किञ्चित् क्रीडत।	(पठनम्)
	20.	.... मां मिलतु।	(आगमनम्)

अभ्यासः – 211

पञ्चम्यन्तानां प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं पञ्चम्यन्तपदैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार पञ्चम्यन्त शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with words in fifth case ending as shown in the example.]

उदा० – 1.	देवदत्तः	अध्यापकात्	बिभेति।	(अध्यापकः)
2.	सेवकः	....	बहिः तिष्ठति।	(गृहम्)
3.	बालिका	....	पूर्वं देवं नमस्करोति।	(शयनम्)
4.	सः	....	आरभ्य विद्यालयं गमिष्यति।	(शुक्रवासरः)
5.	गृहिणी	....	लज्जाम् अनुभवति।	(श्वशुरः)
6.	इदानीं	....	पत्राणि पतन्ति।	(लता)
7.	ग्रामीणाः	....	पथिकं रक्षन्ति।	(लुण्ठाकाः)
8.	छात्रः	....	पुस्तकं पठति।	(शिक्षिका)
9.	सः	....	परं विदेशं गमिष्यति।	(वर्षम्)
10.	नदी	....	प्रवहति।	(पर्वतः)
11.	मण्डूकाः	....	जले पतन्ति।	(कूलम्)
12.	मालाकारः	....	पुष्पं चिनोति।	(लता)
13.	धीवरः	....	मत्स्यान् गृह्णाति।	(तडागः)
14.	शिशुः	....	पतति।	(दोला)
15.	बालकः	....	पतति।	(द्विचक्रिका)
16.	नारिकेलतैलं	....	निस्सरति।	(कूपी)
17.	वीरः	....	बाणं प्रक्षिपति।	(कार्मुकः)
18.	योगी	....	विरमति।	(शयनम्)
19.	अङ्गुलीयकम्	....	पतति।	(अङ्गुली)
20.	अजगरः	....	निर्गच्छति।	(बिलम्)

5.1.2 तः

I.

विद्यालयात्	विद्यालयतः

विद्यालयात् = विद्यालयतः। एतयोः अर्थभेदः नास्ति।

II.

	पञ्चम्याम्		तः-प्रत्यये
पुं०	विद्यालयात्	=	विद्यालयतः
स्त्री०	मालायाः	=	मालातः
नपुं०	पुस्तकात्	=	पुस्तकतः

III.

(क) विद्यालयात् → विद्यालयतः; विद्यालयाभ्याम् → विद्यालयतः; विद्यालयेभ्यः → विद्यालयतः

(ख) पाठशालायाः → पाठशालातः; पाठशालाभ्याम् → पाठशालातः; पाठशालाभ्यः → पाठशालातः

(ग) गृहात् → गृहतः; गृहभ्याम् → गृहतः; गहेभ्यः → गृहतः

IV.

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुं०	आत्	आभ्याम्	एभ्यः
स्त्री०	याः	आभ्याम्	आभ्यः
नपुं०	आत्	आभ्याम्	एभ्यः

= तः

अभ्यासः – 212

पञ्चम्यन्तानां तः–प्रत्ययान्तेषु परिवर्त्तनम्

उदाहरणानुगुणं परिवर्तयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार परिवर्तन कीजिए। Please change according to the exmaples.]

उदा०– 1. सः विद्यालयात् आगच्छति। सः विद्यालयतः आगच्छति।
2. वयं ग्रामात् आगच्छामः। वयं ....।
3. एतौ आपणात् आगच्छतः। एतौ ....।
4. नृपः प्रासादात् आगच्छति। नृपः ....।
5. यूयं पर्वतात् आगच्छथ। यूयं ....।

उदा०– 1. बालिकाः वाटिकायाः आगच्छन्ति। बालिकाः वाटिकातः आगच्छन्ति।
2. छात्रा शिक्षिकायाः टिप्पणीं स्वीकरोति। छात्रा ....।
3. विद्यार्थिनी पाठशालायाः आगच्छति। ....।
4. नलिकायाः जलं स्रवति। ....।
5. पश्य, गुहायाः व्याघ्राः निर्गच्छन्ति। ....।

उदा०– 1. धनिकाः नगर्याः आगच्छन्ति। धनिकाः नगरीतः आगच्छन्ति।
2. राजधानीयानं राजधान्याः आगच्छति। ....।
3. बालिका पुष्पाधान्याः पुष्पं निस्सारयति। ....।
4. जननी मालाकार्याः पुष्पं क्रीणाति। ....।
5. सेविका राज्ञ्याः उपायनं गृह्णाति। ....।

उदा०– 1. देवदत्तः नगरात् आगमिष्यति। देवदत्तः नगरतः आगमिष्यति।
2. अर्चकः मन्दिरात् आगच्छति। ....।
3. धनिकः भवनात् पश्यति। ....।
4. चालकः यानात् पतति। ....।
5. कृषिकः क्षेत्रात् आगच्छति। ....।

पञ्चमः स्तबकः

5.2 द्वितीयः पाठः

[षष्ठी]

5.2.1 षष्ठीप्रयोगाः

 **ध्यानेन पठन्तु-**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]


सीता


रामः


सीता रामस्य पत्नी।


गणेशः


शिवः


गणेशः शिवस्य पुत्रः।


कृष्णः


रुक्मिणी


कृष्णः रुक्मिण्याः पतिः।


जवाहरलालः


इन्दिरा


जवाहरलालः इन्दिरायाः जनकः।

अभ्यासः – 213

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please make sentences as shown in the examples.]

उदा0– 1. लक्ष्मणः रामः अनुजः।	1. लक्ष्मणः ..रामस्य... अनुजः।
2. कृष्णः वसुदेवः पुत्रः।	2. कृष्णः वसुदेवस्य पुत्रः।
3. देवकी कृष्णः जननी।	3. ....।
4. रामः भरतः अग्रजः।	4. ....।
5. धृतराष्ट्रः दुर्योधनः जनकः।	5. ....।
उदा0– 6. रामः अयोध्या नृपः।	6. रामः अयोध्यायाः नृपः।
7. लक्ष्मणः सुमित्रा पुत्रः।	7. ....।
8. रावणः शूर्पणखा अग्रजः।	8. ....।
9. सुमित्रा कौसल्या भगिनी।	9. ....।
10. जवाहरः इन्दिरा जनकः।	10. जवाहरः .... जनकः।
11. शिवः पार्वती पतिः।	11. शिवः ..पार्वत्याः.. पतिः।
12. एषा सौदामिनी लेखनी।	12. ....।
13. एतत् राज्ञी भवनम्।	13. ....।
14. कंसः देवकी सहोदरः।	14. ....।
उदा0– 15. हस्तः शरीरम् अङ्गम्।	15. हस्तः ...शरीरस्य.. अङ्गम्।
16. एतत् गृहं द्वारम्।	16. ....।
17. सः नगरं मुख्यः।	17. ....।
18. तत् दाडिमफलं बीजम्।	18. ....।
19. एतानि यानं चक्राणि।	19. ....।

अभ्यासः – 214

षष्ठ्यन्तरूपाणि

उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रूपों को लिखिए। Please write forms (Rupas) of sixth case ending as per the examples.]

				एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अ० पुं० उदा०–	1.	वृक्षः	→	वृक्षस्य	वृक्षयोः	वृक्षाणाम्
	2.	गायकः	→	....	....	गायकानाम्...
	3.	रक्षकः	→	....	....	रक्षकाणाम्...
	4.	सैनिकः	→	....	....	सैनिकानाम्..
	5.	दण्डः	→	....	....	दण्डानाम्....
अ० नपुं० उदा०–	6.	पुस्तकम्	→	पुस्तकस्य	पुस्तकयोः	पुस्तकानाम्
	7.	पत्रम्	→	....	....	पत्राणाम्.....
	8.	क्रीडनकम्	→	....	....	क्रीडनकानाम्.
	9.	सूत्रम्	→	....	....	सूत्राणाम्....
	10.	पुष्पम्	→	....	....	पुष्पाणाम्....
आ० स्त्री० उदा०–	11.	शाखा	→	शाखायाः	शाखयोः	शाखानाम्
	12.	लता	→	....	....	....
	13.	गायिका	→	....	....	....
	14.	माला	→	....	....	....
	15.	अध्यापिका	→	....	....	....
ई० स्त्री० उदा०–	16.	नर्तकी	→	नर्तक्याः	नर्तक्योः	नर्तकीनाम्
	17.	सूची	→	....	....	....
	18.	राज्ञी	→	....	....	राज्ञीनाम्....
	19.	जननी	→	....	....	जननीनाम्...
	20.	भगिनी	→	....	....	....

सर्वनामशब्दानां षष्ठ्यन्तरूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

सर्वनाम		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत्	पुं०	एतस्य	एतयोः	एतेषाम्
	नपुं०	एतस्य	एतयोः	एतेषाम्
	स्त्री०	एतस्याः	एतयोः	एतासाम्
तत्	पुं०	तस्य	तयोः	तेषाम्
	नपुं०	तस्य	तयोः	तेषाम्
	स्त्री०	तस्याः	तयोः	तासाम्
भवत्	पुं०	भवतः	भवतोः	भवताम्
	नपुं०	भवतः	भवतोः	भवताम्
	स्त्री०	भवत्याः	भवत्योः	भवतीनाम्
सर्व	पुं०	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
	नपुं०	सर्वस्य	सर्वयोः	सर्वेषाम्
	स्त्री०	सर्वस्याः	सर्वयोः	सर्वासाम्
युष्मद्	पुं०	तव	युवयोः	युष्माकम्
	नपुं०	तव	युवयोः	युष्माकम्
	स्त्री०	तव	युवयोः	युष्माकम्
अस्मद्	पुं०	मम	आवयोः	अस्माकम्
	नपुं०	मम	आवयोः	अस्माकम्
	स्त्री०	मम	आवयोः	अस्माकम्

अभ्यासः – 215

षष्ठ्यन्तानां प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं षष्ठ्यन्तरूपाणि लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार षष्ठ्यन्त रूपों को लिखिए। Please write the forms in sixth case ending as shown in the example.]

उदा० – 1. विश्वामित्रः ......विश्वामित्रस्य...... शिष्यः

2. दशरथः .... पुत्रः

3. लक्ष्मणः .... अग्रजः

4. भरतः .... अग्रजः

5. कौसल्या .... पुत्रः

6. कैकेयी .... पुत्रः

7. सीता .... पतिः

8. अयोध्या .... नृपः

9. ताडका .... संहारकः

10. सुमित्रा .... पुत्रः

श्रीरामचन्द्रः

अभ्यासः – 216

सम्बन्धवाचकानां प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the example.]

उदा०–1. स्नुषा	= पुत्रस्य पत्नी	दशरथः – स्नुषा सीता	दशरथस्य स्नुषा सीता।
2. श्वशुरः	= पत्युः पिता	सीता – श्वशुरः दशरथः	....।
3. श्वशुरः	= पत्न्याः पिता	रामः – श्वशुरः जनकः	....।
4. जामाता	= पुत्र्याः पतिः	जनकः – जामाता रामः	....।
5. श्वश्रूः	= पत्न्याः माता	सीता – श्वश्रूः कौसल्या	....।
	= पत्युः माता	शिवः – श्वश्रूः मेना	....।
6. पितामहः	= पितुः पिता	लवः – पितामहः दशरथः	....।
7. मातामहः	= मातुः पिता	लवः – मातामहः जनकः	....।
8. पौत्रः	= पुत्रस्य पुत्रः	दशरथः – पौत्रः लवः	....।
9. दौहित्रः	= पुत्र्याः पुत्रः	जनकः – दौहित्रः लवः	....।
10. पितामही	= पितुः माता	प्रद्युम्नः – पितामही देवकी	....।
11. मातामही	= मातुः माता	भरतः – मातामही मेनका	....।
12. देवरः	= पत्युः सहोदरः	सीता – देवरः लक्ष्मणः	....।
13. भ्रातृजाया	= सहोदरस्य पत्नी	लक्ष्मणः–भ्रातृजाया सीता	....।
14. याता	= देवरस्य पत्नी	रुक्मिणी – याता रेवती	....।
15. आवुत्तः	= भगिन्याः पतिः	कंसः – आवुत्तः वसुदेवः	....।
16. भागिनेयः	= भगिन्याः पुत्रः	कंसः – भागिनेयः कृष्णः	....।
17. श्यालः	= पत्न्याः सहोदरः	धृतराष्ट्रः –श्यालः शकुनिः	....।
18. पितृव्यः	= पितुः सहोदरः	भीमः – पितृव्यः धृतराष्ट्रः	....।
19. मातुलः	= मातुः सहोदरः	दुर्योधनः–मातुलः शकुनिः	....।
20. विमाता	= मातुः सपत्नी	ध्रुवः – विमाता सुरुचिः	....।
21. ननान्दा	= पत्युः भगिनी	रुक्मिणी–ननान्दा सुभद्रा	....।

अभ्यासः – 217

सम्बन्धवाचकानां प्रयोगाः

क. ख. स्तम्भयोः मध्ये सम्बन्धं सूचयन्तः वाक्यानि रचयन्तु –

[क. एवं ख. स्तम्भों के बीच सम्बन्ध को दर्शाते हुए वाक्य बनाइये। Construct sentences showing the relationship between the words of Part क. and Part ख.]

	क	ख	सम्बन्धबोधकं वाक्यम्
उदा० – 1.	दशरथः	कौसल्या	उदा० – 1. दशरथस्य. पत्नी.. कौसल्या.।
2.	सुमित्रा	दशरथः	2. ....।
3.	सीता	दशरथः	3. ....।
4.	रामः	सीता	4. ....।
5.	सीता	रामः	5. ....।
6.	कंसः	देवकी	6. ....।
7.	लक्ष्मणः	दशरथः	7. ....।
8.	रामः	लक्ष्मणः	8. ....।
9.	कौसल्या	दशरथः	9. ....।
10.	कैकेयी	दशरथः	10. ....।

सम्बन्धबोधकपदानि–

भार्या / पत्नी, पुत्रः, जनकः, भगिनी, अनुजः, श्वशुरः, पतिः

अभ्यासः – 218

सम्बन्धवाचकानां प्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु—**

[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the example.]

उदा० – 1. गङ्गेशः – स्नुषा – रमा ......गङ्गेशस्य...... ......स्नुषा...... ......रमा......।

2. राकेशः – आवुत्तः – सुशीलः ....।

3. सीता – आवुत्तः – सुरेशः ....।

4. गीता – श्वशुरः – कृष्णशर्मा ....।

5. धर्मपालः – स्नुषा – गायत्री ....।

6. नम्रता – श्वश्रूः – सावित्रीदेवी ....।

7. गुरुप्रसादः – जामाता – हरिकुमारः ....।

8. सञ्जयः – पितामहः – सिद्धनाथः ....।

9. चन्द्रकुमारः – पितामही – यशोदादेवी ....।

10. कृष्णमोहनः – दौहित्रः – प्रवीणः ....।

11. अविनाशः – मातामहः – सुरेन्द्रपालः ....।

12. विभा – ननान्दा – विनुता ....।

13. कविता – मातुलानी – गौरी ....।

14. लता – देवरः – प्रकाशः ....।

15. शशाङ्कः – मातुलः – हरिप्रसादः ....।

16. नन्दकिशोरः – पितृव्या – सुमित्रादेवी ....।

17. स्वरूपः – भागिनेयः – मिहिरः ....।

18. लीना – भ्रातृजाया – राजश्रीः ....।

19. प्रवीणः – श्यालः – मनीषः ....।

20. आनन्दः – विमाता – कविता ....।

अभ्यासः – 219

षष्ठीद्विवचनबहुवचनप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

I.

उदा०– 1.	सुग्रीवविभीषणौ	सुग्रीवविभीषणयोः	मित्रं	श्रीरामचन्द्रः
2.	लवकुशौ	....	जनकः	श्रीरामचन्द्रः
3.	भरतलक्ष्मणौ	....	अग्रजः	श्रीरामचन्द्रः
4.	भरतशत्रुघ्नौ	....	अग्रजः	श्रीरामचन्द्रः
5.	कौसल्यासुमित्रे	....	पुत्रः	श्रीरामचन्द्रः
6.	कौसल्याकैकेय्यौ	....	पुत्रः	श्रीरामचन्द्रः

II.

उदा०– 7.	कौरवपाण्डवौ	कौरवपाण्डवयोः	बान्धवः	श्रीकृष्णः
8.	नन्दवसुदेवौ	....	पुत्रः	श्रीकृष्णः
9.	यशोदादेवक्यौ	....	पुत्रः	श्रीकृष्णः
10.	सुदामसुबल्यौ	....	मित्रं	श्रीकृष्णः
11.	रुक्मिणीसत्यभामे	....	पतिः	श्रीकृष्णः

III.

उदा० – 12. भीमार्जुननकुलसहदेवाः — भीमार्जुननकुलसहदेवानां — मित्रं

13. गोपालकाः .... प्रियः

14. पाण्डवाः .... उद्धारकः

15. दुष्टाः .... नाशकः

16. सज्जनाः .... रक्षकः

श्रीकृष्णः

IV.

उदा० – 17. लक्ष्मणभरतशत्रुघ्नाः — लक्ष्मणभरतशत्रुघ्नानां — अग्रजः

18. कौसल्याकैकेयीसुमित्राः .... पुत्रः

19. अयोध्याप्रजाः .... नृपः

20. राक्षसाः .... संहारकः

21. भक्ताः .... उद्धारकः

22. देवाः .... रक्षकः

श्रीरामचन्द्रः

अभ्यासः – 220

षष्ठीबहुवचनस्य प्रयोगाः

✍ **कोष्ठगतशब्दानां षष्ठ्यन्तरूपैः उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[कोष्ठ में दिये गये शब्दों के षष्ठी विभक्ति के रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by changing the words given in brackets into sixth case ending as shown in the example.]

उदा० –

1. स्वागतकारिणी .जनानां..... स्वागतं करोति। (जनाः)
2. पण्डितः .... रचनां करोति। (ग्रन्थाः)
3. वनपालकः .... रक्षणं करोति। (वृक्षाः–वृक्षाणाम्)
4. मालाकारः .... ग्रथनं करोति। (पुष्पमालाः)
5. जनाः .... पठनं कुर्वन्ति (पत्रिकाः–पत्रिकाणाम्)
6. अधिकारी .... परिशीलनं करोति। (सञ्चिकाः)
7. ते .... सम्मानं कुर्वन्ति। (नर्तक्यः-नर्तकीनाम्)
8. अर्चकाः .... पूजां कुर्वन्ति। (देवाः)
9. भारतीयाः .... पूजां कुर्वन्ति। (नद्यः)
10. वीरप्पन् .... दन्तान् चोरयति। (गजाः)
11. दुर्जनाः .... वञ्चनं कुर्वन्ति। (सज्जनाः)
12. सा .... मेलनार्थम् अगच्छत्। (सख्यः)
13. कृष्णः .... परिपालकः। (शिष्टाः)
14. संस्कृतभाषा .... जननी। (भारतीयभाषा–भारतीयभाषाणाम्)
15. गणेशः .... अधिपतिः। (गणाः)
16. शुक्राचार्यः .... गुरुः। (राक्षसाः)
17. बृहस्पतिः .... गुरुः। (देवाः)
18. वृक्षस्य .... कर्तनं न करोतु। (शाखाः)
19. भवान् .... वचनम् अनुसरतु। (ज्येष्ठाः)
20. भवती .... प्रक्षालनं करोतु। (पात्राणि–पात्राणाम्)

अभ्यासः – 221

षष्ठीप्रयोगाः

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

उदा० – 1. दिल्ली-नगरम्	...भारतस्य...	राजधानी।	(भारतम्)
2. रावणः	....	अग्रजः।	(शूर्पणखा)
3. रामः	....	जनकः।	(लवकुशौ)
4. दशरथः	....	जनकः।	(रामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नाः)
5. शकुन्तला	....	पुत्री।	(मेनकाविश्वामित्रौ)
6. सः	....	मुख्यमन्त्री।	(प्रदेशः)
7. एतानि	....	गृहाणि सन्ति।	(कृषकाः)
8. एतानि	....	पात्राणि सन्ति।	(पाकशाला)
9. एषः	....	रसः अस्ति।	(आम्रफलानि)
10. माण्डवी	....	भगिनी।	(उर्मिलासीते)
11. गणेशः	....	पुत्रः।	(पार्वती–परमेश्वरौ)
12. चण्डीगढ़नगरम्	....	राजधानी।	(हरियाणा–पञ्जाबप्रदेशौ)
13. मेघनादः	....	पुत्रः।	(रावणः)
14. कृष्णः	....	प्रियः।	(पाण्डवाः)
15. गङ्गा	....	पूज्या नदी।	(भारतीयाः)
16. मार्कण्डेयः	....	भक्तः।	(शिवः)
17. अहं	....	नागरिकः।	(भारतम्)
18. सः	....	आराधकः।	(ललितकला)
19. एषा	....	लेखनी।	(भगिनी)
20. तत् मम	....	गृहम्।	(मित्रम्)

अभ्यासः – 222

एतस्य	एतयोः	एतेषाम्
एतस्याः	एतयोः	एतासाम्

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा० – 1. एषः बालकः। ....एतस्य.... नाम मोहनः।
2. एषः गायकः। .... नाम कुमारगन्धर्वः।
3. एषा बालिका। ....एतस्याः.... नाम मोहिता।
4. एषा गायिका। .... नाम लता।
5. एतत् नगरम्। ....एतस्य.... नाम हरिद्वारम्।
6. एतत् भवनम्। .... नाम संस्कृतधाम।

उदा० – 7. एतौ छात्रौ। ....एतयोः.... कार्यम् अध्ययनम्।
8. एतौ कृषकौ। .... कार्यं कर्षणम्।
9. एते छात्रे। ....एतयोः.... कार्यम् अध्ययनम्।
10. एते शिक्षिके। .... कार्यं पाठनम्।
11. एते पुस्तके। .... मूल्यम् अधिकम्।
12. एते क्रीडनके। .... मूल्यं न्यूनम्।

उदा० – 13. एते अध्यापकाः। ....एतेषाम्.... आचरणम् उत्तमम्।
14. एते दुर्जनाः। .... आचरणं न शोभनम्।
15. एताः परिचारिकाः। ....एतासां.... कार्यं सेवा।
16. एताः मधुमक्षिकाः। .... कार्यं मधुसंग्रहः।
17. एतानि फलानि मधुराणि। .... रसः मधुरः।
18. एतानि पुष्पाणि सुन्दराणि। .... वर्णः रक्तः।
19. एताः सञ्चिकाः। .... अन्तः कागदानि सन्ति।
20. एते नीतिग्रन्थाः। भवान् .... अध्ययनं करोतु।

अभ्यासः – 223

एतस्य / एतयोः / एतेषाम्

✍ **रिक्तस्थानानि उचितरूपेण पूरयन्तु–**

[उचित पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with appropriate form.]

उदा० – 1. एषः छात्रः अस्ति। .... नाम गणेशः अस्ति। .... जनकः नागेन्द्रः। .... जननी गौरी। .... एकः अनुजः अस्ति। .... एका भगिनी अपि अस्ति। .... व्यवहारः अतिसमीचीनः अस्ति।

2. एतौ छात्रौ स्तः। ....अध्ययनं सम्यक् प्रचलति। .... अध्यापकाः अतीव प्रसन्नाः भवन्ति। .... परिश्रमेण .... प्रशंसा भवति। एतौ सोदरौ स्तः। .... जनकः मनमोहनः। .... जननी अन्नपूर्णा अस्ति। .... एका अनुजा अपि अस्ति। .... जनकः जननी भगिनी च .... व्यवहारेण अतीव प्रसन्नाः भवन्ति। .... परीक्षापरिणामः अपि उत्तमः आगच्छति। परीक्षायाम् .... स्थानम् अग्रिमं भवति।

3. एते अध्यापकाः सन्ति। ....अध्यापनम् अतीव प्रशंसनीयम् अस्ति। .... छात्राः प्रसन्नाः भवन्ति। .... छात्राः विज्ञानविषयविशेषज्ञाः भवन्ति। .... प्राचार्यः .... प्रशंसां बहु करोति।

अभ्यासः – 224

एतस्याः / एतयोः / एतासाम्

✍ **रिक्तस्थानानि उचितरूपेण पूरयन्तु–**

[उचित पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with appropriate form.]

उदा० – एषा एका छात्रा अस्ति। .... नाम शालिनी अस्ति। .... जनकः शैलेन्द्रः .... जननी मीनाक्षी अस्ति। रमेशः .... अनुजः अस्ति। एते बालिके अपि छात्रे स्तः। .... नाम सुनयना सुभद्रा च अस्ति। ....आचरणम् उत्तमम् अस्ति। .... प्रशंसां मम अध्यापकः अपि करोति। एताः बालिकाः अतीव निर्धनाः सन्ति। .... जननी एताः बहुकाठिन्येन पाठयति। .... जनकः नास्ति। .... सहयोगेन .... जननी किञ्चित् कार्यं करोति। .... स्वस्य च जीवनं यापयति। .... अध्ययनम् .... परिश्रमेण अर्जितेन धनेन च प्रचलति।

अभ्यासः – 225

तस्य / तयोः / तेषाम्

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा० – 1. सः घनश्यामः। ......तस्य.... जनकः वरदाचार्यः।
2. सः श्यामः । .... अग्रजः शङ्करः।
3. सः शिक्षकः। .... पुस्तकम् एतत्।
4. सः अधिकारी। .... कार्यालयः मुख्यमार्गे अस्ति।
5. सः रविः। .... युतकं सुन्दरम् अस्ति।
6. सः सिंहः। .... गर्जनं भयङ्करम्।

उदा० – 7. तौ कोकिलौ। ......तयोः... कण्ठः मधुरः।
8. तौ नायकौ। .... भाषणं श्वः भविष्यति।
9. तौ अध्यापकौ। .... कार्यम् अध्यापनम्।
10. तौ मूर्खौ। .... विषये मा चिन्तयतु।
11. तौ चतुरौ। .... पुत्रौ अपि चतुरौ।
12. तौ अलसौ। .... कार्यं समाप्तं न भवति।

उदा० – 13. ते युवकाः। .....तेषां..... बलम् अधिकम्।
14. ते सेवकाः। .... कार्यं परिशीलयतु।
15. ते वञ्चकाः। .... विषये सावधानाः भवन्तु।
16. ते चित्रकाराः। .... चित्रप्रदर्शनं तत्र अस्ति।
17. ते बालकाः। .... आसक्तिः क्रीडायां भवति।
18. ते वृक्षाः। .... फलानि मधुराणि सन्ति।

अभ्यासः – 226

तस्याः / तयोः / तासाम्

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा० – 1. सा युवतिः। .....तस्याः... नाम गौरी।

2. सा गीता। .... शाटिका सुन्दरी।

3. सा नदी। .... वेगः अधिकः।

4. सा लता। .... पत्राणि कोमलानि।

5. सा बुद्धिमती। .... साहाय्यं स्वीकरोतु।

6. सा माता। .... सहनशक्तिः अधिका।

उदा० – 7. ते बालिके। .....तयोः.... पुस्तकं मम समीपे अस्ति।

8. ते नद्यौ। .... जलं मधुरम् अस्ति।

9. ते महिले। .... गायनं सम्यक् भवति।

10. ते शिक्षिके। .... कार्यम् अध्यापनम्।

11. ते गृहिण्यौ। .... व्यवहारः उत्तमः।

12. ते छात्रे। .... अध्यापकः शिवनारायणः।

उदा० – 13. ताः सेविकाः। .....तासां.... कार्यम् अवलोकयतु।

14. ताः वृद्धाः। .... बलं न्यूनम्।

15. ताः शाटिकाः। .... वर्णः श्वेतः।

16. ताः नार्यः। .... चातुर्यं बहु अस्ति।

17. ताः नर्तक्यः। .... रङ्गप्रवेशः श्वः भविष्यति।

18. ताः वैद्याः। .... कार्यं रुग्णानां शुश्रूषा।

अभ्यासः – 227

तव / युवयोः / युष्माकम्

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blnaks as shown in the examples.]

उदा० – 1. त्वं छात्रः। ......तव..... कार्यम् अध्ययनम्।
2. त्वं कृषकः। .... कार्यं कर्षणम्।
3. त्वं छात्रा। .... आचरणम् उत्तमम्।
4. त्वं पाचिका। .... कार्यं पाचनम्।
5. त्वं मित्रम्। .... स्वभावः मधुरः।

उदा० – 6. युवां भृत्यौ। ....युवयोः.... सेवा उत्तमा।
7. युवां क्रीडकौ। .... क्रीडा आकर्षिका।
8. युवां नर्तक्यौ। .... नृत्यं रमणीयम्।
9. युवां कन्ये। .... रात्रौ भ्रमणम् अनुचितम्।
10. युवां मित्रे। .... दर्शनं सुखदम्।

उदा० – 11. यूयं कनिष्ठाः। ....युष्माकं.... व्यवहारः नम्रः।
12. यूयं बालिकाः। .... परीक्षापरिणामः समीचीनः।
13. यूयम् अभिनेत्र्यः। .... अभिनयः हृदयङ्गमः।
14. यूयं बालकाः। .... स्वभावः चञ्चलः।
15. यूयं मित्राणि। .... आगमनं सन्तोषजनकम्।

अभ्यासः – 228

मम / आवयोः / अस्माकम्

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

उदा०–	1. अहं छात्रः।	......**मम**.....	नाम रमेशः।
	2. अहं वैद्यः।	....	कार्यं रुग्णसेवा।
	3. अहं छात्रा।	....	नाम विनोदिनी।
	4. अहम् अध्यापिका।	....	कार्यं शिक्षणम्।
	5. अहं रमेशस्य मित्रम्।	....	नाम पञ्चाननः।
उदा०–	6. आवां बालकौ।	...**आवयोः**...	मित्रं नरेन्द्रः।
	7. आवां बालिके।	....	शिक्षिका सुरेखा।
	8. आवां रजकौ।	....	कार्यं वस्त्रप्रक्षालनम्।
	9. आवां गृहिण्यौ।	....	गृहं नगरे अस्ति।
	10. आवां मित्रे।	....	विद्यालयः उत्तमः।
उदा०–	11. वयम् अध्यापकाः।	...**अस्माकं**....	धर्मः अध्यापनम्।
	12. वयं धर्माचार्याः।	....	लक्ष्यं धर्मशिक्षणम्।
	13. वयं छात्राः।	....	कार्यम् अध्ययनम्
	14. वयं मालाकार्यः।	....	कार्यं मालाविक्रयणम्।
	15. वयं मित्राणि।	....	मैत्री प्रगाढा।

अभ्यासः — 229

सर्वनामशब्दानां षष्ठ्यां प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु—

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

उदा० — 1. आवां छात्रौ।	....आवयोः...	कार्यम् अध्ययनम्।
2. एषः बालकः।	....	नाम सुदेवः।
3. ते अध्यापकाः।	......तेषां....	ज्ञानम् अत्यधिकम्।
4. ते बालिके।	....	परीक्षाफलं समीचीनम्।
5. ताः महिलाः।	....	सम्मानं कुर्वन्तु।
6. एतौ वृद्धौ।	....	सेवां करोतु।
7. त्वं युवकः।	....	धर्मः राष्ट्रसेवा।
8. वयं सैनिकाः।	....	धर्मः राष्ट्ररक्षा।
9. युवाम् अन्तरिक्षयात्रिकौ।	....	कार्यम् अन्तरिक्षयात्रा।
10. यूयं वैमानिकाः।	....	कार्यं विमानचालनम्।
11. सः आरक्षकः।	....	धर्मः अनुशासनरक्षा।
12. एषा लता।	....	पुष्पाणि सुन्दराणि।
13. तौ ज्येष्ठौ।	....	आदेशं पालयतु।
14. सा बुद्धिमती।	....	साहाय्यं स्वीकरोतु।
15. तत् पुष्पम्।	....	सुगन्धः आह्लादकरः।
16. तानि वाहनानि।	....	वेगः महान्।
17. अहम् अभिमन्युः।	....	माता उत्तरा।
18. एतत फलम्।	....	आकारं पश्यतु।
19. एतानि गृहाणि।	....	औन्नत्यं बहु अस्ति।
20. वयं भारतीयाः।	....	देशः भारतदेशः।

पुरतः/पृष्ठतः/वामतः/दक्षिणतः/उपरि इति शब्दानां परिचयः।



विद्यालयस्य पुरतः छात्राः सन्ति।
विद्यालयस्य पृष्ठतः पर्वतः अस्ति।
विद्यालयस्य वामतः उद्यानम् अस्ति।
विद्यालयस्य दक्षिणतः वृक्षाः सन्ति।
विद्यालयस्य उपरि जलागारः अस्ति।

अभ्यासः – 230

पुरतः /पृष्ठतः/ उपरि/अधः/वामतः/दक्षिणतः/अन्तः इति शब्दानां प्रयोगे षष्ठी

✍ **उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[उदाहरणों के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the examples.]

I.	उदा०–	1.	(गृहम्)	.....गृहस्य....	..पुरतः	उद्यानम् अस्ति।
		2.	(उद्यानम्)	....	....	मार्गः अस्ति।
		3.	(शिवः)	....	....	नन्दिविग्रहः अस्ति।
		4.	(भवनम्)	....	....	मुख्यद्वारम् अस्ति।
		5.	(कार्यालयः)	....	....	यानानि तिष्ठन्ति।
II.	उदा०–	6.	(मन्दिरम्)	...मन्दिरस्य..	..पृष्ठतः	वृषभः निद्राति।
		7.	(गृहम्)	....	....	कूपः अस्ति।
		8.	(उत्पीठिका)	....	....	आसन्दः अस्ति।
		9.	(भवनम्)	....	....	सस्यानि सन्ति।
		10.	(विद्यालयः)	....	....	क्रीडाङ्गणम् अस्ति।
III.	उदा०–	11.	(भवनम्)	....भवनस्य...	...उपरि.	जलागारम् अस्ति।
		12.	(जलागारः)	....	....	काकः अस्ति।
		13.	(उत्पीठिका)	....	....	पुस्तकम् अस्ति।
		14.	(सञ्चिका)	....	....	नाम लिखितम् अस्ति।
		15.	(दीपः)	....	....	कीटः भ्रमति।

IV.	उदा०– 16.	(उत्पीठिका)	उत्पीठिकायाः	अधः	अवकरिका अस्ति।
	17.	(वृक्षः)	....	....	बालाः क्रीडन्ति।
	18.	(वित्तकोशः)	....	....	कार्यालयः अस्ति।
	19.	(पत्रभारः)	....	....	अद्यतनपत्रिका अस्ति।
	20.	(सोपानम्)	....	....	बिडालः अस्ति।
V.	उदा०– 21.	(उत्पीठिका)	उत्पीठिकायाः	वामतः	अवकरिका अस्ति।
	22.	(आम्रवृक्षः)	....	....	कदलीवृक्षः अस्ति।
	23.	(नलिका)	....	....	द्रोणी अस्ति।
	24.	(लेखनी)	....	....	मापिका अस्ति।
	25.	(मन्दिरम्)	....	....	उद्यानम् अस्ति।
VI.	उदा०– 26.	(कार्यालयः)	कार्यालयस्य	दक्षिणतः	उपाहारगृहम् अस्ति।
	27.	(मार्गः)	....	....	आम्रवृक्षाः सन्ति।
	28.	(पाठशाला)	....	....	ग्रन्थालयः अस्ति।
	29.	(भवनम्)	....	....	आपणः अस्ति।
	30.	(व्यजनम्)	....	....	पिञ्जरम् अस्ति।
VII.	उदा०– 31.	(स्यूतः)	स्यूतस्य	अन्तः	धनम् अस्ति।
	32.	(पाकशाला)	....	....	चुल्लिः अस्ति।
	33.	(भवनम्)	....	....	यन्त्राणि सन्ति।
	34.	(प्रकोष्ठः)	....	....	कपाटिका अस्ति।
	35.	(पेटिका)	....	....	वस्त्राणि सन्ति।

अभ्यासः – 231

पुरतः / पृष्ठतः / उपरि / अधः / वामतः / दक्षिणतः / अन्तः इति शब्दानां प्रयोगे षष्ठी

✍ **कोष्ठगतपदानां षष्ठ्यन्तरूपैः उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[कोष्ठक में दिये गये शब्दों की षष्ठी विभक्ति के रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by changing the words given in brackets into sixth case ending.]

उदा० – 1. ....पर्वतस्य... वामतः नदी प्रवहति। (पर्वतः)
2. .... पृष्ठतः क्रीडाक्षेत्रम् अस्ति। (विद्यालयः)
3. .... अधः विडालः स्वपिति। (फलकम्)
4. .... उपरि कोकिलः कूजति। (आम्रवृक्षः)
5. .... पुरतः न्यायालयः अस्ति। (सचिवालयः)
6. .... दक्षिणतः ध्यानकेन्द्रम् अस्ति। (व्यायामशाला)
7. .... पृष्ठतः गुप्तमार्गः अस्ति। (प्रधानमार्गः)
8. .... अन्तः मण्डूकः रटति। (कूपः)
9. .... वामतः वसतिगृहम् अस्ति। (वित्तकोषः)
10. .... उपरि हस्तिपकः अस्ति। (गजः)
11. .... अन्तः पुष्पाणि सन्ति। (उद्यानम्)
12. .... पुरतः तुलसीवृक्षः अस्ति। (गृहम्)
13. .... पृष्ठतः वित्तकोषः अस्ति। (पाठशाला)
14. .... वामतः देवगृहम् अस्ति। (पाकशाला)
15. .... अधः नासिका अस्ति। (नेत्रे)
16. .... अन्तः जलम् अस्ति। (कूपी)
17. .... अन्तः पुनःपूरणी अस्ति। (लेखनी)
18. .... उपरि मा उपविशतु। (वृक्षशाखा)
19. .... पुरतः नटराजविग्रहः अस्ति। (नृत्यशाला)
20. .... दक्षिणतः गणेशः तिष्ठति। (सुरेशः)

पञ्चमः स्तबकः

5.3 तृतीयः पाठः

[सप्तमी]

5.3.1 सप्तमीप्रयोगाः



ध्यानेन पठन्तु-

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]



नीडः



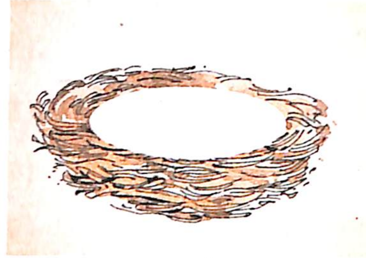
वृक्षः



नीडः वृक्षे अस्ति।



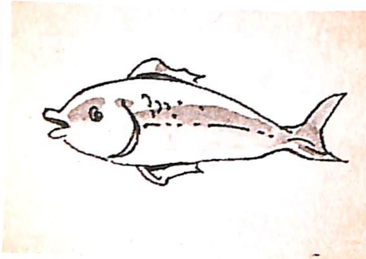
खगाः



नीडः



खगाः नीडे वसन्ति।



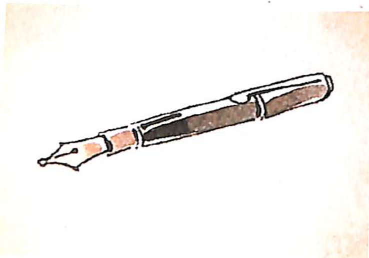
मीनः



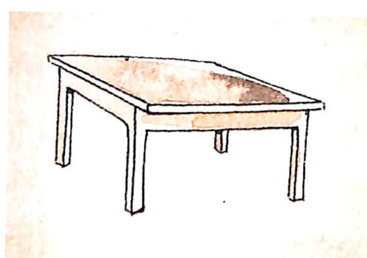
जलम्



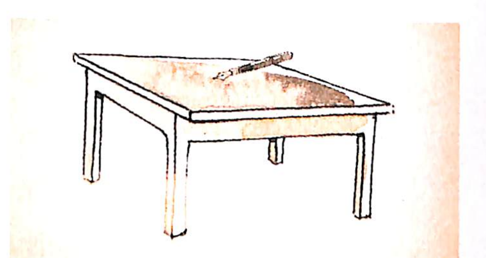
मीनः जले तरति।



लेखनी

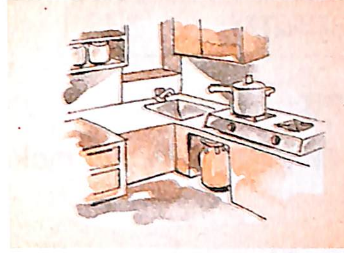


उत्पीठिका



लेखनी उत्पीठिकायाम् अस्ति।

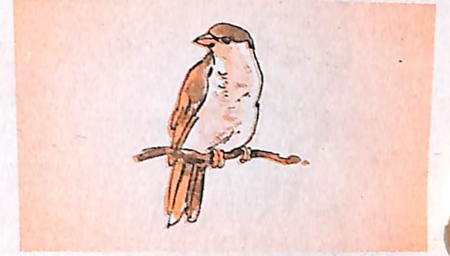

महिला

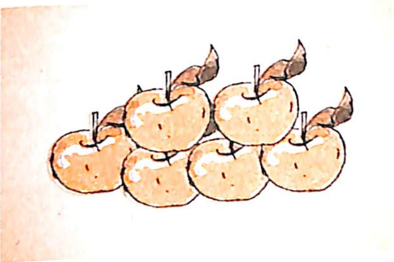

पाकशाला

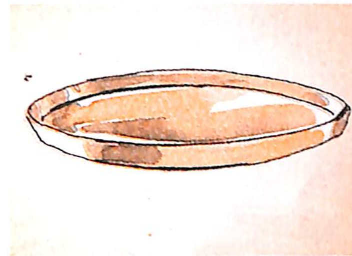

महिला पाकशालायां पचति ।

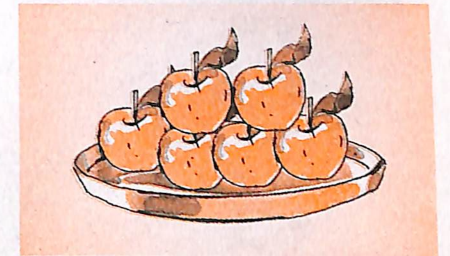

चटका


शाखा


चटका शाखायाम् उपविशति ।


फलानि


स्थाली


फलानि स्थाल्यां सन्ति ।


नौका


नदी


नौका नद्यां चलति ।


मुनिवरः

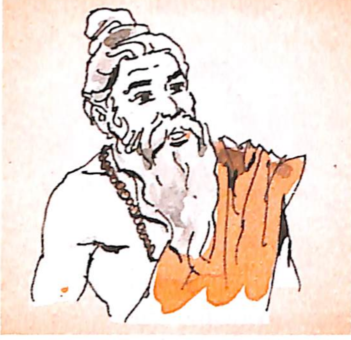

नदी


मुनिवरः नद्याम् अस्ति ।

अभ्यासः – 232

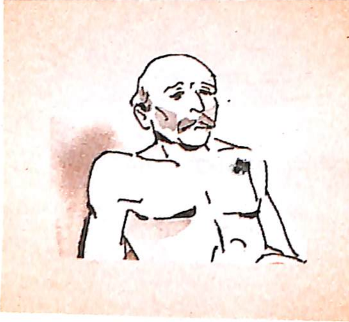
 **उदाहरणानुगुणं वाक्यानि लिखन्तु-**

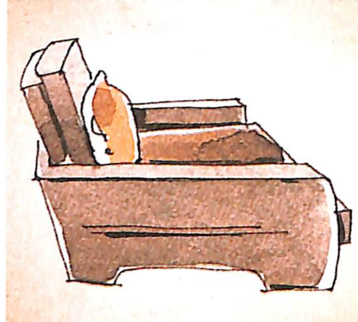
[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों को लिखिए। Please make sentences as shown in the examples.]

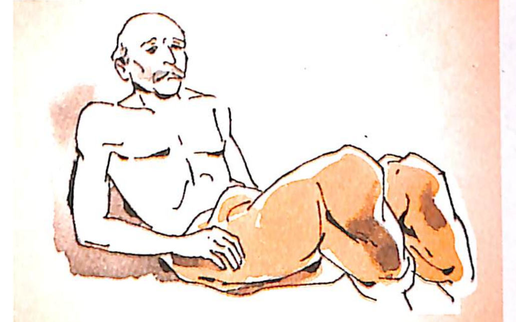

मुनिवरः

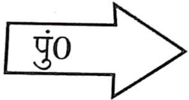

कुटीरः


मुनिवरः कुटीरे वसति।


वृद्धः


आसन्दः


वृद्धः आसन्दे उपविशति।

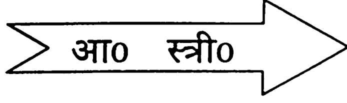


उदा0-
1. बालकः (विद्यालयः) पठति।
2. भक्ताः (देवालयः) अर्चन्ति।
3. यानानि (मार्गः) गच्छन्ति।
4. खगाः (वृक्षः) कूजन्ति।

1. बालकः विद्यालये पठति।
2. ....।
3. ....।
4. ....।

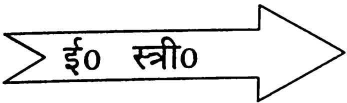
5. मृगाः (प्राणिविहारः) विहरन्ति।
6. अध्यापिका (पुस्तकालयः) पठति।

5. ....।
6. ....।



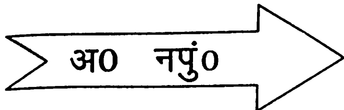
उदा०– 7. पुष्पाणि (लता) विकसन्ति।
8. बालिका (दोला) स्वपिति।
9. छात्राः (पाठशाला) पठन्ति।
10. वत्साः (गोशाला) तिष्ठन्ति।
11. पर्यटकाः (मेला) भ्रमन्ति।
12. वानरः (शाखा) उपविशति।

7. पुष्पाणि .लतायां... विकसन्ति।
8. ....।
9. ....।
10. ....।
11. ....।
12. ....।



उदा०–13. महिलाः (नदी) स्नान्ति।
14. राज्यपालः (राजधानी) तिष्ठति।
15. अग्रजः (भगिनी) स्निह्यति।
16. कृषकौ (शकटी) उपविशतः।
17. गृहिणी (भिक्षुकी) दयां करोति।
18. मसी (लेखनी) अस्ति।

13. महिलाः ...नद्यां... स्नान्ति।
14. ....।
15. ....।
16. ....।
17. ....।
18. ....।



उदा०–19. मीनाः (जलम्) तरन्ति।
20. जनाः (लोकयानम्) उपविशन्ति।
21. विग्रहाः (मन्दिरम्) सन्ति।
22. कृष्णः (मित्राणि) स्निह्यति।
23. कमलिनी (आसनम्) उपविशति।
24. नक्षत्रं (गगनम्) भाति।

19. मीनाः ....जले.. तरन्ति।
20. ....।
21. ....।
22. ....।
23. ....।
24. ....।

अभ्यासः – 233

सप्तम्यां रूपाणि

उदाहरणानुगुणं रूपाणि लिखन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार रूपों को लिखिए। Please form sentences as shown in the examples.]

अ० पुं०

उदा०– 1.	देवः	→	देवे	देवयोः	देवेषु
2.	वृक्षः	→	....	....	.... ।
3.	धीवरः	→	....	....	.... ।
4.	छात्रः	→	....	....	.... ।
5.	चालकः	→	....	....	....

आ० स्त्री०

उदा०– 6.	बालिका	→	बालिकायाम्	बालिकयोः	बालिकासु
7.	तालिका	→	....	....	.... ।
8.	माला	→	....	....	.... ।
9.	छाया	→	....	....	.... ।
10.	गायिका	→	....	....	.... ।

ई० स्त्री०

11.	विद्यार्थिनी	→	विद्यार्थिन्याम्	विद्यार्थिन्योः	विद्यार्थिनीषु
12.	गृहिणी	→	....	....	.... ।
13.	दर्वी	→	....	....	.... ।
14.	कर्तरी	→	....	....	.... ।
15.	सूची	→	....	....	.... ।

अ० नपुं०

16.	फलम्	→	फले	फलयोः	फलेषु
17.	खनित्रम्	→	....	....	.... ।
18.	नीडम्	→	....	....	.... ।
19.	छत्रम्	→	....	....	.... ।
20.	करतलम्	→	....	....	.... ।

सर्वनामशब्दानां सप्तम्यां रूपाणि

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत्	पुं०	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु
	नपुं०	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु
	स्त्री०	एतस्याम्	एतयोः	एतासु
तत्	पुं०	तस्मिन्	तयोः	तेषु
	नपुं०	तस्मिन्	तयोः	तेषु
	स्त्री०	तस्याम्	तयोः	तासु
भवत्	पुं०	भवति	भवतोः	भवत्सु
	नपुं०	भवति	भवतोः	भवत्सु
	स्त्री०	भवत्याम्	भवत्योः	भवतीषु
किम्	पुं०	कस्मिन्	कयोः	केषु
	नपुं०	कस्मिन्	कयोः	केषु
	स्त्री०	कस्याम्	कयोः	कासु
सर्व	पुं०	सर्वे	सर्वयोः	सर्वेषु
	नपुं०	सर्वे	सर्वयोः	सर्वेषु
	स्त्री०	सर्वस्याम्	सर्वयोः	सर्वासु

अभ्यासः – 234

कुत्र ? ...... (सप्तम्यन्तपदम्)

✍ **प्रश्नानुगुणम् उत्तरं लिखन्तु–**

[प्रश्नों के अनुसार उत्तर लिखिए। Please write answers for the following questions.]

प्रश्नः 		उत्तरम् 
1. छात्राः कुत्र पठन्ति ?	(विद्यालयः)	.विद्यालये...... ।
2. अध्यापकाः कुत्र पठन्ति ?	(पुस्तकालयः)	.... ।
3. कृषकाः कुत्र वसन्ति ?	(ग्रामः)	.... ।
4. बालकाः कुत्र क्रीडन्ति ?	(क्रीडाङ्गणम्)	.... ।
5. आपणिकः कुत्र विक्रयणं करोति ?	(आपणः)	.... ।
6. ग्रामीणाः कुत्र स्नान्ति ?	(कूपः)	.... ।
7. मयूराः कुत्र नृत्यन्ति ?	(वनम्)	.... ।
8. अश्वाः कुत्र नृत्यन्ति ?	(अश्वशाला)	.... ।
9. गजाः कुत्र तिष्ठन्ति ?	(गजशाला)	.... ।
10. जनाः कुत्र स्नान्ति ?	(नदी)	.... ।
11. भक्ताः कुत्र स्नान्ति ?	(गङ्गा)	.... ।
12. वाहनानि कुत्र सञ्चरन्ति ?	(मार्गः)	.... ।
13. पक्षिणः कुत्र निवसन्ति ?	(नीडः)	.... ।
14. मृगाः कुत्र निवसन्ति ?	(वनम्)	.... ।
15. दन्ताः कुत्र सन्ति ?	(मुखम्)	.... ।
16. शिशुः कुत्र निद्राति ?	(प्रेङ्खा)	.... ।
17. लोकसभा कुत्र अस्ति ?	(देहली)	.... ।
18. मौक्तिकानि कुत्र सन्ति ?	(सागरः)	.... ।
19. फलं कुत्र अस्ति ?	(वृक्षः)	.... ।
20. कृषकः कुत्र कार्यं करोति ?	(क्षेत्रम्)	.... ।
21. जनाः शाकानि कुत्र क्रीणन्ति ?	(शाकापणः)	.... ।

अभ्यासः – 235

...... कुत्र ...... ?

उत्तराणि दृष्ट्वा स्थूलाक्षरैः निर्दिष्टम् अंशम् आश्रित्य प्रश्नान् लिखन्तु–

[उत्तरों को देखकर स्थूलाक्षरों में निर्दिष्ट अंशो पर आधारित प्रश्नों को लिखिए। Please frame questions for the given answers based on the bold words..]

उदा० –	1. छात्राः **पुस्तकालये** पठन्ति।	1. ..छात्राः.. कुत्र... पठन्ति.... ?
	2. मीनाः **नद्यां** तरन्ति।	2. .... ?
	3. पुष्पाणि **लतायां** विकसन्ति।	3. .... ?
	4. फलानि **वृक्षे** फलन्ति।	4. .... ?
	5. कृषकाः **क्षेत्रे** कर्षन्ति।	5. .... ?
	6. घण्टाः **मन्दिरे** नदन्ति।	6. .... ?
	7. कुक्कुराः **मार्गे** बुक्कन्ति।	7. .... ?
	8. खगाः **वृक्षे** वसन्ति।	8. .... ?
	9. वानराः **शाखासु** उपविशन्ति।	9. .... ?
	10. पर्यटकाः **नगरे** भ्रमन्ति।	10. .... ?
	11. भवनानि **पत्तने** सन्ति।	11. .... ?
	12. कथा **पुस्तके** अस्ति।	12 .... ?
	13. जलं **कूपे** अस्ति।	13. .... ?
	14. बालकः **मञ्चे** निद्राति।	14. .... ?
	15. धनं **कोषे** अस्ति।	15. .... ?
	16. विग्रहः **देवालये** अस्ति।	16. .... ?
	17. छात्राः **छात्रावासे** वसन्ति।	17. .... ?
	18. शिक्षकः **विद्यालये** पाठयति।	18. .... ?
	19. क्रीडापटुः **क्रीडाङ्गणे** क्रीडाभ्यासं करोति।	19. .... ?
	20. भिक्षुकः **मार्गे** तिष्ठति।	20. .... ?

अभ्यासः – 236

सप्तम्यन्तपदप्रयोगाः

✍ **मञ्जूषायां प्रदत्तैः शब्दैः सह सप्तमीं विभक्तिं संयोज्य उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[मञ्जूषा में दिये गये शब्दों के सप्तम्यन्त रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्तस्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by adding seventh case ending to the words given in the box.]

उदा0– 1. शिक्षकाः ..विद्यालये... पाठयन्ति।

2. सिंहाः .... गर्जन्ति।

3. मीनाः .... तरन्ति।

4. मयूराः .... नृत्यन्ति।

5. बालाः .... क्रीडन्ति।

6. महिलाः .... अन्नं पचन्ति।

7. भक्ताः .... स्नान्ति।

8. शिष्याः .... निवसन्ति।

9. काकाः .... उपविशन्ति।

10. धनिकाः .... निवसन्ति।

11. निर्धनाः .... निवसन्ति।

पाकशाला, प्राङ्गणम्, वनम्, जलम्, गङ्गा, गुरुकुलम्, वृक्षः, विद्यालयः, भवनम्, कुटीरम्, उद्यानम्

अभ्यासः – 236+

निर्धारणे सप्तमी

उदा0– ..भीम–अर्जुनयोः.. भीमः ज्येष्ठः। (भीम–अर्जुनौ)

12. .... पाण्डवः श्रेष्ठः। (कौरव–पाण्डवौ)

13. .... यमुना गभीरा। (गङ्गा–यमुने)

14. .... सिंहः बलवान्। (सिंह–व्याघ्रौ)

15. .... ग्रामः शान्तः। (ग्राम–नगरे)

16. .... सर्पः सरीसृपः। (सर्प–नकुलौ)

17. .... पिकस्य स्वरः मधुरः। (काक-पिकौ)

18. .... काकः कृष्णः। (बक–काकौ)

19. .... रामः श्रेष्ठः। (राम-रावणौ)

20. .... राक्षसः क्रूरः। (देव–राक्षसौ)

उदा० – 21. धर्मराजः (पाण्डवाः) ज्येष्ठः।	21. ...धर्मराजः... पाण्डवेषु. ...ज्येष्ठः...।
22. दुर्योधनः (कौरवाः) ज्येष्ठः।	22. ....।
23. काकः (खगाः) चतुरः।	23. ....।
24. रामः (पुरुषाः) उत्तमः।	24. ....।
25. प्रयागः (तीर्थानि) श्रेष्ठः।	25. ....।
26. काशी (नगर्यः) पवित्रा।	26. ....।
27. गजः (जीवाः) विशालः।	27. ....।
28. भीष्मः (कौरवाः) ज्येष्ठः।	28. ....।
29. अर्जुनः (पाण्डवाः) धीरः।	29. ....।
30. कमलं (पुष्पाणि) उत्तमम्।	30. ....।

अभ्यासः – 237

सप्तम्यन्तपदप्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं कोष्ठगतशब्दानां सप्तम्यन्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठक में दिये गये शब्दों के सप्तम्यन्त रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by adding seventh case ending to the words given in brackets.]

उदा०– 1.	धीवरः	...नद्यां......	जालं प्रसारयति	(नदी)
2.	यतिवरः	....	स्नातुं गच्छति।	(सङ्गमः)
3.	भक्तः	....	जगन्नाथम् अर्चति।	(पुरी)
4.	पर्यटकः	....	चित्राणि प्रशंसति।	(कोणार्कः)
5.	बालकाः	....	जन्तून् पश्यन्ति।	(नन्दनकाननम्)
6.	गुरुः	....	उपविशति।	(कटः)
7.	शिवः	....	वसति।	(हिमालयः)
8.	युधिष्ठिरः	....	श्रेष्ठः।	(पाण्डवाः)
9.	....	जननी स्नेहमयी।		(जनक–जनन्यौ)
10.	....	नरः दुर्बलः।		(नर–राक्षसौ)
11.	....	शक्तिः कलौ युगे।		(संघः)
12.	इन्द्रः	....	शासनं करोति।	(स्वर्गः)
13.	हरिः	....	शयनं करोति	(सागरः)
14.	ब्रह्मदेवः	....	उपविशति।	(कमलम्)
15.	....	कौरवाः दुष्टाः।		(पाण्डव–कौरवौ)
16.	चाणक्यः	....	वसति।	(कुटीरम्)
17.	वटुः	....	अध्ययनं करोति।	(गुरुकुलम्)
18.	महाराजः	....	उपविशति।	(सिंहासनम्)
19.	महाराजाः	....	मिलन्ति।	(राजसभा)
20.	मीनाः	....	तरन्ति।	(तडागः)

अभ्यासः – 238

निपुणकुशलादीनां प्रयोगे सप्तमी

उदाहरणानुगुणं कोष्ठगतशब्दानां सप्तम्यन्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठक में दिये गये शब्दों के सप्तम्यन्त रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । Please fill in the blanks by adding seventh case ending to the words given in brackets.]

उदा० – 1. एषा ......नृत्ये...... कुशला । (नृत्यम्)
2. सा .... निपुणा । (कार्यम्)
3. सः .... कुशलः । (विज्ञानम्)
4. भवान् .... कुशलः । (व्यवहारः)
5. भवती .... समर्था । (पाककार्यम्)
6. जगन्नाथः .... कुशलः । (अध्यापनम्)
7. बालकः .... निपुणः । (चित्राङ्कनम्)
8. एषः .... समर्थः । (श्लोकोच्चारणम्)
9. भवती .... निपुणा । (गृहकार्यम्)
10. अहं .... कुशलः । (गानम्)
11. सः .... चतुरः । (गणितम्)
12. सा .... कुशला । (चित्रकला)
13. सः .... सरलः । (जीवनम्)
14. सरिता .... चतुरा । (भाषणम्)
15. बालः .... मन्दः । (भोजनम्)
16. कुमारः .... अलसः । (कार्यम्)
17. एषः .... प्रवीणः । (मृदङ्गवादनम्)
18. एषः .... पण्डितः । (सर्वविषयः)
19. वीरः .... शूरः । (रणम्)
20. बालिका .... अग्रेसरा । (क्रीडा)

अभ्यासः – 239

प्रीतिः, आसक्तिः, स्नेहः, विश्वासः इत्यादीनां शब्दानां प्रयोगे सप्तमी

उदाहरणानुगुणं कोष्ठगतशब्दानां सप्तम्यन्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठक में दिये गये शब्दों के सप्तम्यन्त रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by adding seventh case ending to the words given in brackets.]

उदा० –	1.	जननी	....पुत्रीषु..... स्निह्यति।	(पुत्र्यः)
	2.	अध्यापकः	.... स्निह्यति।	(छात्राः पुं०)
	3.	भगिन्यः	.... स्निह्यन्ति।	(अनुजाः)
	4.	रुग्णाः	.... विश्वासं कुर्वन्ति।	(वैद्याः)
	5.	गृहस्थः	.... विश्वासं करोति।	(सेवकः)
	6.	जनकः	.... विश्वासं करोति।	(पुत्राः)
	7.	अम्बायाः	.... प्रीतिः अस्ति।	(पुत्रः)
	8.	देशसेवकस्य	.... प्रीतिः अस्ति।	(देशः)
	9.	यतिवरस्य	.... प्रीतिः अस्ति।	(ध्यानम्)
	10.	राक्षसस्य	.... आसक्तिः।	(स्वर्गः)
	11.	मुनिवरस्य	.... आसक्तिः।	(मोक्षः)
	12.	दुर्जनस्य	.... आसक्तिः।	(असदाचरणम्)
	13.	तक्षकः	.... निपुणः।	(तक्षणम्)
	14.	योगिवरः	.... कुशलः।	(योगः)
	15.	पाचकः	.... निपुणः।	(पाककार्यम्)
	16.	भक्तानां	.... भक्तिः।	(देवताः)
	17.	सेविकानां	.... श्रद्धा अस्ति।	(राज्ञी)
	18.	जनकः	.... वात्सल्यं प्रदर्शयति।	(सन्तानाः)
	19.	प्रजानां	.... आदरः	(नृपाः)
	20.	पुत्रः	.... विनयं प्रदर्शयति।	(जनकजनन्यौ)

अभ्यासः – 240

प्रीतिः, स्नेहः, भक्तिः, आदरः, आसक्तः, विनयः, नम्रता, इत्यादीनां प्रयोगे सप्तम्याः प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं कोष्ठगतशब्दानां सप्तम्यन्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[कोष्ठक में दिये गये शब्दों के सप्तम्यन्त रूपों से उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by adding seventh case ending to the words given in brackets.]

यथा– नरेशः ....तस्मिन्.... प्रीतिं दर्शयति। (सः)

1. नरेशः .... आसक्तः अस्ति। (एषा)
2. नरेशः .... विनयं प्रदर्शयति। (भवान्)
3. नरेशः .... वात्सल्यं करोति। (त्वम्)
4. नरेशः .... विश्वासं करोति। (मित्रम्)
5. नरेशः .... श्रद्धां प्रदर्शयति। (अहम्)
6. नरेशः .... स्नेहं प्रदर्शयति। (भवती)
7. नरेशः .... नम्रतां प्रदर्शयति। (ते स्त्री॰)
8. नरेशः .... प्रेम प्रदर्शयति। (एताः)
9. नरेशः .... भक्तिं प्रदर्शयति। (ताः)
10. नरेशः .... आदरं प्रदर्शयति। (भवन्तः)
11. नरेशः .... विशेषादरं प्रदर्शयति। (वयम्)
12. नरेशः .... विनयं प्रदर्शयति। (भवत्यः)
13. नरेशः .... प्रीतिं प्रदर्शयति। (यूयम्)
14. नरेशः .... स्नेहं प्रदर्शयति। (एषा)
15. नरेशः .... शङ्कां करोति ? (के – पुं॰)
16. नरेशः .... नम्रतां प्रकटयति ? (काः)

[संख्याः]

5.3.2 एकतः विंशतिपर्यन्तं (1–20) संख्याः



ध्यानेन पठन्तु–

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकम्	1	१
द्वे	2	२
त्रीणि	3	३
चत्वारि	4	४
पञ्च	5	५
षट्	6	६
सप्त	7	७
अष्ट	8	८
नव	9	९
दश	10	१०
एकादश	11	११
द्वादश	12	१२
त्रयोदश	13	१३
चतुर्दश	14	१४
पञ्चदश	15	१५
षोडश	16	१६
सप्तदश	17	१७
अष्टादश	18	१८
नवदश	19	१९
विंशतिः	20	२०

अभ्यासः – 241

संख्यानाम् अक्षरेषु लेखनम्

उदाहरणानुगुणं संख्याम् अक्षरैः लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार संख्या को अक्षरों में लिखिए। Write the numbers in words as per the example.]

उदा० – 5. – .....पञ्च.....
9. – ....
6. – ....
12. – ....
20. – ....
3. – ....
15. – ....
7. – ....
4. – ....
11. – ....
18. – ....
2. – ....
16. – ....
1. – ....
8. – ....
13. – ....
10. – ....
14. – ....
17. – ....
19. – ....

अभ्यासः – 242

संख्यानाम् अङ्केषु लेखनम्

उदाहरणानुगुणं संख्याम् अङ्केषु लिखन्तु–

[उदाहरण के अनुसार संख्या को अंकों में लिखिए। Write numbers in place of the following words as per the example.]

उदा० – अष्ट – ......8.......

एकम् – ....

विंशतिः – ....

एकादश – ....

द्वे – ....

नव – ....

नवदश – ....

द्वादश – ....

सप्त – ....

त्रीणि – ....

अष्टादश – ....

त्रयोदश – ....

चत्वारि – ....

षोडश – ....

पञ्च – ....

चतुर्दश – ....

षट् – ....

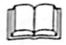
दश – ....

पञ्चदश – ....

सप्तदश – ....

अभ्यासः – 243

एकविंशतितः षष्टिपर्यन्तं संख्याः (21–60)

 **ध्यानेन पठन्तु–**
[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकविंशतिः	21
द्वाविंशतिः	22
त्रयोविंशतिः	23
चतुर्विंशतिः	24
पञ्चविंशतिः	25
षड्विंशतिः	26
सप्तविंशतिः	27
अष्टाविंशतिः	28
नवविंशतिः	29
त्रिंशत्	30

✍ सङ्ख्याः अक्षरेषु लिखन्तु–

I.

एकत्रिंशत्	–	31
....	–	32
त्रयस्त्रिंशत्	–	33
चतुस्त्रिंशद्	–	34
पञ्चत्रिंशत्	–	35
....	–	36
....	–	37
....	–	38
....	–	39
चत्वारिंशत्	–	40

II.

एकचत्वारिंशत्	–	41
द्विचत्वारिंशत्	–	42
त्रिचत्वारिंशत्	–	43
चतुश्चत्वारिंशत्	–	44
....	–	45
....	–	46
....	–	47
अष्टचत्वारिंशत्	–	48
....	–	49
पञ्चाशत्	–	50

III.

एकपञ्चाशत्	–	51
....	–	52
....	–	53
चतुःपञ्चाशत्	–	54
....	–	55
....	–	56
....	–	57
....	–	58
....	–	59
षष्टिः	–	60

अभ्यासः – 244

एकषष्टितः शतपर्यन्तम् संख्याः (61–100)

अङ्कैः दर्शितां सङ्ख्यां रिक्तस्थानेषु अक्षरैः लिखन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार अङ्को में प्रदर्शित संख्या को अक्षरों में लिखिए। Write the following numbers in words as shown in the examples.]

I.

एकषष्टिः	–	61
....	–	62
....त्रिषष्टिः....	–	63
....	–	64
....	–	65
....	–	66
....	–	67
....	–	68
....	–	69
सप्ततिः	–	70

II.

एकसप्ततिः	–	71
....	–	72
....	–	73
....	–	74
....	–	75
....	–	76
....	–	77
....	–	78
....	–	79
अशीतिः	–	80

III.

एकाशीतिः	–	81
द्व्यशीतिः	–	82
त्र्यशीतिः	–	83
चतुरशीतिः	–	84
पञ्चाशीतिः	–	85
षडशीतिः	–	86
सप्ताशीतिः	–	87
अष्टाशीतिः	–	88
नवाशीतिः	–	89
नवतिः	–	90

IV.

एकनवतिः	–	91
द्विनवतिः	–	92
त्रिनवतिः	–	93
....	–	94
....	–	95
षण्णवतिः	–	96
....	–	97
....	–	98
नवनवतिः	–	99
शतम्	–	100

अभ्यासः – 245

संख्यानाम् अक्षरेषु लेखनम्

✍ **सङ्ख्याम् अक्षरैः लिखन्तु–**

[संख्या को अक्षरों में लिखिए। Please write the following numbers in words.]

उदा० – 30 – ...त्रिंशत्.....

40 – ....

70 – ....

10 – ....

50 – ....

80 – ....

60 – ....

20 – ....

90 – ....

अभ्यासः – 246

✍ **अक्षरैः लिखितां सङ्ख्याम् अङ्कैः लिखन्तु–**

[अक्षरों में निर्दिष्ट संख्या को अंकों में लिखिए। Write numbers in place of following words.]

उदा० – विंशतिः – .....20.......

चत्वारिंशत् – ....

अशीतिः – ....

पञ्चाशत् – ....

नवतिः – ....

षष्टिः – ....

दश – ....

त्रिंशत् – ....

अभ्यासः – 247

संख्यानां शब्देषु लेखनम्

✍ **सङ्ख्याम् अक्षरैः लिखन्तु–**

[संख्या को अक्षरों में लिखिए। Write the following numbers in words.]

I. उदा०– 81 – ..एकाशीतिः...
82 – ....
83 – ....
84 – ....
85 – ....
86 – ....
87 – ....
88 – ....
89 – ....

II. उदा०– 90 – ....नवतिः.....
91 – ....
92 – ....
93 – ....
94 – ....
95 – ....
96 – ....
97 – ....
98 – ....
99 – ....

अभ्यासः – 248

✍ **एताः सङ्ख्याः क्रमेण लिखन्तु–**

[इन संख्याओं को क्रम से लिखिए। Arrange the following words in ascending order.]

उदा०– एकाशीतिः, षडशीतिः, नवतिः, त्र्यशीतिः,
पञ्चाशीतिः, द्व्यशीतिः, सप्ताशीतिः,
नवाशीतिः, चतुरशीतिः, अष्टाशीतिः.

..एकाशीतिः....
..द्व्यशीतिः....
....
....
....
....
....
....
....
....

अभ्यासः – 249

संख्यानां शब्देषु लेखनम्

अङ्कान् अक्षरैः लिखन्तु–
[अंको को अक्षरों में लिखिए। Write the following numbers in words.]

I. उदा०– 12	–	....द्वादश.....	II. उदा०– 13	–	..त्रयोदश.....
22	–	....	23	–	....
32	–	....	33	–	....
42	–	....	43	–	....
52	–	....	53	–	....
62	–	....	63	–	....
72	–	....	73	–	....
82	–	....	83	–	....
			93	–	....

III. उदा०– 18	–	...अष्टादश...	IV. उदा०– 34	–	चतुस्त्रिंशत्...
28	–	....	62	–	....
38	–	....	54	–	....
48	–	....	83	–	....
58	–	....	96	–	....
68	–	....	87	–	....
78	–	....	93	–	....
88	–	....	64	–	....
98	–	....	44	–	....

परार्धपर्यन्तं संख्याः

 **ध्यानेन पठन्तु–**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

एकम्	1
दश	10
शतम्	100
सहस्रम्	1000
अयुतम्	10000
लक्षम्	100000
नियुतम्	1000000
कोटिः	10000000
अर्बुदम्	100000000
वृन्दम्	1000000000
खर्वः	10000000000
निखर्वः	100000000000
शङ्खः	1000000000000
पद्मः	10000000000000
सागरः	100000000000000
अन्त्यम्	1000000000000000
मध्यम्	10000000000000000
परार्धम्	100000000000000000

श्लोकं कण्ठस्थीकुर्वन्तु–

एकं दश शतं चैव सहस्रमयुतं तथा।
लक्षं च नियुतं चैव कोटिरर्बुदमेव च।।
वृन्दं खर्वो निखर्वश्च शङ्खः पद्मश्च सागरः।
अन्त्यं मध्यं परार्धं च दशवृद्ध्या यथाक्रमम्।।

5.3.2 संख्येयवाचकेषु लिङ्गभेदः

एकः 

चत्वारः 

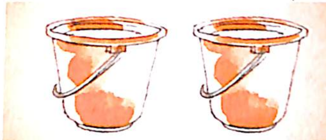
द्वौ 

पञ्च 

त्रयः 

एका 

चतस्रः 

द्वे 

पञ्च 

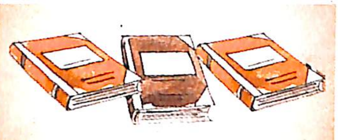
तिस्रः 

एकम् 

चत्वारि 

द्वे 

पञ्च 

त्रीणि 

[5.3.2.2 संख्येयवाचकेषु लिङ्गभेदः]

अभ्यासः – 250

संख्यावाचकानां प्रयोगाः

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

		पुं०		स्त्री०		नपुं०	
उदा०–	1.	एकः	बालकः	एका	बालिका	एकं	पुस्तकम्
	2.	....	आसन्दः	....	लता	....	पत्रम्
	3.	....	छात्रः	....	अध्यापिका	....	पर्णम्
	4.	....	वृक्षः	....	लेखनी	....	पुष्पम्
	5.	....	दण्डः	....	अङ्कनी	....	गृहम्
	6.	....	मार्गः	....	शाखा	....	उद्यानम्
	7.	....	विद्यालयः	....	भित्तिः	....	भवनम्
	8.	....	स्तबकः	....	नासिका	....	मन्दिरम्
	9.	....	ग्रन्थः	....	गृहिणी	....	द्वारम्
	10.	....	वानरः	....	तरुणी	....	बीजम्

अभ्यासः – 251

उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

	पुं०		स्त्री०		नपुं०	
उदा० – 1	द्वौ	बालकौ	द्वे	बालिके	द्वे	पुस्तके
2.	....	आसन्दौ	....	मापिके	....	पत्रे

3.	....	मयूरौ	....	सञ्चिके	....	पर्णे
4.	....	छात्रौ	....	नासिके	....	भवने
5.	....	कण्डोलौ	....	शाखे	....	गृहे
6.	....	पुरुषौ	....	अध्यापिके	....	उद्याने
7.	....	ग्रन्थौ	....	लते	....	मन्दिरे
8.	....	वानरौ	....	गायिके	....	द्वारे
9.	....	विद्यालयौ	....	गृहिण्यौ	....	बीजे
10.	....	दण्डौ	....	तरुण्यौ	....	पुष्पे

अभ्यासः – 252

संख्यावाचकानां प्रयोगाः

 **उदाहरणानुसारं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

	पुं०		स्त्री०		नपुं०	
उदा० – 1.	..त्रयः..	....छात्राः....	..तिस्रः	....बालिकाः..	....त्रीणि	..पुष्पाणि...
2.	....	प्रकोष्ठाः	....	कुञ्चिकाः	....	फलानि
3.	....	वैद्याः	....	शाखाः	....	पत्राणि
4.	....	आपणाः	....	लेखन्यः	....	यानानि
5.	....	मार्गाः	....	लताः	....	उद्यानानि
6.	....	देशाः	....	कूप्यः	....	वातायनानि
7.	....	ग्रन्थाः	....	तरुण्यः	....	भवनानि
8.	....	वृक्षाः	....	अङ्गुल्यः	....	चित्राणि
9.	....	कटाः	....	गायिकाः	....	द्वाराणि
10.	....	छात्राः	....	उत्पीठिकाः	....	मन्दिराणि

अभ्यासः – 253

संख्यावाचकानां प्रयोगाः

✍ उदाहरणानुगुणं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks as shown in the example.]

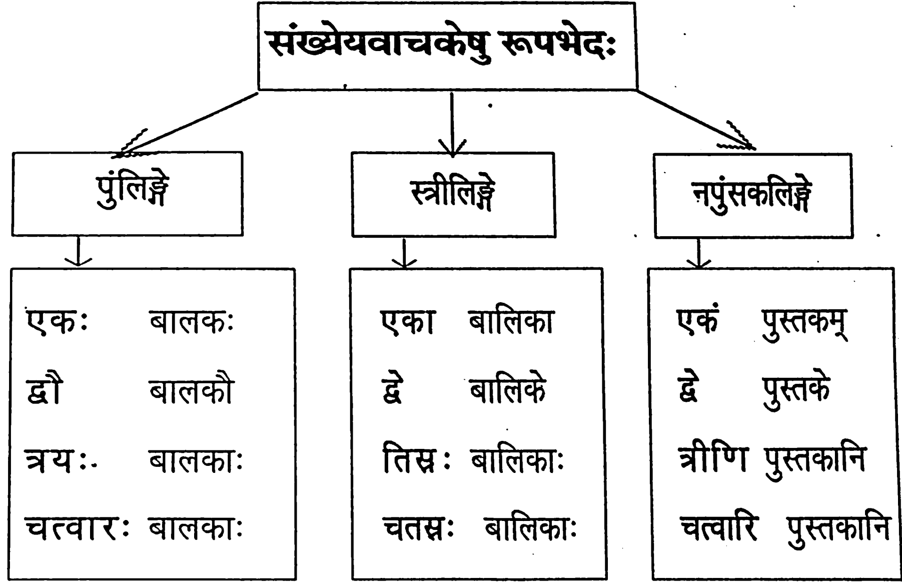
	पुं0		स्त्री0		नपुं0	
उदा0 – 1.	चत्वारः	.....बालकाः.	चतस्रः	...बालिकाः...	चत्वारि	...पुस्तकानि
2.	....	स्यूताः	....	लेखन्यः	....	चित्राणि
3.	....	दीपाः	....	अङ्कन्यः	....	नाणकानि
4.	....	कटाः	....	गृहिण्यः	....	गृहाणि
5.	....	वृक्षाः	....	सिक्थवर्तिकाः	....	फलकानि
6.	....	कण्डोलाः	....	मालाः	....	फलानि
7.	....	मार्गाः	....	लताः	....	भवनानि
8.	....	छात्राः	....	शाखाः	....	बीजानि
9.	....	दण्डाः	....	कुञ्चिकाः	....	उद्यानानि
10.	....	ग्रन्थाः	....	अध्यापिकाः	....	पर्णानि

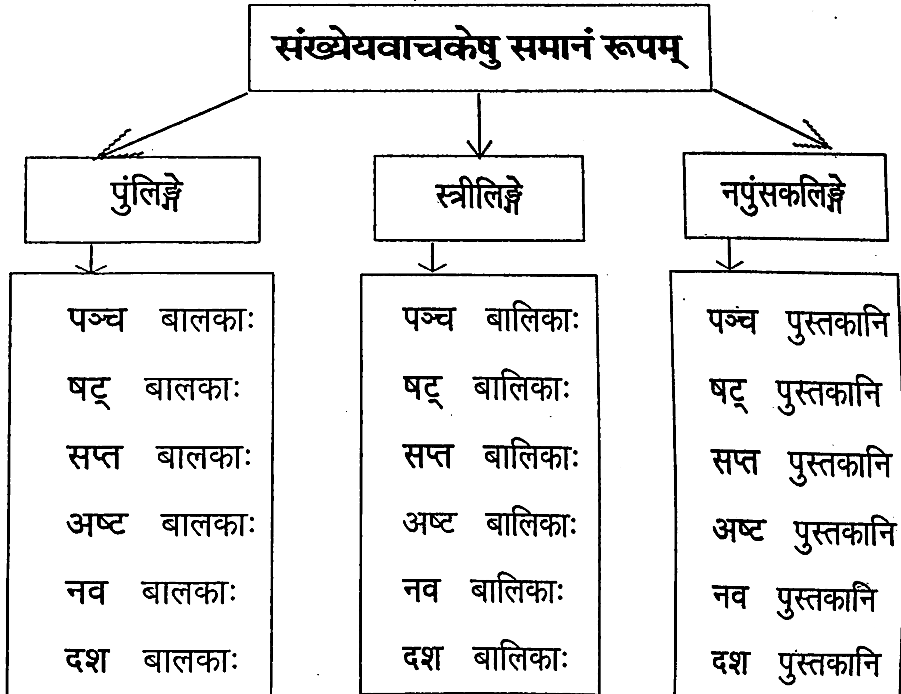
अवधेयम्

 **ध्यानेन पठन्तु।**

[ध्यान से पढ़िए। Please read carefully.]

उदा० –





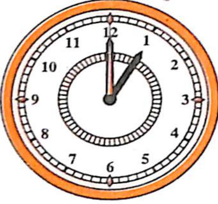
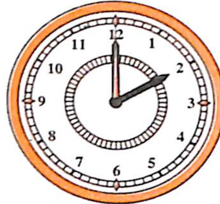
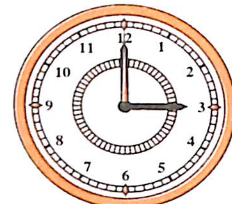
[5..3.3 समयः]

अभ्यासः – 254

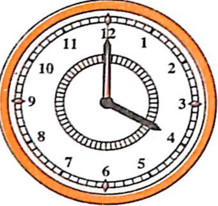
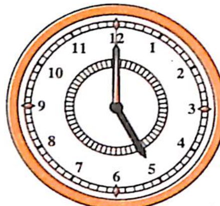
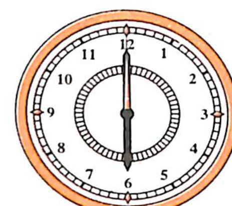
...... वादनम्

उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः लिखन्तु–

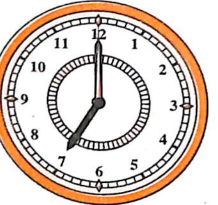
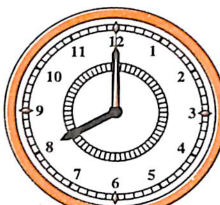
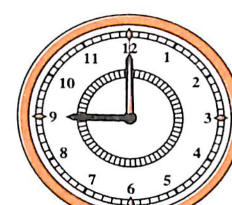
[उदाहरणों के अनुसार समय को अक्षरों में लिखिए। Please write words for the given time as shown in the examples .]

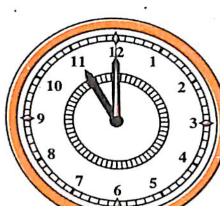
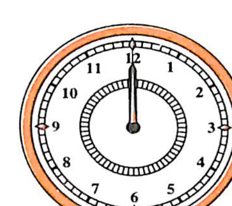
उदा०– एकवादनम् (1.00) द्विवादनम् (2.00) त्रिवादनम् (3.00)

.... (4.00) .... (5.00) .... (6.00)

.... (7.00) .... (8.00) .... (9.00)

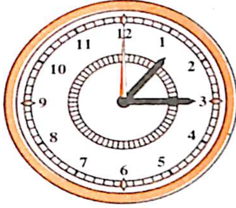
.... (10.00) .... (11.00) .... (12.00)

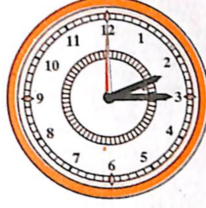
अभ्यासः - 255

सपाद .....

 **उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः लिखन्तु—**

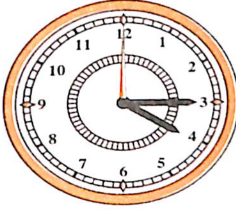
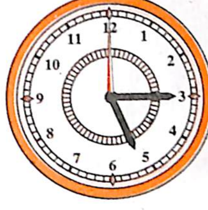
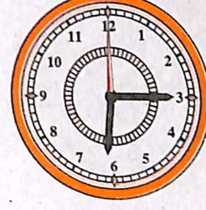
[उदाहरणों के अनुसार समय को अक्षरों में लिखिए। Please write words for the given time as shown in the example s.]



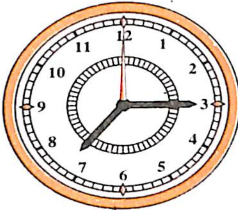
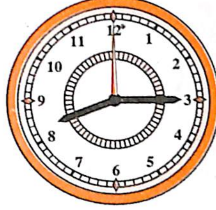
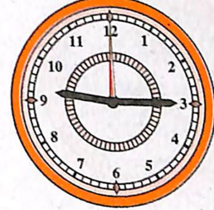




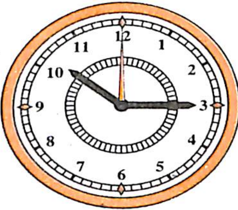
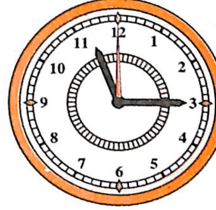
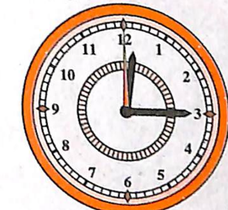
उदा० – सपादैकवादनम् (1.15) सपादद्विवादनम् (2.15) सपादत्रिवादनम् (3.15)

.... (4.15) .... (5.15) .... (6.15)

.... (7.15) .... (8.15) .... (9.15)

.... (10.15) .... (11.15) .... (12.15)

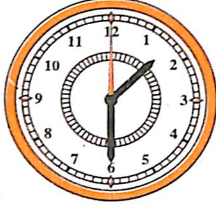
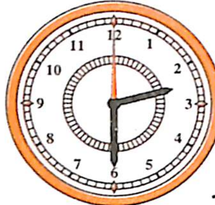
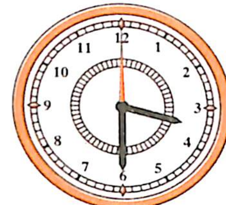
अभ्यासः – 256

सार्ध .....

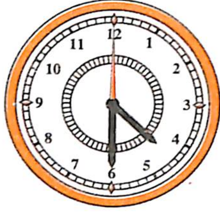
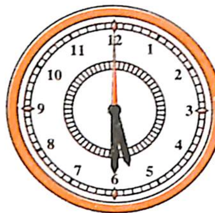
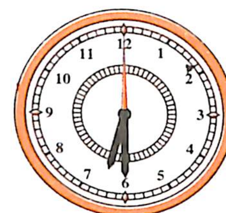


उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः लिखन्तु–

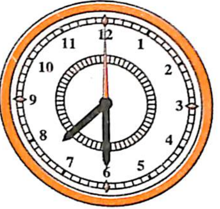
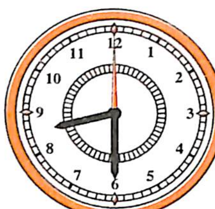
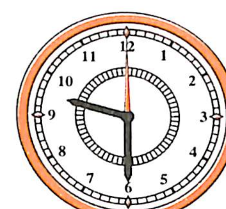
[उदाहरणों के अनुसार समय को अक्षरों में लिखिए। Please write words for the given time as shown in the examples.]

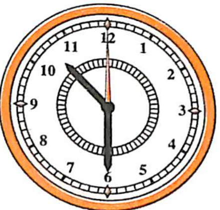
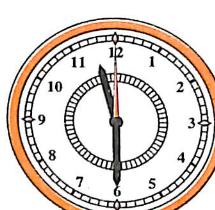
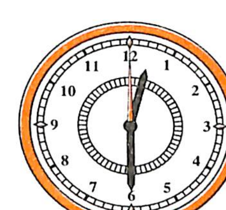
उदा० – सार्धैकवादनम् (1.30) सार्धद्विवादनम् (2.30) सार्धत्रिवादनम् (3.30)

.... (4.30) .... (5.30) .... (6.30)

.... (7.30) .... (8.30) .... (9.30)

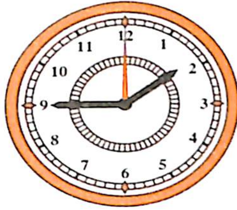
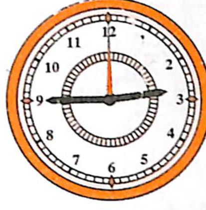
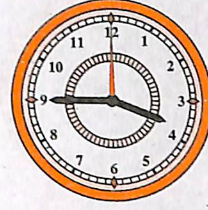
.... (10.30) .... (11.30) .... (12.30)

अभ्यासः – 257

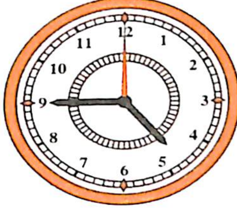
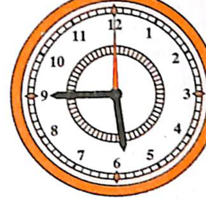
पादोन ....

✍ **उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः लिखन्तु–**

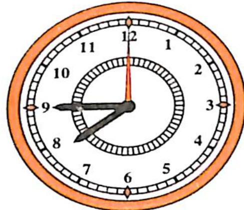
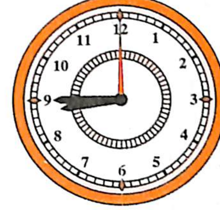
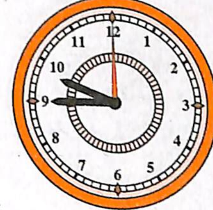
[उदाहरणों के अनुसार समय को अक्षरों में लिखिए । Please write words for the given time as shown in the examples .]

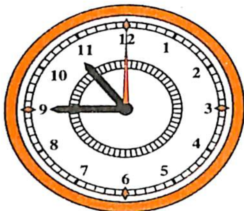
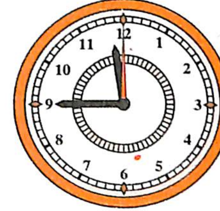
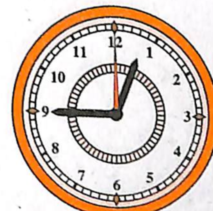
उदा0– पादोनद्विवादनम् (1.45) पादोनत्रिवादनम् (2.45) पादोनचतुर्वादनम् (3.45)


.... (4.45) .... (5.45) .... (6.45)

.... (7.45) .... (8.45) .... (9.45)

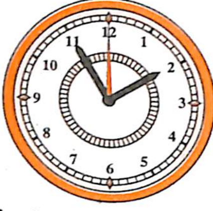
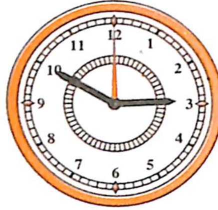
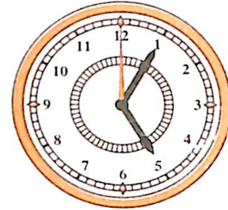
.... (10.45) .... (11.45) .... (12.45)

अभ्यासः – 258

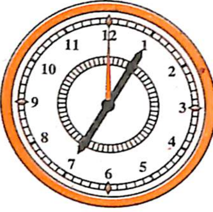
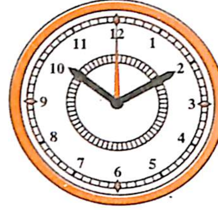
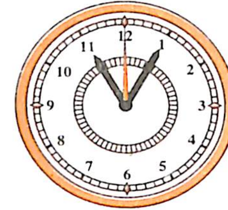
ऊन-अधिक – प्रयोगाः

 **उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः लिखन्तु–**

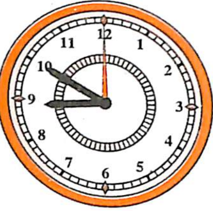
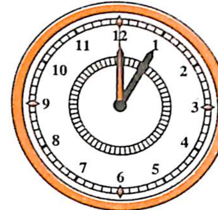
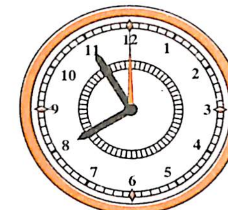
[उदाहरणों के अनुसार समय को अक्षरों में लिखिए । Please write words for the given time as shown in the examples.]

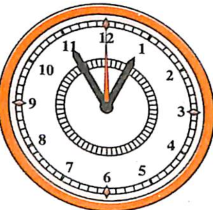
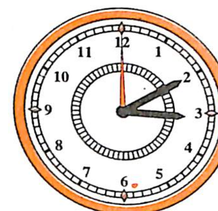
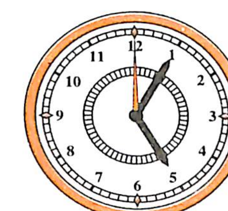
पञ्चोनद्विवादनम् (1.55) दशोनत्रिवादनम् (2.50) पञ्चाधिकपञ्चवादनम् (5.05)

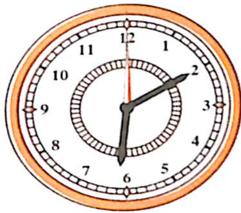
.... (7.05) .... (10.10) .... (11.05)

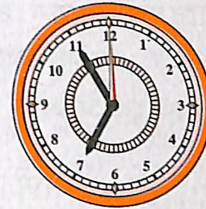




.... (8.50) .... (12.05) .... (7.55)

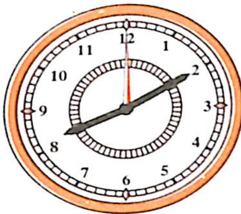
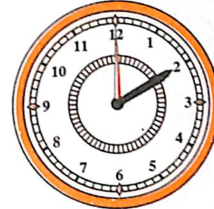




.... (12.55) .... (3.10) .... (5.05)

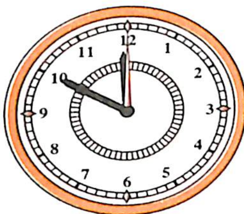
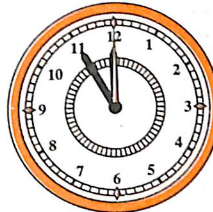
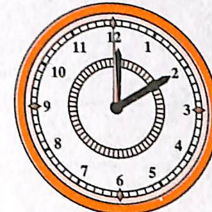




.... (6.10) .... (6.50) .... (6.55)


.... (8.10) .... (2.10) .... (9.05)

.... (11.50) .... (11.55) .... (12.10)

अभ्यासः – 259

समयस्य अक्षरेषु लेखनम्

✍ **उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः निर्दिशन्तु–**

[उदाहरण के अनुसार समय को अक्षरों में व्यक्त करें। Please write words for the given time as shown in the example.]

उदा०– 10.15 – सपाददशवादनम्

1. 11.30 – ....
2. 1.55 – ....
3. 2.15 – ....
4. 3.30 – ....
5. 12.00 – ....
6. 2.10 – ....
7. 4.50 – ....
8. 6.10 – ....
9. 9.05 – ....
10. 5.50 – ....
11. 9.30 – ....
12. 11.45 – ....
13. 12.30 – ....
14. 8.00 – ....
15. 2.00 – ....
16. 7.30 – ....
17. 9.15 – ....
18. 3.10 – ....
19. 10.45 – ....
20. 1.30 – ....
21. 2.50 – ....
22. 4.30 – ....
23. 8.45 – ....
24. 12.50 – ....
25. 1.55 – ....
26. 3.45 – ....
27. 9.50 – ....
28. 6.15 – ....
29. 11.50 – ....
30. 7.10 – ....
31. 5.05 – ....
32. 2.45 – ....
33. 10.00 – ....
34. 3.15 – ....
35. 9.10 – ....
36. 12.45 – ....
37. 7.00 – ....
38. 4.15 – ....
39. 6.50 – ....
40. 10.30 – ....

अभ्यासः – 260

समयवाचकशब्दानां प्रयोगेण सह वाक्यप्रयोगाः

उदाहरणानुसारं वाक्यानि रचयन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the examples.]

उदा० –	1.	अहं	5.30	उत्तिष्ठामि / उत्तिष्ठत / उत्तिष्ठन्ति / उत्तिष्ठामः
	2.	सः	6.45	स्नानं करोति / करोमि / कुर्वन्ति / कुर्मः
	3.	सा	7.00	पूजां करोति / करोमि / कुर्वन्ति / कुर्मः
	4.	एषा	7.15	गृहकार्यं करोति / करोमि / कुर्वन्ति / कुर्मः
	5.	एषः	8.30	अल्पाहारं स्वीकरोति / स्वीकरोमि / स्वीकुर्वन्ति / स्वीकुर्मः
	6.	भवान्	9.15	विद्यालयं गच्छति / गच्छामि / गच्छन्ति / गच्छामः
	7.	भवती	12.45	भोजनं करोति / करोमि / कुर्वन्ति / कुर्मः
	8.	वयमं	4.15	खेलति / खेलामि / खेलन्ति / खेलामः
	9.	बालाः	6.30	गृहम् आगच्छति / आगच्छामि / आगच्छन्ति / आगच्छामः
	10.	बालिका	10.00	शयनं करोति / करोमि / कुर्वन्ति / कुर्मः

उदा० – 1. अहं.... ......सार्धपञ्चवादने. ....उत्तिष्ठामि।
2. सः..... ...पादोनसप्तवादने स्नानं.. ..करोति..।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. ....।
7. ....।
8. ....।
9. ....।
10. ....।

अभ्यासः – 261

समयवाचकशब्दानां वाक्ये प्रयोगाः

उदाहरणानुगुणं समयम् अक्षरैः विलिख्य प्रश्नान् उत्तरन्तु –
[उदाहरण के अनुसार समय को अक्षरों में लिख कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Please answer the questions by writing words in place of given time as per the example.]

उदा० –
1. भवान् कदा कार्यालयं गच्छति ? (10.30)
1. अहं... ..सार्धदशवादने.. .कार्यालयं..... ...गच्छामि.. ।
2. भवती कदा विद्यालयं गच्छति ? (7.30)
2. .... ।
3. कार्यालयः कदा पिहितः भवति ? (6.00)
3. .... ।
4. मन्दिरं कदा पिहितं भवति ? (10.00)
4. .... ।
5. सांस्कृतिकः कार्यक्रमः कदा अस्ति ? (5.15)
5. .... ।
6. अध्यापिका कदा आगमिष्यति ? (1.45)
6. .... ।
7. बालिका कदा शयनं करोति ? (9.10)
7. .... ।
8. आपणस्य उद्घाटनं कदा भवति ? (8.50)
8. .... ।
9. वैद्यस्य आगमनकालः कः ? (11.40)
9. .... ।
10. अत्र सूर्योदयः कदा भवति ? (5.30)
10. .... ।

अभ्यासः – 262

कदा ....
... वादने ...

उदाहरणानुगुणं उत्तरवाक्यस्य प्रश्नान् लिखन्तु–
[उदाहरणों के अनुसार उत्तरवाक्यों के रेखाङ्कित अंशो पर आधारित प्रश्नवाक्य लिखिए। Please frame questions based on the words underlined in the given answers.]

उदा० –

1. छात्रः **नववादने** अध्ययनाय गच्छति।
1. ..छात्रः.. ....कदा... ...अध्ययनाय. ....गच्छति.. ?
2. लिपिकारः **सार्धदशवादने** कार्यालयम् आगच्छति।
2. .... ?
3. अर्चकः **सपादषड्वादने** देवान् अर्चति।
3. .... ?
4. भक्तः **पादोनसप्तवादने** मन्दिरम् आगच्छति।
4. .... ?
5. अध्यापकः **दशाधिकदशवादने** आगच्छति।
5. .... ?
6. यानं **दशोनपञ्चवादने** अस्ति।
6. .... ?
7. प्रधानमन्त्री **पञ्चोनाष्टवादने** आगच्छति।
7. .... ?
8. **पञ्चाधिकनववादने** पाठशालायाः आरम्भः।
8. .... ?
9. **पादोनद्वादशवादने** भोजनविरामः।
9. .... ?
10. **सपादनववादने** अतिथयः आगच्छन्ति।
10. .... ?

षष्ठः स्तबकः
6.1 प्रथमः पाठः
[पुनरावृत्तिः]

 **भवन्तः किं किं पठितवन्तः, पुनः स्मरन्तु–**

[आपने क्या क्या पढ़ा है, पुनः स्मरण कीजिए। Please recall again what you have learnt earlier.]

 **पठिताः बिन्दवः–**

[पढ़े गए बिन्दु। The points already learnt.]

1.1 **प्रथमायाः प्रयोगाः रूपाणि च।**

 तत्र सर्वनामशब्देषु–

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
एतत् –	पुं०	एषः	एतौ	एते
	स्त्री०	एषा	एते	एताः
	नपुं०	एतत्	एते	एतानि
तत् –	पुं०	सः	तौ	ते
	स्त्री०	सा	ते	ताः
	नपुं०	तत्	ते	तानि
भवत् –	पुं०	भवान्	भवन्तौ	भवन्तः
	स्त्री०	भवती	भवत्यौ	भवत्यः
किम् –	पुं०	कः	कौ	के
	स्त्री०	का	के	काः
	नपुं०	किम्	के	कानि
अस्मद् –	पुं०, स्त्री०, नपुं०	अहम्	आवाम्	वयम्
युष्मद् –	पुं०, स्त्री०, नपुं०	त्वम्	युवाम्	यूयम्

◆ **प्रथमायां संज्ञाशब्देषु—**

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
अकारान्तपुंलिङ्गशब्दाः	यथा–	बालकः	बालकौ	बालकाः
अकारान्तनपुंसकलिङ्गशब्दाः	यथा–	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दाः	यथा–	बालिका	बालिके	बालिकाः
ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दाः	यथा–	नदी	नद्यौ	नद्यः

1.2 क्रिया–

◆ **कर्तृक्रियापदयोः पुरुषवचनव्यवस्था—**

पठ्–धातुः वर्तमानः कालः

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमः पुरुषः	कर्तृपदम्–	......	....	....
	क्रियापदम्–	पठति	पठतः	पठन्ति
मध्यमः पुरुषः	कर्तृपदम् –	त्वम्	युवाम्	यूयम्
	क्रियापदम् –	पठसि	पठथः	पठथ
उत्तमः पुरुषः	कर्तृपदम्–	अहम्	आवाम्	वयम्
	क्रियापदम्–	पठामि	पठावः	पठामः

सूचना–प्रथमपुरुषस्य क्रियापदेन सह अहम्, आवाम्, वयम् अथ च त्वम्, युवाम्, यूयम् इति विहाय किमपि कर्तृपदं वचनानुसारं रिक्ते स्थाने भवितुमर्हति।

◆ **क्रियापदानां वर्त्तमानकालस्य रूपाणि—**

[क्रियापद के वर्तमानकाल के रूप। Forms (Rupas) of verb in Present Tense.]

❖ अनेकेषां क्रियापदानां वर्त्तमानकालस्य रूपेषु प्रायः अन्तिमः ध्वनिः–

अति	अतः	अन्ति
असि	अथः	अथ
आमि	आवः	आमः

इति भवति।

कानिचिद् क्रियापदानि रूपदृष्ट्या पुनः स्मरणीयानि सन्ति। यथा–जानाति, ददाति, **शृणोति,** शक्नोति इत्यादीनां रूपाणि।

1.3 क्रियापदानां कालभेदेन रूपाणि–

यथा–	वर्तमानकाले–	पठति	पठतः	पठन्ति
		पठसि	पठथः	पठथ
		पठामि	पठावः	पठामः
	भविष्यकाले–	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
		पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
		पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः
	भूतकाले–	अपठत्	अपठताम्	अपठन्
		अपठः	अपठतम्	अपठत
		अपठम्	अपठाव	अपठाम

भूतकाले क्तवतु–प्रयोगम् अपि भवन्तः पठितवन्तः। सम्यक् स्मरन्तु–
क्तवतुप्रयोगे पुरुषविचारः नास्ति। किञ्च वचनविचारेण सह तत्र लिङ्गविचारः अपि अस्ति।

यथा– पुं०– भवान् *सः / त्वं / अहं* पठितवान्। भवन्तौ तौ / युवां / आवां / पठितवन्तौ। भवन्तः ते / यूयं / वयं पठितवन्तः।
स्त्री०– भवती सा / त्वं / अहं पठितवती। भवत्यौ / ते / युवां / आवां पठितवत्यौ। भवत्यः / ताः / यूयं / वयं पठितवत्यः।

1.4 क्रियापदानाम् अन्ये प्रयोगाः–

		पूर्वभाविनी क्रिया	पश्चाद्भाविनी क्रिया
◆ त्वा–प्रयोगः–	सः	पठित्वा	गच्छति।
◆ ल्यप्–प्रयोगः–	सः	उत्थाय	भ्रमति।

◆ तुमुन्–प्रयोगः–

यां क्रियाम् उद्दिश्य काचिद् अन्या क्रिया भवति ततः तुमुन् भवति।

पठितुं गच्छति –

(1) गमनक्रिया गच्छति (2) उद्देश्यं पठनक्रिया पठितुम्

अत्र पूर्वं गमनं ततः पठनम् = पठितुं गच्छति।

◆ इच्छतेः प्रयोगे तुमुन्–

यथा– पठितुम् इच्छति, खादितुम् इच्छति, गन्तुम् इच्छति।

◆ शक्नोतेः प्रयोगे तुमुन्–

यथा– नर्त्तितुं शक्नोति। गातुं शक्नोति।

1.5 सप्तविभक्तिप्रयोगाः–

◆ प्रथमा– 1. कर्तृपदप्रयोगे प्रथमा

यथा– बालकः गच्छति। लता पठति। मित्रं हसति।

◆ द्वितीया– 1. कर्मपदप्रयोगे द्वितीया

उदा०– क. जननी बालकम् आह्वयति।
ख. छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति।
ग. ते ग्रन्थं पठन्ति।

◆ तृतीया– 1. साधनवाचकात् तृतीया

उदा०– क. छात्रः कन्दुकेन क्रीडति।
ख. वृद्धः उपनेत्रेण पश्यति।
ग. खञ्जः पादेन चलति।

2. सह–शब्दयोगे तृतीया

उदा०– क. सीता रामेण सह वनं गतवती।

◆ चतुर्थी– 1. यस्मै दीयते तत् सम्प्रदानं ततः चतुर्थी भवति।

यथा– क. सः आचार्याय गुरुदक्षिणां ददाति।

2. यां क्रियामुद्दिश्य अन्या क्रिया भवति ततः अपि चतुर्थी।

उदा० – क. छात्राः **पठनाय** विद्यालयं गच्छन्ति।

3. यमुद्दिश्य किञ्चित् भवति ततः अपि चतुर्थी।

उदा० – क. जनकः **पुत्राय** वस्त्राणि क्रीणाति।

4. यस्मै क्रोधः द्रोहः ईर्ष्या ततः अपि चतुर्थी

उदा० – रावणः **रामाय** द्रुह्यति / क्रुध्यति / ईर्ष्यति।

◆ **पञ्चमी** – 1. यस्मात् किञ्चित् पृथग् भवति ततः पञ्चमी।

उदा० – क. **वृक्षात्** पर्णं पतति।

ख. छात्राः **विद्यालयात्** आगच्छन्ति।

2. यस्मात् भयं ततः अपि पञ्चमी।

उदा० – क. सः **क्रूरात्** बिभेति।

3. यस्मात् रक्षणं ततः अपि पञ्चमी।

उदा० – क. ईश्वरः भक्तान् **पापात्** रक्षति।

ख. जननी पुत्रीं **सर्पात्** रक्षति।

◆ **षष्ठी** – 1. यस्य सम्बन्धः ततः षष्ठी।

उदा० – क. **जनकमहाराजस्य** पुत्री सीता।

◆ **सप्तमी** – 1. आधारवाचकात् सप्तमी भवति।

उदा० – क. पानीयं **चषके** अस्ति।

ख. मीनाः **जले** वसन्ति।

2. निर्धारणे सप्तमी भवति।

क. पुरुषेषु श्रीरामः उत्तमः

ख. जीवेषु मनुष्याः श्रेष्ठाः

◆ **सम्बोधनप्रथमा** –

सम्बोधनाय सम्बोधनप्रथमा

तत्र सम्बोधने केवलम् एकवचने एव रूपभेदः भवति। न तु द्विवचने बहुवचने।

उदा० – हे बालक ! पठ। प्रथमायाम् – बालकः पठति।

हे बालिके ! अत्र आगच्छ। – बालिका आगच्छति।

6.2 द्वितीयः पाठः

[पुनःस्मरणाभ्यासाः]

अभ्यासः – 263

प्रश्नवाचकानाम् आवृत्तिः

उत्तराणि लिखन्तु ।
[उत्तर लिखिए । Answer the following questions.]

1. छात्राः किमर्थं विद्यालयं गच्छन्ति ? ....। (पठनम्)

2. वृक्षाः कुत्र सन्ति ? ....। (विद्यालय)

3. कदा विद्यालयस्य समाप्तिः भवति ? ....। (5.00 सायम्)

4. विद्यालयस्य नाम किम् ? ....। (विवेकानन्द विद्यालय)

5. विद्यालयस्य दक्षिणतः कति वृक्षाः सन्ति ? ....। (7)

6. छात्राः कुतः विद्यालयं गच्छन्ति ? ....। (ग्राम)

7. अध्यापकः कथं विद्यालयम् आगच्छति ? ....। (द्विचक्रिका)

अभ्यासः – 264

सप्तककाराणाम् आवृत्तिः

✍ रेखाङ्कितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुर्वन्तु–
[रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण कीजिए। Frame questions based on the underlined words.]

1. उ०– अर्चकः <u>अर्चनार्थं</u> मन्दिरं गच्छति।

प्र०– .... ?

2. उ०– मनुष्यः मार्गस्य <u>दक्षिणतः</u> अस्ति।

प्र०– .... ?

3. उ०– <u>आकाशे</u> सप्त खगाः सन्ति।

प्र०– .... ?

4. उ०– फलं <u>वृक्षात्</u> पतति।

प्र०– .... ?

5. उ०– धेनुः <u>तृणं</u> चरति।

प्र०– .... ?

6. उ०– सूर्यः <u>प्रातःकाले</u> उदेति।

प्र०– .... ?

7. उ०– मन्दिरं <u>सुन्दरम्</u> अस्ति।

प्र०– .... ?

अभ्यासः – 265

वर्त्तमानकालिकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

उचितक्रियापदैः वर्णनं पूरयन्तु–
[उचित क्रियापदों से अधोलिखित वर्णन को पूरा किजिए। Complete the following description with appropriate verbs.]

1. खगः फलं ..खादति.... । (खाद्)
2. बालकाः शिलाखण्डं .... । (क्षिप्)
3. शुनकः .... । (निद्रा)
4. वानरः वृक्षशाखां .... । (कम्पय्)
5. बालिकाः .... । (क्रीड्)
6. वृद्धः पुस्तकं .... । (पठ्)
7. कृषकः भूमिं .... । (खन्)
8. धेनुः तृणं .... । (चर्)
9. ग्रामीणः फलानि .... । (दृश्)
10. सर्पः बिलं .... । (प्र+विश्)

अभ्यासः – 266

वर्त्तमानकालिकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

✍ उचितक्रियापदैः वर्णनं पूरयन्तु–
[उचित क्रियापदों से अधोलिखित वर्णन को पूरा कीजिए। Complete the following description with appropriate verbs.]

उदा०– 1. जनकः देवम् ...अर्चति.... । (अर्च्)

2. भगिनी रङ्गवल्लीं .... । (लिख्)

3. अनुजा गीतं .... । (गाय्)

4. अतिथिदेवाः गृहम् .... । (आ+गम्)

5. ते दूरदर्शनं .... । (दृश्)

6. जननी स्तोत्रं .... । (पठ्)

7. पाचकः .... । (पच्)

8. सेवकाः वस्तूनि .... । (आ+नय्)

9. बालकाः .... । (क्रीड्)

10. महिलाः गीतं .... । (श्रु)

अभ्यासः – 267

आज्ञार्थकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

उचितेन आज्ञार्थकक्रियापदरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[उचित 'आज्ञा' अर्थ वाले क्रिया रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with proper imperative forms.]

उदा० – 1. भवन्तः कोलाहलं मा ..कुर्वन्तु.... । (कृ)

2. रमे! त्वं रङ्गवल्लीं .... । (लिख्)

3. ते बालकाः दुरभ्यासं .... । (त्यज्)

4. यूयम् इतरान् न .... । (निन्द्)

5. भोः छात्राः ! भवन्तः टिप्पणीं सम्यक् .... । (लिख्)

6. ताः शीतलं जलं मा .... । (पिब्)

7. (ते छात्राः) मार्गे मा .... । (क्रीड्)

8. यूयं पाटान् सम्यक् .... । (पठ्)

9. मालिनी अतिथिं .... । (सत् + कृ)

10. ताः बालिकाः सर्वेषां टिप्पणीपुस्तकानि .... । (सम् + ग्रह्)

अभ्यासः – 268

भविष्यकालिकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

युवकस्य हस्ते धनम् अस्ति। 'एतेन धनेन अहं किं किं करिष्यामि' इति सः चिन्तयति निर्देशानुसारं तत् लिखन्तु–

उदा० – 1. अहं नगरं .गमिष्यामि. । (गम्)

2. तत्र वाणिज्यं .... । (कृ)

3. बहवः ग्राहकाः मम समीपम् .... । (आगम्)

4. ते धनं .... । (दा)

वस्तूनि .... च । (क्री)

5. तदा मम धनसम्पादनम् अधिकं .... । (भू)

6. तेन धनेन अहं भवननिर्माणं .... । (कृ)

7. सुन्दरं कारयानं .... । (क्री)

ततः पूर्वं [illegible]नचालनं .... । (ज्ञा)

8. सुखेन .... । (जीव्)

अभ्यासः – 269

भविष्यकालिकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

आवां किं किं करिष्यावः ?

[हम दोनों क्या क्या करेंगे ? What shall both of us do?]

भविष्यकालरूपाणि लिखन्तु–

[भविष्यकाल के रूपों को लिखिए। Please write forms of future tense.]

उदा०– 1. आवां संस्कृतं पठिष्यावः । (पठ्)

2. आवां धनं .... । (सम् + ग्रह्)

3. असत्यं न ....। (वद्)।

4. समाजसेवां ....। (कृ)

5. वीरपुरुषान् .... । (स्मृ)

6. दुरभ्यासं .... । (त्यज्)

7. काव्यं .... । (लिख्)

8. वाममार्गेण न .... । (गम्)

अभ्यासः – 270

भूतकालिकक्रियाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

कोष्ठे निर्दिष्टरूपाणां भूतकालरूपे परिवर्त्तनेन रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में दिखाए गए रूपों का भूतकाल के रूपों में परिवर्तन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by changing the forms of verb shown in brackets into past tense.]

उदा० – 1.	दशरथः पुत्रकामेष्टियागम् ...अकरोत्...।	(करोति)
2.	अग्निपुरुषः प्रत्यक्षः ....।	(भवति)
3.	दशरथाय पायसम् ....।	(यच्छति)
4.	दशरथः पायसं पत्नीभ्यः ....।	(यच्छति)
5.	ताः तत् पायसम् ....।	(पिबन्ति)
6.	ताः सुशिक्षिताः ....।	(भवन्ति)
7.	ताः पुत्रान् ....।	(प्राप्नुवन्ति)
8.	दशरथस्य पुत्राः वसिष्ठात् विद्याभ्यासम् ....।	(कुर्वन्ति)
9.	सीतारामयोः परिणयः ....।	(भवति)
10.	रामस्य पट्टाभिषेकः ....।	(भवति)
11.	अयोध्यावासिनः सर्वे तत्र ....।	(मिलन्ति)
12.	कैकेयी दशरथं वरं प्रदातुम् ....।	(कथयति)
13.	रामः सीतालक्ष्मणाभ्यां सह वनम् ....।	(गच्छति)
14.	दशरथः स्वर्गं ....।	(प्राप्नोति)
15.	भरतः रामस्य पादुके ....।	(आनयति)

16. रामः दण्डकारण्यं .... । (प्रविशति)

17. रावणः सीताम् .... । (अपहरति)

18. तां लङ्काम् .... । (नयति)

19. रावणः सीताम् अशोकवाटिकायाम् .... । (स्थापयति)

20. राक्षस्यः सीतां परितः .... । (तिष्ठन्ति)

21. रामाञ्जनेययोः मेलनम् .... । (भवति)

22. रामः वालिनम् .... । (मारयति)

23. आञ्जनेयः समुद्रस्य लङ्घनम् .... । (करोति)

24. लङ्कापुरीं .... । (प्रविशति)

25. अशोकवने सीताम् .... । (पश्यति)

26. आञ्जनेयः सीतायै रामकथाम् .... । (श्रावयति)

27. सीतायै अङ्गुलीयकम् .... । (ददाति)

28. आञ्जनेयः रावणं हितवचनम् .... । (वदति)

29. सः लङ्काम् .... । (दहति)

30. रामः रावणम् .... । (मारयति)

31. सीतारामयोः मेलनम् .... । (भवति)

32. रामः सीताविषयकं लोकापवादम् .... । (शृणोति)

33. सीताम् .... । (त्यजति)

34. लवकुशयोः जन्म .... । (भवति)

35. लवकुशौ रामचरितम् .... । (गायतः)

36. भूदेवी सीतां रसातलम् .... । (नयति)

अभ्यासः – 271

भूतकालिकानां क्तवतुप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

क्तवतुप्रत्ययान्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

[क्तवतु प्रत्ययान्त रूपों का रिक्त स्थानों में प्रयोग कीजिए। Please fill in the blanks by using the suffix ktavatu (क्तवतु) with the verbs given in brackets.]

(I)

उदा० – 1. देवकी वसुदेवं परिणीतवती. (परिणयति)।
2. कंसः अशरीरवाणीं .... (शृणोति)।
3. कंसः .... (कुप्यति)।
4. सः देवकीं कारागारे .... (स्थापयति)।
5. तस्याः सर्वान् शिशून् जन्मसमनन्तरम् एव .... (मारयति)।
6. एतस्मात् देवकी–वसुदेवौ महत् दुःखम् .... (अनुभवतः)।
7. किन्तु असहायौ तौ किमपि कर्तुं न .... (शक्नुतः)।
8. देवक्याः अष्टमः पुत्रः श्रीकृष्णः दुष्टं कंसं .... (संहरति)।

(II)

9. पाण्डवाः द्रौपदीं .... (परिणयन्ति)।
10. कौरवैः सह द्यूतक्रीडायां पाण्डवाः पराजयम् .... (अनुभवन्ति)।
11. वनं .... (गच्छन्ति)।
12. वनवासम् .... (अनुभवन्ति)।
13. विराटनगरं .... (गच्छन्ति)।
14. एकं वर्षम् अज्ञातवासं .... (यापयन्ति)।
15. पाण्डवकौरवाः घोरं युद्धं .... (कुर्वन्ति)।
16. अष्टादश दिनानि संग्रामः .... (प्रचलति)।
17. सर्वे कौरवाः मरणं .... (प्राप्नुवन्ति)।
18. युद्धे श्रीकृष्णः पाण्डवानां साहाय्यम् .... (आचरति)।
19. श्रीकृष्णः अर्जुनं भगवद्गीताम् .... (उपदिशति)।
20. धृतराष्ट्रादयः वनं .... (गच्छन्ति)।
21. दुःखम् असहमानाः पाण्डवाः हिमालयं प्रति .... (गच्छन्ति)।

[6.2.1 विभक्त्यभ्यासः – I]

अभ्यासः – 272

द्वितीयाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

उदाहरणानुगुणं वाक्यानि रचयन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences as shown in the example.]

न सन्ति, आनयतु	पत्नी पतिं यत् वदति तत् वाक्यरूपेण लिखन्तु–
1. कटाः	उदा०– 1. गृहे ..कटाः... न सन्ति, भवान् .कटान्.. आनयतु।
2. आसन्दाः	2. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
3. दन्तकूर्चाः	3. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
4. मणिहाराः	4. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
5. जपमालाः	5. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
6. लेखन्यः	6. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
7. अङ्कन्यः	7. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
8. कर्तर्यः	8. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
9. द्रोण्यः	9. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।
10. पत्रसूच्यः	10. गृहे .... न सन्ति, भवान् .... आनयतु।

अभ्यासः – 273

तृतीयाप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

कोष्ठे दत्तानां पदानां तृतीयान्तरूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में लिखित पदों के तृतीयान्त रूपों का रिक्त स्थानों में प्रयोग कीजिए। Please fill in the blanks by the Tritiyanta form of the Padas given in the brackets.]

उदा०– 1. पाचकः ....बाष्पस्थाल्या.... (बाष्पस्थाली) तण्डुलान् पचति।

2. सेविका .... (छुरिका) शाकं कर्तयति।

3.	कर्मकरः	....	(वाहनम्) वस्तूनि आनयति।
4.	माता	....	(मिश्रकम्) पेषणं करोति।
5.	भगिनी	....	(घटः) जलं सङ्गृह्णाति।
6.	पाचकः	....	(दर्वी) क्वथितम् आलोडयति।
7	जननी	....	(शर्करा) मिष्टान्नं निर्माति।
8.	अग्रजा	....	(अनिलचुल्लिः) जलम् उष्णीकरोति।
9.	माता	....	(शोधनी) चायं शोधयति।
10.	कर्मकरी	....	(जलम्) पात्राणि क्षालयति।

अभ्यासः – 274

चतुर्थीप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

कोष्ठे दत्तानां शब्दानाम् उचितरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में दिए गए शब्दों के उचित रूपों के प्रयोग से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by using dative forms of words given in brackets.]

उदा० –	1.	गिरिजा	..सेविकायै..	(सेविका) चोलवस्त्रं ददाति।
	2.	अहं	....	(मित्रम्) धनं ददामि।
	3.	सुमती	....	(नन्दिनी) पारितोषिकं ददाति।
	4.	शान्ता	....	(अहम्) मोदकं ददाति।
	5.	अधिकारी	....	(वयम्) धनं ददाति।
	6.	पुत्री	....	(जननी) शाटिकां ददाति।
	7.	अहं	....	(यूयम्) पुस्तकं ददामि।
	8.	ते	....	(ताः) फलानि यच्छन्ति।
	9.	वयं	....	(सर्वे) आहारं दद्मः।
	10.	गृहिण्यः	....	(भिक्षुकाः) नाणकानि यच्छन्ति।

अभ्यासः – 275

पञ्चमीप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

के केभ्यः भीताः भवन्ति इति उदाहरणानुगुणं लिखन्तु–
[उदाहरण के अनुसार वाक्य में लिखिए कौन किससे डरते हैं। Express it in sentence form as to who is afraid of whom ?]

उदा० – 1.	कृषकाः – मूषकाः	कृषकाः	मूषकेभ्यः	भीताः	भवन्ति।
2.	मूषकाः – मार्जाराः	....	....	....	.........।
3.	मार्जाराः – शुनकाः	....	....	....	.........।
4.	शुनकाः – सर्पाः	....	....	....	.........।
5.	सर्पाः – नकुलाः	....	....	....	.........।
6.	मानवाः – व्याघ्राः	....	....	....	.........।
7.	व्याघ्राः – धनिकजनाः	....	....	....	.......।
8.	धनिकाः – लुण्ठाकाः	....	....	....	.........।
9.	लुण्ठाकाः – आरक्षकाः	....	....	....	.........।
10.	आरक्षकाः – वरिष्ठाः	....	....	....	.........।

अभ्यासः – 276

षष्ठीप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

कोष्ठे दत्तानां शब्दानाम् उचितैः रूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में प्रदत्त शब्दों के उचित रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks with proper form of words given in brackets.]

उदा० – 1. एतानि भवनानि धनिकानाम्। (धनिकाः)

2. एतानि पुस्तकानि ....। (छात्राः)

3. एतानि पात्राणि ....। (महिला)
4. एतानि वस्त्राणि ....। (गृहिण्यः)
5. एतानि कार्याणि ....। (वयम्)
6. एतानि फलानि ....। (यूयम्)
7. एताः सञ्चिकाः ....। (कार्यालयाः)
8. एताः लेखन्यः ....। (बालिकाः)
9. एते आदेशाः ....। (अध्यापकाः)
10. एषा संस्था ....। (सर्वे)

अभ्यासः – 277

सप्तमीप्रयोगाणाम् आवृत्तिः

कोष्ठे दत्तानां शब्दानाम् उचितैः रूपैः रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[कोष्ठ में प्रदत्त शब्दों के उचित रूपों का रिक्त स्थानों में प्रयोग कीजिए। Please fill in the blanks with proper form of the words given in brackets.]

उदा० –
1. नृपाः प्रासादेषु.. (प्रासादाः) निवसन्ति।
2. धनिकाः .... (भवनानि) निवसन्ति।
3. निर्धनाः .... (गृहाणि) निवसन्ति।
4. मुनयः .... (कुटीराणि) निवसन्ति।
5. मूषकाः .... (बिलानि) निवसन्ति।
6. सर्पाः .... (बिलानि) निवसन्ति।
7. वानराः .... (वृक्षाः) निवसन्ति।
8. शुकाः .... (वृक्षशाखाः) निवसन्ति।
9. खगाः .... (नीडानि) निवसन्ति।
10. वन्यजीवाः .... (वनानि) निवसन्ति।

[6.2.2 विभक्त्यभ्यासः – II]

अभ्यासः – 278

सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

I. रामः

1. ..रामः.. पूजां करोति।
2. सेवकः ..रामं..... नमति।
3. ..रामेण.. सह अहं वार्तालापं करोमि।
4. ..रामाय.. वैदेशिकसङ्गीतं न रोचते।
5. ..रामात्.. धनं स्वीकरोतु।
6. ..रामस्य.. उपनेत्रं कुत्र अस्ति ?
7. ....रामे... नैपुण्यम् अस्ति।

II. जनकः

✍ **उपरि लिखितेषु वाक्येषु प्रयुक्तस्य रामशब्दस्य स्थाने जनकशब्दस्य प्रयोगं कृत्वा वाक्यानि रचयन्तु।**

[ऊपर लिखे गए वाक्यों में प्रयुक्त 'राम' शब्द के स्थान पर 'जनक' शब्द का प्रयोग करके वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences by using the word *Janaka* in place of *Rama* as used above.]

यथा-
1. जनकः. .पूजां.. करोति।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. .... ?
7. ....।

III. सेवकः

✍ **उपरि लिखितेषु वाक्येषु प्रयुक्तस्य रामशब्दस्य स्थाने सेवकशब्दस्य प्रयोगं कृत्वा वाक्यानि रचयन्तु–**

[ऊपर लिखे गए वाक्यों में प्रयुक्त 'राम' शब्द के स्थान पर 'सेवक' शब्द का प्रयोग करके वाक्यों की रचना कीजिए। Please make sentences by using the word *Sevaka* in place of *Rama* as shown above.]

1. ....।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. .... ?
7. ....।

अभ्यासः – 279

अधोनिर्दिष्टशब्दानाम् एकवचनरूपेण रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[अधोनिर्दिष्ट शब्दों के एकवचन के यथोचित रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by using proper form of the given words in singular number.]

I. यानम्

यथा- 1. ....यानं...... गच्छति।
2. सः .... क्रीणाति।
3. रमा .... गच्छति।
4. सः .... 5000 रूप्यकाणि दत्तवान्।
5. रमेशः........... पतितवान्।
6. .... वर्णः सुन्दरः।
7. .... जनाः न सन्ति।

II. विमानम्

1. .... पतति।
2. वयं .... पश्यामः।
3. ते .... प्रयाणं कुर्वन्ति।
4. ...... उत्कृष्टं शिलातैलम् आवश्यकम्।
5. .... जनाः अवतरन्ति।
6. .... शब्दः अधिकः भवति।
7. .... बहुजनाः उपविशन्ति।

III. मित्रम्

1. ...मित्रं.... हसति।
2. .... स्वगृहम् आह्वयामि।
3. .... विना अहं भोजनं न करोमि।
4. .... स्नेहः रोचते।
5. .... वस्त्रं स्वीकरोतु।
6. मम .... नाम सुतोषः।
7. मम .... स्नेहशीलता अस्ति।

अभ्यासः – 280

सर्वनामशब्दानां सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

'किम्'–शब्दस्य स्त्रीलिङ्गे सप्तसु विभक्तिषु वाक्ये प्रयोगं पठन्तु। एतेषु वाक्येषु प्रयुक्तस्य 'किम्' शब्दस्य स्थाने निर्दिष्टानां शब्दानां यथोचितं प्रयोगं कृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

['किम्' शब्द के स्त्रीलिङ्ग में सातों विभक्तियों के वाक्य में प्रयोग देखिए। इन वाक्यों मे प्रयुक्त 'किम्' शब्द के स्थान पर निर्दिष्ट शब्दों के उचित रूपों का प्रयोग कर इन्हीं वाक्यों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Look at the use of the word *Kim* (Femine Gender) in the seven *Vibhakti* is in the following sentences. Repeat the following sentences replacing the word *Kim* by the suitable form of the given word.]

I. किम् (स्त्री०)	I. एतत् (स्त्री०)
1. ......का.......... विद्यालयं गच्छति ?	1. ....।
2. ......काम्......... अध्यापकः आह्वयति ?	2. ....।
3. ......कया..... विना सुशीला न तिष्ठति ?	3. ....।
4. ......कस्यै................ पुष्पं रोचते ?	4. ....।
5. ......कस्याः..... पुस्तकं रमा स्वीकरोति ?	5. ....।
6. ......कस्याः....... गृहं जयनगरे अस्ति ?	6. ....।
7. ......कस्यां......... भाषणकला अस्ति ?	7. ....।

II. तद् (स्त्री०)

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

III. भवत् (स्त्री०)

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

IV. अस्मद्

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

V. युष्मद्

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

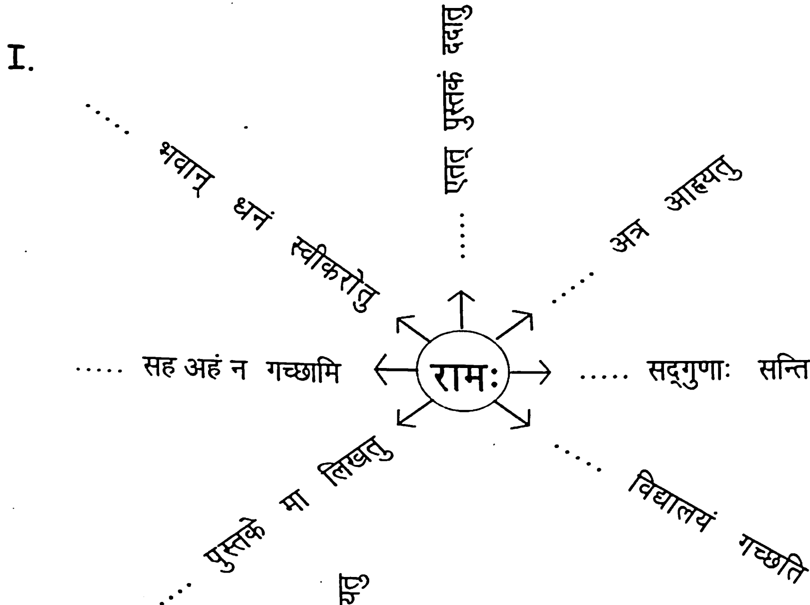
[6.2.3 विभक्त्यभ्यासः – III]

अभ्यासः – 281

सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

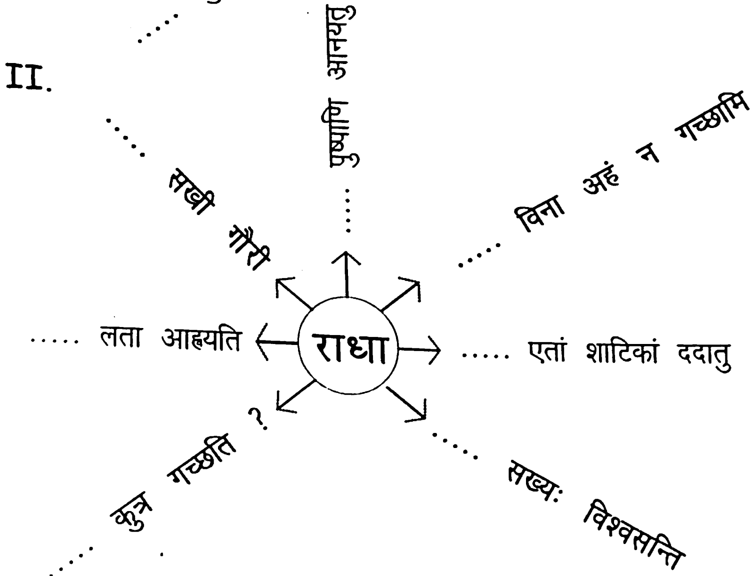
मध्यस्थशब्दस्य योग्यविभक्तिरूपाणां योजनेन वाक्यानि रचयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[मध्यस्थ शब्द के यथोचित रूपों से वाक्यों की रचना कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please fill in the blanks by using the appropriate form of the word given in the centre.]

I.



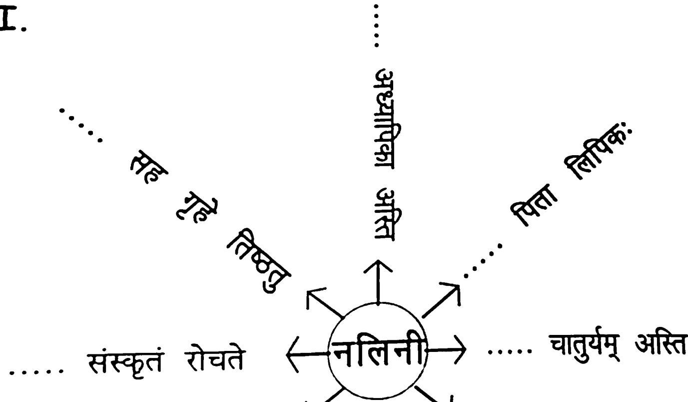
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

II.



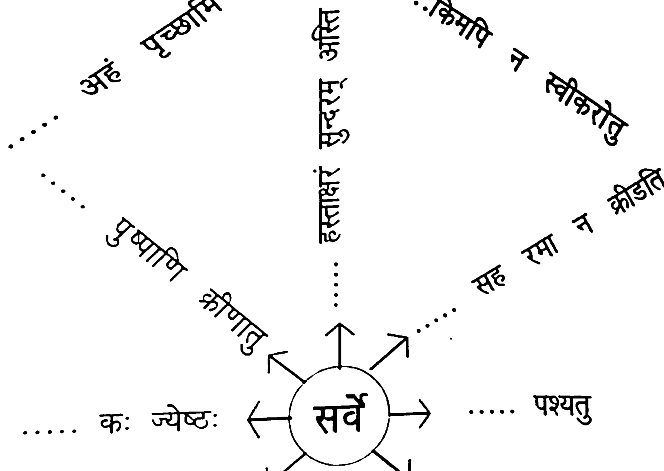
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

III.



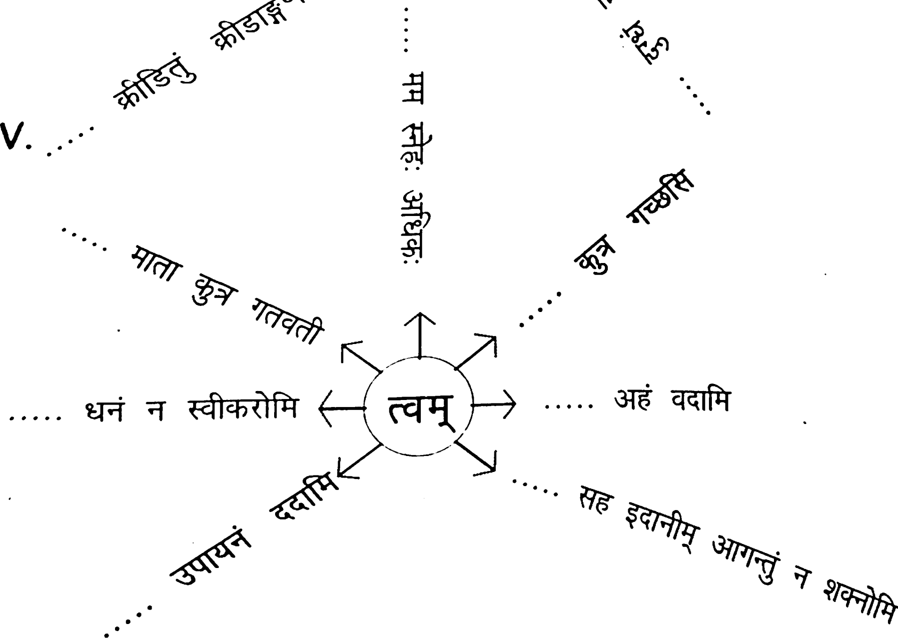
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

IV.



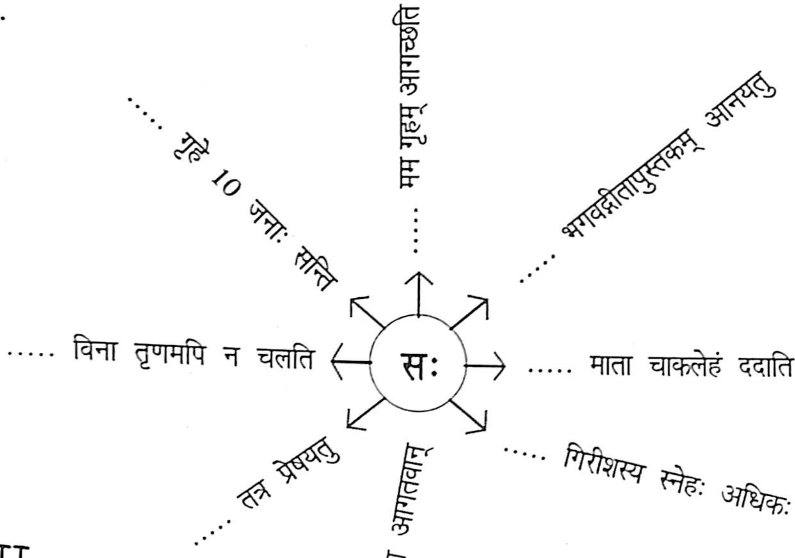
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

V.



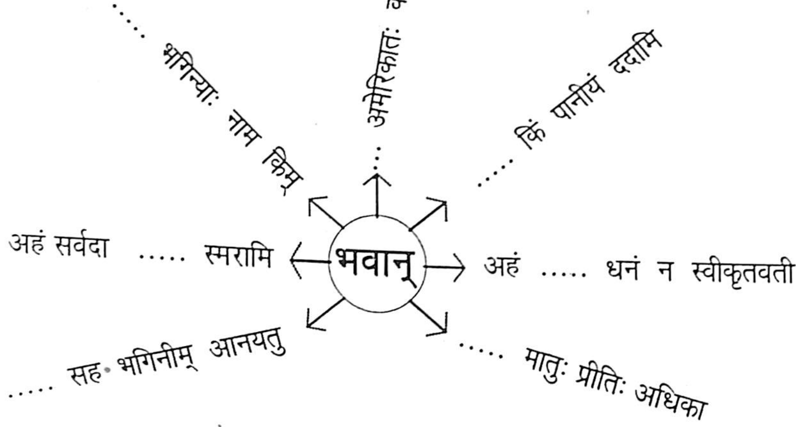
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

VI.



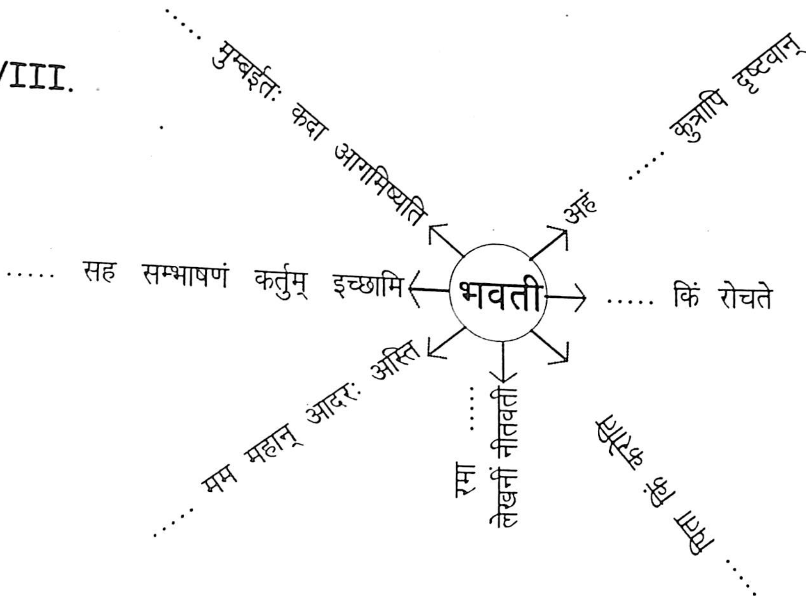
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

VII.



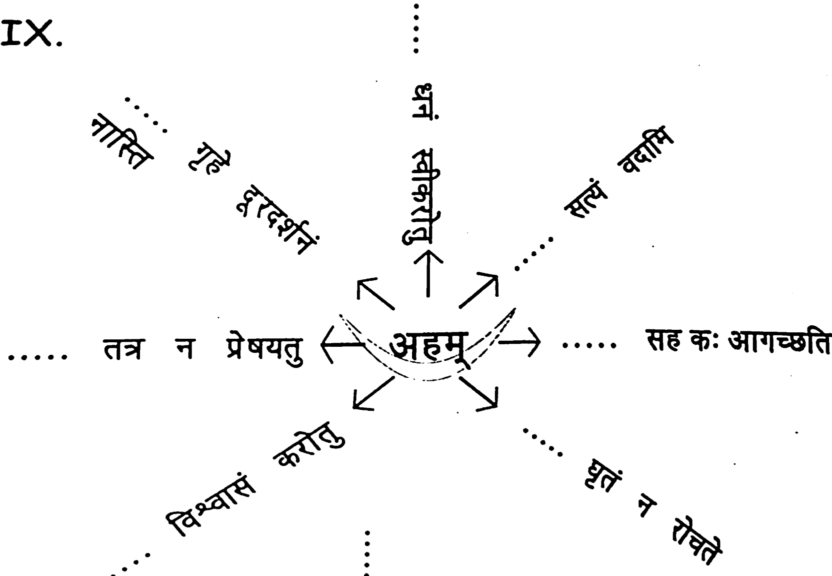
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

VIII.



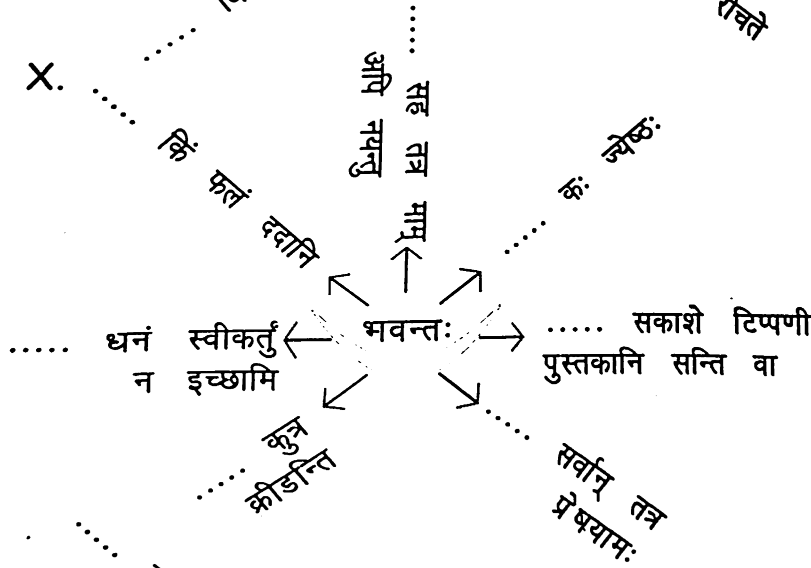
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

IX.



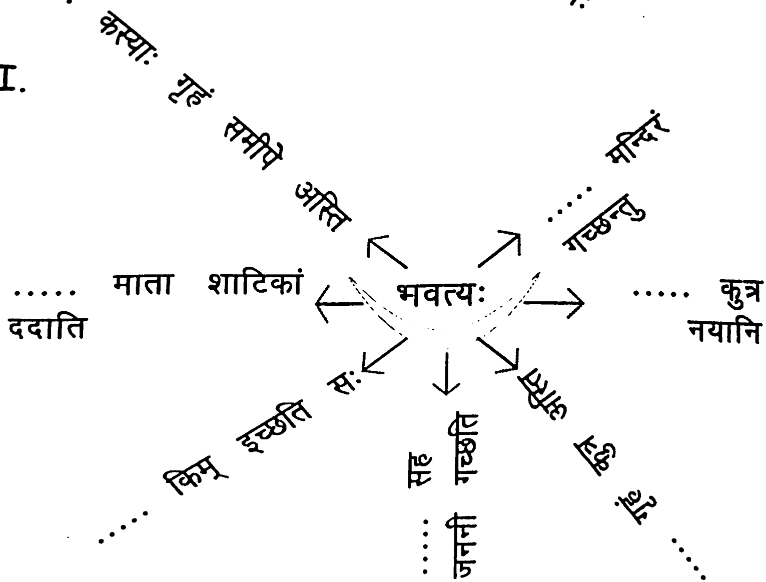
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

X.



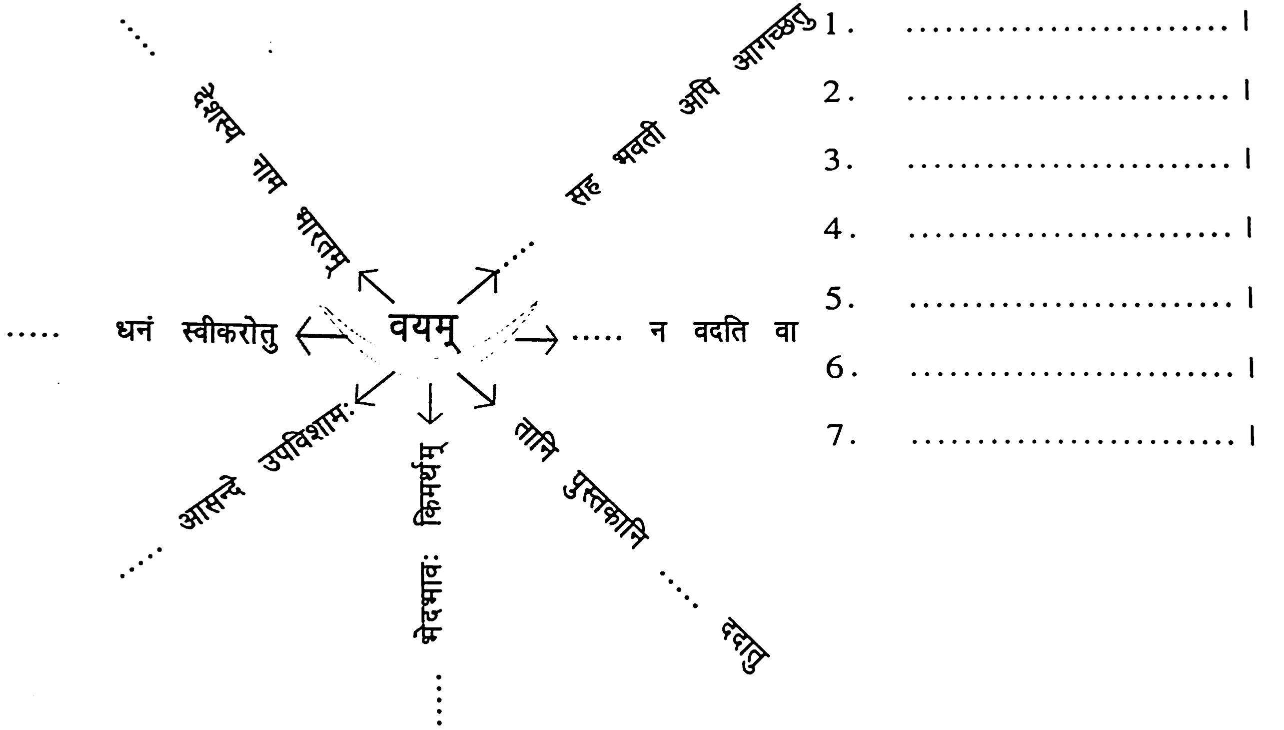
1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

XI.



1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

XII.


वयम्
देशस्य नाम भारतम्
सह भवती अपि आगच्छतु
धनं स्वीकरोतु
न वदति वा
आसन्दे उपविशामः
भेदभावः किमर्थम्
तानि पुस्तकानि दद्यातु

1. .... ।
2. .... ।
3. .... ।
4. .... ।
5. .... ।
6. .... ।
7. .... ।

[6.2.4 शब्दरूपाभ्यासः]

अभ्यासः – 282

सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

वाक्येषु लिखितेभ्यः शब्देभ्यः यथोचितविभक्तिं योजयन्तः वाक्यानि लिखन्तु–
[अधोलिखित वाक्यों में प्रयुक्त शब्दों से यथोचित विभक्तियों को जोड़कर वाक्यों को लिखिए
Please write down sentences by adding proper *Vibhaktis* to the words.]

उदा० – 1. ..राम. विद्यालय. गच्छति। ..रामः.. .विद्यालयं.... गच्छति...।
2. तत् (पुं०) भोजन कुर्वन्ति। ....।
3. अस्मद् फल खादामि। ....।
4. मूर्ख सज्जन निन्दन्ति। ....।
5. छात्र कन्दुक क्रीडतः। ....।
6. युष्मद् रोटिका खादसि। ....।
7. युष्मद् संस्कृत जानीथ। ....।
8. तत् (पुं०) विद्यालय अगच्छन्। ....।
9. अस्मद् फल आनयामः। ....।
10. वैद्य औषध यच्छन्ति। ....।
11. रुग्ण कष्ट अनुभवन्ति। ....।
12. दुष्ट खग मारयति। ....।
13. एतत् (स्त्री०) रङ्गवल्ली लिखति। ....।
14. जननी पुत्र स्मरति। ....।
15. गृहिणी पाक कुर्वन्ति। ....।
16. तत् (पुं०) आसन्द नयन्ति। ....।
17. महिला शाटिका क्रीणन्ति। ....।
18. चोर चौर्य करोति। ....।
19. एतद् (स्त्री०) फलरस पिबन्ति। ....।
20. तत् (स्त्री०) पत्र लिखन्ति। ....।
21. अस्मद् नगरी गच्छामः। ....।
22. नारी गीत गायन्ति। ....।
23. पण्डित ग्रन्थ पठन्ति। ....।
24. तत् (पुं०) काव्य लिखन्ति। ....।

अभ्यासः – 283

सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

शब्दानाम् उचितानि विभक्तिरूपाणि लिखित्वा कथां पुनः लिखन्तु–
[शब्दों के उचित विभक्ति–रूपों को लिखकर कथा को पुनः लिखिए। Rewrite the story by using proper *Vibhakti* forms of the words.]

उदा० – 1. राम अयोध्या महाराज आसीत्।
2. तत् पत्नी सीता।
3. राम पितृ नाम दशरथ।
4. जननी नाम कौसल्या।
5. राम 3 सहोदर आसन्।
6. प्रथम नाम लक्ष्मण।
7. द्वितीय नाम भरत।
8. तृतीयस्य नाम शत्रुघ्न।
9. राम कैकेयी इच्छानुसारं वन गतवान्।
10. वन तत् सुग्रीव आञ्जनेय च प्राप्तवान्।
11. रावण वन सीता अपहृतवान्।
12. राम अतीव दुःखित अभवत्।
13. आञ्जनेय साहाय्येन राम सीता पुनः प्राप्तवान्।
14. वनवास समाप्य अयोध्या प्रति आगतवान्।

उदा० – 1. ..रामः.. .अयोध्यायाः .....महाराजः... .....आसीत्।
2. ....।
3. ....।
4. ....।
5. ....।
6. ....।
7. ....।
8. ....।
9. ....।
10. ....।
11. ....।
12. ....।
13. ....।
14. ....।

अभ्यासः – 284

सप्तसु विभक्तिषु प्रयोगाः

✍ **शब्दानाम् उचितानि विभक्तिरूपाणि लिखित्वा कथां पुनः लिखन्तु–**

[शब्दों के उचित विभक्ति–रूपों को लिखकर कथा को पुनः लिखिए। Rewrite the story by using proper *Vibhakti* forms of the words.]

उदा०– 1. एक वृद्ध आसीत्।

2. तत् चत्वारः पुत्र आसन्।

3. ते अतीव अलस आसन्।

4. अलस पुत्र दृष्ट्वा वृद्धः कदाचित् एक उपाय चिन्तितवान्।

5. तत् पुत्र आहूय उक्तवान् क्षेत्र धन अस्ति।

6. कुत्र अस्ति इति अस्मद् विस्मृतवान्।

7. भवत् अन्विष्य स्वीकुर्वन्तु।

8. सुख जीवन्तु इति।

9. पुत्र सन्तोष क्षेत्र खनन कृतवन्तः।

10. कुत्रापि धनं न लब्धम्।

11. खातभूमि धान्य वपन कृत्वा कृषि कृतवन्तः।

12. जनक आशय ज्ञात्वा तत् सन्तुष्ट अभवन्।

13. अनन्तरम् आलस्य परित्यज्य सुख जीवितवन्तः।

उदा०– 1. ..एकः... ......वृद्धः..... ....आसीत्.।

2. ....।

3. ....।

4. ....।

5. ....।

6. ....।

7. ....।

8. ....।

9. ....।

10. ....।

11. ....।

12. ....।

13. ....।

अभ्यासः – 285

सम्भाषणे समुचितं द्वितीयं वाक्यं मञ्जूषातः लिखन्तु—

1. नन्दिनि, किं भवत्याः दर्शनम् एव नास्ति।
   .... ।
2. ग्रामे कः विशेषः आसीत् ?
   .... ।
3. भवत्याः जनकस्य षष्टिवर्षाणि वा ?
   .... ।
4. किं किम् आसीत्।
   .... ।
5. केषां सम्माननं कृतवन्तः ?
   .... ।
6. युक्तं कृतम्। निःस्वार्थभावेन समाजसेवायां निमग्नानां सम्माननकर्तारः विरलाः एव। कदा आगतवती ग्रामतः ?
   .... ।
7. तथापि दर्शनं न अभवत्।
   .... ।
8. इदानीं भवत्याः पुत्रः कथम् अस्ति? वैद्यं दर्शितवती वा ?
   .... ।
9. घर्मस्य आधिक्येन तथा जातं स्यात्।
   .... ।
10. आगच्छतु, गृहं गच्छाव।
   .... ।
11. तर्हि श्वः आगच्छतु।
   .... ।

आम्।
आम्, ग्रामं गतवती आसम्।
सायं च केषाञ्चन सम्माननम् आसीत्।
ये समाजसेवां निरस्वार्थभावनया कुर्वन्तः सन्ति, तेषां केषाञ्चन सम्माननम् आसीत्।
मम जनकस्य षष्ट्यब्धिसमारम्भः आसीत्।
गतसप्ताहे एव आगवती।
मम पुत्रस्य अनारोग्यम् आसीत्।
आम्।
वातावरणस्य प्रभावः इत्येव उक्तं वैद्येन।
नैव इदानीं गृहं गन्तव्यम्।
तदर्थम् प्रातः पूजाहोमादिकं च आसीत्।
अस्तु श्वः सायम् अवश्यम् आगमिष्यामि।

अभ्यासः – 286

संख्याभ्यासः

✍ **संख्याम् अक्षरैः लिखन्तः कथां पूरयन्तु–**
[संख्या को अक्षरों में लिखते हुए कथा की / घटना की पूर्ति कीजिए। Complete the story / event by writing words in place of numbers.]

I. .... (१) पण्डितः आसीत्। तस्य .... (३) पुत्राः आसन्। तेषु .... (१) पुत्रः मन्दमतिः। एकदा पण्डितः तम् आहूय अवदत् – "आपणं गत्वा .... (५) नारिकेलफलानि, ... (१२) कदलीफलानि च आनयतु"। तदर्थम् .... (१) स्यूतम् .... (१) कूपीं च नयतु इति। मन्दमतिः आपणं गत्वा उक्तवान् .... (५) स्यूतान् .... (१२) कूपीः .... (१) नारिकेलफलं .... (१) कदलीफलं च ददातु इति। आपणिकः तथैव दत्तवान्।

II विश्वनाथस्य गृहे बहवः जनाः सन्ति। तस्य .... (१) सहोदरः वित्तकोषे कार्यं करोति। .... (१) सहोदरी उट्टङ्किका। .... (२) सहोदरौ यन्त्रागारे कार्यं कुरुतः। .... (२) सहोदर्यौ पत्रालये कार्यं कुरुतः। .... (१) सहोदरः विद्यालयं गच्छति। तस्य .... (२) पुत्रौ महाविद्यालयं गच्छतः। .... (२) पुत्र्यौ पञ्चमकक्ष्यायां पठतः। तस्य गृहे .... (१) कर्मकरी कार्यं करोति।

[6.3 तृतीयः पाठः]

श्लोकाभ्यासः

वर्तमाने

6.3.1 क्रियापदश्लोकाः

अधोलिखितपद्यानि पठन्तु। वर्तमानकालिकक्रियापदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–
[निम्नलिखित श्लोकों को पढिये। वर्तमान काल की क्रियाओं को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses. Underline the verbs in present tense.]

हृष्यत्येको मणिं लब्ध्वा कुप्यत्येको ह्यलाभतः।
पश्यत्येव विरक्तोऽत्र न हृष्यति न कुप्यति।

अर्थः– अमूल्यं मणिं प्राप्य एकः सन्तुष्टः भवति। 'तम् अहं न लब्धवान्' इति अपरः कोपं प्राप्नोति। किन्तु वैराग्ययुक्तः तं मणिं दृष्ट्वा अपि न सन्तोषं प्राप्नोति न वा कोपम्!

मतयो यत्र गच्छन्ति तत्र गच्छन्ति वानराः।
शास्त्राणि यत्र गच्छन्ति तत्र गच्छन्ति वै नराः।।

अर्थः– मनः यत्र गच्छति तत्र ये गच्छन्ति ते वानराः। शास्त्राणि विवेकः वा यत्र गच्छन्ति तत्र ये गच्छन्ति ते एव नराः = मनुष्याः। वानर-नरयोः एषः एव भेदः।

अभ्यासः – 287

उपर्युक्तश्लोकयोः अर्थं पठित्वा अधः दत्तानां प्रश्नानाम् उत्तरं लिखन्तु–
[ऊपर कहे गए श्लोकों के अर्थ को समझकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Answer the following questions based on the above given verses.]

1. किं प्राप्य एकः हृष्यति ?
....।
2. किमर्थम् अपरः कुप्यति ?
....।
3. विरक्तः किं करोति ?
....।
4. वानराः के ?
....।
5. नराः के ?
....।

काव्यं करोमि न हि चारुतरं करोमि
यत्नात् करोमि यदि चारुतरं करोमि।
भूपालमौलिमणिमण्डितपादपीठ !
हे साहसाङ्क ! कवयामि वयामि यामि।

अर्थः – कश्चन कुविन्दः भोजमहाराजं वदति–"अहं विशेषप्रयत्नं विना सामान्यकाव्यं रचयितुं शक्नोमि। यदि विशेषप्रयत्नं करोमि तर्हि उत्तमकाव्यं रचयितुं शक्नोमि। हे महाराज ! अहं काव्यं करोमि, वयामि = वस्त्रनिर्माणं करोमि। यामि = गच्छामि" इति।

वने चरामो वसु चाहरामो
नदीस्तरामो न भयं स्मरामः।
इतीरयन्तोऽपि वने किराताः
मुक्तिं गताः रामपदानुषङ्गात्।

(वसु = ऐश्वर्यम्, आहरामः = अपहरामः, ईरयन्तः = वदन्तः, अनुषङ्गः = सम्बन्धः)

अर्थः – 'वयं वने सञ्चरामः, ऐश्वर्यं बलात् आहरामः, नदीः तरामः, भयं न स्मरामः' इति वनवासिनः किराताः वदन्ति। तेषां वाक्येषु 'रामः' इति शब्दः अनायासम् आगतः। तस्य कारणतः एव ते मुक्तिं प्राप्तवन्तः। एवम् अस्ति रामनाममहिमा।

अभ्यासः – 288

उपर्युक्तयोः श्लोकयोः अर्थं पठित्वा अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–
[ऊपर कहे गए श्लोकों के अर्थ को समझकर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Please read the above verses and answer the following questions.]

1. कुविन्दः काव्यं कर्तुं शक्नोति किम् ?
....।
2. उत्तमकाव्यं रचयितुं सः कदा शक्नोति ?
....।
3. किरातैः उच्चारितानि चत्वारि क्रियापदानि कानि ?
....।
4. किराताः कस्मात् कारणात् मुक्तिं गताः ?
....।

आज्ञाद्यर्थेषु

अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा आज्ञार्थकक्रियापदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–
[निम्नलिखित पदों को पढ़कर आज्ञार्थक क्रियाओं को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses and underline the verbs in imperative.]

त्यज दुर्जनसंसर्गं भज साधुसमागमम्।
कुरु पुण्यमहोरात्रं स्मर नाम हरेः सदा।।

(संसर्गः = सम्पर्कः; समागमः = सहवासः; संयोगः)

अर्थः– दुष्टजनानां सहवासं मा कुरु। सज्जनानां सहवासं कुरु। अहोरात्रं पुण्यकार्याणि कुरु। सर्वदा देवस्य नामस्मरणं कुरु।

धर्मं चरत माऽधर्मं सत्यं वदत माऽनृतम्।
दीर्घं पश्यत मा ह्रस्वं परं पश्यत माऽपरम्।।

अर्थः– यूयं धर्मम् आचरत। अधर्मं न आचरत। यूयं सत्यं वदत। असत्यं न वदत। यूयं दीर्घलक्ष्यं पश्यत। अल्पलक्ष्यं मा पश्यत। यूयं श्रेष्ठं तत्त्वं पश्यत। क्षुद्रं तत्त्वं न पश्यत।

अभ्यासः – 289

उपर्युक्तश्लोकयोः अर्थं पठित्वा अधः दत्तेषु वाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–
[ऊपर कहे गए श्लोकों के अर्थ को समझकर नीचे दिए गए वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। please complete the following sentences on the basis of above given verses.]

1. .... मा कुरु। .... सहवासं कुरु।
2. अहोरात्रं .... कुरु।
3. सर्वदा .... कुरु।
4. यूयं .... आचरत। .... न ....।
5. यूयं .... वदत। .... न ....।
6. यूयं .... पश्यत। .... मा ....।
7. यूयं .... पश्यत। .... न ....।

सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु
मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।

(निरामयाः = रोगरहिताः, स्वस्थाः, भद्रम् = मङ्गलम्, दुःखभाक् = दुःखयुक्तः)

अर्थः – लोके सर्वे जनाः सुखयुक्ताः भवन्तु। सर्वे आरोग्ययुक्ताः भवन्तु। सर्वे मङ्गलानि पश्यन्तु। कोऽपि दुःखं न प्राप्नोतु।

अपुत्राः पुत्रिणः सन्तु
पुत्रिणः सन्तु पौत्रिणः।
अधनाः सधनाः सन्तु
सज्जनाः सन्तु निर्भयाः।।

(पुत्रिणः = पुत्रयुक्ताः, अधनाः = निर्धनाः, सधनाः = धनिकाः)

अर्थः – लोके पुत्ररहिताः पुत्रं प्राप्नुवन्तु। ये पुत्रवन्तः सन्ति ते पौत्रान् प्राप्नुवन्तु। निर्धनाः धनिकाः भवन्तु। सज्जनाः भयरहिताः भवन्तु।

अभ्यासः – 290

उपरितनश्लोकयोः अर्थं पठित्वा अधः भागद्वये दत्तानि पदानि योग्यक्रमेण योजयन्तु। ततः सिद्धानि वाक्यानि पुनः लिखन्तु–

[दो भागों में दिए गए अधोनिर्दिष्ट पदों को उपरि लिखित श्लोकों के अर्थ के आधार पर उचित क्रम से मिलाइए एवं समायोजित वाक्यों को पुनः लिखिए। Match the words given in column अ and आ on the basis of the meanings of the above given verses and re-write them.]

	अ	+	आ
I. 1.	सर्वे भवन्तु		भवन्तु
2.	दुःखयुक्ताः		पश्यन्तु
3.	स्वस्थाः		सुखिनः
4.	मङ्गलम्		मा भवन्तु

1. ....सर्वे..... ......भवन्तु... ..सुखिनः..।
2. ....।
3. ....सर्वे... ....।
4. ....।

	अ	+	आ
II.	अपुत्राः		भीतिरहिताः
	पुत्रिणः		धनिकाः
	अधनाः		पुत्रिणः
	सज्जनाः		पौत्रिणः

1. .... सन्तु।
2. .... सन्तु।
3. .... सन्तु।
4. .... सन्तु।

भविष्यकाले

✍ **अधोलिखितं पद्यं पठित्वा भविष्यकालिकक्रियापदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु—**

[निम्नलिखित पद्यों को पढ़कर भविष्यकाल की क्रियाओं को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses and underline the words in future tense.]

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पङ्कजश्रीः।
इत्थं विचिन्तयति कोषगते द्विरेफे
हा हन्त, हन्त ! नलिनीं गज उज्जहार।।

(भास्वान् = सूर्यः, श्रीः = शोभा, इत्थम् = एवं प्रकारेण, द्विरेफः = भ्रमरः, उज्जहार = उत्खातवान्, नाशितवान्, अपहृतवान्)

कश्चन भ्रमरः मधु पिबन् कमले उपविष्टः आसीत्। यदा सूर्यास्तः जातः तदा कमलं मुकुलितं जातम्। कमलस्य अन्तः भ्रमरः बद्धः जातः। तादृशः भ्रमरः "रात्रिः अपगता भविष्यति। प्रभातं च भविष्यति। ततः सूर्योदयः भविष्यति। कमलं च विकसिष्यति। ततः अहम् ...." इति यावत् चिन्तयन् आसीत् तदा कश्चन गजः आगत्य तत् भ्रमरयुक्तं कमलम् एव अनाशयत्। एवं स्वप्नं पश्यन् एव भ्रमरः पञ्चत्वं गतः। मनुष्यस्य अपि जीवने एवं भवति खलु कदाचित् ?

क्त्वा—

अकृत्वा परसन्तापम् अगत्वा खलनम्रताम्।
अनुत्सृज्य सतां वर्त्म यत् स्वल्पम् अपि तद् बहु।।

(परः = अन्यः, खलः = दुर्जनः, अनुत्सृज्य = अत्यक्त्वा, सतां = सज्जानानां, वर्त्म = मार्गः)

अर्थः– परपीडनम् अकृत्वा दुष्टानां आश्रयम् अप्राप्य, सज्जनानां वर्त्म अत्यक्त्वा जीवनं यापयन्तु। एवं कृते यत् स्वल्पम् अपि फलं प्राप्यते तद् एव बहु मन्तव्यम्। यतः तदेव चिरस्थायि शुभपरिणामकरं च भवति।

तुमुन्

उपकर्तुं प्रियं वक्तुं
कर्तुं स्नेहमकृत्रिमम्।
सज्जनानां स्वभावोऽयं
केनेन्दुः शिशिरीकृतः।।

(इन्दुः = चन्द्रः, शिशिरीकृतः = शीतलीकृतः)

अर्थः – सज्जनाः विशेषकारणं विना अपि उपकारं कुर्वन्ति। प्रियवचनानि वदन्ति, निर्व्याजस्नेहं च कुर्वन्ति। एषः तेषां स्वभावः अस्ति। इन्दुः न हि केनापि शीतलीकृतः। स तु स्वभावतः एव शीतलः भवति।

अभ्यासः – 291

उपयुर्क्तश्लोकानाम् अर्थं पठित्वा अधः दत्तानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–
[उपर्युक्त श्लोकों के अर्थ समझकर अधोनिर्दिष्ट प्रश्नों के उत्तर लिखिए। Please read the above given verses and answer the following questions.]

1. भ्रमरः कुत्र आसीत् ?

....।

2. गजः किम् अखादत् ?

....।

3. केषां मार्गं न त्यजेम ?

....।

4. सज्जनाः कीदृशं स्नेहं कुर्वन्ति ?

....।

5. सज्जनाः कीदृशानि वचनानि वदन्ति ?

....।

[6.3.2 विभक्तिश्लोकाः]

6.3.2.1 द्वितीया

अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा द्वितीयान्तानि पदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–

[निम्नलिखित पद्यों को पढ़कर द्वितीया विभक्ति वाले पदों को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses and underline the words in second case - ending.]

वसुदेवसुतं देवं कंसचाणूरमर्दनम्।
देवकीपरमानन्दं कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्।।

(वन्दे = नमामि, नमस्करोमि)

अर्थः– कृष्णः वसुदेवस्य पुत्रः। देवक्याः आनन्दस्य वर्धकः। कंसचाणूरनामकयोः राक्षसयोः संहारकः। सः जगद्गुरुः अपि। तं कृष्णम् अहं नमामि।

रामं स्कन्दं हनूमन्तं वैनतेयं वृकोदरम्।
शयने यः स्मरेन्नित्यं दुःस्वप्नस्तस्य नश्यति।।

(वैनतेयः = गरुडः, वृकोदरः = भीमः, स्कन्दः = षण्मुखः)

अर्थः– यः शयनसमये रामं, षण्मुखम्, आञ्जनेयं, गरुडं, भीमं च स्मरति तस्य दुःस्वप्नाः नश्यन्ति।

अच्युतं केशवं रामनारायणं
कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम्।
श्रीधरं माधवं गोपिकावल्लभं
जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे।।

(भजे = भजामि)

श्रीकृष्णस्य नामानि बहूनि – अच्युतः, केशवः, रामः, नारायणः, कृष्णः, दामोदरः, वासुदेवः, हरिः, श्रीधरः, माधवः, गोपीवल्लभः, जानकीपतिः, रामचन्द्रः, इत्यादीनि। तादृशं कृष्णम् अहं भजामि।

अभ्यासः – 292

 **'द्वितीया' सम्बद्धान् श्लोकान् पठित्वा अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–**

['द्वितीया' विभक्ति से सम्बद्ध श्लोकों को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Please answer the following questions by going through the verses related to second case - ending.]

1. कृष्णः कस्य पुत्रः ?

   ....।

2. कृष्णः कयोः मर्दनः ?

   ....।

3. कृष्णः कस्याः आनन्दवर्धकः ?

   ....।

4. रामस्कन्दादीनां स्मरणतः के नश्यन्ति ?

   ....।

5. त्वं कं भजसि ?

   ....।

6.3.2.2 तृतीया

 **अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा तृतीयान्तपदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–**

[निम्नलिखित पद्यों को पढकर तृतीयान्त पदों को रेखाङ्कित कीजिए। [Read the following verses and underline the words ending in third case - ending.]

गन्धेन हीनं सुमनं न शोभते,
दन्तैर्विहीनं वदनं न भाति।
सत्येन हीनं वचनं न दीप्यते
पुण्येन हीनः पुरुषो जघन्यः।।

(न शोभते = न भाति = न दीप्यते = न शोभां ददाति, जघन्यः – निन्दायोग्यः, सुमनं = पुष्पम्)

अर्थः– गन्धः नास्तिं चेत् पुष्पस्य शोभा नास्ति। दन्ताः न सन्ति चेत् मुखस्य शोभा नास्ति। सत्ययुक्तता नास्ति चेत् वचनस्य शोभा नास्ति। यः पुण्यसम्पादनं न करोति तस्यापि शोभा नास्ति।

दम्भेन धर्मं कपटेन मैत्रीं
सुखेन विद्यां परुषेण नारीम्।
परोपतापेन समृद्धभावं
वाञ्छन्ति ये व्यक्तमपण्डितास्ते।

(दम्भेन = बाह्याडम्बरेण, परुषेण – कठोरतागुणेन, उपतापः = पीडनम्, व्यक्तम् = स्पष्टतया)

अर्थः– दम्भेन बाह्याडम्बरेण ये धर्मं पुण्यम् उपार्जितुम् इच्छन्ति, कपटेन = छलेन ये मैत्रीं निर्वाहयितुम् इच्छन्ति, क्लेशं = परिश्रमं विना सुखेन एव ये विद्याम् उपार्जितुम् इच्छन्ति, परुषेण = कठोरत्वेन ये नारीं वशीकर्त्तुम् इच्छन्ति, परपीडनेन = दुर्बलानां दरिद्राणां वा शोषणेन ये समृद्धिं वाञ्छन्ति ते निश्चयेन अपण्डिताः मूर्खाः एव सन्ति।

विना–

विना शीलेन वनिता
वाग्मिता विद्यया विना।
विनयेन विना वित्तं
मास्तु कस्यापि देहिनः।।

(वित्तं = धनम्, देहिनः = मानवस्य)

अर्थः– शीलेन विना स्त्री न शोभते। विद्यया विना वक्तृत्वं न शोभते। विनयेन विना सम्पत्तिः न शोभते। अतः शीलविहीना स्त्री, विद्याविहीना वक्तृता, विनयविहीनं धनं च कस्यापि जनस्य न भवतु।

सह–

पञ्चभिः सह गन्तव्यं स्थातव्यं पञ्चभिः सह।
पञ्चभिः सह वक्तव्यं न दुःखं पञ्चभिः सह।।

अर्थः– यात्रादिप्रसङ्गे बहुभिः जनैः सह गन्तव्यम्। बहुभिः सह वासः करणीयः। बहुभिः सह सम्भाषणं परामर्शादिकं करणीयम्। एवं बहुभिः सह मिलित्वा कार्यकरणेन दुःखं न भवति। (अस्मिन् श्लोके पञ्च इति सङ्ख्या बहुलतां सूचयति।)

अभ्यासः – 293

✍ **'तृतीया' सम्बद्धश्लोकान् पठित्वा अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–**
[तृतीया विभक्ति से सम्बद्ध श्लोकों को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Please answer the following questions by going through the verses related to third case - ending.]

1. कीदृशं पुष्पं न शोभते ?
....।
2. कीदृशं वदनं न भाति ?
....।
3. कीदृशः पुरुषः निन्द्यः ?
....।
4. ये कपटेन मैत्रीं वाञ्छन्ति ते के ?
....।
5. वक्तृत्वं कया विना न शोभते ?
....।
6. सम्पत्तिः केन विना न शोभते ?
....।
7. किं बहून् न वदेम ?
....।

6.3.2.3 चतुर्थी

✍ **अधोलिखित–पद्यानि पठित्वा चतुर्थ्यन्तपदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–**
[निम्नलिखित पद्यों को पढकर चतुर्थ्यन्त पदों को रेखाङ्कित कीजिए। [Read the following verses and underline the words in fourth case - ending.]

रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे।
रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः।।

(वेधसे = सृष्टिकारकाय)

अर्थः– रामाय नमः। रामभद्राय नमः। रामचन्द्राय नमः। संसारस्य कारकाय रामाय नमः। रघूणां नाथाय नमः। प्रभुरूपाय नमः। सीतायाः पतये नमः।

विद्या विवादाय धनं मदाय
शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोर्विपरीतमेतत्
ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

(परेषाम् = अन्यजनानाम्, खलस्य = दुर्जनस्य विपरीतम् = विरुद्धम्)

अर्थः– दुर्जनस्य विद्या विवादाय भवति, धनं मदाय भवति, शक्तिः परेषां परिपीडनाय भवति। किन्तु सज्जनस्य विद्या ज्ञानाय, धनं दानाय, शक्तिः परेषां रक्षणाय च भवति। सज्जनदुर्जनयोः एषः भेदः।

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय
भस्माङ्गरागाय महेश्वराय।
नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय
तस्मै 'न'-काराय नमः शिवाय।।

शिवः सर्पं हाररूपेण धृतवान्। सः त्रिनेत्रः। सः भस्मलेपनं करोति। सः महेश्वरः नित्यः शुद्धः च। सः दिगम्बरः अपि। 'ओं नमः शिवाय' इति वाक्ये यः 'न' कारः अस्ति, तेन एव निर्दिष्टं शिवस्य स्वरूपं सङ्केतितं भवति। तादृशाय शिवाय नमः।

अभ्यासः – 294

✍ **'चतुर्थी' सम्बद्धश्लोकानाम् अर्थं पठित्वा अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तरं लिखन्तु–**
[चतुर्थी विभक्ति से सम्बद्ध श्लोकों का अर्थ समझकर अधोलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए। please answer the following questions by going through the verses related to fourth case - ending.]

1. रामः कस्याः पतिः ? केषां नाथः ?
.... । .... ।
2. दुर्जनस्य विद्या किन्निमित्तं भवति ?
.... ।
3. सज्जनस्य शक्तिः किन्निमित्तं भवति ?
.... ।
4. शिवः सर्पं केन रूपेण धृतवान् अस्ति ?
.... ।
5. शिवस्य कति लोचनानि ?
.... ।

6.3.2.4 पञ्चमी

✍ **अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा पञ्चम्यन्तपदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–**
[निम्नलिखित पद्यों को पढ़कर पञ्चम्यन्त पदों को रेखाङ्कित कीजिए। [Please read the following verses and underline the words in fifth case - ending.]

मानाद्वा यदि वा क्रोधात्
लोभाद्वा यदि वा भयात्।
यो न्यायमन्यथा ब्रूते
स याति नरकं नरः।।

(ब्रूते = वदति, याति = गच्छति)

यः मानवः अभिमानकारणतः, क्रोधकारणतः, लोभकारणतः, भयकारणतः वा न्यायम् अन्यायरूपेण वदति, सः नरकं गच्छति।

धर्मादर्थात् भयात् कामात् कारुण्यादिति भारत।
दानं पञ्चविधं ज्ञेयम् इति विज्ञा ब्रुवन्ति हि।।

जनाः प्रायः धर्मकारणतः, स्वलाभकारणतः, भयकारणतः, विशेषेच्छाकारणतः, दयाकारणतः च दानं कुर्वन्ति इति पण्डिताः वदन्ति।

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

जनाः विद्याभ्यासतः विनयं प्राप्नुवन्ति। विनयात् योग्यतां प्राप्नुवन्ति। योग्यतातः धनं प्राप्नुवन्ति। धनात् धर्माचरणसामर्थ्यं प्राप्नुवन्ति। ततः सुखं प्राप्नुवन्ति।

अभ्यासः – 295

✍ **'पञ्चमी' सम्बद्धश्लोकानाम् अर्थं पठित्वा अधस्तनवाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**
[पञ्चमी विभक्ति से सम्बद्ध श्लोकों का अर्थ समझकर अधोलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। Please read the meanings of the verses related to fifth case - ending and fill in the blanks in the following sentences.]

1. मानात्, ..., लोभात्, ... च केचन न्यायम् अन्यायरूपेण वदन्ति।
2. धर्मात्, ..., भयात्, ..., ... इति दानं पञ्चविधम्।
3. विद्यातः ...., विनयतः ...., पात्रत्वात् .... च जनाः प्राप्नुवन्ति।
4. धनात् .... धर्मात् .... च जनाः प्राप्नुवन्ति।

6.3.2.5 षष्ठी

✍ **अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा षष्ठ्यन्तपदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–**
[निम्नलिखित पद्यों को पढ़कर षष्ठी विभक्ति वाले पदों को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses and underline the words in sixth case - ending.]

पुण्यस्य फलमिच्छन्ति पुण्यं नेच्छन्ति मानवाः।
फलं पापस्य नेच्छन्ति पापं कुर्वन्ति यत्नतः।।

जनाः पुण्यस्य फलम् इच्छन्ति। किन्तु पुण्यकार्याणि न कुर्वन्ति। पापस्य फलं तु न इच्छन्ति। किन्तु व्यवहारेण पापम् एव आचरन्ति।

आदानस्य प्रदानस्य कर्तव्यस्य च कर्मणः ।
क्षिप्रमक्रियमाणस्य कालः पिबति तद्रसम् ।।

(आदानम् = विद्याग्रहणम्, क्षिप्रम् – शीघ्रम्)

विद्यायाः ग्रहणम् धनस्य दानम्, करणीयं कर्म च यदि शीघ्रं न कुर्मः तर्हि कालः तत् नाशयति ।

पापानां शोधकं नित्यं परानन्दस्य बोधकम् ।
रोचकं चित्तवृत्तीनां भजध्वं नाम मङ्गलम् ।।

(भजध्वम् = भजतु)

भगवन्नाम पापानां निवारकम् अस्ति । तत् परमानन्दं बोधयति । मनसि रुचिम् उत्पादयति । अतः तत् मङ्गलकरं भगवन्नाम सदा उच्चारयन्तु ।

अभ्यासः – 296

'षष्ठी' सम्बद्धश्लोकानाम् अर्थं पठित्वा अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–
[षष्ठी विभक्ति से सम्बद्ध श्लोकों के अर्थ समझकर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । Please read the meanings of the following verses and answer the following questions.]

1. मानवाः कस्य फलम् इच्छन्ति ?
.... ।
2. मानवाः प्रयत्नेन किम् आचरन्ति ?
.... ।
3. करणीयं कार्यं शीघ्रं न कुर्मः चेत् किं भवति ?
.... ।

4. भगवन्नाम केषां निवारकम् अस्ति ?

.... ।

5. भगवन्नाम किम् उत्पादयति ?

.... ।

6.3.2.6 सप्तमी

अधोलिखितानि पद्यानि पठित्वा सप्तम्यन्तपदानि रेखाङ्कितानि कुर्वन्तु–

[निम्नलिखित पद्यों को पढ़कर सप्तम्यन्तपदों को रेखाङ्कित कीजिए। Read the following verses and underline the words in seventh case - ending.]

शैले शैले न माणिक्यं मौक्तिकं न गजे गजे[1] ।
सज्जनाः न हि सर्वत्र चन्दनं न वने वने ।।

सर्वेषु पर्वतेषु माणिक्यानि न भवन्ति। विशिष्टेषु केषुचित् पर्वतेषु तानि भवन्ति। सर्वेषां गजानां कुम्भस्थले मौक्तिकं न भवति। केषाञ्चित् एव गजानां कुम्भस्थले तत् भवति। सज्जनाः सर्वत्र न भवन्ति, केषुचित् एव प्रदेशेषु भवन्ति। चन्दनवृक्षः अपि सर्वेषु वनेषु न भवति। केषुचित् एव अरण्येषु भवति।

न देवो विद्यते काष्ठे न पाषाणे न मृण्मये।
भावे हि विद्यते देवः तस्मात् भावो हि कारणम् ।।

देवः काष्ठमूर्तौ, पाषाणमूर्तौ, मृन्मयमूर्तौ वा वस्तुतः न भवति। यस्य यत्र देवबुद्धिः तत्र सः देवं पश्यति। वयं पाषाणमूर्तौ देवं पश्यामः चेत् तां मूर्तिं देवमूर्तिं भावयामः। एवमेव अन्यमूर्तिविषये अपि। अतः अस्माकं भावना एव मुख्या एतद्विषये।

परनिन्दासु पाण्डित्यं स्वेषु कार्येष्वनुद्यमः।
प्रद्वेषश्च गुणज्ञेषु पन्थानो ह्यापदां त्रयः।।

यः अन्यजनानां निन्दने पाण्डित्यं दर्शयति, यः स्वकर्तव्यानां विषये अनादरं प्रकटयति, गुणयुक्तजनान् प्रति द्वेषं यः करोति सः जीवने विपत्तिं सम्मुखीकरोति। एते त्रयः अपि अंशाः विपत्कारकाः।

---

1. 'गजमस्तके मौक्तिकं भवति' एतत् कथनं किंवदन्तीरूपम् अस्ति, न तु वास्तविकम्।

अभ्यासः – 297

✍ **अधस्तनप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–**

[अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। Please answer the following questions .]

1. माणिक्यानि कुत्र न भवन्ति ?

   ....।

2. चन्दनं कुत्र भवति ?

   ....।

3. देवः केषु अस्ति ?

   ....।

4. परनिन्दासु पाण्डित्यं यः प्रदर्शयति तस्य किं भवति ?

   ....।

6.4 पत्रलेखनम्

जीवने पत्राणां महत्वं कः न जानाति ? प्रतिदिनं वयं पत्रस्य आवश्यकताम् अनुभवामः। पारिवारिक-वृत्तस्य आदानप्रदानाय, निमन्त्रण-दानाय विविधेषु अवसरेषु शुभकामनादि-सन्देशानां प्रेषणाय च प्रायेण वयं पत्र-व्यवहारं कुर्मः।

न केवलम् एतदेव, अपि तु विविधेषु व्यवसायेषु कार्यालयेषु च विविधानि प्रयोजनानि उद्दिश्य वयं विविधप्रकारकाणि पत्राणि लिखामः। इत्थं च पत्रस्य द्विविधं स्वरूपं भवति।

(i) वैयक्तिकम्।
(ii) व्यावसायिकं कार्यालयीयं वा।

वैयक्तिक-पत्रस्य स्वरूपम्

(1) ....

(2) ....
....
....

(3) ....

(4) ....

(5) ....।

(6) ....
....
....।

(7) ....

(8) ....
....
....

❖ **संख्याभिः निर्दिश्यमानाः वर्ण्यविषयाः-**

1. माङ्गलिक-पदम्।
2. स्थानं दिनाङ्कः च।
3. सम्बोधनम्।
4. नमस्कारः अभिवन्दनम् आशीर्वचनं वा।
5. कुशलसूचना।
6. सन्देशः।
7. उपसंहृतिः।
8. प्रेषकस्य परिचयः हस्ताक्षरं च।

6.4.1 वैयक्तिक–पत्रस्य उदाहरणम्

(1) ॐ

(2) दिनाङ्कः ....
नवदेहली

(3) आदरणीयेषु मातापितृचरणेषु

(4) सादरं वन्दनानि

(5) अत्र कुशलं तत्र अस्तु। (6) भवतां पत्रं ह्यः एव आगतम्। पत्रं पठित्वा गृहस्य सर्वमपि वृत्तं ज्ञातवान्। अस्माकम् अध्ययनम् सम्यक् प्रचलति। अर्द्धवार्षिकीं परीक्षां दत्वा अहं शीघ्रमेव गृहम् आगमिष्यामि।

(7) शेषं सर्वं कुशलम्। भवतां पत्रोत्तर–प्रतीक्षायां भविष्यामि।

(8) भावत्कः पुत्रः
देवानन्दः

इदानीं वयं वैयक्तिक–पत्रलेखनाय प्रतिभागं किञ्चिद् विचारयामः।

(1) माङ्गलिकं पदम्–

✉ **वैयक्तिक–पत्रस्य प्रारम्भे प्रायः मङ्गलसूचकं पदं लिखामः।**

यथा– (i) श्रीः
(ii) ओम्
(iii) ॐ नमः शिवाय
(iv) ॐ नमः गणेशाय
(v) श्री गुरवे नमः

एताः पत्रस्य शीर्षिकाः सन्ति।

2. स्थानं दिनाङ्कः च।

 शीर्षिकां लिखित्वा यः पत्रं लिखति, सः स्वकीयं पत्र–सङ्केतं लिखति।
 अधोलिखितपत्रसङ्केतं पठन्तु, तदनुसारं प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखन्तु–

ॐ

दिनाङ्कः– 10–10–2001
115, कृष्ण नगरम्
जयपुरम्

....

....

....।

....
....।

....।

....
....
....

अभ्यासः – 298

प्र०– 1. यः पत्रं लिखति सः कुत्र वसति ?
यथा– उ० यः... पत्रं... लिखति.... सः.... जयपुरे.... वसति..................।
प्र०– 2. कृष्णनगरं कुत्र अस्ति ?
उ० ....।
प्र०– 3. यः पत्रं लिखति तस्य गृह–संख्या का अस्ति ?
उ० ....।
प्र०– 4. यः पत्रं लिखति सः पत्रसङ्केतं कुत्र लिखति, दक्षिणे कोणे / वामे कोणे वा ?
उ० ....।

3–4. सम्बोधनम्, अभिवादनम्, आशीर्वचनं, वा– *(यं प्रति लिखामः तं प्रति)*

अधोलिखितां तालिकां पठन्तु–

यं प्रति	सम्बोधनम्	नमस्कारः / अभिवादनम् / आशीर्वचनं वा
मित्रं प्रति	प्रिय वयस्य !	सस्नेहं नमस्ते
गुरुजनान् प्रति	परमपूज्यगुरुवर्याः !	सादरं प्रणामाः
शिष्यं प्रति	प्रिय शिष्य !	शुभाशिषः
जनकं प्रति	परमपूज्यपितृमहाभागाः !	सादरं प्रणमामि
अम्बां प्रति	परमपूज्ये अम्ब !	सादरं चरणवन्दनानि
भगिनीं प्रति	प्रिये भगिनि !	सस्नेहप्रणामाः
अनुजं प्रति	प्रिय अनुज !	आशीर्वादाः
सखीं प्रति	प्रिये सखि !	नमस्ते
....	....	....

अभ्यासः – 299

अधोलिखितां सारणीं पूरयन्तु–

यं प्रति	सम्बोधनम्	नमस्कारः / अभिवादनम् / आशीर्वचनं वा
अम्बां प्रति	....	....
जनकं प्रति	....	....
गुरुं प्रति	....	....
अग्रजं प्रति	....	....
अनुजं प्रति	....	....
भगिनीं प्रति	....	....
मित्रं प्रति	....	....
सखीं प्रति	....	....
पितामहं प्रति	....	....
पितामहीं प्रति	....	....

5. कुशलम्

(i) **पत्रस्य प्रारम्भे कुशलनिवेदनम् एवं कुर्मः–**
यथा–अहम् अत्र कुशली।

- भवान् / भवती अपि सकुशलः / सकुशला इति विश्वसिमि / चिन्तयामि।
- अत्र कुशलं / शं तत्र अपि अस्तु।
- ईश्वरस्य कृपया अत्र सर्वे कुशलिनः।
- तत्र सर्वं कुशलं खलु ?

(ii) **पत्रस्य उत्तरे यत् लिखामः तस्य उदाहरणं पठन्तु–**

- भवतः पत्रं प्राप्तम्।
- भवान् संस्कृतं पठति इति ज्ञात्वा अतीव प्रसन्नः अस्मि।
- पत्रस्य उत्तरे विलम्बः जातः। क्षमायाचनां करोमि।
- पत्रं पठित्वा चिन्ता जाता। किमपि निदानाय लिखामि।
- वर्धापनपत्रं प्राप्तवान् / प्राप्तवती। धन्यवादः।

अभ्यासः – 300

✍ **रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–**

पत्रस्य आरम्भे	पत्रस्य उत्तरे
(i) अत्र कुशलं / शं ....।	(i) .... पत्रं प्राप्तम्।
(ii) अहम् अत्र ....।	(ii) वर्धापनपत्रं ....। ....।
(iii) ईश्वरस्य कृपया ....।	(iii) पत्रस्य उत्तरे ....। ....।
(iv) तत्र सर्वं .... ?	(iv) पत्रं पठित्वा ....। ....।
(v) भवान् अपि .... इति चिन्तयामि।	(v) भवतः परीक्षापरिणामं पठित्वा ....।

6. सन्देशः

सन्देशे विविधप्रकारकाणां समाचाराणाम् आदानं प्रदानं च भवति। तद् भवान् स्वयमपि लेखितुं शक्नोति।

7. उपसंहृतिः

✍ पत्रस्य समापने प्रायः लिखामः–

(i) सर्वेभ्यः मम प्रणामाः।

(ii) अनुजाय / अनुजायै आशीर्वादाः।

(iii) कृपया शीघ्रम् एव पत्रोत्तरं प्रेषयन्तु।

(iv) शेषं पुनः लेखिष्यामि।

(v) काले काले पत्रेण स्ववृत्तान्तं सूचयन्तु।

अभ्यासः – 301

1. भवतां मित्रं रुग्णम् अस्ति। पत्रस्य अन्ते भवन्तः किं लेखिष्यन्ति इति शुद्धम् उत्तरं चिह्नितं कुर्वन्तु–

- ◆ शेषं पुनः लेखिष्यामि। ☐
- ◆ कदाचित् पत्रेण स्ववृत्तान्तं सूचयतु। ☐
- ◆ शीघ्रमेव स्वस्वास्थ्यविषये सूचयतु। ☐

2. भवतः विद्यालये वार्षिकी परीक्षा आसीत्। जनकं प्रति भवान् / भवती पत्रं लिखति। परिणामं च सूचयति। अन्ते किं लेखिष्यति / शुद्धम् उत्तरं चिह्नितं करोतु–

- ◆ मम विषये चिन्तां न कुर्वन्तु। ☐
- ◆ पत्रोत्तरं शीघ्रं यच्छन्तु। ☐
- ◆ अहम् अत्र कुशली / कुशलिनी। भवत्कृते स्वास्थ्यम् इच्छामि। ☐

3. भवतः मित्रस्य विवाहः निश्चितः जातः। तं वर्धापयितुं भवान् / भवती छात्रावासतः पत्रं लिखति। पत्रस्य अन्ते कथं समापनं करिष्यति इति शुद्धोत्तरं चिह्नितं करोतु–

- ◆ तस्य दिनस्य उत्सुकतया प्रतीक्षां करोमि। ☐
- ◆ पत्रं पठित्वा अहम् अतीव प्रसन्नः / प्रसन्ना अभवम्। ☐
- ◆ भगवतः कृपया अत्र सर्वं कुशलम्। ☐

8. प्रेषकस्य परिचयः–

यः पत्रं लिखति, सः स्वपरिचयम् अपि लिखति ततः हस्ताक्षरं करोति।

 **परिचयं कथं लिखामः ? इति प्रश्ने अधोलिखिततालिकां पठन्तु–**

यं प्रति		प्रेषकस्य परिचयः
(i) जनकं प्रति / अम्बां प्रति		*भवदीयः पुत्रः /*
	ह0	....
		भवदीया पुत्री
	ह0	....
(ii) मित्रं प्रति		*भवदीयः प्रियसखा /*
	ह0	....
		भवदीया प्रियसखी
	ह0	....
(iii) गुरुं प्रति		*भवताम् आज्ञाकारी शिष्यः /*
	ह0	....
		भवताम् आज्ञाकारिणी शिष्या
	ह0	....
(iv) अनुजं प्रति		*भवतः शुभाकाङ्क्षी /*
	ह0	....
		भवतः शुभाकाङ्क्षिणी
	ह0	....
(v) अग्रजं प्रति		*भवतः अनुजः / अनुजा*
	ह0	....

अभ्यासः – 302

अधोलिखितान् प्रति परिचयशब्दान् लिखन्तु–

(i) आचार्यां प्रति ....
रमा

(ii) अम्बां प्रति ....
सुरेशः

(iii) अनुजां प्रति ....
सुकान्ता

(iv) अग्रजं प्रति ....
प्रणवः

(v) जनकं प्रति ....
सुषमा

स्वीकर्तुः पत्रसङ्केतः–


पत्रसङ्केते अपेक्षितः क्रमः–

(i) आदरसूचकः शब्दः	श्री / श्रीमान् / श्रीमती / कुमारी
(ii) स्वीकर्तुः नाम	रामस्वरूप वर्मा
(iii) गृहसंख्या / खण्डसंख्या	4
(iv) मार्ग–संख्या	6 (यदि स्यात्)
(v) ग्रामस्य नाम	नाग (यदि स्यात्)
(vi) पत्रालयः	तामली (यदि स्यात्)
(vii) मण्डलस्य नाम	चम्पावतम् (यदि स्यात्)
(viii) प्रदेशस्य नाम	उत्तराञ्चलः
(ix) देशस्य नाम	भारतम् (विदेशात् एव)
(x) पत्रालयकूटसंख्या	☐☐☐☐☐☐

प्रायः नगरेषु ग्रामस्य, पत्रालयस्य मण्डलस्य च नाम न लिखामः। अपितु उपनगरस्य, नगरस्य, प्रदेशस्य नाम एव लिखामः। यदा विदेशात् पत्रं लिखामः तदा देशस्य नाम अपि लिखामः।

अभ्यासः – 303

1. अग्रे लिखितं पत्रसङ्केतं पठन्तु। तदनुसारं यथोचितं रिक्तस्थानानि पूरयन्तु–

श्री रामप्रकाश शुक्लः
40/2, मार्गसंख्या 6,
कैलाशनगरम्,
वृन्दावनम्, मथुरा
उत्तरप्रदेशः

2	8	1	1	2	1

(i) आदरसूचकः शब्दः ....
(ii) नाम ....
(iii) गृहसंख्या ....
(iv) मार्गसंख्या ....
(v) ग्रामस्य नाम ....
(vi) पत्रालयस्य नाम ....
(vii) मण्डलस्य नाम ....
(viii) उपनगरस्य नाम ....
(ix) नगरस्य नाम ....
(x) प्रदेशस्य नाम ....
(xi) देशस्य नाम ....
(xii) पत्रालयकूटसंख्या ....

2. अत्र किं न पूरितम् अस्ति–
डॉ० महेन्द्रराव: ....
प्लाट–संख्या – 65, मार्ग–संख्या – 5,
वेङ्कटरमण कालोनी, नागोल,
रंगारेड्डीमण्डलम्, आन्ध्रप्रदेशः

3. अत्र किं त्यक्तम् अस्ति–
श्रीमती कमला भारतीय ....
ग्राम– तिलकपुरः, पत्रालयः– बामदेव बाजार,
मण्डलम्– वाँका (   )

8	1	3	1	0	7

4. सुश्री सीमा राव ....
प्लाट–संख्या– 10, ग्रीक्षेम कालोनी,
उड़ीसा

7	5	2	0	0	2

5. श्री ....
छात्रावासः, प्रकोष्ठसंख्या, 40, ...
संस्कृत अकादमी, द्वारका,
जामनगरम्, गुर्जरप्रदेशः

1	3	3	6	3	5

पत्रप्रारूपम्–

✉ सखीं प्रति दिनचर्याविषये पत्रलेखनम्–

ॐ

छात्रावासः
जम्मू
विक्रमसंवत्–2058
श्रावणपूर्णिमा
तदनुसारम्
दिनाङ्कः–02/10/01

प्रियसखि विनीते !
सस्नेहं नमस्ते।

अत्र सर्वगतं कुशलम्। भवती अपि स्वस्था इति मम आशा। भवती दिनचर्यां ज्ञातुम् इच्छति। अतः लिखामि।

अत्र अहं पञ्चवादने उत्तिष्ठामि। सार्धपञ्चवादनात् सार्धषड्वादनपर्यन्तं व्यायामं करोमि। अष्टवादनतः अध्यापनं प्रचलति। मध्याह्ने एकवादने भोजनावकाशः। सायं पादोनचतुर्वादने क्रीडामि। सार्धसप्तवादने सन्ध्यादिकं कृत्वा भोजनाय गच्छामि।

दशवादनपर्यन्तं पठामि। अत्र मम सर्वाः अपि सहपाठिन्यः सहयोगेन प्रेमपूर्वकं वसन्ति। अहम् अतीव प्रसन्ना अस्मि। शिक्षकगणाः अपि अस्मासु पितृवत् स्निह्यन्ति। इति शम्।

सर्वेभ्यः नमः। मां न विस्मरतु। यदा कदाचित् पत्रेण वार्ता सूचयतु।

भवदीया प्रियसखी
अवन्तिका

पत्रसङ्केतः
कुमारी स्नेहप्रभा
ई/डी 94, टैगोरगार्डन,
नवदेहली | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 7 |

अभ्यासः – 304

पत्रं पठित्वा अधोलिखितप्रश्नान् उत्तरन्तु–

(i) पत्रं का लिखति ?
(ii) पत्रं कुतः लिखति ?
(iii) यां प्रति पत्रं लिखति सा कुत्र वसति ?
(iv) सा सम्बोधने किं लिखति ?
(v) कुशलसूचकं वाक्यं पुनः लिखत ?
(vi) पत्रे कस्याः वर्णनम् अस्ति ?
(vii) अवन्तिका व्यायामं कदा करोति ?
(viii) छात्रावासे छात्राः मध्याह्ने कदा भोजनं कुर्वन्ति ?
(ix) पत्रस्य अन्ते यत् वाक्यं लिखितं तत् पुनः लिखन्तु।
(x) अवन्तिकायाः सखी कुत्र वसति ?
(xi) पत्रं कस्यां तिथौ लिखितम् ?
(xii) हस्ताक्षरेभ्यः पूर्वं ये परिचयशब्दा लिखिताः तान् अत्र लिखन्तु ?
.................................।

✍ **उदाहरणरूपेण अत्र कतिचन उदाहरणानि दत्तानि सन्ति। तानि सम्यक् परिशीलयन्तु–**

1. जनकं प्रति पुत्रः–

।। श्री ।।

विद्यारण्यपुरम्
चैन्नै – 14
02.02.94

परमपूज्यानां पितृचरणानां पादयोः साष्टाङ्गप्रणामाः।

अत्र अहं कुशली। तत्रापि भवन्तः सर्वे कुशलिनः इति भावयामि। अत्र मम अध्ययनं सम्यक् प्रचलति। अर्धवार्षिकी परीक्षा समाप्ता। परिणामः अपि प्रकटितः। सर्वविषयेषु अपि उत्तमाः अङ्काः आगताः सन्ति। गणिते केवलं 70 अङ्कान् प्राप्तवान् अस्मि। अग्रिमकाले गणितार्थम् अधिकम् अवधानं ददामि।

अत्र मम आरोग्यं सम्यक् अस्ति। मम विषये चिन्तां मा कुर्वन्तु। गृहस्य स्मरणं सदा भवति। अत्र मम मित्राणि उत्तमानि सन्ति। तैः सह स्नेहेन आनन्देन च अस्मि।

जनन्यै मम साष्टाङ्गप्रणामाः। भगिन्यै शुभाशीर्वादाः। पत्रं लिखन्तु।

भवदीयः पुत्रः
रविः

2. जनकः पुत्र्यै–



लक्ष्मणपुरी
14.09.97

प्रिये वत्से !
अनेके शुभाशयाः।

मन्ये भवती कुशलिनी इति। भवत्याः गृहे सर्वे कुशलिनः खलु ? भवत्याः जननी सर्वदा भवतीं स्मरति। भवत्याः पुत्रस्य परीक्षा कदा भविष्यति ? ग्रीष्मविरामस्य आरम्भः कदा भविष्यति ? विरामावसरे भवती पुत्रेण सह अत्र आगच्छतु। भवत्याः सख्यः अपि भवतीं बहु स्मरन्ति। भवत्याः श्वशुरस्य आरोग्यम् इदानीं कथम् अस्ति ? तस्मै मम नमस्कारान् सूचयतु। अन्यत् सर्वं कुशलम्। गृहे सर्वेभ्यः मम नमस्काराः। सौरभाय शुभाशिषः।

भवदीयः पिता
रामप्रकाशः

3. पतिः पत्न्यै –

।। श्रीमात्रे नमः ।।

हरिद्वारम्
माघ–शुद्धद्वादशी

प्रियश्रीमत्यै,

अद्य भवत्याः पत्रं प्राप्तवान्। अहं कुशली एव। भवन्तः सर्वे कुशलिनः इति भावयामि। मम कार्यालयस्य कार्यं सम्यक् प्रचलति। अहं प्रतिदिनं नूतनान् अनुभवान् प्राप्नोमि। भवत्याः स्मरणं सर्वदा भवति। अत्रत्यं मम कार्यं अस्मिन् सप्ताहे न भवेत् इति भाति। अहं प्रायशः अग्रिमरविवासरे गृहम् आगमिष्यामि। राहुलस्य जन्मदिने अवश्यं तत्र भविष्यामि इति तं वदतु। माता समये औषधादिकं स्वीकरोति खलु ? तस्याः विषये भवती अवधानं ददाति इति मम विश्वासः अस्ति। राहुलः यत् पुस्तकम् इष्टवान् तत् क्रीतवान् अस्मि। अन्यत् सर्वं कुशलम्। भवत्याः स्वास्थ्यविषये निर्लक्ष्यं न करोतु।

भवदीयः
हरीशः

4. मित्रस्य पत्रस्य उत्तरम् –

।। जय श्रीराम ।।

भोपाल

04.06.95

प्रिय वरुण !

अहम् अत्र कुशली। भवतः पत्रं दृष्ट्वा मम महान् सन्तोषः जातः। भवान् तरणस्पर्धायां सुवर्णपदकं प्राप्तवान् इति ज्ञात्वा महान् सन्तोषः जातः। सफलतायै अभिनन्दनम्। तरणाभ्यासः सम्यक् प्रचलति खलु। किं रे। पूर्वं भवान् मीनः आसीत् वा ? भवान् सम्यक् परिश्रमं करोति फलमपि प्राप्नोति अतः मम बहु आनन्दः अभवत्। गृहे सर्वे कथं सन्ति ? मम जननी भवन्तं बहु स्मरति। विरामकाले भवन्तम् आगन्तुं सूचितवती अस्ति। अन्यत् सर्वं कुशलम्। पत्रं लिखीत खलु।

भवदीयः स्नेहाङ्कितः
प्रदीपः

अभ्यासः – 305

✍ **अधोलिखितशब्दान् उचिते स्तम्भे पूरयन्तु–**

जय श्रीरामः	शुभाशयाः	आदरणीय गुरो !	कथमस्ति भवान्?	नमस्काराः,
ॐ	भूयांसि नमांसि	सादरं वन्दे	14.12.82	प्रिय शिष्य
सादरं वन्दे	धन्यवादा	श्रीः	इति भवदीया	राकेशः
5.6.97	श्रीगुरुभ्यो नमः	आत्मीये लते	चन्द्रपालः	प्रिय मित्र !
गोरखपुरम्	प्रिय अम्ब	आदरपूर्वकाः प्रणामाः	शशाङ्कः	जनन्यै नमः
इति प्रियमित्रम् ।	पटना			

शीर्षिका	सम्बोधनम्	अभिवादनम्	समाप्तिः	हस्ताङ्कनम्

अभ्यासः – 306

✍ **पत्रस्य विषयं पठित्वा शीर्षक–सम्बोधन–समाप्त्यादिकम् विचारयन्तु–**

....

....

..............,

....

कथमस्ति भवान् ? मां स्मरति खलु। मम अम्बा सर्वदा गिरीशस्य पत्रम् आगतं न वा ? इति पृच्छति। भवतः पठनं कथं प्रचलति ? देहल्याः वातावरणं भवान् जानात्येव। इदानीं बहु शैत्यम् अस्ति। अत एव प्रातः शीघ्रं न उत्तिष्ठामि। परश्वः (18–09–94) मम विद्यालये भाषणस्पर्धा भविष्यति। अहम् अपि भागं ग्रहीष्यामि। 'अरुण ! उत्तिष्ठतु' इति दशवारम् अम्बा माम् आह्वयति। अहम् तदनन्तरमेव उत्तिष्ठामि। भवतः स्नेहमयव्यवहारं सर्वदा स्मरामि। भवादृशमित्राणि विरलतया एव लभ्यन्ते। अन्यत् सर्वं कुशलम्। भवतः मातापितृभ्यां मम नमस्काराः। पत्रं लिखतु।

....

....

शुभाशयाः

दीपावली शुभाशयाः

- दीपावली भवतां जीवने उन्नत्याः
  समृद्धेः प्रकाशं पूरयतु।
- शुभं करोतु कल्याणमारोग्यं धनसम्पदः।
  शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते।
- दीपज्योतिः परं ब्रह्म दीपज्योतिर्जनार्दनः।
  दीपो हरतु मे पापं दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते।।

युगादिशुभाशयाः

- नववर्षं नवचैतन्यं ददातु।
- भूयात् नूतनवत्सरः शिवमयः शान्तिप्रदः श्रीमताम्।
- भवतां नववर्षम् उल्लासपूर्णं भवेत्।
- सफलतायै अभिनन्दनम्।
- शतं जीव शरदो वर्धमानः।
- पुत्रोत्पत्तौ वर्धापनानि।
- भवतोः दाम्पत्यजीवनं सुखमयं भूयात्।
- मकरसङ्क्रान्तिशुभाशयाः।
- होलिकोत्सवस्य शुभकामनाः।
- रक्षाबन्धनोत्सवे हार्दिक्यः शुभकामनाः।
- संस्कृतदिवसस्य शुभाशयाः।
- नित्यं प्रीतिकराः भवन्तु भवतां
  सर्वेऽनुकूला ग्रहाः।
- 'ईद' उत्सवस्य शुभाशयाः।
- क्रिस्मस' दिवसस्य हार्दिकी शुभकामना।
- सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
  सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।
- शुभाः ते सन्तु पन्थानः।
- भवदीयः समारम्भः यशस्वी भवतु।
- करोतु भव्यं भवतां रमेशः।

6.4.2 व्यावसायिककार्यालयीय—पत्राणि

✉ भवन्तः इदानीं व्यक्तिगतपत्राणि लेखितुं जानन्ति। कानिचित् पत्राणि व्यावसायिकानि कार्यालयीयानि वा भवन्ति।

यथा— क. पुस्तकविक्रेतारं प्रति पुस्तकक्रयणार्थम्।

ख. दूरदर्शनस्य निदेशकं प्रति संस्कृतनाटकानां प्रसारणार्थम्।

ग. पत्रिकासम्पादकं प्रति ग्राहकतायै।

घ. समाचारपत्रस्य सम्पादकं प्रति, उद्यानस्य दुरवस्थापरिहाराय।

ङ. प्रधानाचार्यं / प्रधानाचार्यां प्रति अवकाशस्य स्वीकरणाय। इत्यादयः।

📖 ध्यानेन पठन्तु-

पत्रप्रारूपम्

द्वारा—

विष्णुकान्त मिश्रः
कक्षसंख्या – 7, छात्रावासः,
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः
जगतगंजः
वाराणसी, उत्तरप्रदेशः
पत्राचारकूटसंख्या – 221 002

सेवायाम्,

मान्यवर निदेशकमहोदय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम्
56 – 57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया,
डी ब्लाक, जनकपुरी, नवदेहली – 110 011

विषयः— संस्थानेन प्रकाशितानां संस्कृतशिक्षणपुस्तकानां क्रयणसन्दर्भे

महोदय,

राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थानेन प्रकाशितां संस्कृतशिक्षणपुस्तकमालाम् अहं क्रेतुम् इच्छामि। कृपया सम्पूर्णपाठ्यक्रमस्य प्रतिकृतिद्वयं वी० पी० पी० द्वारा प्रेषयितुं व्यवस्थां कुर्वन्तु इति निवेदयति।

सधन्यवादम्

भवदीयः

....

(विष्णुकान्त मिश्रः)

वाराणसी
02.10.2001

पत्रसङ्केतः

सेवायाम्,

....

....

.... | | | | | | |

द्वारा–

....

....

.... | | | | | | |

व्यावसायिक / कार्यालयीयपत्र–प्रारूपम्

सकाशात्,

....
....
....
....

I. लेखकस्य सङ्केतः

सविधे,

....
....
....
....

II. स्वीकर्तुः सङ्केतः

विषयः– ....

III. विषयनाम

........................,

IV. सम्बोधनम्

....
....
....
....।

V. प्रतिपाद्यः विषयः

VI. उपसंहारः

....
....

VII. हस्ताङ्कनं पदं च

....
....

....
....
....

VIII. स्थलम्, दिनाङ्कः

I. पत्रस्य आदौ उपरितनभागे पत्रलेखकस्य सङ्केतः लेखनीयः भवति। लेखकस्य पदनिर्देशः अपि कृतः चेत् उत्तमम्।

II. स्वीकर्तुः सङ्केतः लेखकस्य सङ्केतस्य अधोभागे भवति। स्वीकर्तुः नामलेखनम् अनिवार्यं न। पदोल्लेखः अवश्यं करणीयः भवति।

III. स्वीकर्तुः सङ्केतस्य अधोभागे विषयनाम इति भागः भवति। तत्र यस्मिन् विषये पत्रं लिख्यमानम् अस्ति एकवाक्येन सः विषयः लिखितः भवति।

IV. पत्रस्वीकर्तुः पदम् उल्लिख्य तस्य सम्बोधनं भवति।

यथा– सम्पादकमहाशय,
मान्नीय – प्रधानमन्त्रिमहोदय,
आदरणीय – निदेशक महोदय
मान्याः

V. विषयभागे साक्षात् विषयस्य उपस्थापनं भवति। कुशलप्रश्नादिकं वैयक्तिकपत्रे न भवति।

VI. उपसंहारः इति भागे सामान्यतः 'भवदीयः भवदीया इत्यादयः भवन्ति।

VII. हस्ताङ्कनस्थाने हस्ताङ्कनेन सह पदनिर्देशः अपि भवति।

VIII. अधः वामभागे स्थलनिर्देशः भवति। तस्य एव अधः पत्रप्रेषणस्य दिनाङ्कः अपि भवति।

कार्यालयीयं पत्रम्

विरामार्थं प्राचार्याय प्रार्थना पत्रम्

सकाशात्,
रामप्रसादशर्मा
संस्कृताध्यापकः
पाणिनिसंस्कृतमहाविद्यालयः,
गोरक्षपुरम्

सविधे,
प्राचार्यः
पाणिनिसंस्कृतमहाविद्यालयः
गोरक्षपुरम्

विषयः– भगिन्याः विवाहार्थं दिनद्वयस्य विरामाय प्रार्थना

आदरणीय प्राचार्यमहोदय,

मम भगिन्याः विवाहः 18–08–96 दिनाङ्के भविष्यति। तस्मिन् कार्यक्रमे मम उपस्थितिः अनिवार्या अस्ति इति कारणतः 17, 18 च दिनयोः अहं विद्यालये उपस्थातुं न शक्ष्यामि। अतः 17, 18 दिनद्वयं विरामं यच्छतु इति निवेदयति।

गोरक्षपुरम्
15–08–96

भवदीयः विधेयः
रामप्रसादशर्मा
(संस्कृताध्यापकः)

पत्रिकासम्पादकाय।

सम्पादकः,
'सम्भाषणसन्देशः' मासपत्रिका
बेङ्गलूरू – 25

मान्याः,

प्रतिमासं सम्भाषणसन्देशं पठामि। गतमासस्य पत्रिकायां प्रकटीकृतं **'सारस्वतीयं खलु सिन्धुसंस्कृतिः'** इति लेखः बहु उत्तमः अस्ति। एषः लेखः इतिहासस्य पुनश्चिन्तनाय मनसः प्रवर्तनं करोति। ईदृशान् लेखान् सर्वदा अधिकाधिकं प्रकाशयन्तु इति निवेदयामि।

भवदीयः
रामचन्द्रः
इन्दौर (मध्यप्रदेशः)

अभ्यासः – 307

✍ अधोलिखितविषयान् अधिकृत्य पत्राणि लिखन्तु।

1. जनकः पुत्रं प्रति– परीक्षा सन्निहिता अस्ति। 'परीक्षार्थं कथं पूर्वसज्जा करणीया' इत्यस्मिन् विषये जनकः मार्गदर्शनं करोति। पठनार्थम् अवधातव्यान् अंशान् ज्ञापयति।

2. पुत्री जनकं प्रति– पुत्री गृहे वसति। तत्रत्यां दिनचर्यां विवृत्य जननीं प्रति पत्रं लिखति। नूतनाभिः सखीभिः सह प्राप्तान् अनुभवान् जनन्यै लिखति।

3. सहोदरः सहोदरीं प्रति– जनकस्य अस्वास्थ्यविषये सहोदरः सहोदर्यै पत्रं लिखति। किं जातम् आसीत्? किं कृतम् ? तस्य स्थितिः कथम् अस्ति' इत्यादिकं विवृत्य एकवारम् आगत्य मिलतु इति सूचयति।

4. पुत्री जनकाय– पुत्रस्य जन्मदिनोत्सवः निश्चितः। दिनाङ्कादिकं संसूच्य जनकं जननीं च शीघ्रम् आगन्तुं प्रार्थयति।

5. सखी सखीं प्रति– ग्रामस्य वातावरणं विवृत्य विरामसमये स्वग्रामम् आगन्तुं प्रेरयति।

6. प्रथमस्थानं प्राप्तवते मित्राय– कौशिकाय, सत्यजित् अभिनन्दनपुरस्सरं पत्रं प्रेषयति।

7. दीपावलीशुभाशयान् संसूच्य अग्रजाय– सुमन्त्रः पत्रं प्रेषयति।

8. पत्रिकासम्पादकाय– कश्चित् लेखकः लेखं सम्प्रेष्य प्रकाशनार्थं निवेदयति।

9. दूरदर्शनकेन्द्रतः प्रसारितस्य संस्कृतनाटकस्य प्रशंसां कृत्वा निदेशकाय– कश्चित् संस्कृतप्रेमी पत्रं लिखति।

10. जलमण्डल्यै – जलपूरणव्यवस्थायां जातस्य विघ्नस्य निवारणार्थं श्रीनिवासनगरस्य जनाः निवेदनं कुर्वन्ति।

☆ ☆ ☆

Teach Yourself Samskrit

पञ्चमी दीक्षा
व्युत्पादिनी

चतुर्थी दीक्षा
काव्यावगाहनी

तृतीया दीक्षा
काव्यावतरणी

द्वितीया दीक्षा
व्यवहारावगाहनी

प्रथमा दीक्षा
व्यवहारावतरणी

संस्कृतस्वाध्यायः



राष्ट्रिय संस्कृत संस्थानम्
नव देहली